

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,  
JAMMU

MS 62  
- ६४३

No.	क
Title	शृंगार रस मयूरी
Author	(१) कवि रत्न, कीर्तिदास रुद्र प्रह्लादः (२) (३)
Extent	३२५
Age	
Subject	काव्य २६२ (हिन्दी)



23  
262  
6

22

३

३







३६

२३

5472

I - 97

II - 165

262

तं. २२३ क  
श्रृंगार राग साधरी

म त - ३२०

६ अ. राग

१० अ. क. राग

१० अ. क. राग

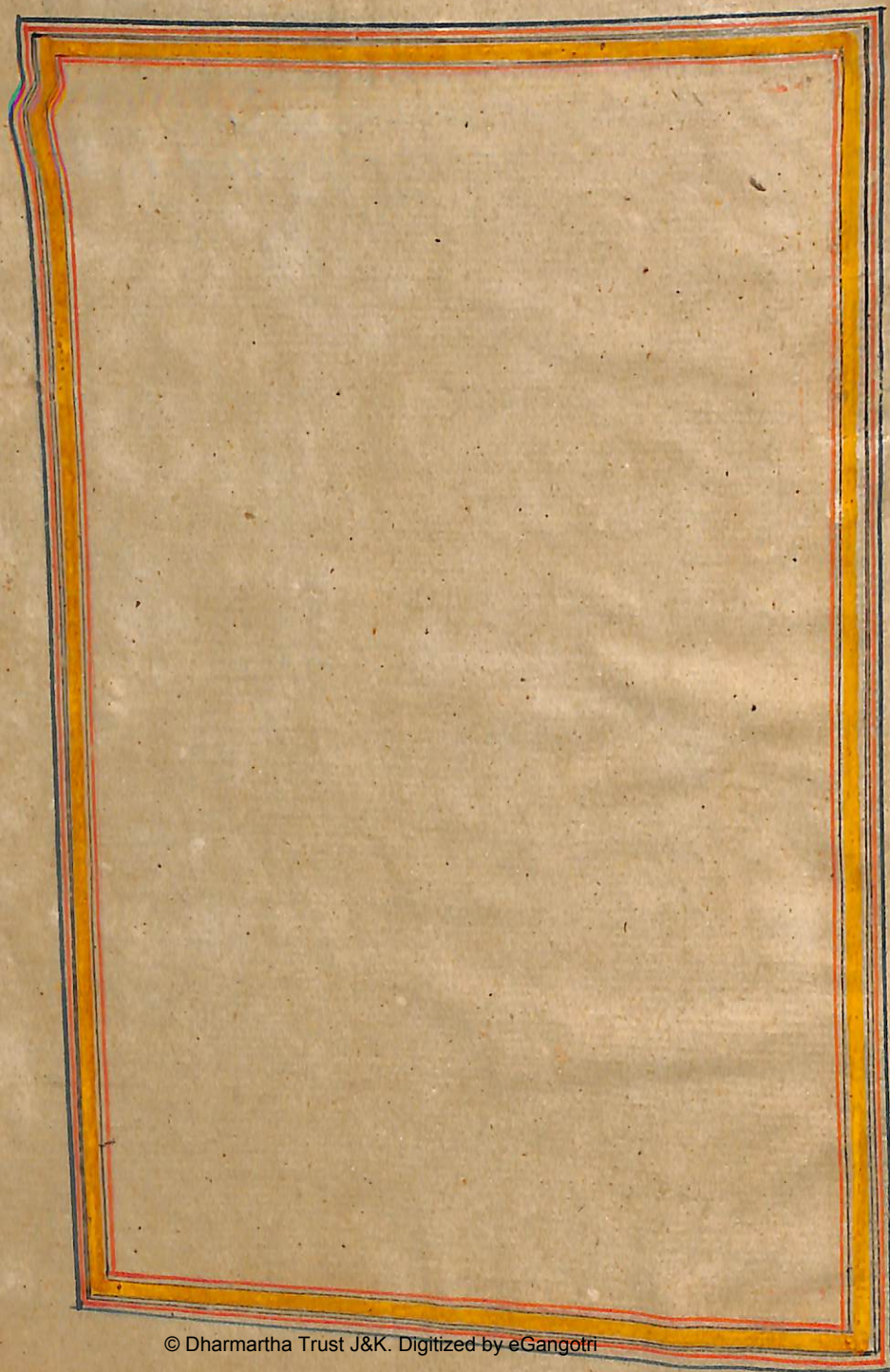




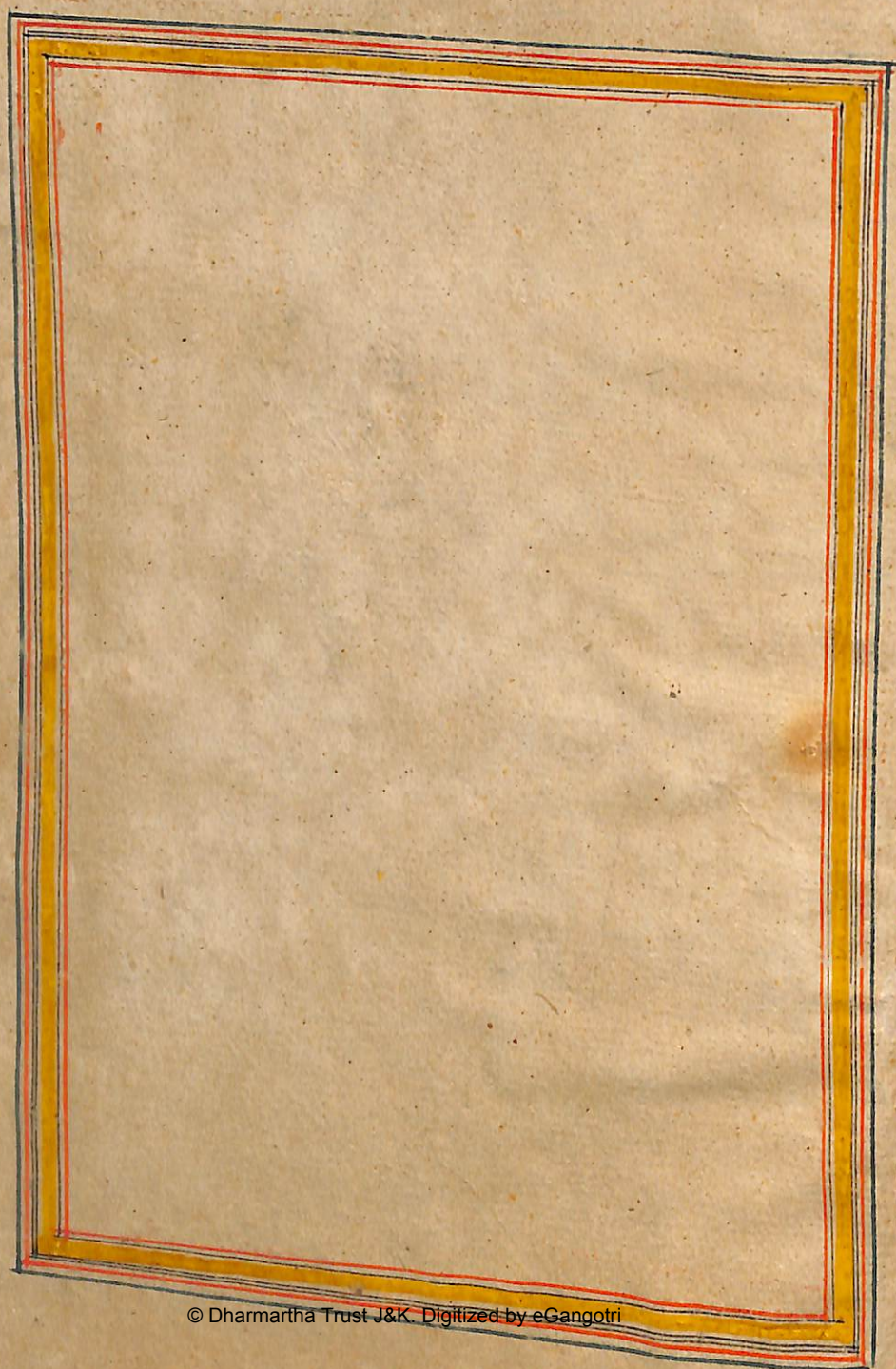




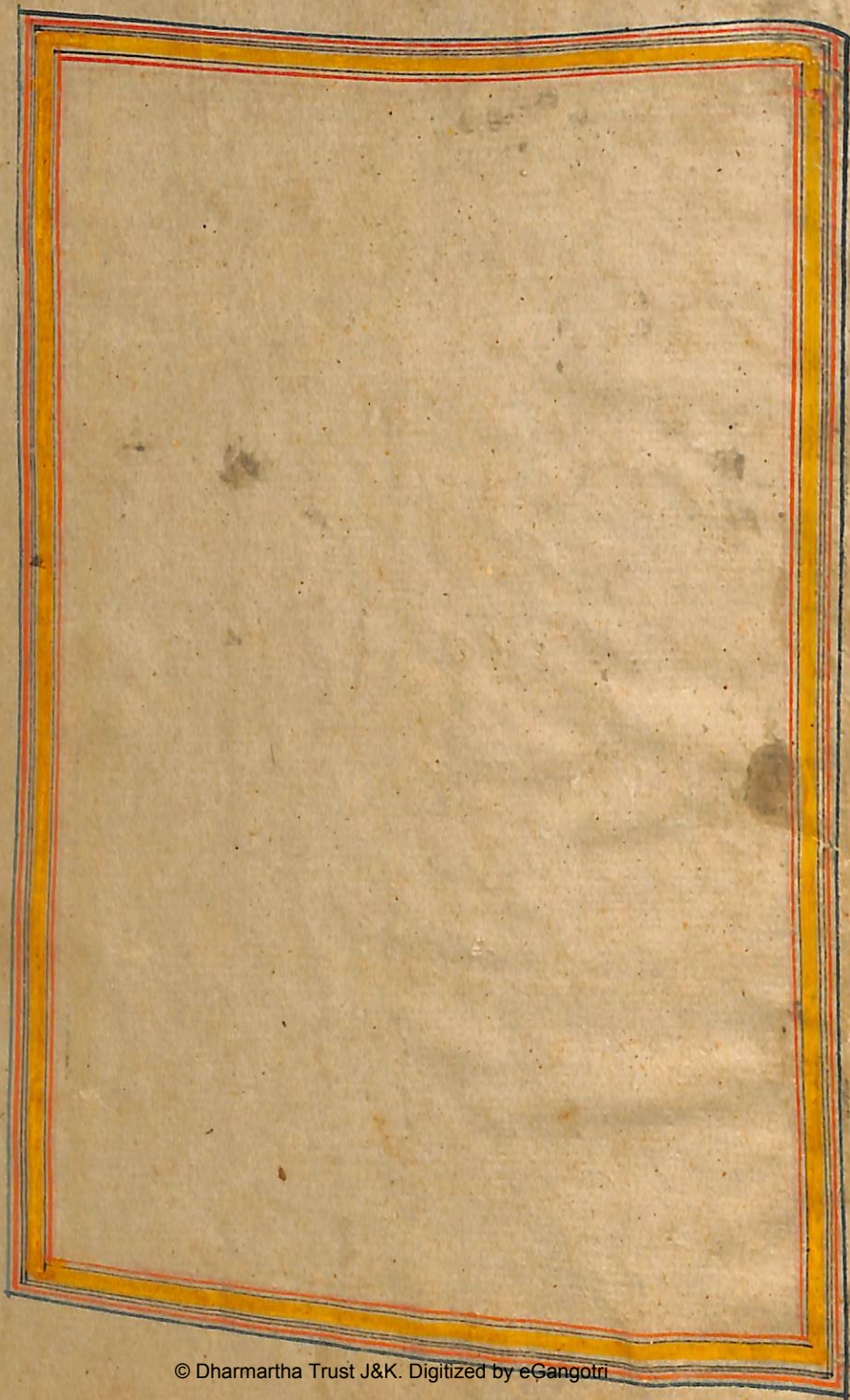














72 38

Handwritten text in Devanagari script, enclosed in a decorative border. The text is arranged in approximately 15 horizontal lines. The border consists of multiple concentric lines in yellow, red, and blue. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper.



श्री-

२

५

व

५२

ॐ श्रीगणेशाय नमः श्रद्धां गार  
 रसमापुरीलियाते छपे विचन  
 हरनसुषकरननामउचरनसुभवि  
 तरन कंजदरनजगचरनसरनन  
 रसंकटउतरन मदमत्तंगश्रीमोद  
 मधुरमोदककरिमंडुत मनमोद  
 कबहुसंडुतंउतेउवविधिपंडित  
 हेरंभरकुश्रवलंचजगदुषकदेव  
 तेवियकरन जयकदेतमनिवे  
 तवरचंदमालभायउपरन १ सेले  
 पः नवरसनामानि राजतललि  
 तसिंगारकलितउपहासउदतन  
 श्रीकुलंगोकुलवाल्निरषिवि  
 स्तरजवीरपन लोचनहरिपतिश्र  
 रुतसिधिलकरभयउपजावत श्र  
 वतसिषररसरंगश्रंगश्रंगनिसर



सावत देवतश्चमेषश्च निमेषजनन  
 वालचरित्रविचित्रविधि गिरिगज  
 उपरनसमयहरिविलसतनवरस  
 दरसनिधि २ देसवरनने दोहा रत  
 नवंसउपजतरतनतिनरतननकी  
 २५ कोन जगयाहरिआडोभलोदेसश्च  
 नूपमजानि ३ नगरीवरननेकंद  
 नीसानी लसतमुकटतिहिदेसकै  
 एकविंदवसीपुर चारिचरनसुषसौ  
 वसैजैहैथरतथरमथुर हौमदानज  
 पथानसौवहुगणनमानविधिजहा  
 शक्तसषसाजहीजयद्योषविचिथ  
 विधि ४ कंचनमयमंदिरजहाहीर  
 तसोराजे ऊचेऊचेसिषरपरऊचीथ  
 जछाजै दरदरमंगलसोजहानर  
 नारिसमाजै गांवतगीतउछाहसो



श्रि  
२

निसहिनसुषसाजै ५ गहमहगली  
 वजारकीनवनिधिगलगाजै मह  
 महपवनसगांयवनवेलीरतिकानै  
 देषिसलसोभापुरीअमलावतिला  
 जैवलावंथपतिद्वारजहनयथावा  
 जमीवाजै ६ सवेया सबभूपतिवं  
 ससिरैअवतंसमदाशिवअसनरि  
 देवती महिमानमहिष्पनिहिअ  
 तिकीहृदकिअतिकीहृदहिद्रवती  
 सुषसौसरसीसरसीसरसीसरसरु  
 हसौरस्रवेदवती गनसोअगरीस  
 गरीनगरीअसिराजविराजतिविंद  
 वती अथराजवरननेकवित रूप  
 रुचिरुरेवालभागनसोएरेजिनआ  
 जमसैसरेचकचूडेगडमतीके ती  
 षाकरवारकैविहारनमैआरसनरा



जनअपारणावारवरीरजीके कौरि  
 कवरीसचिरजीवोरावराजाजिनपर  
 नप्रकारपतिपूजैपारवतीके अरिअ  
 रविंदरुचिसंकोचनउंसमहिंदुहद  
 हिंसतिनरिंदविंदवतीके ८ दोहा  
 इकमपाइत्पकोसकविसकलक  
 लानिधिलाल रहसिगारसमायु  
 रीकीनोग्रंथरसाल' सबैया करै  
 पहलैरसकोनिरथारसरोपनिभाव  
 विभाववषान्यो फेरकरुअनभाव  
 निरूपनभावसबैविविचारीविता  
 नौ काविकेपंथनकोरिकग्रंथसहो  
 दधिपंथअमीउरआन्यो भाषोसिगा  
 रमहारसमायुरीभूषनजानोनदूषन  
 जानौ ९ नवरसनामानि छपनै प्र  
 थमवरनिष्प्रिगारहास्यरसफेरिव  
 षानहु औरकरुनरसहोयवीररस



श्रि-

३

पीछे जानहु केरि रौद्र सगिनहु अ  
वारी भछ मानहु कहो भयानकर  
सहि चित यद्गति पुनि आनहु निरखे  
दभेद भेदनि मिलहु हरि रहहु अनर  
सनि सो रहि भाजिलाल पंडित कर  
हु कविता वर सवर सन सो श्रिंगार  
सल कहने रति थारि श्रिंगार सवेदव  
षाने दोरि एक संभोग वषानिये विप्र  
ले वर कहोरि अपने ही मन में रहै ल  
षै सषी जन जानि यो प्रछे न प्रकास  
करि वेद दोर निरवाहि ॥ प्रिया को  
प्रछे न संभोग श्रिंगार यथा कवि न  
असौ कह विचार ही रति विपरीत स  
मै पाग को सो लाल कि ये बाल दर  
साति है प्रेम के हिठो रे रही कंचन ल  
ता सी कलिरं चन मदन मद मानी अ  
रसाती है चंचल चित नौ ठी चीर अंचल



मैराजैकुचरूपरअणारहारछविछ  
 हरातिहै मानोचारभारतीकैधार  
 हैअद्वाजसंभूतिनहीकैसीससुर  
 सरीसरसातिहै ॥ प्रयकोप्रहंन  
 संभोगश्रिंगार यथा सवैया थर  
 नीजलकौतजअंवरमैचपलाचा  
 लचारुविहारकरै कलकंचनके  
 धरनीधरतैधरनीमधिगंगकीधा  
 रपरै यहरेकअनूपमरीतिलषी  
 धरनीमधिप्रानचंदउरै मकरंद  
 कैचंदनिविंदनकोअरविंदनउ  
 परआयअरे ॥ प्रियाकोप्रकाससं  
 भोगश्रिंगारयथा कवित आगेहै  
 सुकेहैदुहंनवनजमानिदारलद  
 कैअलकअछीवरछीकोरेगके ।  
 सीसतैअलितसोमलिनफूलकरै



प्रि-  
ध

मानौ परे विषवि सव अनेग की निषं  
गके अंचल भीजा ज्यो फरहर जप  
रत मोती अंगार गारे गारे गो लिन  
के डंग के कंच की के भंग दोऊ उर  
जउते गार जै छुटो ज्यो मते ग विपरी  
तिरति जंग के १६ प्रय को प्रकास  
सभोग प्रिंगार यथा कवित कीये  
केलि हेम के लिज गल विराजत है  
अलिगन गाजत है सुधा सरराजत  
है अति क्विच्छाजत है पत्र न परत  
है अलिगन गाजत है सुधा सरराज  
त है गंगा पूरवाजत है तारा गुन डोल  
त है पागवत बोलत है जानि न परत  
है रविजग फूलत है कंज जग फूल  
त है विंव अन कूलत है विंव हि हरत  
है १२ प्रया को प्रखें न विप्रलंब प्रिंगा



इयथा कवित सहजकीवानीतेरेमेंद  
 मसकानितिहैमैहसुषआनिजलशर  
 नसोलागोगीतीछनचितौनरानिवि  
 रहविथासों सानिलोपिलाजकुल  
 कानियौहीहृभरोगी प्रीतिकीप्रती  
 तिदैकैवैनचतरीकोलेआपनेईवसकै  
 कैयोनतवजुगोगी येकवारणारकीते  
 प्यारेउतगोनकीजैतेरेमेंअसीखिली  
 जैमैहूतोहिवगोगी ॥ पुनः तेरेअ  
 नदेखेजानजीवनअलेखैउहप्रेमकेप  
 रैधैमरियतहैमसोसेसोपीरनपिराजउ  
 रनैकुतमिराजजियकोंहूनपिराजते  
 रेनैननकोरोसेसों नहीतहीनामज  
 पौजपौजागोवारितामछटोथामवि  
 सरामआनिकामभौउकैसेसो कीने  
 हगमेहपारेपाननूमैयेहविसराईस  
 धिगेहकोसनेहकरैतोसेसो ॥ प्रया



जूँ कौ प्रकास विप्रलेख श्रिंगार यथा ।  
 कवित प्रसौ ब्रज बालन में विरह अ  
 चानक ही वारुँ नेहति रथ लाल गार  
 सी कौ देखि देखि कुंज निके आले पा  
 निसू कि परै कू कि परै जारे को किला  
 न रंग मसी के भोर भट कानै चं पा चि  
 त अट कानै वेग लाव चट काने लाये  
 मंत्र मानौ वसी कौ पीरी परि प्रात लौ  
 जा है या मुरफा पारै कारे परि दि य  
 हिरा या यो मसी को २ पुनः कवित  
 रैन दिन नैन सरिता कौ नीर द्वा उ द्वा उ  
 कौ न ब्रज नारी उही ध्यान मन पारै गी  
 कू दू अति मानी कुविजा सौरति मानी  
 यह जगत कहानी पंच पाव कसी लागे  
 गी रसन रसाला हरि गनन की माला  
 वाला जपत जपत चित अति अनुरागे  
 सिषावत कहारु यो मू यो यह पंथ अ



वशापहीतेजोगकीजातिजियजागे  
 गी २१ पुनः कवित लपटेभुजेगमलै  
 चंदनकेविटपनितिनफनफूंकवि  
 षजारापजरावई मंफलपलासवन  
 वंजलपरांरजग्रहनश्रगनिचिनगा  
 रीवीनिलावई पंकजपरागपरिपूर  
 नमरूरदिकैतेविरहीनाराणवकव  
 रावई याहीतैअनेकलीयैआवत  
 अपारंआंचआलीरीवसंतपोनको  
 नतनतावई २२ प्रियकोप्रछेनवि  
 प्रलंबप्रिंगारयथा कवित प्यारी  
 कैवियोगवनवारीकीनिहारीदसा  
 चेदनविजानीसोनआनीजातिवाती  
 में तटकेनिकरकेनिकुंजनमेंआ  
 गपरीजागीपरीआजरतिराजराजथा  
 नीमें रसमरीरंभनिरसालनिकेपंभ  
 निमेंवेलितमेंफलनिमेंजानीमें वा



प्रि-

६

रणाभोरनिसोच्छा योजनमनाको पूर उरि  
उरिपातपतेगकुलपानीमें २३ पुनः  
कवित नेहकीसिषार्कामदीपकी।  
सिषार्सीदिषार्देनजादिनातैचूचट  
कौफोरिके तादिनातैमोचनलगी।  
हैरुचिरोचनकीमोचनसकोचनके  
फंदजियजेरिके भोरज्योनभ्रमतच  
कोरज्योनचंदचहैबोलतन बोलन  
पपीहाजिमिटेरिके रहैतसानीडु  
तिहनीवरसानीअधियावेसरसानी  
वरसानैतनहेरिके २४ प्रियाकौवि  
प्रलेभअंगारयथा कवित वादि  
ननिसंकजेरीविलोकनिबंकलधि  
परेउरयेकवाकैअनियारेवारसे वै  
हीमगअगानिवियोगमईपैठिगईपी  
तपहलपटनिकारनेविहारसे आ  
धिनवरीहैअनुगागकैकटीहैअंग



अंगनिचरी है अंगसागरै कारसे ।  
 सासनि कैं भारनि उठारै धूमधार फेलै  
 गंजनिके हार फेलो कजाल के अंग  
 रसे २५ दोहा इह विधर सप्रिगार के  
 कीने वेद वषात अवविभाव सवव  
 रनि हौ जानौ सकल सजान २६ इति  
 श्री प्रिगार रसमाधुरी या प्रथमा स्था  
 दः १ अथ विभाव लछने दोहा ३  
 पति परत निहिठौ रस सौ विव करि  
 मान एक आलेवन वरती ये विष उद्गी  
 पन जानि १ वरने ना एक ना रकार स  
 आलेवन रूप उद्गीपन सो भास का  
 ल कहत कविन के भूप २ ना रका  
 ल छने दोहा सेंदर में दिगन न को  
 चेदन चेद समान नंदन नंदन रिंद  
 कौ अति आनंद निधान ३ सकल  
 कलानिधि कलति स्रष अति रुपा



श्रि  
७

गनषानि रतिनारकसारकनयनर्ले  
इकनारकजान ४ इराहरन रूप  
कोउजागरउदारगनसागरमनोजह  
तेआगरनिकेतसुषसाजको अति  
अरवीलोगनगनारवीलोछेलक  
विनछवीलोचितछलवेकेकाल  
को जमनाकैतीरमदुमरलीवजा  
इनैकुहारकअनेकव्रजवालनकी  
लाजकै भालनकोभौनाकरकर  
कोषिलौनाआजहौनाभसौराज  
तदुहौनाव्रजराजको ५ तारकमे  
दनिरूपण दोहा नारकचरप्रका  
रकोहौपहलौअनुकूल दछनम  
ठअरुदृष्टुनिकसोकवनरसस  
ल ६ अमकूललछने दोहा रूप  
नेहवसोककोऔरनजानतिनारि  
सराकरनअनुकूलनासोअनुकूल



विचारि ७ उदाहरनप्रबुद्धेन अतकूल  
 को कवित चंपकनचाषोचितहन  
 अभिलाषोरससारकरिषोसोह  
 भाषोकंजकोनहै मोदनकुमोदन  
 सोमदितमथकसोनछासोगलला  
 लात्योगलाबहूपैगोनहै मालती  
 सकलमीनिशसोमनमान्योहेनसो  
 नजहीभोनतजलीनोमनमोनहै ।  
 माथुरीकोमोनयहीनमथुरमथुपम  
 नजादिनतैसोचलीवनचंदनकीपों  
 नहै ८ प्रकासअवकूलयथा कति  
 त चंपकलतासीचपलासीअतिवा  
 रुमगलोचनीसमाजनिमकलसुष  
 साधिकोविभुतनितरनितरैपणपै  
 चेद्रिकासीसीपरिलषकैहसतिगना  
 यिका एरतपियूसरसप्रतितासीचि  
 तपरितापकोहरतिवहुविधिव्याधि  
 वादिका प्यारेव्रजचंदकीजैविवि



प्रि-  
८

स

धविलासमससौ है रासमंडलरसिक  
मनिरादिका ६ पुनः सवैया आव  
तजातिहरे निजखिदहि आनदकौम  
करंदलभानी कुंजनिगंजरही अलि  
पुंजनि अवरति या अलिनी समजाती  
कामदिने सप्रकांति भासविस्लास अ  
वासवषाणी सुंदरितने वने दन के म  
नपंकजमंदिरमै हरि रानी १ पुनः  
दोहा मोहनमूरति मोदनी है मोह  
नी आधार ताहिलगी मन मोहनी त  
वमोहनी अपार ॥ दक्षिण लछने १  
दोहा रेकै प्रेमदि - वई लहि सुंदरी  
समाज चटि वडि कौजता वई सोदख  
न सिरताज ॥ प्रछे नद कि नयणा  
कुंडलमपुरम कराकृत कपोल लो  
ललोने मुखसपके समरुह नि अरोह  
वोमंगल किरीट मोरचंद्रन की चारु  
छवि अरये विमालवनमालने को १



मोहिबो तैसे रंनवीनकेलिकुंजनकेमें  
 जहोरपीतपटफहरनिदिषिचितपोहि  
 वो सोकसमैगाइनकेपाछैपाछैआ  
 वनमेंभलैवनियोसवगांकुलकोमो  
 हिबो १५ प्रकासदक्षिनयथा कवि  
 त केउराधैतैननिमैसैननिमैकोरु  
 राधैवैननिमैअधिकउसंगसे कोरु  
 मोहभंगानिभिभंगनमैकोउराधीकोउ  
 राधीअंगानिमैबुबिकीतरंगसे कोउ  
 मोरचंद्रिकानिकैउमंदमसकानिवं  
 दिकरिराधीकेरुअंतरिअनंगसे कुं  
 जनिमैआवतविलोकतहीनेहमो  
 तेअंगनासकलरिजैराधीरसरंगमै  
 १५ सठलछन दोहा करतअनी  
 नअनेकविधिसहपरमीठेहोउ कर  
 अपगनमानरहैसठनाउकमोउ १६  
 प्रछैनसठयथा कवित भयहोसदि



9

तमनमपुसमएकमधिमथुरीकेमय  
वसिकीनौमपुपानसो मालतीसकु  
लमीहिलीनीजायसो नजायबोलसि  
रीसमनसषदलापोपानसो लीनोस  
करंदरसमीजिरडमेजरीनिसरससरो  
जपायोसोरभतिपानसो मधुकररा  
जश्रेसेकाजरकरावरेहीकीजियत  
कुंजकुंजगांतआनआनसो १० प्रर्व  
ससठयथा कविने चारचतरामया  
कंचनकेभाजनमेंफटीमीठीमीठीवा  
तनकीवातीकौबनावहै आन २ ओ  
गमाप्रसंगमईकुंभनातेपरितअछेहु  
नेहसोइचितचावहै विरहविषाकी  
जोतिदिनदिनहनीहोनिकाजरपर  
तकौरिकुचनेकहावहै काहरका-  
हितमनफटककेसंपुटमेंकपटकेसी  
पककौप्रगरप्रभावहै ११ धृष्टलच्छ



नयथा दीहा करिअपराधनिसंकमन  
 सदाफूठकीकोति आदरआनअपरा  
 रकैमोपियपीठीवषानि ॥ प्रछेनधु  
 पृथथा कवित होतकहउमडिगम  
 रिअतिष्णामरेगाउचडि २ कहं होतअ  
 वधातहोसोकपरेपीरेहोतसरजकी  
 अंसलागैरानेपरिजातिहुंछानैसरसा  
 तहै अंतरअनेकदामिनीनकोवि  
 लासभरेकोऊसरतानपरफूमिकरु  
 रानहो पौनपुरवारवसअहोचनरु  
 मकहंभागीबरसातकहंछालीदरसा  
 नेहो २ प्रकासधुपृथथा सवैया रं  
 गअनेकदिषावतहोपरिहायहीहा  
 थविकारगयोहै सोरमचावतहीवि  
 नकीचिनिजानैहोअंतरसुनेठयोहै  
 योहीनिमासभरोनितहीअथरासतपा  
 नकीभांनिलयेहै जैसीसदासंगराषी



श्री.

१

10

है वासरी ते से उंग के आप भये हो ॥  
पुनः खालन की चल पेटत का हूँ  
आनन का हूँ लाल निशारे खाल  
निलैर सगा रा हो रति का हूँ करे पि  
चकार की थारै फूल निमार मचावन  
खाल निचूचर को पट का हूँ उचारै ख  
लन वाधति कंज की मालनिका हूँ स  
षान को टेरे पुकारै ॥ उलाला कंठ  
वरने वनाइ कसक लये लाय कर स  
राज को अवनाइ कानवर निहं समति  
सुनहु प्रवन सषसाज को ॥ इति ॥  
श्री श्री गारसमाधुर्या द्वितीये स्वा  
द ॥ अथ नाइका निरूपणं परमप  
दमिनी जाताति पदम सोरभतन कंच  
न चित्रे निचित्र विचित्र गीत कविता  
परपंचन संधि नि सवति य सिंधु संघ  
सम अति रति रंगनि हसति न निसदि



नहसत है रिहसति न से अंगानि येन  
 वति जाते कविलाल भनि जात है की  
 ककलानि पुन हित हिलन मिलन  
 अभिलाष को रेक २ ते अधिक मन  
 पमिनी यथा कवित के चत की वारी  
 लगी विलोक निवारी आ ज फूलिवन  
 वारी हिये आनद की वारी सी चहे उर  
 चाहि २ आचरत ना चाहिये चाचरत चे  
 दल च कोर करै चारी सी ३ त के समीर  
 मोते मोरन की भीरि उत कुंजन ते दोरि  
 र दोरि पुरवारी सी अंगानि के भास भ  
 षन नि के प्रकास मुख चंद के उजास अ  
 ची आवत अधारी सी ४ चित्रिनी यथा  
 कवित वीन के वजावन की कंठ कलं  
 गावन के वजावन की कंठ कलावन  
 की नैन निन चावन की वानि सुषटानि  
 है केलि के कलोलन की माधुरी अ  
 मोलन की मेज मिठ वोलन की आनद



प्रि०

११

नरनिहै लोलग्रवलोलनकीश्रंग  
अचिरैकनिकीकामकलालोकनि  
कीरहीनिजषानिहै चित्रनीविवि  
त्रकहिअननौचरित्रनकीसोभावित्र  
मित्रचितकैसेप्रहिचानेहै २ हस्ति  
नीयथा प्रेमसवैया केतककलि  
नकरियहतसजननोकहकुंजका  
लीगलकिा कोलिप्रहपरसरचि  
यरसिकमननोहनमालतिशोरभर  
किा मलिनमनेगाउनेगागंडुजल  
नेदिनचारिमदकरफकिा फकि  
यगलावविसारिलोलग्रलितोजग  
चतरअतरससुकिा ४ संधिनीय  
था सवैया नितहीनिजनैहनिवा  
हतनिंवनिअवकदंवनमोअसहा  
वहुवेखवूरनिधीरसरीरकरीरचिना  
हियपीरमहा सरसेदरसेउहिसेवरके  
रसयोतरसेकारिकोरिहहा अलि



कीजियोकेलिकनेलकेमेलमैवैलि  
 नसोतमैषेलकहा ५ अथनाइकाभे  
 द सोरठा इकस्त्रीयाअवरेषिआपर  
 कीयाजानियैसामान्यातोलेषियेती  
 न्योग्रेशनिकही ६ दोहरा स्त्रीयाती  
 नप्रकारकीसुगधामध्यामानि जीजी  
 प्रगलभसुंदरीवरनोसकविवषानि  
 सुगधामेद दोहरा सुगधानवलवथक  
 हीनवजोवनआभास नवलअनंगा  
 वरनीयैलगाप्रायेरतास ७ नवलव  
 थयथा कवित औसीअवनीकैमाहि  
 देखीसुनीकहंनहिक्काहूपुरेपुन्यतै  
 पारंभलेसौनमै सोनेकीसीकरीला  
 लहीरेकीसीलरीअंगरकुविभरीअ  
 तिआनंदकेभौनमै सोनेआरंभोरेग  
 नगोरीबीजरीसीकिसोरीवरनोरीवन  
 राजिरहोसौनमै औहोनंदनंदमघ



प्रि-२

१२

मेदसुसकातिभयैकोरिचंदचादनीसी  
फैलीभौनकोनमै १० नवजौवनाय  
था कवित जोवनकैभौनदौरिआ  
ईदिनहैकहीतैसेसचकेमंदरतैपा  
रनिपछेलसी चारभरीचंचलचितो  
नचारुचौरचितकाननलोकरतक  
टाछकलकेलिसी मातीसीरहति  
आतासीछविछातीभरीभोलउतर  
तीचितगतीरहीषेलिसी राजेनवड  
लहीपौरंगभरेआगनसोलहलहेद  
लनिवसंतवनबेलिसी ११ नवल  
अनेगायथा कवित मंदपौनलागे  
सयासिंधुमैतरंगजैसेरंगतैसेअंबर  
मैहोनहीविहानहै आगमवसंत  
जैसेसरसजवेलीवनदरसतजैसेकं  
नपरसनवानहै मेघजलपानका  
रिअंकरअवनिजैसेवीनजैसेजान



करलागतसुजानहै तोहोवालवैसही  
 तिहारीसेजसंगमसोश्रंगनाकेश्रंग २  
 रंगश्रान २ है ॥ लजाप्रापतायथा ॥  
 कवित पंकजकैपातपरपारपौछुआ  
 पिनकौदीजियैछुवनश्रैसीसकुमार  
 गारमें इतेपरलंकश्रितिश्रलपकल  
 कसमदौनासोटिकीहैकहारीलह  
 विजातमें लालनवनेहजललार २  
 लहलहीकीजियैनिदानहौतीदिव  
 सछुसात्रमें सपिनकीसोहनसौसौ  
 रपरजंकश्राइनवडुलहीनश्रजौराव  
 रेकीवातमें १२ पुनः सवैया ब्राका  
 ननकैहिपरानलगेहिपरानलगेनि  
 जनेहनये स्रकुटीकटिसीकरिगि  
 वरिगीचुरिगीचुरिगीछुटिसीछुवि  
 कुचतेगठये श्रंगश्रंगनकैमलकैपु  
 लकैश्रभिलाषनकेचनयोउनये पि  
 यत्पोनचहौनियतोश्रजहंलरिकापु



श्रि-  
१३

१३

नआपुनकेताये १२ मयासयनः दो  
हा कोरिमननकोरिकजतनलहि  
नवलापियसेज चंचलचितवौकन  
रहैलहेननैकुमजेज १५ यथासवै  
या करिसौहसवीजहसारागई तिहि  
सेजहिआयोपीपाराभीनौ चौकि  
पीत्रपलासीतिपाचहुंओरखवेचि  
तचैननलीनो अतिचाचरिकैचु  
रिपानहुहुंकरिषोगहोनीवीकौ  
लालनवीनौ लेअलिकेंडमनोर  
विकौअरुविंदनआलिंगनकीनौ १५  
मयाकोसरतः दोहा काचीरकलि  
नसौअलिनकरोअनराग फूलीर  
हमालतिनमोलौलहोपराग १६ य  
था कवित दीकीअतिनीकीकस्त  
रीकीविसालभालअसीकविहैनस  
ठहैआठैकेमयकसे तैसीयेललि  
ततनलहगाओलालचुनीलावील



दधरैलपीजातिलगीलंकमै शैसीन  
 वडुलहीसुक्रतवेलिउलहेसीलाल  
 गहिलीनीनिचलीनरहैअंकमै चौ  
 किरचसकि २ कैयोभायनसोउछाह  
 लि २ परैप्यारीपरयेकमै १० मर्या  
 कौमान दोहा सोकसधितकीसीष  
 कौसाधामानदिठानि अतिअज्ञान  
 मानैनहीमानतपुनिभयमानि १५ य  
 था सबैथा कोरिउपारनचालरसाल  
 रीफालरीपीयकेप्रेमकीवेली ताहि  
 यहैरितप्रीषममानकहुंपरसेतोने  
 कलकेली योसनिअैनसधीनकेवै  
 नभयीभयभीनीसीभामनवेली सोन  
 सहीतवकीमनोहरहासविलासस  
 थारथकेली १६ अथमथा दोहा १  
 जैराजरतिराजकोरतैलाजकोराज म  
 थानारिउहैनमधिसजनिमकलस



श्रि २  
१५

साज २ मध्याभेद एक आरु उजोवनि  
नाहसरि प्रगलभवचन जानो प्राड  
रभतमनमथासंदरिसरतिविचित्र  
मानो २१ आरु उजोवनालः दोहा १  
शोकसधिनकी सीषकौमुथामान  
हिठानि अतिअजानमानै नहीमान  
तपुनिभयमानि १ जगजालनजोव  
नवलीजोरजवाहरजोति लाति  
जगतिजगमगतसीप्रथमसुमध्या  
होति २२ सवैया हरिभरुसिसजा  
रजनीनअयानतमोगनदेतदिषारु १  
राजतलोचनपंकजस्यौकुचकौक  
मिलैछविलोकसुहार् हौनलापो  
विछियाचटकाहटभषनपंछनकी  
पुनिछार् जागिउद्योमनमैनतरेस  
दिनेस मसैमैससमार् २३  
पुनरयण कवित जोवनजवाहर



की जोति न जलित जो रजगमगी जाति ।  
 आठोदिसि के जदि न सी येते परलाल  
 अंग २ नउमंग भरी राजे नील पट उर  
 रूप उचटन सी सुरस सि सोभा सै क  
 सिमरि रह्यो रही मही तल मांक  
 तम जालन की चटनि सी पावस की  
 चटनि विलोकि वे को अटनि वरी पै  
 छित फटनि सि पावत नटनि सी २४  
 प्रगलभव चनाल दोहा प्रगलभव  
 चनावर नियै मय्या ओही भाव वच  
 नन की राही यकै आठ अने गछि पा  
 व २५ यथा कवित तोलत अने ग  
 अंग डोलत विलास वस वोलत अने  
 कवि पिषोलत ष जानो है लाल अ  
 लवेलेलोललो न के लोभ लागि  
 लोकली कला गिरनै कुतल जानो है  
 उत है गहौ न गोल आत राम नो धे डोल



प्रि-  
१५

मादीसेलकैकैभलैसाजहीसजाने  
है आनंदकेआपनिधिआपहीके  
रामभरेऔरतहीआपगतिआपसम  
मानहै २६ पुनः सवैया नैननकै  
अतिचालचलागेहौजानतहौसब  
आपहीसौजाग गैलाहौकिनछेल  
अनोषेरहोगिरिआगेनरेकौडगौर  
ग अंगअनेगतरेगभरेचित्ररोलत  
बोलतजानिपरेना वागैविनोट  
विंगनवनेअहोजाहुनहीअतकुंज  
नकैमा १७ प्रादुरभूतमनोभवल  
दोहा प्रादुरभूतमनोजकीकलन  
चडैज्योतीतिज्योतीजोवनचंदकी  
अधिकजीह्राहोत १८ यथाकवि  
त षंजनिसेनैननिमैअंजनिदैना  
निमैसषीप्रतिवैननमैनीकेहीलषा  
तहै केलिकेकलोलनमैभावक



अलोलनिमैचंचलकपोलनिमैअति  
 अधिकानहै कविकेतरंगनिमैऔरै  
 औरंगनिमैजोतिभरेअंगनिमैसरस  
 सुहातहै ज्योत्योअवदातरूपरसि  
 दरसातिज्यो ज्योगोरीतेरेगातरतिरा  
 नसरसातिहै २५ विचित्रसुरताल  
 दोहा चौरामीआसननसौकरनसुर  
 नवकुचित्र कहिविचित्रसुरतावहै  
 मध्यामनकीमित्र २६ यथा कवितु  
 फेलिरहेचहूंअचकुरसमहयनवर  
 षतसुमनसलिलविंडुभारीहै दृष्टि  
 उछलतमुक्ताहलबुलाकदलभषन  
 सवदमोरघोरअनकारीहै पुलकत  
 अंगफुलेललितकदंबनषत्रजनके  
 अकंडवपुच्छविधारीहै आनंदवि  
 तानमईलताउरहायनहांयनकौणा  
 रीविपरीतिरतिपावसनिहारीहै २७



प्रि  
२५ प्रि २

१६

१७

मयासुरतोतयया कवित दीनोजे  
वृषंवनिकौसरडकूलकुलकुंभनि  
कौदीनोहारआनेदनिदानहै कान  
नकौकंडलअथरकौतमोपदीनोक  
रनकौकंकनजगलभासमानहै स  
रतसमाग्रंतरीफि २ चैदसुषीजंघ  
जीतिजोधनकौकीनोसनमानहै १  
पाछैपरिरह्योकुहिलारंभह्योकैस  
पासताकोपनिबंधनहीउचितविधा  
नहै १२ पुनः सबैया गतिरवीरति  
रंगपिपासांगालसैअतिहीअल  
मानो मोहतआनयोअमविंडुयोउड  
असीकनसौसरसानो लालकछुक  
पुलीअपीआनमैतारेनकीछुविकै  
सेवधानो साफसमेकेसमीपसरोज  
कैमांफसमेकेसमीपसरोजकैमांफ  
हेथिरह्यैअलिमानो १३ पुनः बंधन



केकचकुटिगायेलहीनैननिनीकीनि  
 रंजनतारै भयेरदनछतरागविनानि  
 रलेपटसाकुचकुंभनिपारै लालल  
 हैअतिनिर्गणतारसनामकतासनि  
 मालसहारै योरनिअतलसैतियमा  
 नहुमैनमहासनिजांगपठारै १५ दो  
 धीराओरअधीरकहि धीरा२नाम १  
 वेरैतीनिप्रकारकीवरनहुमथावा  
 म १५ कुटिलवचनधीराकहतक  
 हितअधीरनारि नीकैकहतउरा  
 हनोधीराधीरविचारि १२ मथाधी  
 रायथा कवित वाउभरेणारेमषवा  
 हितसकतवषहोतजहामातेडहैने  
 नतिककाफकी भौहनिकैभंगसं  
 राअजहभ्रमतभलेवरुनीविरुकि  
 पलकनिकैयकायकी जावककै  
 खोरिआरलीयेअतिछाप २ छविकी



प्रि १५  
प्रि १७

छेदनिछिन २ निछकाछकी कुं  
इलकलकप्रतिछलककपोलनल  
अलकचलकचकचौयनिचकाचकी  
मयाअधीराअपया कवित अला  
कैअतरसनीनयाअनेकसनीमोतील  
रविचिनकीछविछहरानिहै कुंडल  
मकरसीसमेंउनअतलगंडमेंउलअ  
षंडरहारेकैरहचानिहै मुंजनहिय  
कौउरअंजनविषमविषमेंदहासल  
हरीसुधाकीगहरानिहै पानिपनि  
यादूकाहुअननपयोधिकीचनैनन  
कीनावधिरहैनठहरानिहै १८ पु  
नः कवित लटपटीलालपगिया  
कैअनुरागभालजावकसुहाकेस  
सहसरसानेहौ तेसैप्रभातवेउभान  
कीमयूषेमिलिमोरचंद्रिकानिपरंग  
वरसानेहौ सोभासुधासिंधुकेरिकि



नैषातकलमलजलजातिमै नैन अर  
 सानेहौ भामिनीकै भोनजारिभारीम  
 दभलभरेभोरैभारकाहभलैभोरदर  
 सानेहौ १५ मध्याधीराधीरायणा क  
 वित अतिहीषगायेदिनजामिनिज  
 गायेलोकनैननिलगियेसपनैनस  
 षआयेगी गूढगनगायेप्रवननिस  
 षचायेचाश्चंद्रज्योलषारकैचकोरन  
 चषायेरी नेहतनतायेवहुविरहवि  
 तायेलोलजतिसरायेकहुनैकनर  
 तायेरीहीतहैनरायेअंगअंगनिअ  
 रायेवहुभायेतऊकाहुआपनैनक  
 रिणायेरी ४- पुनः बिंदावनचंद  
 विजवालनकै वंदवहुआनंदकौ ।  
 कंदनिधिमाधुरीरमालकौ मानहर  
 मौनहरमैनहूतै मनोहरसरलीअ  
 धरधारीवनमालकौ जोवनउजा



मि १

प्रि.  
१८

१४

गणद्वाररूपसागरअनेकगनआग  
रथरैयामोहजालको औहीविधि  
चैननिबुलाससीवैननिसौआसभ  
रैनैननिलोकीसषलालको ५१  
इतिमध्याभंद प्रौशतातिवरनने इ  
कसमसरसकोविदारिषविभ्रमादे  
क इकआक्राम्यतनारकाइहाइति  
सविवेक ५२ प्रौशतारितीकहीता  
मैपहलषानि जोरसपीतमकैहि  
येनारसमैसषदानि ५३ समसतरस  
कोविदायथा कवित आननस  
करसीहैरूपसुधासुहागहै सोरभ  
अतरसीहैउजसतरसीहैसौतिलषि  
तरसीहैलालमनलागहै कंचनके  
सरसीहैनैनपंचसरसीहैजोवनजी  
जागहै सवगनसरसीहै रंचनकी  
सरसीहैजोवनकीजातहै सवगन



सरसी है सो भाजल सर, सी है तिन छि  
 न सर सी है जा के भाग भाग है ४४ वि  
 चित्र विभ्रमाल लने दोहा कहि वि।  
 चित्र विभ्रम वती प्रौढ़ जाति अनूप क  
 रत हत पन हर ही पति सो जा को रूप ।  
 ४५ उदाहरन यथा कवित हे मरु ।  
 चिहायी रीचें पाहीन अधिकारी चारु  
 के सरनिकारी हरि उपमा विचारी ते  
 चाहिनी हवारी सर सो भाकारि शरीनी  
 की राजत सवारी दीप दामिनी दिवा  
 री ते औसीन विनारीन विलोकीवन  
 वारी जा के अंगनि निहारी उल हतरु  
 पकारी ते लोचन व कोरन की ज्यारी  
 अनिषारी कौरि चंद्र की उज्यारी मधु चं  
 द की उज्यारी ते ४६ पुनः चंद्रिकानि ।  
 तानियत चंद्र मान मानियत चं पान ।  
 वषानिषत को है इति हतरी जोति



अवजेसनतैदेवनकेअंसनतैदामि  
 नीकेवेसनतैतहीयेकऊतरी रेको  
 नवचीहैरचिपचिकैरचीहैविधि कौ  
 होपुहृतकीसचीतुअदभूतरीसो  
 नेकैसीसुतीवनार्चिएतरीसुनंदकौ  
 सपूतरीसजाकेनैनएतरी ध२ पुनः  
 सवैया लाललसैललनानवभेलि  
 सीलागीसीलेवाललामसीअंगनि  
 मानकेवानकमानसीतानतिमोह  
 केभंगअनंगकेरंगनि केसरिकेरम  
 रंजितकुंचकीराजतयोकुचहारके  
 संगनि पंकजपीतपरापरागसनेच  
 कवामधिसानौसुधाकेतरंगनि ध२  
 पुनः कवि लोचनचकोरडषमो  
 चनकरनकाजकौरिडुनराजसमरा  
 जनवदहै परमविरहजराहरनप्रवी  
 नतरअथुरमथुरससारसकौसदन



हैं वरकीसेतीषेश्रुतिरिच्छेकटाछ  
 नसौचितकतलानिकरि कीजतक  
 देनहैरंगमोरीलीकींसीलीरुचिनि  
 रषतनैननिकोमादकसौप्यावतस  
 दनहै ५४ आक्राम्यतनारकालके  
 न दोहा आक्राम्यतनारकावेहप्रो  
 जनाहिवषानि रूपमापुरीगननिसे  
 जाकेदरसज्ञजानि ५५ उदाहरनय  
 थाकवित रेकैमनभार्कैकहार्कै  
 सहार्आजसरसार्सउवैननिबुला  
 रेकै रेकैउहिचोरेसषचंदसौसकंदल  
 गिपियतपिपूषपूरसंतनसहारकै रे  
 कैरसरूपरंगरंजितविराजैतातैतेही  
 ब्रिजराषीश्रुतिचेकरिमचारकै क  
 विमदछाकीरतरातिनरातिनमैम  
 रलीरुकेलीहरिसंगसषपाकै ५५  
 पुनः यथा कवित तहीउरमालप

२



प्रि-

२५

पटपीतलविमालतनवेसिकारसा  
लतहीसुषमौलगीरहैं चंदनगला  
वचनसारश्रंगारगतहीश्रंगारपीत  
मकैप्रीतमोलगीरहैं संततसुहाग  
समीतहीवितरंसीसचंद्रिकातिल  
करुचिरंगसोरंगीरहैं तोविनवनेन  
वनमालीकैविलासउननेननमैत  
हीदिनजामिनिजगीरहैं ५२ लज्जा  
यतिलछने दोहा लज्जायातिप्रौ  
शकहीसकलवधुनिप्रवीन प्रभ  
ज्योमानतकानिकोसकलश्रयीन  
५३ पथा सवैया वेनवनागनीरहसे  
तमसोहतचारभरीचपलासी वेत्रि  
जनाथलसैरतिनाथसेहोतमसाथ  
हीसाश्रवलासी वेत्रिजचंदकुरंग  
कीरेषसेहोतमचंदकीचारुकला  
सी औरकहालोकहोसमतातमहो



नोअषंडकरोइकलासी ५५ प्रौशपी  
 रादिभेद दोहा प्रौशपीरायोकही  
 कविकलकरहुविवेक रेकसाटर  
 जानियेआक्रतिगुपतारेक ५५ सा  
 दशपीरायथा कवित रावरेकेमन  
 जिनसंदरीनिकोहैध्यानतेहविधि  
 भागकेपयोनिधिचशरीहै साकीको  
 नकरीयेवशाईवनिताकीजायेक्रिया  
 करिनैकुनैनशरतविहारीहै सुसो  
 पाइयारेइननैननिकोदैनसुषकिंस  
 ककुसकलीउरसेसवारीहै आवोला  
 लआवोरतहीकोनैकविहारीसोत  
 चीकृतयामैचारुचंद्रकलाधारीहै ।  
 ५६ पुनरयथा सवैया लालनआ  
 वनहीलपिकोभईवालअकैहउछा  
 सभरीसी आगेलियेगहिदोरिकेपो  
 रिलोवागेविरीनपेरीफिपरीसी पा



अ-२-

२१

इपषारतउठनिषारतआनेंदकोविकार  
रकीसीचाहिरहीपियआननचंदहि  
एजतचित्रलिखीपतरीसी ५० आक्र  
तिसपतापीएयथा कवित नैनन  
कैसहाइभाइभैननकोसरसाइसेजकै  
समीपआइपीनमबुलाइये भारीभ  
येभागभौनकोलोकरहोगीसौनको  
नोविधिबुचटकोआचडलाइये  
दीजियेदरसनकीजियेसुधासोसे  
गभीजियेअछेहनेहआगिलीबुका  
इये रेरीरेरसालभालआहिगया  
ललालतिनयनपालतिकहालो  
अकुलाईये ५२ पुनःसवैया द्वा  
अबुजकेसमलाललसैनितसुधी  
हवातनमैकुटिलाई कवितकाम  
कमानजोमोहचरीयेरहीकवहन  
नचाई बुचटकेपटउठतैसंदरआ



ननचादकीचाहसुदाई औसेअसेष  
सुभावनसौगतिरावरीमाननिजानि  
नजाई पर प्रोशपीरापीरालछन ।  
दोहा चितमेंअजिहिनसोभरीवच  
नरुयोहीवानि सोईप्रोशसंदरीपी  
रापीराजानि ६ यथा कवित सा  
लतरसालमालतीकीमाललाल।  
निकटीलीवमलतानकैलालचल  
ढेरहो केतकसमैकोसषकेतकक  
लीसोभूलिसोनकहीमोकसोकस  
वारैसेढेरहो असीवलिकाकैसतिकुं  
टकलिकाकैकाकैकाजनेहकारिक  
लीसोछटेरहो लेहुअलिनाइकअ  
सीसहसीसनिजनिपटकपटकीकी  
लपटलपेटरहो ६ पुनः आजतौव  
नेहौलाला मालछविकाहपरवस  
ताकीपुजालेचरीइहे ओरैडुतिलोच



श्रि-र

२२

नकमलसनिगतिऔरैलधिपारंहे  
हेदसगावतीमराजीमीकीमरफानी  
मरफानीमालतीकीमालहिपहाल  
सुषदांहे ६३ प्रौडाअधीरालछन  
दोहा प्रौडाअधीराचरनियेयेही  
विधिकरिगन दैदैनपटउराहनीता  
उनकरतरलाज ६३ यथा सवैया  
उनबोधनफूलकीमालवनावति  
जानतिआपुनहीवेधिजैहे कापर  
फूलछठीउठिहैकहिकामकैवानक  
छसदिरैहे वेवफुनारकसंदरसरजि  
नैननिसोजिनकैकहाकैहे भावने  
लालविलोकनेवालनिहालहैमो  
नमवैविसरैवै ६४ इतिस्त्रीयाअथप  
रकीपालछन दोहा जाकोहैपरपर  
षमोसरासमअचराग सोपरकीयाना  
रिहैज्योत्रिजतियनसहाग ६५ पारकी



पाभे दोहा रेकनउगदौजहौ रेकअ  
 नशभेस दोरभोतिकीकहतहैपरकी  
 यानिहमेस ६६ रुद्रापथा कवित  
 कोपि कामरूपवारि २ शरोजापैदेधि  
 २ औसीकविमोहि २ जातिनैनभोति  
 लोगनसोरापि २ जीनिपतकापि २  
 उठैचितचापि २ चूरिचैन २ टेरि २ आ  
 रतिसौवेर २ जावति सौहेरि २ मेरेप्रा  
 नवरि २ रह्योमैन २ रेक २ रातिजाति  
 लाष २ रातिसमआब २ पारेपीवभा  
 धि २ सारेचैन ६२ पुनः नंदकौकुमा  
 रकंजदलसुकमारउरविरहअपारसो  
 ऊरजिमरफातहै मेरवार २ टरि २ हि  
 रि २ फेरि २ आवतऔफेरि २ जातहै  
 इनकेसमीपजाइसखीसमुकाइकहि  
 गोकुलववाइनकेवाइसरसातहै होत  
 कहादीनभयेमानहुप्रवीनजनऔरा



प्रि-२-

२३

के अधीनता सो वस जव सात है ६८  
अवशयणा सवैया सीपि हराउकमें  
है उरोज निया छवि पै रति कोटि कवा  
री अंगानि मै रत रानि भरी मुसकानि  
कै भानि मयें कउ जारी उटनी लाल ह  
री लहगा अति चोरे उडानि चुरी चढका  
री काहु न रंर क गोप कुमारी नै देखि  
ससार किये वनवारी ६९ पुनरवथा  
कवित कवहें क कंड कलै ऊर दै उ  
छालै कवह कवी निरुनावत फूल  
न की मालिका कवहें क अप्समै रु  
पहि निहारि हसै जानि रहै घाल सम  
परी मोह जालिका हरे लहगा सौ अ  
गउ उनी सुरंग सौ विराजै अजि गोरी ७०  
होरी की सी जालिका दोरी जान दोरी  
आत मन के मनोरथ सी लाल लखिली  
जै नारंगो कल की वालिका ७१ दोहा



विजनाइकीसकलयेहैताउकाअन  
 प तिनिकेदरसनचारिविधिवरनत  
 हैकविभूष २ ॥ तिष्ठीप्रिंगारसमा  
 पुरयेहितीयोसादः २ अथदरसन  
 लछन दोहा पियणारीविजचेदव  
 राधाविजसिरमौर कूरतपरसपरद  
 रसरससरसद्रानकीदोर १ दरसन  
 चारिप्रकारकेरकप्रतछरकचित्र ॥  
 रकसपनेरकसवनविधिचारिवेदग  
 निमित्र २ साक्षातदरसनयथा दोह  
 उननैतनिकीसफलतावरेभयेकौभा  
 ग प्यारोनिमदिनदेखियैलहि २ अति  
 अनुग १ प्रियाजुकोप्रछेनसाक्षा  
 तदरसनयथा कवित वृत्तगंभीर  
 नाभीरेसाभीवल्लिगनलैत्रिवल्लेखक  
 रिवहोउठिनीठिके चेह्योछविजाल  
 निवमालचपिकछकलचोवरह्यो



प्रि-२

२४

उठनिचसीठकै मंदर उहाससया  
रसकै प्रवाहवहिवचगोकपोलत  
लकुंडलनरिठिकै कुंजनिविहा  
रीछविदेषततिहारीफेरिवेधोम  
नभारीअनियारीजगदीठिकै ४  
पुनरयथा मंदरसलफवचरकति  
जलफकरिवेकहाकुलफतिहि  
टोरखेरिआनीहै देषतत्रिभंगछ  
विभौतनसभंगभरीअंगनिअनेग  
लोकलाजभयभानीहै नैनचितचो  
रनकीलीषी २ कोरनकीहरिजो  
रनकीभांतिदरसानीहौ रूपकेअरो  
रनकीभौहनमरोरनकीपीतपटछो  
रनकीछविपैविकानीहौ ५ प्रियात  
कौप्रकासमाछातदरसन कचित ६  
भालतदनिपटमुकटलटकनिपरि  
तिलकचिलकचटक डषदरिगो ६



छवि कुलकनि युवराणी अलकनि म  
 दमाती पलकनि चषवेदक सौकरि गो  
 अथरकै संगमं फमरली कै रंग अंग २  
 कैतरंग चित औ चटि सीथरि गो कारि  
 गोषिलो वाहि सो लोना सोठ टीना होना  
 मंद सिद्धास कै विलास हिय हरि गो ६  
 प्रिया को प्रह्वेन साषात दरसन कवित  
 वार वदन दिशावत कुवली वाल वि  
 रकी उकक सनिके चंचरो धेकी फू  
 ले अरवि दम करंद के समूह सनी कै  
 लति सवासवास आसपास सो धेकी छ  
 निकै वारै गति वास निकरो रिह के को धे  
 की सरहै कि चंद के यो पावक न जानी  
 जाति देखै होत चंचल चषनि होचक वो  
 धेकी ७ प्रिया को प्रकास साषात दरसन  
 कवित प्रिया को सवद सनि उजकी क  
 रोषे आनि धिरकी कुवली छवि धिर  
 की अदारी की वहु उर चारी चकोर नि



प्रि-२

२५

२६

के विचारी रुचि भारी विस्तारी चंद पूर  
नअपारी की लाल लौने आनन की  
उठपी कपानन की जरोर नि कानन की  
सोभा मसारी की कैसी छु विछोते  
छुटी छुटी लटकारी की सुवंधी सुक  
नारी की मथुरा मरवारी की २ चित्र दर  
सन लछन दोहा जी अति मन को भा  
वत्पो प्यारो सुंदर मित्र ता को दरसन  
की जी ये देखि कै चित्र ६ प्रिया ज को  
प्रछेन चित्र दरसन यथा कवित अं  
गर विरह के वेदन विमद रंग अति अत  
राग सौ रं लाल रंग भारी है मरवा यो  
मोह की मसी है रंग मत्पो सहज पि  
घर रं गपी रो सुषकारी है कोरि क  
विचार करि लेषन चला रचित नष सि  
ष रंग भारी मरति सुवारी है अति ही च  
तुर तेरे लोचन चितेरे पिय चित्र न सो द  
सो दिस की नीच सारी है १ प्रिया ज



कौप्रकासचित्र सर्वेया नैननिनीदनि  
 मेघनहीनिजहीककुलैसीलगाइरई  
 है अंगानिनेकहलैतचलैगिरोअच  
 चलरूनसभारिलईहै देषतहौदिन  
 चारिकतेअलिआनिरहीघहवानिन  
 ईहै ११ प्रियाकौप्रछेनचित्र सर्वेया ॥  
 फमैककैकपिकातफकौरनिमरन॥  
 मोहकैसिंधुडवावत नेहजनारकैने  
 कुलगावौतौआपूनकैछलअंगछि  
 पावत कैसीकरोद्विगभौरीभयेछिन  
 आपुनदेखैतमोहिदिषावत चंदसुषी  
 मिलिवेकीकहाचलीचित्रहुमैनवि  
 लोकनपावत १२ प्रयकौप्रकासचि  
 त्रद यथा कवित लोचनललोहै  
 करिदेधिरहैइकठकअसोअनरागारि  
 देनदसातहै पुलकितअंगारपाइयैरै  
 हाहाकरेछातीसोल गाइलेतअरु  
 सरसाइतिहै कबहककोलतविला



श्रि-

२६

सभरे भोलन कौ वह कता मअन को ले  
ही वितात है चंद मषी वलि चाहि ।  
निज ना है ना तो चित्र ही के देष त मै चि  
त मिल्यो जात है ॥ सपन दरसन ।  
दोहा पिय प्यारी सपने मिले सो न ल  
खे जव कोर सुष डुष भीत त आप मै छि  
प्यो सदरसन होर ॥ प्रिया को सपन  
दः यथा सवैया अलि आज लषी स  
पनै ब्रिज सुंदर मरति रूप अनंद मई ।  
रक दोरिर रहे दर की अगीया करि कैरि  
समै फकि को किरई अभिमान भरे द्र  
गरुटि चले उठियो रिलो जाइ मनाइ ल  
ई करिहास विलास लहौ सुष जौ ल  
ग जौ लगनै न निनीद गई ॥ पुनः वा  
हिर यौरि निपौरि निपौरि यासाल की की  
लनि की लीकि वारी वीलीन होइ रह ।  
लाये कहै सह गाडी लगी कुल फे अति  
भारी भीतर भौन न भीर सषीन की वा



सतदीपकभासजारी श्रीसेहमैचि  
नकैसेकौचोरतजानियेसोवरोचोर  
महारी १६ पुनः कविग सीसलोल  
गीधैरहीवंदीमनिमानिकवानिकहै  
नोसोउरमोतिनकीमालको कंकन  
ईकरवाजहवंधवाहनमेंतैसोहीवनाव  
कुचकंचकीकेजालको सोफकौसि  
गोरसवत्योहीश्रंगर अरुन्योरूपवा  
लईवसनविसालको आजराजदीप  
कौजासभरेभोरआनकैसेरुन्योस्याम  
चोरहियोउहिवालको १७ पुनः सी  
समोरचंदनमेंमाथुरीअमंदनमेंकोरि  
छविछंदनमेंदियेमोदमनमें आभ  
षनरंगमेंश्रंगारंगनमेंपीतपटंग  
नमेंवैनवनमालनमेंवन्योवालवा  
लनमेंविहरतवनमें नौदभरेनैननि  
मेंनीकीचित्तचैननमेंदेखेआजसुय



श्रि-र-

२०

यनेमैअपनैललनमै ॥ प्रियको  
सुपनदरसनयथा कवित कुल।  
कितअंगपुलकितप्रतिम २ मूल।  
कितमंदमुषचंद्रसारंगी छूटेक  
चभारनकैवीचविसतारनकैदेधिनै  
नयाभैरनविचारनवितांगी संतत  
समाधिफलफलपूरनप्रकासजिमि  
दुरमैउककिपुनउरहीसमांगी पुनो  
चंद्रजामिनीसीजोतिनीदनैननजग  
गी पुनः पुनोकीनिसोकेमाकचा  
रोउरकोरिचंद्रचादिनीकीचाहसीच  
कोरनिलगौगई मंजुलमगलुचाल  
चलि २ मनमेरोकन २ करिवनवीसि  
वनवगौगई जैहीकिनपूरनपियूष  
वरसारअवअंगनवियोगदावणावक  
दगौगई तादिनाजैनीवगईनीदोरननै  
ननिनिकोतादिनातैनीदभरैनैननजगै



गार् २ पुनः कंचनसीचंपकसीदीप  
 कसीदामिनीसीकोरिचंदचोंदनीसी  
 आननदिषैगार् वानीमथुमीठिनसौ  
 अंगडतिदरुठिनसौरंगभरीदुठनसौ  
 चितहरिलैगार् तादिनातैरैनदिन  
 दसोदिसमांकवहैदेविषयतकद्रग  
 ओसीदसोदैगार् आगार्नीदेकह  
 तैहीछिनआगार्नीदगार्आषिते  
 तैनदिहवितैगार् २ अथप्रवनेद  
 रसनलकून दोहा लागतसनतपि  
 एषमांअपनेपियकोचाति सीहीद  
 रसनप्रवनकौजहाप्रवनसरसाति  
 २ प्रियाकौअवनदरसन यथा सवै  
 एछियैनोवहुवारवनागौचावनला  
 जगिरीवहुयातै एछोनजौतौरसौन  
 परैअतिहीअंगअंगनकेअकुलातै  
 एषसीसीहीलगैमनतापसिरजै ॥



प्रि.र.

२८

२४

कोकरिकेसुनियैमधुरीचिज व्रज  
चेदपिपारेकेनेहकीवानै २२ प्रिया  
कोप्रकासप्रवतनदरसन यथा सवै  
सोफसमैरतिकेलिकीमालवनाव  
तिवालमनोभवभीनी तामुषलापि  
कैआलीरमालकहीरकलालकीव  
तनवीनी सोसुनिकैउमगीअंगअंग  
निपूरनप्रेमकेपादनवेने फूलकली  
अलिभूलगर्तहमेलिसुअगरीग  
हिलीनी २५ पुनः कवित वीतीवरि  
चारिमोहआयैतनसमफितिवतर  
सलागीकौरसुनाहलाहौ चितथ  
रिधीरजकौनैकृतकानथरिवावरी  
तसुनैगीतवारकथुनाहो पाछेपा  
छैभूलिआगैरकीसुनतजानिआथ  
रेकीजेवनिनिअैसेकरवाहो पारैव  
जचेदरकीवतिथानिहोहीजेरेकान



नमैकवही कहति हरवार हो २५ प्रि  
 यकौ प्रछेन प्रवण दरसन यथा स  
 वैया खेलत है हरि कुंजन मै सन्योग  
 ये कोना मपि एष पापो सो भूलि ग  
 यो सब तै ही छिना भरी अंगन अंग  
 अने गज पो सो वैन कहवत नमालक  
 हूँ गिज बालक हूँ चक चाल लणो  
 सो घाल कह साराल कह हूँ हहा  
 ल हूँ नेदनेदलाल ठणो २६ प्रि  
 या कौ प्रकास प्रवन संन जथा सबै  
 विसरी निम ए छित वार करोर कफेर  
 कही सुत लेत नरे दिन रैन कहै कह  
 वायो करै सुनि वै ही के उंग की डोरी लि  
 ये सब चंद सुधार सकी निपरो सिघ  
 री विधु रीन के रा छये अव काम न  
 नौ वती पान दीया भई कास के कान प  
 यो य भरे २७ पुनः कवित् कानन

२५



श्री-

२६

२७

#

पिपूष है कि आनन को उष है कि मा  
न विराम है मोहनी को मंत्र है कि म  
नो भवतंत्र है कि चित्र लिखो जत्र है  
कि मन वे को काम है जपिवे को जा  
प है कि लपिवे को लाप है कि कृपि  
वे को छाप है कि कंठ मनिधाम है ।  
विरह को जाम है कि आनंद को धाम  
है विरह को जाम है कि आनंद को धा  
म है कि काम वेद साम है कि नाम नी  
को नाम है १८ दोहरा दरसन प्यारे ।  
मित की परसन ने दरतरंग सरसति अ  
ति गति वित की सरसन अंगन अंग ।  
२५ इस बदर्सन मैं कहे अपुनी बुद्ध प्र  
माण अवे हित जन वरनिये जिन सो  
सकल विधान ३- इति श्री श्रींगार  
समाधु र्ण चतुरथा स्वादः ४ अथ प्रि  
या प्रिय चेष्टा वरनन दोहा होत सि



लजिनभेदतैतेसवकहोउपाकहता  
सवैकविमृषनसोजिनअतरभोभावि  
१ आलीजनडुहोरकेडुहोरसात  
करतडहनकोहितसजैडुहोरकीवा  
त २ रायकाकीसुषीकोवचनश्रीकृ  
ष्णसौंनथाकवित देखोलालआई  
वपुवालकैविरहविषासोईपरनाम  
रहविलोकनिवैकको वेलीसीदवा  
नलकीजाललपठनीलषिकौको  
छोललपठनीलषिसनहोतिनद  
याअतिकसेतको मदनकीवेदन  
वैदनअसोदेखअतजैसेपंकजातअ  
तिसूकेसरपंकको भोरचहउरचं  
डभानकैकिरनमधिसलनमएष  
मानोमानोमंडलमयंकको ३ पुनः  
वाउतविषाअपारदेहकीनहैसंभा  
रसौलगेअंगारहारपुनतैसोहै रैन



प्रि-  
३-

दिन कै विचार ही बीन तार तार होत  
पत फाँस मधुवेली हाल जै सो है विध  
न अगार चार कियो अँसो है तो हूत मि  
दत फार वाँटे दिन विस्तार गवरे को सु  
धा सम नीम जप कै सो है ५ प्रिया को  
वचन प्रिया की मधी प्रति कवित चे  
द मधी चे चला सी कोर चे द्र चे द्र का सी  
हो नी उँदै मे दरत जा ही की र जा स है  
राजा तिन वेली चले वेली रा र वेली  
फली कंचन को वेली तं स वा ही की  
सुचा स है चार भरे चंचल च कोर चे  
चरी कुसम नैन नतिके चार न की तो ही  
सो विकास है ललिते प्रकास तन रा  
य का प्रकास है ललिते प्रकास तन  
राय का प्रकास है न तोष स विलास है  
त आनद निवास है ५ दोहा लहि अ  
न राग सुदेस को यह मन मथन पनीत



© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri



श्री २

३१

३१

कौवषानै श्री श्री सेर उहावभावतै ही  
करजानै है लाल उमहायलिये सुक  
हि पशवत सोतै नै उत नै न निरिफास  
षमानै है वारि नै न होत ही मै संकर स  
कचिस कि निपट कपट चुंचट विताने  
है भीतर ही भी सोम सकत समक ति  
लोल लोल लोल ललित कपोल पु  
लकानै है १२ पुना छती पाउम गार ही  
वतो पासनत हो नरति आके आगमन  
नी कै सरसात हो भली भई भली वह  
चिरह की वेदन सुफुली अति आनंद  
सो आस समाति हो आज कछु नै न नि  
सौरी करी कपरति हो अमलंक पीलन  
सैनी कै लषी जात हो चंचल कटाष  
न कै खोरम सकात है १२ प्रिया की प्र  
कास घेष्टा कवित केल कौर चावति  
नचावत चपल चित नै कुन वचावत समा  
जलाज भार के चाह उपजावति सजाव



तत्रनेकसुषमाजनवभावतिमनोभव  
विहारके मिलनसिषावतिलिषावति  
विचित्रगनहिपहीदिषावतजलोचन  
अधारके इरैउजकावतफकावतअने  
कवारकेतेनचरितनरेसंहरिजवारके  
प्रियकीप्रच्छानचेष्टा कवित छानत  
छवीलीछविछटाहीअलकननाम  
वेहवीचमनिमनकीसुरैसुरैसादेहीव  
दनपरकोरकसथाकरकीराजैरुचिके  
सरिकैरंगनिफरैकरै अंजनविताह  
नैनखंजनसौमोहैलेतकोरनकीलाल  
छसकाननछुरैछुरै नातिमगनैनीस  
षदैनीजसताकेनीरउतैप्रानप्यारेउतदे  
षतइरैइरे ॥ पुनः कंठमालयोतिउर  
हारनकीजोतिछिनछिनछविहोतअं  
गअंचरउचारेकी अतिहीसहातिछ  
लीलतअसातिन्योन्योसोभासरसाति  
सुषचंदउतिआरेकीनाकहिवशवैव



प्रि-

१२

३२

हुवेदनवरावैकरतउलचकावैयु  
नसीवीकेठचारेकीउतचुवहेरीकर  
चापपहिरावैचुरीदेघरतैअधियावि  
कानीप्रानप्यारेकी पुनः बारबारप  
गियाकेपंचनिवारतहैपंकजनिवारत  
हैनोछावरकरिकै ममरेषपारतहै  
पलवविहारतहैकवहुविचारतहैस  
षीकानपरिकै कवहुंककेलकेस  
रोजहिफिरवतहैकवहुंसिरावतहैउ  
ठसासभारिकै कवहुंकगावतहैकव  
हुंकथावतहैछिननवितावतहैआ  
जपीरपरिकै १० प्रियकीप्रकासवेष्टा  
कवित आपहैविहालकहुंशरीवन  
मालकहुंवसिकारमालकहुंरहेवित  
छरिहै हरगोपीवारनसोकुंजकेवि  
हारनसोआसनकोधारनसोरहेताल  
भरिहै विजनवनगारसकलगनआग  
रयेललितेनिहारेहाथललचारपरि



है राधिका को आर्पण नैनै सक निहारत  
 हो हिय हृदि गने हरि लीने आन हरी हो  
 १८ पुनः सवैया जाहित ही धरयो मर  
 ली रवि हज अने कड राव डरानो कोरक  
 मंत्र मनो भवत त्रवसी कृत जं अजहा सर  
 सानो लाज हिमान मिहै कुल कानक  
 रियो अधियान जहा थिर थानो ताग  
 न आगरी नागरी को सुषसागरी को हरि  
 अजहै आनो १९ स्वयं हत लछन दोहा  
 वचन रचन कीचातरी अति उपजावत  
 प्रीत जहा हति का होति सो स्वयं हति  
 रसरीति २० प्रिया को प्रछेन स्वयं हत  
 तथा कवित रुति आरे वादर अंधारी  
 चहं जोर भई सकत न पंथ कै सेगा इन च  
 लाइ को उठै चंड लहरी सरिन अति गह  
 री है औ से समै कानक तगो कल को जा  
 इवो लीजी औ सणन मनमान मेरी आन  
 फेर भौन कै समान कुंज औ सोन हिषा २१



५

३३

वो एषियैडूकूलपातछतनाअनूल  
 धरिबोहीवरमूलवसितामनीविहार  
 वो ॥ पुनः काजरसीकाभीघटाउनिआ  
 र्भाभीमूलमेहोविजवारीचाइचौरअं  
 धिआरीमे वारणारवारीवहैजमुनाक  
 रारीतामेपारनउतारीकानगोकूलनि  
 हारीमे छाहवनवारीहैकटंववन  
 वारीपहतामेपनवारीवासतामपिवि  
 चारीमे चूनरीहमारीलालकामरी  
 तिहारीतरकामरीतिहारीपातछतना  
 नाकीकारमे ॥ प्रियाकोप्रकासस  
 येहनपथा कवित भारीतपीवास  
 मानभासजिनजानोयहफैलीचारुचं  
 दकीसचोटनीहैगहरी सीतलसंग  
 धमेरताईवारिशरियतजोअति  
 बलतप्रचेइपौनलहरी नीटंभरसोरे  
 सवभीतरकेभौतनमेकोनकादिप्रक  
 तषरोरकामकहरी आगेकतजानच



तस्योमसुनौवातइहदेसअथएतहोति  
 जेठकीहुपहरी २३ प्रियकोप्रछेनस  
 यंहत तथा कवित रंगीवहुंगयरै  
 तानकीतरंगहरैचूनहीनेसंगमानमै  
 हनमपूनीहै शरकैठगोरीचोरीगोरी  
 मोरीभामविसचोरीतेनिहोरीवरजोरील  
 गालूनीहै वातनवनावैसरसातनस  
 नावैरसचातनअनावैनितरहतिअछ  
 तीहै उरलीलगाइमैहसुरलीनहोइय  
 हिकामपरैकीनीकाउकीऊनईहतीहै  
 २४ प्रियाकोप्रकासस्ययंहत तथा क  
 वि जेतीसीसीषदेतिनेतीरेकहंनलेति  
 लउवावरीसीहोतहमैहनोउषहनरी  
 कुंजनउरानोजहाकोऊपरायोहैनअ  
 सेसमैएषीयतअंतरकहूनरी केस  
 दीनवीनआंगीछीदैंछविछीनहोति  
 सासननदीनउरमानतहैहूनरी अंग  
 नमैठाडीपरैअंगनमैमेहरेरीअंगनअ



र  
३४

नूपतेरीवीमैचाहउनरी २५ उशवरनन  
दोरुः उशनामाभोतिकरितेत्रमेत्रकै  
जोर जौनमिलैतौलाजतजआपहि  
करिसंजोग २६ यथा कवित आदि  
नतैरैनदिततीछनअतापतविद्यतन  
चठजतनकागदसीभईहै सरसवियो  
गमसिचितवाहलेषनिकैरोमरोमच  
हैपांतिअपरनईहै रुचीनीचीकुट  
लअनेकलागमाततेरपरमेमचाटदर  
सातरीतनईहै मिलीयेजूमिलीयेव  
पातीनैपढैहोपियमैहूमंदपौनातिण  
तीकीसीलईहै २७ पुनः कवित वहु  
तदिनानिपहिचानतकीवैवानितातै  
बोलीअतितमसोवचनअतिदीनहै ।  
हरिकेविरहसबदेवहंजरिषेहहैरुपै  
चभतनमजिनजाहुछिनछीनहै वाकै  
पापंकजकेपेथनकीभूमिसोझहोझ  
जलवादीकेसरोवरमैलीनहै वाकै ।



आरसीमैतेजवाकैवीजनामेयोनवाकैश्रे  
 गनामैयोमहोदतौवलीनहै १२ दोह  
 नारिश्रवशआपतैमिलैनउशलाज आ  
 लीजनसवकहतहैवाउपीरसमान १३  
 जथा सवैया शषतिनासिकापासिन  
 होनिचहैजिनसौरभसारसहायो छाती  
 लगावैनएषतहैविरहोगनश्रोवनजा  
 रजायो नैननिवाहरयोचितजाननका  
 नकौश्रवतंसवतायो हाथहीहाथवि  
 लोकतजीवतिनाथमथाकरिकौलप  
 ठायो १ प्रथममिलनस्थानवरनने ।  
 दो जनीसखीश्रुथाश्रविजननिसा  
 कौतो न भयउछाहभेदनकपटन्योति  
 बुलावोहोन ११ वनविहारतछवन  
 हाथरतसकलदुममीर मिलनमहास  
 षमानकौकियसधिपहिलीठोर १२ ज  
 नीवरमिलन जथा सवैया हैअसिता  
 मिलीश्रुनारसोगोपदुहावनगानि



३६

३६

जहूँ जैराति राजवली है १८ उत सुवको  
 मिलन कवित वाँड जउछाह चिष  
 भाज के जनम दिन आरे नंदरावर सा  
 साने सब साधा को होर हीय मनर  
 नारिन की चहूँ रासि जियत हरि जन वा  
 य भुरि वाय मो गावत वधारी जिनी दी जि  
 यत नोछावरी कि पोरि सिक सरस  
 मन गाथ मो असे समे राय का कुवर  
 लवेली आरु जसु भिलाष लाष मि  
 ली विजनाय मो १५ व्या भूमि सुको मि  
 न सेवेया मार के मंदर आवत वीच  
 लगे उतिके विछवा अतिकारो पार  
 पिरात वरी कभर अवगन जात वसो वि  
 सभा हो काली के नाथ न हो विजना  
 थ कही विष भान तीयातु मजारो आप  
 तो मंत्र चरति ही छिन मेरी ललीत न प  
 उतारो ४ न्यो नै मिस को मिलन सवै  
 या आप नै मंदर मै विललित विष भान



लीकह न्योनिबुलाई चाहभरेनंदनंदन  
 कोउतवातलागारकंतबुलाईवातरी  
 काहकेभोलनकेमिससूनोवएकैवार  
 आई वेदोउपूरेउहाअभिलाषकरीइह  
 योगवियोगविदारी ४१ वनविहारको  
 मिलन जथा कवित आवतकदव  
 कसमनकोपरापूरसीनीपौनलहिल  
 हीललतलतानकी चोरचनचोरचन  
 पावसअंधेपिककेकनकीदेरातमें  
 रैहोतप्रातकी ऐसेसमैकुंजभौनआ  
 नंदउछाहवाडेठाडेगिललितकमा  
 मोरघनिधानकी सोहनिसचाभातै  
 कारतरचाइदोरुछविसेवचाइछीटो  
 उटछतनानकी ४२ ललतविहार  
 कोमिलन सवैया करिकैकाजेत्र  
 नमेलतहैजलचेचलचारुद्रिगंचल  
 मै ललनाकछदेघतनाहितवैभुज  
 कोभरभेटतहैपलमे विसदेघतपान



१  
 ३७  
 ३७  
 की हव कलै पद पंकज आर छवै छल मै  
 नंद लाल सवै त्रिज वालन मै मिल के ल  
 करै जमुना जल मै ४१ दोहरा रेसव पहि  
 लै मिलन की सरसवतारै ठोम पारी लष  
 त्रिज चंद मिल विहारत अति अभिराम ४  
 रजी परकी आ दोहरा तीजी परवनि जान  
 की यन सौ जा कौनेह ताहि वारन सग्रंथ  
 मै विरसन आ न्योपेह ४५ इह विध वरने  
 सकल ही प्रियम मिलन के थान हाव भा  
 व के भेद कौ अव की जी श्रेव थान ४६ इ  
 ति श्री श्री गारसमाधुर्या पंचम स्वादः ५  
 अथ भावल छन दोहरा प्रिय पारी की  
 प्रीत जो प्रात तन मै आ ताही सौ कवि  
 कहत है भाव कविन के रई १ पांच भात  
 को भाव है एक विभाव अनुभाव पारी भा  
 व रुसाति की अरु संचारी भाव २ ति की अ  
 र संचारी भाव ३ अथ विभाव लछन दो  
 जिन कै देखत ही प्रात वाड अंतरि प्रीति ६



आलेवन उदीप करि सो विभावरीत २  
 प्रियमथान उतपत को ह जो करत वश व  
 रस को जो गणपति करै ते वरने अतभाव  
 ४ आलेवन स्थान वरनने छुपे पारी  
 पिय विज चंद स कल आने द कंद अलि  
 को किल कुल करि कुह क कुंज कुंज नि  
 निसंग ज अलि सर चंद दीपन अने द क  
 वि छंद छंद छंद सुष सोरभ समन सम  
 ह से ज संगीत गन नि मुष कलहा सभा  
 स उजाग्र ह विविध वास भूषन सरस कं  
 पत समाज सभरित सुष द आलेवन अं  
 गारस ५ उदीपन कथन दोहा देखनि  
 बोलनि परस्पर सुष वंभन परंभ इति  
 हि आदि सभ वरनिये उदीपन आरंभ ६  
 अनुभाव लखन दोहा आलेवन उदी  
 प कै पीछे जो व उजात सो अनुभाव वषा  
 निये प्रीत महित अधिकोत ७ थारि भा  
 व लखन दोहा इति थारि सिंगार मेर



२.  
३८

३४  
रुतहास्यमैहास करुणाकैविकशोक  
हैरौद्रहिक्रोधविकास ८ वीरवीचछा  
हहैभयहिभयानकवास वीभनसामा  
धितगपसाविसमश्रुदभवनवास ९ न  
कोसातरसतासमधिष्ठांहेनिरवेदसोस  
रूपवैगाकोसवजनसाकश्रभेट ९ सात  
कभेटनिरूपणं चौपां छंभस्तेतरोमंच  
भंगसाकंपविवर्णवषातो आसुऔरप्र  
लापश्राद्धं सातकभाववभानो ११  
विभचारीनामनिरूपणं कविन निरवे  
दालानसंकाशौश्रसूयामदश्रमकहि  
आसहदीनतावषानीये चिंतामोहिस  
मृतिप्रतिलाजशौचपलपनौहरषश्रा  
वगजउभावागरुचनानिये दषेजकंठनी  
दभलजैवैसोवनौरुताशौविकोपरुचि  
तरकउरआनिये अमरषचिपावनौउग्रता  
रुमतिव्याधितनमादमरनयेसंचारीकैमा  
निये १२ अथहावलच्छन दोहा थार्भा



वप्रभावतैऽपजतहावअनेक हेलाली  
 लाआदिवैतिनकोकरुववेक ॥ स  
 वैया हेलालीलाश्रीरललतमदविभ  
 मविहतवषानहु किलकिंचनविछुत  
 वरननिकेडिगहिविवोकाहिजानहुमो  
 राजेकुटुमेतवोधकंयेहावअनेकवि  
 तानहुन्यारेन्यारेलछनछतसकलवि  
 चनमानहु ॥ हेलाहावलछन दो  
 नैकुनलाजसमाजकीजहामानियत  
 कानि हरातहियाप्रीतमपियाहेलाह  
 वसमान ॥ श्रीगणेशकोहेलाहाव  
 कवित कुंजनिकीगैलकियैसाथीका  
 मसैलवयोआवतहोछैलभट्टकीचभेद  
 हैगई श्रीफिलहैषाश्रीगैकैरिचंद  
 वाटचादनीसीचंचलासीचंचलाउठा  
 कैचितैगई मंदमसकाछिनछतिपा  
 छैवायउठअमरसण्याअपनेवसकैग  
 ई सौरवसवागलीगोकुलकीआया



२-

३६

39

रवाहीगारलाहरिमनहरिलैगारै १६  
 पुनः वंसीवतवाहनदमिलगोअचान  
 कहीउहनके चितकीउचितवातहैग  
 ई रेकउरकारीघटा रेकउरचोंदतीसीगो  
 कलकेगलीतैहीछिनछविछैगारै आ  
 तरहैआअतिचातरतालोउमयचुंछ  
 टचलाइकैपुणचितलैगारै नेहभरैने  
 ननसोनीचीधेनिहारिनारीनीचीनार  
 कोरिकप्रणामकानवैगारै १७ श्रीकृ  
 स्नकोदेलाहाव कवित भारीभोह  
 भावनमैमदमदआवनमैनैनउरिजाव  
 नमैमनिहरिलीनोहै रूपदासावनि  
 मैनेहसरसावनिमैसवरसावनिमैपर  
 मप्रवीनीहै मिउमसकावनिमैछवि  
 सोछकावनिमैछिनकीविकावनिमै  
 किनकीविकावनिमैसरवसदीनोहै  
 त्रिकुटीनचावनिमैइनललिचावनिमै  
 प्यारेइनचावनिमैकीनोहैसकीनोहै १८



पुनि मंदर उद्गासन मेदसन प्रका सन  
 मैशानन उतासन मेमंजतरि मंजमौ ओ  
 गकेत्रिभंगानि मैभाकी भौह भंग मैकुंच  
 तकुचिलकंच संगानि मंजगौ ललकत  
 चाल अरकतवन मालकलित रलपटा  
 नैपदिपीतमचरतिगो देषततिहारैम  
 नमाहमारोमन मरली अपरकरंगनि मै  
 सुतिगौ १६ लीलाहावलछन दोहा  
 पियणारी लीलाकारत अपनेचितकै  
 भाउ वरुभांतन अभिलाषसौवारी ली  
 लाकरत अपनेचितकै हाव २० मभा  
 कोलीलाहाव कवित मगमदल्ला  
 वेकीसामपरभाउचेकी आगत कृपावे  
 कीकातरीविसेषीहै हेसातिहमेभाउ  
 पावनचल्लावेकी कुंजतिमै जावेकी  
 वानअवरषीहै नूपरातरवेकी नाहन  
 निवारवेकी हारभाउवेकीगतअति  
 लेषीहै आनुकालणारे मषचंदकेनि



हारवेकीनिसअभिसारवेकीलीलादि  
 नदेखीहै २१ किसकोलीलाहावतेरे  
 वितदेखैउनैचैनकैसेरजिनलीवनच  
 कारनमपियमरसचाषोहै वेलनि  
 मैउककिउजकिपाकफाकतातिला  
 लभातिदेखताकौवितअभिलाषोहै  
 कवहैकवित्रमेविचित्रआपुचित्रलषे  
 पापरणीसउभैतमुषभाषोहै आ  
 गनतैकुंजभौतकुंजतजआगनमैआ  
 गऔकुंजभौनरेकैकराषोहै २२ ल  
 लजहावलछन दोहरा वोलनिआ  
 वलोकनिचलनिविहसनिवानविक  
 न कामकलतअरुचिवलतलल  
 तहावअन श्रीगयाजकोललत  
 हाव कवित अतिहीअपीरकीनेको  
 कपिककोरवातैमेजलमंजीउठैहंस  
 कुलयायकै अमीकेतरंगनिचलत  
 मिरपौनआजकीनीअतिरोनकतैकुं



नभौनआरुके स्पामवीरुचाहतासे  
 चेवेलाचमकचावातकचकतरहे  
 पुहलमचाके कंचनचेभेलीचा  
 केचरीकचावरहिआचरहिनाचहिच  
 कोरचेदचाके २५ पुनः कवित  
 अतिसासातपियसंगादसातओरैस  
 षकेसमाजभरिओरैउजिआरीसी गोल  
 मनगौरैलोलललितकपोलनिमैचो  
 काकीचमकचकचौपीचषगरीसी ।  
 गारीकंचकीसोलसैउरजउतंगकसै  
 तंगनिअतंगकेतंगछविधारीसी ।  
 जोवनकेरंगमतिभूषनकैसंगउपस  
 हजकैअंगदियेदीपतदिवारीसी २७  
 श्रीकृष्णकोलीलाहाव सवैया विप्र  
 रीवनमालविमालधरैसववालनको  
 ललचावतुहै लषलालरसालसा  
 हातिहिषैननअंकुजालवशवतहै  
 रुचिसौरमनीकरियैवनवीअथअ  
 लीमनजागनगावतहै नजिमाननी



र-  
धर

न

मानमनोभवकोमितमंजलमाथा  
वशावतहै २६ पुनरंथा कवित  
वितललचावैरुचिऔसीअंगअं  
गकी प्रीतउपजावैमिडसुरलीव  
जावैसरसावैकौलजावैनवसुधाके  
तरंगकी मधुदरसावैतौतौमधु  
परसावैहीहृदयहिनसावैरीतथारै  
रंगरंगकी हियएसिगवैपरवारहि  
सावैलाजगीरकौगीरवैसधिम  
रतत्रिभंगाकी २७ पुनः यहवना  
मालअलसतविसालयहिवंसि।  
कारसालसुतालकीविकासहै व  
रषतरंगयहिरसततरंगद्रिगजीत।  
तअनेगायहरंगकीविलासहै यह  
मधुमंदहासजाकौमंदहाससमयह  
कुंतकुंतगसरतिकौउजासहै यह  
माथरीकौसायावरोअणारनैनकारि  
कैअधारथैअनेदविलासहै २८  
मदहावलछन दोर उपततमद



अभिमानसौ पूरन प्रेम समाज ताही को  
 मददाव करि बरनत सविक विराज २  
 श्रीराधाज को मददाव सवैया पिक  
 बोलत पंचम की धुनिया धुनिया सव  
 काम सौ दीन भई तजमान यहै वसया  
 न यहै बद्ध भोतन सौ लघिने सिषई म  
 न नैकन होत दया लइतै मदलालन  
 आर विलोक लई तत काल साल  
 सुवाल उही घर मालती माल सी ला  
 गार् ॥ पुनः सवैः फूल दकूल अ  
 त सगंध सिंगार समाज सनीर जनी की  
 लाषन पूरत है अभिलाष सवै ब्रिज मै  
 घिगानै नीच नी की भूषन वारव नावन  
 सौ अलिजानी येरी तथ नी के मनी की ॥  
 भूषन वारव नावन सौ अलिजानी येरी  
 तथ नी की मनी की औरन सौ उरु मोज  
 रहै छ कि मो सो कहै तम सादिये नी की



र-  
धर

३१ पुना लाललसैन बलानववे  
लसीलागीसीलेकललामसीअ  
गनी मानेकैवानकमानसीतान  
निभोहकभेगअनगंकेरगतिके।  
सरिकैरसरंजतिकं चुकीगजनियो  
कुचहारकेसंगनि पंकजप्रीतपरा  
गसनैचकवामधिसानोसयाके।  
तरंगन ३२ श्रीकृष्णकोमदहाव  
कवित वंयकनचाषोचितहैन  
अभिलाषोरससारकरिराषयामो  
उभाषोकंजकौनहे सोदनअमोद  
नसोमदतिमुहकनसोकास्योगल  
लालाजोमलावहयेगौनहे मा  
लतीमकुलमीजिहारुगेमनमा॥  
नोहेनमोनजहीभोनतजिलिजी  
नीमनमोनहे माधरीकोमंदहनस  
उरमयुषमनजादिनजेचलीवनच



दनकीपोनहे ३३ विभमहावल  
लकन दोहरा पियअविलोक।  
वसौभूषनवसनवनाधैवकरत॥  
मोरकेडौरहासोवनिविभमहा

३४ श्रीगथाजूकोविभमहाव  
कवित नेवरजगडमनजेहरि।  
चिसरवोऊपाइअरविंदनरेवंदिन  
कोथरिवो वांथेनि वलीनकसि  
हेरतिहियेमेहारहियेमनकिंकि  
णीकीभासनिकोभरिवो जावक  
रंगीलमिगसावकसेनेनरुहभाव  
कअनोषेहरिजनमनहरिवो का।  
ननमेमुरलीकीजाननसनतहीस  
सोकहाकाननमेकाजरकरिवो

३५ श्रीकृष्णकोविभमहावे क  
वित पाइनलपेटपागपेवनको  
वांथवोनपारितनपाइनसोसीस



हिलगाइवो सीसपरचंपककीमाल  
 कौवनाचौनरेकरसमूलअनकूल  
 जातुनाइवो पंकजकेपातनकीवी  
 रनकौश्रीठनकुवाइवोनवारवारहा  
 रवोसहाइवो वृत्तेजिनकहोअतिनी  
 केहेरीनीकेकाननीकैवीवनीकैही।  
 सिंगारनचनाइवो ३६ व्रितहावल  
 कून दोहा जाहिनबोलनदेतिहै  
 लातलपेटतआ ३७ व्रितहावसव  
 रनीयैकविगइनमिरन्या ३८ प्रिया  
 कोव्रितहाव कवित कपटीकीवा  
 नीतिषआनीपहिचानीजानीजानत  
 हमारीमनमेलभरमाइहै ३९ भीरीभा  
 मआपहीकेहितहातैहिठकीलाहि  
 तकीहितवाइहिवहाइहै धीरीपरि  
 आइजाइकपोलतिकहेदेतकहिअव  
 कैसेकामकीरतइहाइहै तेरेवितव।



तरसकोचकीसचोटीचरिचाहतनच  
 ल्योपहकैसेतनिश्राहै ॥ श्रीकृ  
 लकोत्रिहतिहाव सवैण बोलैन  
 हीतीयाहठहीकारिलोतकीरनकी  
 अरुनार् पुरकैमदलालभयेपियहो  
 रहेमनदीनमहार् रुचेतबोलतवी  
 रीनषातनचारहेमषयौसषदार् से  
 जसमीपपसीजतसेकरवैठेग्रहैमनि  
 मालकहार् ॥ विलासहासलकृत  
 दोहा अतिचंचलबेलतहसतबोल  
 तविवधविलास निसदिनपियणा  
 रीदोऊकरतअनेकविलास ४० प्रि  
 श्राङ्गकोविलासहाच कवि विरज  
 तकंठकोकलमधुरयुनिराजतअध  
 रनखपलवकीभाससौ लाललषि  
 लीजैअलकावलचपलअलफूले  
 फूलेफैलेमंदहासकेप्रकासकोआव  
 तअतलअतिसौरभकीलपदैरुचिर



२-  
५५

रुचिरजैचारुचंदनीउजाससो ला  
लकैविराजमानवारिजवदनवि  
चवसवतसंतरितरिविधहुलास  
सो ४२ पुनः लोचनवदमकरच  
रनकमलकूलेकलग्नलकावलि  
गालिनकेनिकरसी कुचकैकप  
ढकोककोकीकेजगललसैहार  
लनाललिततंगतिदरसी दीर  
चनितंवहुहंतिरनविराजरहीयो  
अतिबड़ीज्योनेहचटावरसी सा  
रीकगारीकीफलकसोककौरेले  
तसंदरीलसतिसोभासुधारससर  
सी ४२ श्रीकृष्णकोविलासहाव  
कवित अनिशारेकोरनमैरसकी  
फकोरनमैमदनमरोरनिमैचाज।  
रीलषारगै लालरंगहोरनिमैमद  
नमरोरनमैणारिचितचोरनमैचा  
तरीयालयै मेनसरपैननमैगैस



अैनमैननमैयहैवातसैननमैसकलक  
 रूयै इनसषदैननमैइनचितचैननमैण  
 रेइननैननमैसरतविकाइऔ ५३ पुनः  
 चेचलअनेगरंगसागरअनेगसमराषेवि  
 थइहीकैयोसननमरोरकै इतनैगुनन  
 परएरनविशजैजितेगजनकमलमीन।  
 षजनचकोरके सरसविलोकहरिले।  
 जहैरहैहीहीअजिनकेसचेहैचहिचा  
 रिचहऊरके दिनदिनहनीहनीलग  
 निकेलागरहैमेरेचितलोचनचुकेभे  
 हैचितवोरके ५४ किलकिचितहाव  
 लखन अमअभिलाषगरभअरुविस  
 मयक्रेयहरषभयभारी रेकहिवार।  
 होजतहवरनिहकिलकिंचतसषक  
 री ५५ श्रीरायजकेकिलकिंचतहा  
 व कवित हरतजुकैसेपरैचौकउज  
 केसेपीजरानसौरुकेसेरसलोभतरुसा  
 येहै ऊंजमगाआगैआगैलषियतलागे



र.

४५

रैनदिनजागेजागेआगेल्खिरगाउपा  
 जायेहै वृक्षदपदीकेभटसुतरीनदी  
 केनठजमनातटीकेनठनिकटिनह  
 पेहै सोपैतेहपेनंपुरेप्रेमकहिदेतही  
 नैनहरिलिनजेरनैमलषिपारेहै ।  
 ४६ पुन आपेलसदरहीतेदखारो  
 रक्खिनीचीअवलोकनिमोकरीहै ।  
 प्रणतति लालचसोमिलेलाज ।  
 आसनाकोकाउतहारायैनैकटाला  
 गैहीकटाकनकीवातैअति जरल  
 तरीछेतीछेसखलसुभाइनकेवारअ  
 नुवारअसुकारसतरौहीतती मानहि  
 पोससदानहैनिदानपिआरीआज  
 तेरेनैनपियनैतनिपहनगति ४७ पुनः  
 रूपतयतानिकरीजरीताहिकीलन  
 सोमोदनसौंदीवैहीगुरुलाजहै नेहप  
 वमानअतिलाषवादवानचितसाहि  
 वरिराषहितहीरनकेसाजहै रंगवै

म

करी



माथुरी के अंग अंग दीपत मे विहरत  
 बाहक मल्ला हरति राज है यिय रुचवा  
 रथ के बीच जाइ आवत है री अषी आ  
 ये आचते री राजत जहात है ४८ श्री  
 कृष्ण को किंल किंचन हाव ज  
 था कवित सहनिक सकत पलत क  
 तत आग सदकत उटकं जनथ कनिग  
 तचालकी करथरी वीरी लग अथर लौ  
 हो जनीरी उसासनिले तिलपटन अल  
 मालकी अटकी निपट पुज महल के  
 द्वार द्विगले तथु निकुचेतव किंकिणि  
 के जालकी सुंदरी सिरोमणि श्री वि  
 षमाननंदनी जू विहरत होरे जनलाल  
 निविहालकी ४९ विवोक हावल  
 कन दोहा रूप प्रम अभिमान ते कप  
 व आना दर होर नाही को विवोक क  
 वानत हे कविलो ३ राधा का को विको



र  
५६

कहाव तथा सवैया होलत चोरस कौल  
मालालव कामरी कारीय है तन कारो  
माघन हथ दही की कहावली छा छही  
कैरस कोरि कचारो वीथन वै न विषान  
बजावत वाहर छैल विलोकन कारो री  
तन जानत प्रीत के फंद की नंद की गार  
चावन कारो ५१ श्री कृष्ण को विवो क  
हाव कचित श्रै हो कानु का पर फिर  
त पद पीत का छै विंशवन मथुवन वि  
पनवनी नमै मोहनी को मेल कल  
की मो काम के लिखित पाइन पछे लब  
हु विहत सनीनमै लोचन अति चंच  
ल कनीन कानि कै मन कनीन की नी  
हम हंगनीनमै सुकट सनीन रुचिमा  
नद सनीन कछु राषत मनान आ जगो  
परमनीनमै ५२ पुनः वंसी को विला  
सगा जाल उराषत होललित त्रिभंग



निकरतवितभंगाहं हरहीकेचंदने  
नचकोरनिनचावतिपावतनकव  
हनभेदीयनश्रंगाहं छविनछीवी  
लेलालछतिविससोनछतियानके  
कपारतहोसरकतश्रंगाहं नैकस  
विलोकनिजिवावतहोयामैकछप्री  
तेहैनरसहैनरंगाहं ५१ विछिनहो  
वलछन दोहा सहजश्रंगाकीरु  
पसोरहैनभूषनचाव सोविछित  
वषानियेपरमसीलोहाव ५ श्री  
राधान्नकोविछितहा सवैया छ  
चनकीजुतवंपककैतनकंचननो  
तिहरचनजागे कसरिलेसहको  
सरिकैसकैदीपकदासनकीडुतिभा  
मे कोरिमानकहमनमानिकमो  
तनिकीरुविमैलियेलागे भूषनही  
अलिभूषनहीभयेहूषनश्रंगाकीउप



र.  
५७

के आगे ५५ पुनः कवित नौत्तग  
न होत मनिमातन की जोत अलि।  
जौ लौ मघ चंद मंद ह्य म विस्तारिये  
अंगन को अंग देष दाम नी विर होतये  
ही क ह्य कंचन को वंचन विचारिये  
फूले फूले पंकज लौ संकज म दर्जा  
ज सारी ज रजारी ही की सा दिये निहा।  
रिये सहज सिंगारन सिंगारन सिगा  
री अति आन के सिंगारतू कै से कै सिं  
गारिये ५६ श्री कृष्ण की विच्छिज ह्य  
व सवैया काये थैरे अतिकारिये का  
मरिया कवि सौ नल भावत को नहि  
नी केलंगे अति गोप ज रंजति देष गहै र  
तिरजत देरति नाशक मो नहि राखति हे  
न व भूषन हीतन कारन गौन सिंघे पर  
मो नहि भूषन अंजन लावत हैति विटो।  
तज सो मति डी वडि हो नहि ५७ मोक्ष



इतहावलकुन दीहरा भावअनेक  
 निसौजहाउपजतसात्रिकभाव ना।  
 हिक्किपावनकीजीयेसोमोदरतहाव  
 ५८ श्रीकलकोमोदरनहाव स  
 वेया रेकसमैत्रिषभानकेमंदनंद  
 महीपनितोतचुलायोवागेविरिव  
 लदाउवनेसवगोपअक्केहउक्काह  
 नक्कायो उचेकरोषनिकांकतिरा  
 थकादेयतहीहरहिऐहिरायो श्री  
 विनश्रीगरेअसुवातिनैपंकजके  
 रजमेलक्किपायो ५९ प्रियाकोमो  
 दारतहाव सवेया वागेवसीदवा  
 रीनवनावखनैउनघेलजहेवनवा  
 री देषअनंगतरंगभरीभलेमोल  
 उहीत्रिषभानडलारी ईकुरैहि  
 मरूपहिमंतचलोतिहऊपरयो  
 नमहारी नैनननीरचलावतआव  
 तअंगनकंपवडावतभारी ६० कु



१-  
४८

रमितहावलछन दोहा कैलिकल  
हकीकेलिमैजहाहोतचितचाव तहा  
सकलकविकहतहैहोतकुरमित  
हाव ६१ श्रीकृष्णकोबोधकहाव  
सवैया चंपकफूलनमालकेपान  
लपेटसषीकारणीपठायो ताहि  
लियैहसिकैनेदनंदनदेखतजीवसो  
जीवमैआयो मेलअलीकअंजुज  
अंतरमैजदियोसतिपालषणायो पू  
खीकहातियबोलेकहापिपतासो  
कहामनमोदवडायो ६२ दोहा पि  
यणारीचितचाउकंरेसववरनेहाव  
भलेचूकेभावकोकविकरलेहु  
वनाव ६३ हावभावकेभेदसवक  
हेवथअनुसार आठभांतकीनार  
कावरनोकविविस्तार ६४ इतिश्री  
सिंगारसमाधुरीयाषष्ठास्तः ६



दोहा स्वाधीनकृतभारतकाकलहेत  
 रत्नानाम विप्रलंबतकंठितावासक  
 सजावाम १ प्रोषतपतिकाषंडताअ  
 भिसारकाविचार रेणारीत्रिजचंदकी  
 आठभांतकीनार ६५ स्वाधीनपतिका  
 लछन दोहा जाकेहुकमसुदारहै  
 प्रीतमगिनैनानमोस्वाधीनपिया  
 कवनिचरनीप्रातसमान १ प्रबुद्धन  
 स्वाधीनपतिकासैया आऊनसेज  
 वयोऊपहकठनाहीकरोरतिरंगत  
 केतो ह्यथकुशरहोगहिनीवहि  
 राषतहरकौछलजेतो मेरीसवैर  
 तरानकीवानमोहीयैमहासुषमान  
 तरेजे जेतोकौअपमानकछमन  
 मोहनकैमनमोहनकेतो ४ पुनः  
 कविन राजतिनअनौमिगराजकै  
 सीखीनकटियजौनउरोजगजकुंभ  
 समपीनहै अजौनसुहाईनिजेव



श्रि-  
धर्म

५१

नगरजागति देखे नहि अजौ राजहंस  
लाजली नो है होनी अजौ माथुरी कै।  
सागर उजागरता अजौ नैन मीन दिन।  
हो नरस भी न है वानी सरवीन सम हो  
नी है प्रवीन न रुभाव कन भी न ही सो  
प्रीत मअपी न है ५ प्रकास साधीन  
पतिका कवित राजन अने ग के तरं  
ग से तरन नैन देख गति मनि सवन सी  
कावर सी की तूही उरव सी तेरी चे  
री रू न उरव सी राजे उरव सी अति आ  
भा उरव सी की आनन उजास आसपा  
स भास मानि भास सोहत है समान  
सरद के सी की लालन के से सी को  
न वाल सर साल जा के अंग उपा दी।  
सारी होत जर क सी की ६ पुनः सबे  
या वेध नि है त्रिज वालन को मन रु  
प विषे विलास न जागी पान करे  
अथ रासित को नि सवास भान करे



रसपाणी कामकतहलकीमनयामर  
 हैनितहीवहुंगनरागी कुंजनकुंज  
 रमाक्रितहैमनमोहनकीमुरलीमुर  
 लागी ७ कलहेतरितालकुन दो  
 हा पहिलैपीयहिनआदिरैपीछैजो  
 पछुताइकलहेतरतानामकहिवर  
 नननाहिवताइ ८ प्रकुंनकलतरता  
 तथा सवैया जोकहियैनहितनसौ  
 तौतोमनोजसकीपसतावतभारी जो  
 कहियैसुतिहीछिनमोपतआवत  
 हैवरिजालअटारी सोचसंकोचठ  
 हैनकेवीचभरंगतदोशरीकीसवा  
 री सोईकटेरीकौपातभयोउठार  
 दीयेरिसकेवनवारी ९ प्रकासक  
 लेहेतरता दोहा सवैया जोभलपे  
 रहीलाजकेपादिसनाउनलेविनती



श्रि.

५

५०

करलालहि आपनै दोसनिवारस  
रोसनमारमसोसनिहे हियहालहि  
सौरभसारभरेमलयानिलसंगलग  
रचलेअतिआलहि देखवसेतसमै  
कोसमागमआगलौमागसतावत  
वालहि १ विप्रलवधालछन दो  
पीअपररेभनपावईलहिसंकेतन  
केत दुचितउचितचितसोचरचिवि  
प्रलवधतिहहेत २ प्रछनविप्रल  
मया कवित चित्रसारीदेखनकैच  
रभरेभोरभरीहियेसरसारसषकी  
यैमिदुहासकौ सोहनविमासको  
दकपटविकासआनीहुतीरसरस  
केलिमहलविलासकौ सुनोल  
षितैननिसौरुनौमनमानरहीचली  
हेनठाठीरहीलहीनउसासकोकुं



जमपुलोथलीनचंचलअलीनसम  
कुंचतकटाकनविलोकीआमपास  
को १२ पुनः सुंचतकैरुदकपीभर  
तउसासनकोधरतपिरुंअतिआनन  
अमलमैअधरनिनीरीद्वैविशुंकरि  
वीरीगिरिरीनाजकीनकहुंकुंजही  
केदलमै आरुहुतीओरैओरैभाउहे  
इगईसोनेहुकीवेलीमरफाउपरीप  
लमै चलीआधेपाउनसोवोलीआ  
पेवैननसोदेखीआधेनैननसोकेल  
केमदलमै १३ प्रकासविप्रलधा  
तथा सवैया मनभावनकीजहआ  
वनआसहीचदंसुषीकरिचावगई  
तदकुंजकुटीमुकतालिछुटीलषि  
कोवरनैजिहवातभई सुषपैमधुपा  
वलआवलजोवहिहीहुउसासन।  
सोतचई तनतापनिकोनलताव



प्रि.

५१

५१

चरं मथुयैरितग्रीष्मकीरचरं १५  
पुनः द्यौरचराउमरीचक्रुडरनदीरच  
रामुनदेतदिषारं भादवकीश्रुति।  
कारीनिसामयभारीलगैश्रंधरीही  
सौछारं वालगारंउहकेलकैकुंज  
नहौनलषेत्रिजराजकनारं तासमै  
पावसपावकभौरनिराजचमहस  
महनिषारं १५ उतकंठमालछन।  
दोहरा चिततचितसंकेतचरअन  
आवनकौहेनसोईहैउतकंठताआ  
रसतापसमैन १६ प्रछैनउतकंठि  
ता कवित कहैअरकेहैकियोका  
हूअटिकाइहरिअजहैनआरेवरी  
चरीयोटरतिहै पूछतसकतसघी  
जनकौसकोचभरीसोचभरीअविषा  
नौथीरनथरतहै दीरचउसासनीरी।  
होतहोतनअथरवीरीपीरीकारंउज



रेकपोलनभारहैं मंदरतेपौरतकपौ।  
 रतेलैमंदरलोहेरतहीजातिनैकुनी  
 दनपरतहैं १० पुनः सवैया ईठितजी  
 किगईनवसीठकियौवसकानकौरी  
 ठभोहैं नाहीकरेकिगरेवनमाईकि  
 काहूपियागहिवांहलरोहे आरेन।  
 लालविचारतवालविहालहैंधीर  
 जछूटगईहैं आसुछियाचतयामिस  
 सोद्रिगछावतपावतपंकजकेरजये  
 हैं ११ प्रकासउतकंठिता कवित क  
 वहंरसालकीलतोनसौकरतवातक  
 वहंकुमालनीकेजालनिचिरतहैं।  
 कवहकचाभरीचंपाकेसमीपजाइ  
 पारूपरीभोरनकीभीरनभिरतहैं आ  
 लीआलीकेलनसौफूलीराखेलन  
 सोरंगभरीवेलनसौवोलीनिमरति  
 हैं दैगरेविसासभौनआरेगनस्याम



प्रि-

५२

है

कोनयोनहलेरुषनसोपुछतहै १६  
पुनःसवैया कामनजामनिनैकु क  
रहितवेशपुनेतमजालवडावै नी  
दंधरैगरुहोगतमैविधराजकृपाक  
रजौलौछिपावै जौलगभ्रापनीको  
लयरैसनिभावनकेलिकेमंदरावै  
औहीविचारविलोकैचहूँदिसिमेंनम  
ईचितचैननपावै २० वसकसजाल  
छन दोहा मनभावनभावनदिव  
सकरनिसुरतिकेसाजवासकसजा  
कहनितासोसकविसमाज २१ प्रछन  
वासकजाकवितकहूमनमोतिनके  
गहनावनाइयतकहूमाललारयल  
केलकेकमलकी कहूलालललि  
तअलापकरैयाआलीजनकहूँसेज  
कीजतगलावनकेदलकी काहूम  
भकाजकेकपरसोसिंगारिअजिम



तिभरमार्ग प्रतिवाति पचपलकी औ  
 र जो महल सभ सहल लये रलाल प  
 हिल के संग सो भा आज के महल की  
 २२ पुनः सवैया अपने कर की चतरा  
 रंदिषावन के ज निकेल की मालवन  
 चाह सो चित्र विलोकन के मिसहार  
 ही डिगनैन लगावै हो डही हो डसहे  
 लन सो रुसियो नव भूषन देह दिषा  
 वै पाल ही साज सजै सव ही निशवा  
 सक के न विलास लषावै २३ प्रकास  
 का सक सजा तथा कवित के सर के सं  
 ग कस्तूरी सो उवट अंक सो पै सो अन  
 नारिषरी प्रतिही प्रमाहिके सकल  
 सिंगारन सो सधिन सिंगारी प्यारी पर  
 री किनारी दार सारी यो सुटाहि के  
 नैसी यकुच निक सवोधी कस कंचुकी  
 की जोवन की जेवत नरही अत गाहि



प्रि-

५३

53

कै केलकेमहमाफमदनकेमदछ  
कीरावरीयेचाहअवरहीमगचादि  
वों २५ पुनः सवैया प्रातमहापुर  
वीसनीघेरहवातसोवेगियेस्वामहि  
सावति थोरिहीनेहसोदीयसजो  
रउकेपिजगमैसुवाहिछिपावति ।  
नेदकुमारकेआगमवासरवागरमा  
रिविनोदवरावत तोवनरेगअनेग  
तरंगउहेमिलियंगनिउपवरावत  
२५ प्रोषतपतिकालछत दोहा ज  
केपीअपरदेससोप्रोषतपतिकाजो  
र अतिसंतापसनीरहैसहजहवरी  
हो २६ प्रछेनप्रोषतपतिका तथा  
कवित नागरनवलनेहसागरविदे  
सनिमिउगागरपरतनपलिकोपर  
तिहै फहीमुसकानिजानपूछैसवी  
आनआनतिनसोलगोहीनेहयानै



निवरति है आप ही मैं आप छि पावति  
 वही रस जा पही ह परता पतन त मैं परत  
 है हिन जन रुखी जानै मन हंन पहि  
 जानै श्रेष्ठिय मिलन की आसायन  
 रत है २३ प्रकास प्रीति पतिका त  
 था कवित राघतिन वाल मुकता रु  
 लन की माल उर को मल मला वदल  
 हायन लगवई देत पूछी बात न को उ  
 तर सखी न मम संग न को रंग संग रागा  
 न छि पावई के तेवहु त्रास हन का डन  
 उसा सचर सासन न दीन उर हिय ही व  
 तावई वाल म विदेस वस वाल महिने  
 सच सवाल वस विरह सनै कुत जिता  
 वई २४ पुनः आज काल आन क है ते  
 रे मन भावन दरे हो विह्वल वन को छा  
 नत क पट है रावरे तो घाल राहा वौ ते  
 कौन हालति नै पूछत न लाल चितष



प्रि.  
२  
५४

रीचटपटहै पातविरहिजगलाग  
तअनैसोकहंभागतवनैनचहंऊर  
तेकपटहै ओमधूमधोरनीहैताग  
गनचिनीहैचंद्रचिंघपावकहैचो  
दनीलपटहै २५ पुनः जलधरहर  
देसतातेकरलानीअतिहवरीलसति  
रेकलतासुवरनकी सोनेकेसरोज  
परसोवतसरदचंदआसपासधरैभा  
सतिमारेगनकी परसपरसतिल  
कसमसमीरधीरचंचलताहोतबंध  
जीवकेसमनकी घंजनजगलसुरस  
रजलविंदुसमउगलतअवलनवल  
सुकतनकी १- खंडतालछून दोहा  
अतिचिंतासंतापजतिवहैघंडतातीअ  
भानसंदरीसरतकरआवतजाकोपी  
प्रप्रछंनघंडता तथाकवित सवैया  
रतिरेगरेगेरतवालमआरेइतैअरुनो



दयभासलही लषिभासमतोभवके  
 भयसोनकछुवैकहीसुषसौसरही अ  
 सवानभरीअषियानविसासनहतीको  
 आमनचाहिरही कलकेनकियोप  
 टचूँटकोअतितातेउसासउसासन  
 ही ३२ पुनः अंजनरंजनअचतिऊठ  
 नजोलगवालविलोकनलागी नौ  
 लगलालउताइलआकेचूमवहीअ  
 षीयाअनुरागी वेहीसुधारसकेपर  
 सेपुलकीजनरंगनअंगनजागी ते  
 हअछेहसनीसगतीविसरीरजनीच  
 तियारसपागी ३३ प्रकासघंडता न  
 था कवित उनतउरोजनकेषोजउर  
 केसरमैकंठकलकंकनकोअंकदर  
 सातिहै ठौरठौरचीनुनघटंतनकेदे  
 षीअतिजावकसरंगअंगअंगसरसा  
 तिहै सौहैकहंपीककीककाजरकी



श्रि.

५५

55

लीककहं सैदुरकीसीकसोभावरनी  
नजातहै जागेरतिरंगरातिआरेअर  
सातप्रातदेखरंगगातरंगचूनरीलजा  
तहै १५ पुनः द्विगकीलकलीज्यो  
खलौदीलमैनिस्सीहंवातनमैकु  
दिल्लारि कुंचितकामैकमानज्योभौ  
हचरीयैलषीकवहंननवारि सूंच  
हकैपररुहमैसुदरिआननचंदकी  
चारसदार् जौपरतीनउसासहिभौ  
रहीतोरिसमानतैकैसेकनारि १५ अ  
तिअभिसारका दोहा प्रेमगरवअ  
रुकामवसचलतजललनकैधाम  
वहैकहैअभिसारकाज्योव्रितकुंजन  
वाम १६ प्रछैनप्रेमाभिसारका जणा  
कचित रेकैदोपैदुपरकेलकेसरोज  
तनितीनचारपैदुपरदारीफूलमाल  
को पांचछेकपैदुपरदारीमनमोजी



मालमंगनविहालधरैवादलाईसाल  
 को प्रेममदमातीआसातीअतिवेगच  
 लिदेघोईचहतवोमणारेनंदलाल  
 को उरजउंगजाईतितेवनगरजाईक  
 दिलमुताईदुषदाईभाईवालको तथा  
 सवैया जगपारलपानकीकरहरउ  
 तारअमोलहरागसो बरकीलीड  
 हंकरकीवलियानिछिपारलईपट  
 आचरसो पियकेचरकोचलीचंदसु  
 षीयहसाजधरैनिजनेहरसो इतिदं  
 तनकीदसहंदिसफैलतवोलतना  
 हिहीदुरसो ३० गरवाभिसारका  
 तथा कवित आजगरवीलीसोतन  
 नकेसहागनकीसीवदेहदीपतिकी  
 दोरनदपेटिलै आलीअभिसारको  
 समाजनैकुसाजत्रिजकुंजनकीकेल  
 नकेरंगनिफपेटलै जोतिनसोजा



प्रि-

२

५६

56

गम्यवीयानमन्यगामनलागनसौला  
गिमनलालनलपेटिलै तागानसं  
नरेसपहनिकीफोजवीचवैठिरथभा  
गेजातचदेहिचपेटिलै ३६ पुनः प्रक  
स जथा कवित विंशवनचंद्रअति  
सोभावरीचदजिमकुंजभोनचंद्रिका  
रजासचहुंकोदज्यो फूलरहेअल  
निकेअंतरकमोदवदलोचनअनं  
दभोहकोरमनमोदज्यो सोतिनकी  
दुतीसोरसोरजिमकरणाकीसौतैग  
ईहरभजपावसण्योपोधज्यो आजस  
षसारभसौतेरोअभिसारणारीसोह  
तसरदरितसरसविनोदज्यो ४ पुनः  
प्रकासगारभाभिसारिका कवित वि  
छयासवारैचुंचरूपसोरवारैपानेव  
रतगारेमिलनोवतकोसारहै चंचल  
चलनकचअंचरनिसानवरहीरनकै



हारनरवीरनवहारहै एतै असवारम  
 नचारनपै चार त्रिपतेरी अभिसारसधि  
 कोजको सिंगारहै आगै चंचरी कच  
 ले आवतचदौली किपै हांकतहरोली  
 आगै सौरभकी धारहै ५१ प्रह्वेनका  
 माभिसारका तथा कवित चरमचर  
 जगोरचटाचहं डोरचरीदसोदिसिमा  
 फदा मनीनि को विलासहै तैसीनि  
 सपावसकी मानहुअपावसकी कुंज  
 भौनभयोभरभूषकोनवासहै वरी  
 वरीबुंदै डरपावनी लगतयोही श्रीसे  
 समेष्पारी अभिसारको दुलासहै पं  
 थकीचवीवपरी कंचनकी करीजा  
 निपकरी भुजेगमनमानककी भास  
 है ५२ प्रकासकामाभिसारका तथा  
 कवित गुरुगनग्रंथनकै पंथनच  
 डोगी कवि संडभाव छाडौरतिईससी



प्रि

40

57

सथनैगो आनतीअमानहीकैमान  
परमानकहैमानविनकौलौनेहग  
नानगणौगोयोकहिसिषार्सवस  
षितसजानगधेसाधेहितकैसेचित  
नईचौपचुनैगोसभयमषीहैचोकचो  
लीहेलीहरिकहिअंतरहीवैहो क  
हैकंतयहसुनैगो ४२ याकचितमै  
नययसषीनारकाकौमानकरनौसि  
षावैहै तामोसिछाहैतोहीपंछनव  
लोगीकवयायदसोअभिसारकावो  
धतहै दोहा रेसववरनीनारकाआ  
ठौभांतवषात उत्तममथमअथमअ  
रुतीनभातकीजान ४३ अहितकरै  
प्रीतमतऊआपसदाहितहो ४४ उत्त  
मलीलाकोथरैनारउतमासो ४५  
उतमानारि तथा सवैया हीपहिले  
रिसकेचहिलैपरिसोमुखचंदहिदेष



लुभानी प्रीतसौ कां पीसो द्वै गार् आपन को  
 धन फूल की मालवतानी रंग भरे रत रं  
 ग भरे लषि आ घरे करे नैन अमानी भा  
 वते लाल विसोक जवाहिमान की वा  
 त सवै अकुलानी ५६ पुनः प्यापी प्यो  
 पासे जही ये पि पहे है मलीन कली।  
 न के कोरि सीरो सरंग संगंधरे हो हगी ता  
 ही के पारन में मन जोरि कामनी का प  
 र को पकियो यह कंत कहा रि सनेह में  
 होरि तौ कति लोचन लाल किये निज  
 भाल के जावक की रुचि सोर ५७ म  
 थाल लून दोहा कछु अहित कछु।  
 हित कोरि लाल हिता हिमं देष तथा।  
 जोग आदर करत मार मध्यमापे पि ५८  
 तथा कचित आले लषि हर ही ते उर  
 वो उरि नी कीत वै अव लोक न सो करी  
 है प्रणत तन लाल चमौ मिले लाज  
 आसन को छौ उत हारा पे उने लागे रिक



श्री २

५८

राखनकीवातैअति तरलतरीछेदेउस  
रलसुभाइनकैवाअनवायअगछाअस  
नरोहीजति मानाहिपरोसरसदानहै  
निदानपारीआजुतेरेनैतपियनैनन  
पहुनगति ५६ पुनः सुषनकीवातै  
वहीहृत्तनकीचातैरहीपारुकेपरत  
प्रीतप्रादीपियनकी पूरनपरसरस  
अरसपरसडुहंसरसलभाअभरैहिल  
गहियनकी लालकीलटकिमिल  
सकटकीछटनिमोअटनिभरैहैकुज  
टिनमैविपनकी मानकीअटकसो  
अधिकिअटकीनिपरीनपरनिकट  
अनिवटविद्धिअनकी ५७ मधमाल  
छन दोहा प्रीतमकैहितकरतरुजा  
हिनहितकीवानि अतिचंडीअतिकी  
पनीताहिअधमनीअजानि ५८ तथा  
कवितवेतोहैअधीरषरीतेरेनेहपति  
उनैवैसीवटतीरतजनैकुनहीजातरी



तेरे मुख चंद चाहि नीके चाहि चंचल है  
 लोचन चकोर कोरि नाम से नाना तरी ॥  
 धिनही निदाना हृषी तेरे मानता पै ॥  
 प्रीतम के प्रानता पै कामवान वातरी ॥  
 कछु न वसात विरहन विसरात नहि गा  
 तही विलात जलजात न के पातरी दोरु  
 रह संजोग सिंगार सब वर न्यो वेदवना ॥  
 विप्रलंब सिंगार अब सुनौ अवे सरसा ॥  
 ५॥ इति श्री सिंगार समाधुर्ग सप्तम सर्ग  
 ६० अथ विप्रलंब सिंगार दोहा पी  
 अण्णारी विकूरति वदति अतिसनेह वि  
 सता विप्रलंभ सिंगार सौ वरनत चार  
 प्रकार ॥ आदिसकल अनुराग के है ॥  
 पूरव अनुराग करुना मान प्रवास पुनि  
 अपुनी अपुनी लाग देखत हीर स और  
 सो नैन निपस्यो सभा सख सागर सर  
 तल लन विन देखे दुषदा ॥ पया को प्र  
 कृत पूरवान राग कवित राचे सरंग



श्रि-र-

५५

59

नम्रगानकोसंगलहिमहावरंगकृते  
अतिगतिरंगीहै रूपनलमाफतरे  
लोकलाजसोनगिरैभलीफिरैगेह  
सोसनेहसावगीहै लाललषहालि  
इनेकीजीयेनिहालविनदेषेरेनिहा  
लनटसालनसोपगीहै मोहनीकैम  
त्रलगीवेहीमिदुहासपरीप्रेमकैठ  
गोरीठगीरैनदिनजगीहै ५ पुनः र  
हैवरसारोरोरोसरसारैअतियौहीन  
रसाररूपनैकरूपदरसावरे उठिउठि  
पारैलोकलाजविसरारैवरजीनचिन  
लारैआनितहीसमकावरे तेहकैल  
गारहनीहनीकैजगारैआचजातनव  
फारतहीसमकावरे मोहचालआ  
रैभरैआषेउषदारैअैसेतैहीउरकारैअ  
वतैहीसुखजावरे ५ प्रियाकोप्रकास  
पूरवानगा नथा सवैया होसमकी  
हितहोरीकेषालमैलालनमठिग



लालकीशरी ताहिअनेकअगोऊनसो  
 कविकीलैअगोऊतिहीपंचहारी देखो  
 भयोयहैफागनयासुषवीजभयोत्रिज  
 हलहैप्यारी आषनमैअनरागवसोस  
 रहीअनरागवसोरंगभारी ६ पुनः क  
 वित पूरनपरागरतिराजसरपूलन  
 कोमादकमोदकमनमोहकलषायो  
 है रावरेसीलेकरकुंजमेंमसूठीभरि  
 देहीतनचाहिचाहिचोगनोचलायोहै  
 छोटसगलावसयोधोरहारीउनको  
 इनमैसोअधरिउकोहनछुडयोहै रा  
 योलालतूकालालफागनषयालव  
 हिमोरत्रिजवालिनकेआषनिमैछा  
 योहै ७ पुनः प्रयाकोप्रछंनएराव  
 राग जथाकवित नारकसीदीपकसी  
 दामनीसीतिनबीचकोरचंदचांदनीसी  
 आगनसोछैगई अतलअनंदनिमो



प्रि.

५-

60

माधुरीअमंदनसौकोरछविछंदनिमो  
नैननिमोनैननिमोछेगई लागतन।  
कारंतिद्वलोककीनिकारं औसीमो।  
हमपुणरंचरकीलेचितद्वेगई का।  
सौकहजानैकोनअंतरहीलीनेमो  
मतादिनसौचहुंदिसचित्रसारीद्वेगई  
८ प्रियाकोप्रकासपूरनातुराग तथा  
कवित पलनपरनयोपैकलनल  
गवपावैतारेनचलनपावैचंचलता  
भागीहै तोनहैनसमुहातिऔसेही  
विहातिरातिविथासरसातयातविर।  
हकीजागीहै तोविनविहालहालभ  
रेगंगपाललालदीनियेदरसवालजो  
पैरसपागीहै नमनाकेनीरकहुंका  
ललषिपारुनैसोईछविलीनद्वेको।  
नैननिमोलागीहै ६ दोहा देखनवो  
लनमिलनविनेवढेविरहरसमान।



उपजततासोदसदसातिनकोकरहु।  
 वषान १ काव्यकंद प्रथमहोअ  
 भिलाषवहुचिंतागनभाषन समि  
 रतिअदिउदिभे प्रलयउनमादसचा  
 षन अंगअंगमैव्यापजोरजडतापु  
 नहोई नेहवडैभयहोतमरनपावहु  
 जिनकोई ११ अभिलाषलकन दो  
 द्विगवातनसोमिलरहैतनमिलवे  
 कीचाह ताहिकहतिअभिलाषहै  
 सकलकठनकेनाहि १२ प्रियाको  
 प्रह्वनअभिलाष सबया वीजनाकी  
 जतअंगनअंगवरीअमकीजलपार।  
 करीहै केतोउसासभरैनिसवासरदेख  
 विद्यामनमेरेवरीहै रुचोमनोरथमं  
 दरताकीसिरीनहैकेयुक्वारचरीहै १  
 नैकुतोपीरतकौपरिहैअतिपातरेगा  
 तनिहारवरीहै १३ प्रकासअभिलाष



प्रि

र

६१

६१

कवित शैलकटिका छनीमें नाभी  
सरनायैरीत्रिवलीनरंगनमें अति  
सरसायै रोमावलरुषतरनैकवि  
राचीरकेवरकेरंगनरचायै वा  
कीवनमालसौलपटिउरकायैरी  
आकेत्रिभंगपरवारवारजायै नै  
हीछिनननमनतापरिसरायैचणा  
रेत्रिजचेदकौदरसनैकपायै १५  
प्रियाकोप्रछेनअभिलाष कवित  
कंचनमहीसीकविहैहैनेतषंजन  
कोलोचनचकोरकवपाइहैजनार्  
सी फूलीनलनीसीकवलैदेहवि  
अभिलाषअभिलाषभांतनकेसोर  
भसहार्सी चहचहेचाहिचाहिचा  
निकसिषीनकवहैहैसिषसेहवर  
षाकीअधिकारसी रूपप्रभतार्सव  
सोभाकीसमार्कवहैहैदरसार्तिह



हलोककीनिकार्सी १ पुनः पीरी  
 परिआईकानअंगनकीफार्सीवे  
 दनवडार्कोलषीहैगजगामनी श्री  
 चकसीपरीचितपीरतानथरीमषला  
 जपरहरीश्रीसीभावनीकौभामनी धा  
 नसौलमावनहीवासरवितावतहोमो  
 दिनवतावतहोश्रीसीकिहभामनी ला  
 षलाषभांतअभिलाषनहीराषिपत  
 भाषीयतभेगसौनकोहैवहकामनी  
 १६ प्रिअकोप्रकासअभिलाष सवै  
 तादिनतेललतेललचाइरहिउचित  
 चाइसौचौमनौदुषै वारतहोतिहलो  
 कनिकाइहदृषतऊषमदृषपिएषै  
 चैननहीअवनैननिलागरहीअव  
 लोकनिकीवहुभूषै आसुवियोग  
 अतापकेकीचपस्योउरफेरभरैफिर  
 सूषै १७ चितालछन दोहा किउमि  
 लियैकिउठालियैकिउवसकरियै



कंत उपजतचितचिंतादसातिसदि  
 नरहतसचिंत १८ प्रयाकीप्रछेनवि  
 ता तथा कवित जाकैअंगअंगना  
 कीछविकीतरंगनमैवृडमनजातता  
 हिक्सेमनदीजीये जाकैवसआउ  
 तिहलोककीनिकारनीकीलागत  
 सहारताहिक्सेवसकीजीये विंश  
 वनचंदसुषकंपकोरिछंदनिधनंद  
 कोउलायेभरिनैननकोलीजीये  
 कैसेकरयाहिनिसवासरसमीपले  
 अनेगाजरहरनमयुरमयुपीजिये १९  
 प्रियाकीप्रकासचिंता तथा कवित  
 दीपचितचाहमोहसललअथाहमो  
 चनदीपरवाहअतिविषमवहावसी  
 लाजवडवाादिनरैनरहीजागिरत  
 गजरहिउलागज्योमगरकीजेदावसी  
 कोरकविचारनहरीनविस्तारकैसेष  
 रैनिसतारनितहोतअधिकावसी दे



षत होलालत सौ देषि विज वाल बहू पै  
 रीप है विरह पयोनिध मै नावरी २ पुनः  
 अति मत वा रे लाल लोचन तिहारे प्रेम प  
 योनिध पूर मधि डारी विज नारी तेरु कु  
 ल कामिलो हजाल न जट तिलाज क  
 वन जहाज वैठ के ते दिन डारी है विरह  
 दसन है के लापो मै न महुमी न अवनि  
 रथार भर वि कल विचारी है उर ज उतंग  
 चट उर सो लगानुली न तेरु असु वानि भ  
 र कीने अति भारी है २ प्रिय की प्रकून  
 चिंता तथा सबैया अवलोकत हीर  
 हिये निसवास की अवलोकन होइ क  
 री अवलोकै विना न हिलोक मै जीव  
 न जौ भरी जौ विरहागरी विज चंचल  
 चाउ चवाउ न की चर चाचरु करन ते पस  
 री छिन के विछुरै जीय जानि परी सब  
 री अननै न निवान परी २ प्रकास चिंता  
 तथा तथा कवित अंचर के अंजर मै



प्रि-र

६३

६३

प्राणनम्रकासतहीआसपासपृथ्वी।  
कोऊजासम्रसदेषियै फूलेश्रविंद  
नतैपारजातविंदनतैसौरभसमहस्र  
गश्रगानिविसेषियै विजकीकहाहै  
निहलोकमिगानैनकेनैननकीतार  
कासरेकैवहलिषियै प्राणनतैप्यारी  
विषभानकीडलारीहियलागरहीभा  
रीकहैरैकैछिनपेषियै २१ गनकथ  
नलछन दोहा प्राणपतीकेगनन  
कोकीजैजहावषान गिनगिनमीती  
रतेनज्योसोगनकथनप्रमान २२  
प्रिआकोप्रछेनगनकथन कवित  
उरजउतैगनकोनीलमनहारहै लो  
चनचकोरनकोचंदश्रवताहैकिंचि  
ताचातकविसथाचनविसारहै प्राण  
नतैप्यारेलोकप्राणनआधारहैकि  
योसौरभकोसारहैसोभाकोपसारहै  
रूपरसमाधरीकोगतसकुमारहैकि



रूपधरै मार है कि नंद है कुमार की है २५  
 प्रिया को प्रकाश मन कथने कवि  
 केलि के प्रसंग और और ही निहारे अंग  
 गांछि न छिना गरी सो फ और स चारे के  
 नित्य के जगरे अंग अंग उजि आरे लघ  
 वा वा रारे वान में नमत वारे के माधु  
 रीतुरंग भ सो लो नो रूप सागर सो कै से  
 पीयो जात भरे लोचन कजारे के रेक  
 रसना सो अलि जात न वषाने गगन सो  
 रचेद वारे नंद नंदन प्यारे के २६ श्री कृ  
 ण को प्रहृत मन कथने तथा कवि  
 दीन है दुरात मंद पौन के उवाये ही पंच  
 पक चितै कै चंचरी कहन मन्यो है  
 बाट कहाने देह दामन अ पीन क  
 रिके सर करार्ग गहिरूप ही न जान्यो  
 है कंचन के केतक की रंचन रची है  
 रुचि फली भौन सो न जही को न उर आ  
 न्यो है लाल ललना के नव अंगन



की आभालषचौकचकचंचलागा  
नतनतान्योहै पुनः लाललनाके  
सुषसुषमाकमललषिकलनापर  
तमुरकाज्जातपलमै पूरनपराग  
भरसंगनिविभूतथरिकेसरजहानि  
कलहैनहलचलमै कोमलसि  
णालोकचरणकेहालठाउछिपेव  
हुकालकलदलबलमै कलमै  
अलिनकेजालअरुअछनकीमा  
ललियेणिवज्कोजापकरैजोगी  
भरैजलमै २२ प्रिअकोप्रकासमन  
कथने कवित परमप्रकासरतिराज  
कोनिवासकलामोलहउजासप्रति  
मासभासभीनोहै हियकोहलास  
कुवलयकोविकासअंधकारनकी  
नासनेनप्यासहरिलीनोहै तेरेसु  
षसुषमाकीउपमाकोहैनतऊजाते  
छपजातिछिनछिनछविछीनोहै



वेगहीतगनाहिभाजापोचाहैचित  
 पाहीतेमपंकुनैकरंगरथकीनोहै २  
 सम्रतिलछन दोहा ज्योत्पोपीअस  
 पहोत्पोपोसबसुधिहोत वहेकही  
 सुधरतिदमालगीरहैदिनराति ३-  
 प्रियाकोप्रह्वनससित कवित जि  
 नजमनाकेकूलकीनीरसमल्लके।  
 लिजिनहुममूलनिअतलसघधर  
 ती जिनवनवैलनिसहेलनकैसंग  
 जिनिभूषनकैचारफूलीवीनतब  
 हरती जिनप्रिजकुंजनकीवीथनिन  
 सोथनिमैप्रीतमकैसंगरतिरंगरसभर  
 ती तेठोरनैननिसौजातनिविलोक  
 जिनिठोरनकोचारघरअंगनकैविस  
 रती ४ प्रियाकीप्रकासससित क  
 चित फूलेफूलेपंकुछपाकहंधुरि  
 परिपलवउठारअलिआधनकैआगे  
 ते अंधरतैआजएत्योचंदहिउतार



प्रि-२

६५

65

लेहुह नोइष होत चेत चांदनी कैला  
गौतै वाचिन वसंत के विहार न विदा  
ईकर चूखौ जान चित पिक पंचम के  
गोते नैन नौद घोइर ही श्री सी दसा  
होइर ही सवै सधि सो भर ही रे कै सधि  
सो भर ही रे कै सधि जा गौते ॥ प्रिय की  
मछन समुति सवैया फूले से भले  
से लोचन रोचन कै रुचि राचर वाहे है  
इफ के से छ के से व के से उ ही भगवाह  
त नै कन चारे चंपक चंद्रक चंदन वा  
दनी चंद व है अति तापत चारे छत  
कानक हो किन कोन कै सोच सको  
चम चोटी सचारे ॥ प्रिय की प्रकास  
संसत मोर हिलावत पिलावत सक  
नम्रिगमावक मिलावत परम सरसा  
त है चंद हिवुलावत इलावत श्री  
नम्र कुलावत हिये मै अंग अंग अंग  
मात है भेटत अचं मन सोरं मन के



यं भनलता को परं भन को अनिही  
 सिहान है आज काल वाल मोहन  
 लकें के इन पालन ही लाल के के  
 वासर विहात है १५ उहे गल छन  
 दोहा लग्न लग्न के जोर तै सुषदा  
 क सुष हो १६ उहे गस दीव है भाष  
 त है क विलो १७ प्रिया को प्रक  
 न उहे क विलो जिन जमना के क  
 ल की नीव व मूल के लिते र लो म  
 ल से न जात द्रिा धरी है केत की कं  
 नित करे जो कत लान की उ क कला  
 क सा न की के ती क क परी है जान  
 त म धु य ए म पार न को दे धि ये पला  
 स की न शर फूल भा न सो भरी है दे  
 ष न वि यो ग नी न रु स न वरी है आ ग  
 के ती शरी जरी मरु के ती मधि जरी है  
 १६ प्रया को प्रका स उहे ग स वैया १



प्रि प्रि-२

६

१६

60

कोरत करे जो कर पत्र से करे कर क  
रत करे करे कम नै कुन सका तो है सिं  
थ के मंफार व सल्या वत न हर छ स के  
थो क हार म देत म निचा तो है सीरो  
कोन क है सवी मार व सुधा कर हिया  
डुव मगान जाल जाम थ समा तो है व  
हंदि स विथुर जता गान ते ज क न ज  
न मन ता पन त पन हंते ता तो है १७  
प्रि म को प्र छं न उहे ग स वैषा वाली  
छ वी ली के मगान राच के लोचन र  
ग भरे मल लाला वीरी विनोद वि  
लास विमारे सो भावै न उह म नृप म  
वाला जानत हौ यह कुंज न नाहि  
नै फूली पलासन की वन माला मो  
हन मो क व सो विरहान लता की वि  
लाल रे फेलन बाला १८ प्रि म को  
प्रकास उहे ग छ पै नव पलव क सि



कवचसमद्वारसरसालनि मलयानि  
 लमातंगमधुपद्वयसंगहतारन कद  
 लभंभनीसानमतपिकगानतगारन  
 मधुरितसद्धारविरहीनपरचरमनो  
 जहविधवने भासतपलासवनसा  
 सप्रतिग्रहतभासतैवृतने १५ प्रला  
 पलकृत दोहा निकसतानमघनै  
 कच्छुप्रीतमकीहितवात ताहिप्रला  
 पवषानहीविरहयातअधिकात ४  
 प्रियाकोप्रकृतप्रलाप सवै मोसौ  
 मनमथवैरपहोतिहमित्रसुधाकर  
 वैरीषरोरुतंतिहमित्रहैआननमेरे  
 महारवुरोरुतंतिहमित्रहैआननमेरे  
 हन्यावजरोरु वैठीकंतमैकंतयो  
 रामैवातकहोमनहीमनजोरु सोरु  
 तेनीकैकैबोलवतावतवैहोसमा  
 नसतेसवकोरु ४६ प्रियाकोप्रका



२-  
६७

प्रलाप कवित यौहीभीतपालसम  
 जानिहोविहाओरैसंततविलासमो  
 हगालरफारहो ओसीयेअनीतक  
 होपानीकंजरीतलैहोतैकुनपतीत  
 दैहोप्रीतउपजाहो हुनेदुषणवैस  
 नैउठिउठियावैअरुआठोजामधावैता  
 हियौहीतरसाहो द्वैहोनहिभोरी  
 दैहोनेहकककोरीजोपिरावरेकोथो  
 रीहंठगोरीलषिपाहो ५२ श्रीकृष्ण  
 कोप्रछेनप्रलाप कवित कातरकं  
 तमैवातकियैसरसाहियैतमका  
 नदयेहौ वैठेकहैअपनीउरपीरसौवी  
 रकछुतमवृफलरहो लागीरहेनि  
 जहीनकसीजपिवेपरिवेमेविनोदसि  
 यीहै वामनमोहनीमंत्रमनोहरवाम  
 षकामकोवेदभरहो ५३ श्रीकृष्णको  
 प्रकासप्रलाप कवित ओचलउठाइ



अतिचंचलविलोकरहीचारनैनहोत  
 हीमैश्रीसीफिरगारहै आनवतरानीपु  
 निनौकसतरानीकतरानीइननैननमे  
 जातलीनभरहै काहेजातदीनीवर  
 अंककोनलीनीरसवीनीवसकीनी  
 किनकोनविषईहै आजातआजा  
 तफेरआजातताहिजानवृफललि  
 तेनजेहंमीषईहै ५५ उनमादलछ  
 न दोहर गिरतफिरतरोवतहसत  
 कहतश्रीरहीश्रीर सोउनमादरसाक  
 हीवउतठिरहकीदौर ५५ प्रआकोप्र  
 छैनउनमाद सवैया विरहविधावा  
 रीवहुवास्सहिपीतमरूपहियैअहि  
 ठानो कसकउठैमुषआलवालबहि  
 चरतचरतसभअंगवदनो उरजउंते  
 गसीचआसुजलछूटीलसिपरउप  
 दानो मानोससुअनातगंगाजल



२-  
६८

तासिरकालललपदानो ५६ क  
 वित मेंनकेसहससरतेरेसरसानो  
 पुनिकौनतियहोतनिषदाहोपटफू  
 टके देषिदेषितेरेकीयोछतिपाअ  
 छेदछेदकौनरहीआषनहीआस  
 जलसुंदरिहके तेरेगनगाथविजना  
 पहायसामसदाअधरसुधासौरही।  
 हैनछिनछरिहके मुरलीरमालीत  
 हमारेउरमालीवनमालीसोअकेलि  
 येमनोजसुषलरिहके ५७ प्रिआके  
 प्रकासउनमाद कवित चंदनमाला  
 वचनसारदारहीजीअतिकीजीअ  
 तिसेजजलजातनकेपातनकीसीरे  
 उपचारनमैचारकाराधीपतन्योत्यो  
 अनिपौरतनतापअधिकानको रंगभ  
 रीरावरेकौवीसरीकोनादसुनितैही  
 छिनपारगतभलीसुषसंतकी दे



खोपभातकीपरीहैबउतातकीनसुधि  
 गोरेगातकीनचातकीनपातकी धर  
 प्रिश्नकोप्रछेनउनमाद कवित आव  
 तकहूँकोउठ्यावतकहूँयोगनगव  
 तश्चनेकचित्तश्रीसीगतश्रुकी विरहे  
 केभारमधिश्रंगानसंभारहैनछूटीलत  
 हटीमोतीलरहुमुकटकी नैनवेंक  
 नैननिविलोकनिविलोकी तंसवा  
 कोउखेदननिपटचटपटकी रेरीपन  
 चटकीविमारीसुधिचटकीनसुधिपी  
 तपटकीनतटकीनवटकी धर प्रिश्न  
 कोप्रकासउनमाद कवित खगोनय  
 कतश्चतिजीश्चमैजकतचलचाहतच  
 कतकितदियोसकिजगतिहै खारन  
 कौहरकैविहारनकौचरआसुधारन  
 कौप्ररहेपीरअधिकातहै वरुविध  
 सोमनिसोमनकेमसोसनसोपीरीप



प्रि. २

६५

६९

रीतातद्यातउतिदरसातहै जादिता  
तेकीनैतैकटाछरसभीनेतादिनातै  
वेअदीनेचरीचरीयोविहातहै ५-  
आथलछन दोहा अंगारूपमेलेप  
रेनिसदिनभरैउसाम आददसामोव  
रनीयेनीअपजतअतित्राम ५१ प्रि  
आकीप्रछेनआथ सवेया हवरीदे  
हभईउलरीदिनतौविरहाग नताप  
तईज कोरसपीनकरीविनतीतवने  
कवजावनवीललईज गउवेईगनग  
वतगवरेजानततावहीकेअमवात  
नमूरछेमावहुवारछईज ५२ प्रिआ  
कीप्रकासवाय कवित परमसजा  
नआनआनेदनिधानकानविहान  
दानगनपिणयोकिऐसदीक मोहा  
सिंथगहरेतिउमूरछाकीलहरेपरे  
ईप्रानवहरेतिउमूरछाकीलहरे॥



नपायेपीअपानपीक गतमतिगदग  
ईआजअंगअदिगईप्रकृतपलटगईल  
दिगईलोकलीकचिनातवदगईभ  
षण्णसहदगईनीदहेंउचदिगईजटा  
ईहोकहीक ५३ पुनः सीतलमला  
वमिलचंदनसीरजलहरही वफात  
करलेतजरजातहै सेसरचिवैकेका  
जपंकजनपायतकोसदसवीसके  
सरोवरसुकातहै रावरेविरहिनईवे  
दनकेवारिधमैधीरजविलाजयोअता  
पअधिकातहै साहसेनवासमेनवच  
नअवासजनदेधियतहोकेसेदगधड  
मपातहै ५४ पुनः रेकेरुकजातप  
रेसौपुटकेसेपुटमैरेकेसरकातउरि  
आयोअंगनारिये रेकेपुनपाहनह  
पानहोइजातरेकेअकुलातसरिता  
सरोवरकीपारिये रेकेचिगादानपके



प्रि-र-

७०

७०

दागनदगातकहाभयोजोपैपासीप्री  
तपंजरकीसाहै बोंदनीकेंचारचं  
दासीदेजगमागतहैकैसेकेंउठारिभा  
तनारिरैवारियै ५५ प्रिअकीप्रछन  
व्याथ कवित राषियैसंजोगसुषसी  
तलउसीरनमैमंदहासचंदनविला  
सरसमानेमै कोमलकराछविम  
नाकैपौनशरनमैआनंदफहारना  
मैप्रीततहषानेमै तपतउसासकू  
लकलागननहीजियैहकावसका  
मारकंजदलहेनजानमै मानरित  
प्रीषमविरहरवितेजआंचियैनणारे  
सुषकोरसिषमानेमै ५६ प्रिअकी  
प्रकंपिसव्याथ कवित राकरैजिन  
रोसजोहिहैवकछुदोषनैकुजानेन  
मसोसदुषदारुनदुसहकी तेरेजानि  
हासीनचलतिहैउदासीजहापरीप्रे



मफासीगनगासीदेहदहकी काकौ।  
मनमाईयहोतीनिदुगईपीरजानैनप  
गईहोरेसंघतगिरहकी ल्यावैकौन।  
चीठीयहजोगरीवसीठीउरआगसेव  
हरसीकीनीहैअंगीठीउरआगसेवह  
रकी ५० जउतालछन दोहा अति।  
वेदनविस्तारसोहीमजाततनभीत जा  
सो जउता कहतयैहैयहैविरहकीनी  
त ५८ प्रिआजकीप्रछेनजउता सवै  
सीतलकोरपरेउपचारकरेबहुवारस  
रेकसभाधै जैसेलरीसुषतैसोचहै।  
दुषयातनकैसेककुवनिश्राधै तो  
हृदितजनयोगारलोगवरीभ्रमभल  
कोभेदवतावै रावरेनैननदेषकहा  
कियेदेषफेरकहेसचपावै ५९ प्रि  
आकीप्रकासजउता कवि नैननिसे  
मिलीबहुसैननसौमिलीसुषवैननि



प्रि०

७१

७१

सौमिलीनिनरै नदरसात है ध्याननसो  
मिलीगनपाननसो मिलीमेनवानन  
सौमिलीनिसवासरविहात है भाइन  
सौमिलीचितचारनसो मिलीपोउपार  
नसो मिलीश्रतिहिये सरसाति है विं  
शवनचैदनंदपानपारेतमेपाननसो  
मिलीश्रवरेकैभरजाति है ६० प्रिअ  
कीप्रछेनतदुता सवैया पाइसरो  
जकै संगमलालचहै है अशोक कि  
धोसषधार् कैश्रतिलोलविलोचन  
कैरुचिरीककैहै है रसालसदाई कौ  
तवअंगमिलापकैकारहै है भलैवन  
चपकमार् नैकुहलेनचलैगहैयेभ  
हिजानौकहाकरहैवकनार् ६१ प्रि  
अकीप्रकासजज्ञा कवित आठोजाम  
कुंजनमैरहैहुमपुंजनमैभूलीसय  
षानपानकाकोकहै कौनगोहहै वे



ठेलहिरेकअसुकेमोहातसीतगामवे  
 धीयतकामअतिपुलकसदेहहै आ  
 नंदकेमंदरमेरोमरोमरमारहेवसतमा  
 नहुअकेहरसमेहहै मिटीआदिया।  
 धिअवरेकोनउपाययहआतससमाय  
 किधोरपकाकेनेहेहे ६२ दो नवीद  
 सापिअनेहकीरेसवकहीसमलरेक  
 रहीदसहीदसालोसअंवाररूल ६३  
 जोकवहदसईदसाप्राटेप्रेमप्रभाव  
 जोहवाहनवरनिषेसनतचरतचित  
 वाव ६४ राधाजतगधारमनकोरमने  
 जहुलास अजरअमरनितप्रतरहो।  
 करजअनेकविलास ६५ इतिश्रीशिं  
 गारसमाधुर्याअष्टमासादः ८ अथ  
 मानवरननं दोहा प्रेमजहावउजात  
 हैउपजततहागमान सोईमानवषा।  
 नियोसनतअवजसषदात १ मानमे

द



श्रि १

७२

परलघुमध्यमभेदकरिकीनैमानवा  
षानअपनीअपनीबुधवलग्रंथनदे  
षभिधान २ परमानलछन आनस  
रतुआकतलधैकैसुजिकाननआप  
पीयावरावतमानउरकरियेहियेसंता  
प ३ चितुदरसनपरमान तथा सवै  
वागैविरीकैवनाववनेब्रिजचंदलसे  
अजिहीसषट्पाई देषतकंकनअंकि  
तकंदसनेनमैअजिहीअनवाई आ  
येहियेअभिलाषभरीहियआयेमहा  
उषसौअकुलार्माहकेसरत्पोचाह  
चकोरीलौचौकीचरीकहसीनरिसा  
ई ४ पुनः कवित लालकेतमाल  
सरसालउरसेचककीउरुचिकौरचाई  
अंगारंगवरसातहै छूटीभनअंगजन  
कीमोतिनकेपुंजनकीउरुचटीउरोजन  
कीछापैदरसातहै फूटीमीठीवातन



सो कैसे सिपरात निपरात जाते तो योग  
 ने नहि परात है आठ कैसे श्रेकन  
 में हज कैसे के कन में के सरि के पंक नि  
 में पीरे परे जात है ५ अवन दरसन मा  
 न तथा कवि विद्रावन चंद सष के  
 दमि जनंद सत प्रान नतै प्यारे अतिता ६  
 पश्र कुलार गो जार गो निसा कौ जाम ७  
 आली किन काम पर सा गो वियोग र  
 ति नाइ करि सा गो काहेत न तावत हो  
 दो सहि लगावत हो कौन कै थो नाव पि  
 य आन न मै आ गो की जिये विवेकर ८  
 न कै थो त्र मरे क श्रे सी कौ न र स मे क ज  
 हा अंतर सि रा गो ९ पि अ प्र छं न रा  
 मान दो प्यारी विन म राजा द के कहत  
 अनाद र वै न उपत परत है पी उर मा  
 न मिटा कत चैन १० तथा कवि बडे व  
 डे नैन न के जोर वडे आनंद में होत व ११  
 भोली कत श्रे सी की जियत है रूप व



प्रि २

२३

७३

न आपने सै विहरै सदाई अलखे जनच  
कीरक हारोक की जोयत है विंदावन  
चंदसुष कंदपिपती जी अतना तो बि  
ज चंदन कपूर भी जी अत है मोहन ह  
जारवान लीये पंचवान रे ही प्रिन आ  
गे मान के दिषाव दी जी अति है ८ प्रि १  
आ को प्रकास गरुमान सबै लालति  
हारे लिलाल लखो जव जावक वालन  
चै वह कोपी पारन हर की ये रुष पार  
समान लता अति ही चित रोपी आवो  
अवेन सिरा को वियोगहि घेद करै कव  
की वह गोपी एते सताते समाते से पो  
नव सेन के कै से सदे गो अहोपी ९ ल  
वमान लछन दोहा लाल विलोको  
और सोताते उपजत मान ताही सो लख  
मान कर भाषत सकव सुजान १० प्र आ  
को प्रछेन मान कवित प्यारे बिज चंद  
लखि नैनन के वस होह कानन के वस



कहा मानत भरी वली आपने ही ला  
 ल होहि और केवाल भरी चंचल च  
 वाइन सौ गो कल राली गली कोर  
 मैं न माधुरी निहारवे की वान राषि सु  
 मानि राषन वे की सुनि है कहा चली  
 भूलै कुंद कोत की के कुंजन मैं जात क  
 हूं मालती गुलाव ही की कली सो रे  
 गो अली ॥ प्रिया को लक्ष्मण क  
 वित वारुं क का हूत न देखे कि न देखे  
 प्यारी ऐसे रो अपी नन को यो ही देखे  
 दी जीये लेखे स दोष ते अमोल अव  
 लोक निवि वें नीम धि पीतम के नैन  
 धोरली जीये अचल के रुद्र मुख के  
 वसो छिपायो स नौ छिन छिन लोच  
 न च को रतन छी जीये प्यारे विज चंद  
 हिये वाइज वियोग गति मंद हास चंद्र  
 का रजा स अन की जीये ॥ प्रिय को प्र



पि-

७४

छेनलचुमानलछन दोहा ईषदमा  
नवतीपीआनिरषकरजपीअमान व  
हपिअकौलघुमानकरिवरनतसक  
वसजान १३ जथा कवित यौनपुर  
वाईसंगदामनीअनेकअंगआवतल  
लतरंगरंगालावलीजीये चूमचु  
मलमकमकमभमहरियारीपरमा  
तेदरमातेलवरसहीसौजीजीअइन  
सौविलाससवरनकौविलासतगइन  
हीकैछाहवसिअतरसतीजीये अंत  
रकौतापहिवफाइलीतिअततापैचाप  
हीतैऔरहीणामछनआपवसकीजी  
ये १४ प्रकासलचुमान सवैया जो  
उहिआनेदमियुंतंगनचाहतकेल  
कीयेसरसानी तौउनचाहप्रवाहतरा  
वमैहोनहनयोउलहीगतआनीनात  
रमानज्योहैहैविलीनहियेअतिही



तचरीतय कानी वावरी ले मिल हैर  
तिनाथ विसाल वियोग के जाल समा  
नी २५ मध्यमा मान लकन दोहा ।  
वात कहत पीयूरी सो जाते उपजत म  
न ता सो मध्यम कहत है को विदस क  
विसृजान २६ प्रिया को मध्यम मान  
कचित यो है सव शान दे के कटे चंद गो  
कल के मे मसुस कात वनतान सषदा  
नरी कोर मे न माथुरी विलोकन हीने  
नचे नरो कत ही चुं चर सो होत हित हा  
निरी कव की वना वतन मानत मनी  
कै मन मानि है मनोज कोर है गो वान ता  
नरी प्रानन सो मान कर जानत सभ जा  
नपन माननी अनोषी इन की तो आन  
भानरी २७ पुनः सुवैष्ण लालन का  
ह सो बो लन बोले कि बोले कहातुम  
गृह जा ने वारत ही कि ह कार नये अ  
लि रोचन संग ललाने मान कु मो मन



७५  
 ७५  
 मानहुगीउरप्रीतमकैसहितापनजा  
 ने भूषनसारसिंगारसमाजकिये  
 कवकैश्रवकैश्रवजातलगाने १८  
 प्रकासमध्यसमान कवित् प्रमज  
 लदेहनेहमेहसगवगारहीलगर  
 हीलगरहीआषेप्रेमप्रीतमकैधा  
 नमै देखियतारेगरसरीमरोमरमर  
 हिउजागयोहियप्रेमहीसोलागयो  
 मेनवानहै आचपलार्चितचाह  
 कीचुगलजगलभौहनकैभंगभारऔ  
 रैभासमानहै पापकठिकेमना  
 वैप्रातण्यारैपैअनोषीयैतमाननीअ  
 नोषेतेरोमानहै १९ श्रीकृष्णकोम  
 धमहाव दोहा नहामनावतप्रात  
 पियणारीमानतनाहि नहामानम  
 धवहैउपजतपियउरमाहि २० प्रह  
 नमान सबैया रचेअनतैमनभावन  
 लालरतैरेसवैरजनीअकुलानेनैक



हनचैननजागतसोवतजोवतहीवहु  
 जामविताने कोरिकचुंचटकोसिषा  
 येतरुआयेतमतैसनिनैकनमाने मा  
 नकीषानसिषेअवसोचतिमाननीआ  
 पनेसैवनेमाने २१ प्रकारमध्यसमान  
 सवैया लालरहेवहुभांतमनावतहो  
 कवेमोनभोगौगो मानविनापरमान  
 मनोभववानसमानसुदेहदगौगो मा  
 निनमानमनाखोमानहुमानतजैव  
 हुमानजोगौगो प्रीतहुकोअभमानल  
 सेफिरमानमनाचनमानलगौगो २२  
 दोहरा प्रेमपयोनिधएरिकोउकलि  
 उकलिसरसोर प्यारीपीअत्रितचंद  
 कीमानवषान्योसोर २३ प्रेमसुधाकी  
 सिंधकीनाहिकछूमरजाद मानघटा  
 ईवीचदैलीजतमथुरखाद २४ रति  
 श्रीमतमहाराजाधिराजश्रीराजराजें  
 दश्रीबुधसिंचजीदेवारायतिकविको



प्रि.

७६

76

विदूषणमणसकलकथानियश्रीकृ  
स्मभद्रदेवविषविचितायोसिंगार  
समाधुर्धानवमोस्वादः ६ अथमान  
मोचन उपरी समादानश्रुमेदवा  
षानतप्रणतउपेष्टामानसु अरुप्रसे  
गविधेसदंडकरमानमिलावनजान  
हु १ सामयउपायलछन दोहा आ  
छेबोलनबोलकैजहामोहिअतिचि  
त सामउपायबघातियेनीकैहीकर  
मित २ प्रियाकोसमोपाय जया क  
वित प्रीतमतिहारेप्रानप्रीतमकीप्र  
नतमरैकैप्रानरेकैमनरेकैसभवान  
है ३कैसरंगरकैसरतसिआमगौर  
भेदउपजावैजाकैदीठनसहानहै ३  
कहोसभाउचितवाइन भोहरहोय  
हैअभिलाषदिनरैनदरसातहै की  
जैहितमैनभेदमानहीकोभेदकीजै  
मानहीकैभेदकछुभेदहोरजातहै ३



१ प्रियकोसामोपाइ सवैया लीरकेनी  
 रहैमैउपजैकछुभेददरियहदेवनवागे  
 प्राननसोमिलप्रानरहेसअछेहसने।  
 हससोहसंभारो सोनकरोहितभेदप  
 रैजहकुरुकुरुहनोआवतन्यारो प्रीत  
 पयोनिथगहमैसीव्रजनाकआपन।  
 लीजैकिनारो ध दानोपाउलछन दो  
 दैकरकाहंवस्तकोजहाछुटैमान ।  
 तासोदानउपाउकरवरनतसकविस।  
 जान प्रियाकोदानोपाइ कवित की  
 नीमघमौनकैसुमाधसभरजनीमैघो  
 सभरिसूरज्योत्योदेघतिविताउमधु  
 मातेमधुकरमननकीमालागहिमें  
 जारवगानिसिसनामरटलाउ प्यारी  
 तोसरसअंगसौरभपरसहेतकेतका।  
 उपाइनसोसोभाइपाइ चहहतसरोज  
 अवसीसअवजेसभयोकोनविधसूच



१

२

२०

१ कौश्लचुरफलारये ६ जथा सवैया  
 आगतेपानीमेपानीतेआगमेयोवहु।  
 भातिसहीजनजाला लोहकेरूपर  
 लोहकीसारनवीनतवेगनकेतीवि  
 साला आगनआकसीरतनेपरपो।  
 हिथीसमहागनमाला पौषरपंचन  
 वंचनकीजेनतौरचाहतकेचनमा  
 ला ७ प्रिश्नकोदानोपा कवित्त ने  
 ननिफुलासदर्हासदर्हाननकोसो  
 तननसामदर्हामसपिपानको राज  
 दर्हरतिकोहिआकोसुषमातदर्हसु  
 टालातदर्हलाजपंचवानको चोटउ  
 रलोभदर्होनदर्हकालमाहिहतन  
 कोगोनदर्हसोनकोकलानको आ  
 गैभईजानदर्हलागैसुषदानिदर्हप्रा  
 नकोआनिदर्हमानदर्हमानको ८ ज  
 था सवैया चंदसेआननमेदमनोह



रहसविलासउजासकियोरी रंगभरि  
 उपरंभनदैअथरामधपयूषणनदीरु  
 री कोरकआनंदसजसमहृदियोछि  
 नमैभरअंगलियोरी आपनेहाथकि  
 योवसआपहीआपमोपीयमनाइली  
 योरी ६ भेदोपाइलछन दोहा जहाहि  
 तजनआपनेहोइजाइहठौर भेदउपा  
 इससोतहैजाहरयहसवठौर ६ प्रि  
 आकोभेदेपाइ सवैया इसवहीसकु  
 चैसषीआसषिमोहितौतौहितबोले  
 ईआवै इहीअधीनकवृत्तनकोअपरा  
 पलषैतौयहैविषभावै मानोसवेरक  
 हारतीकेरिक्कीवहुवेरनसौमनला  
 वै म्वालअतौपीतुनाहिकहीविज  
 चेदहियैमहितापवडावै ११ श्रीकृ  
 स्मकोभेदे सवैया हियैचड़िकैवडि  
 कैकहिआवतरीजअनैसीलषैअप



१ श्री १

७ ७६

नेमै कीव कहामनमानवशवतिवा  
केनमानकहसपनेमै देखनकैआ  
भिलाषरहैअटकीनिसकासरकेत  
पनेमै वेगचलोचलिवाहुनदीइह  
माहकतापनकेतपनेमै १२ प्रणत  
लकून दोहा अतिदितअतिमनम  
यविथाअनियपराधनिजान पारुप  
रतप्रीतमपिआसोईप्रणतिवखान  
राधाकीप्रणतदिततै सवैया मोत  
नकीलरकुंडलमीरकैचंदनजावक  
रंगलंगी लालकैकोमललोलक  
पोलनिनपरवीछिआजातलषगो  
री लालकैकोमल प्यारोपह्योक  
विकोतवपाइनप्रीतपयोनिधयोधम  
गौरी याविधामानमनावनमैइहमा  
नहंमैवहुमानजगौरी १४ श्रीराधा  
जकीप्रणतकामतै सवैया भीजत



हैकपहंकपसीजतकापतहैकवहैक  
 षरैरं दारतहैकवहैकहहाकैरुलेन  
 चलैकवहैकहैरैरं फेरतहैकितनेरं  
 गऐअजहैलोपलोतपाइपरैरं हो  
 वलिहारीनिहारीदसाहीफिनंपरह  
 रहैमानथरैरं ॥ श्रीगथाजूकीप्रण  
 तअपराधनै सवैया भौहकीवशवन  
 मेचूचटकेपटकी फठकिउठावनमे  
 तातकीफठावनमेहतीकीरुठाचनि  
 मैकोरिककपटकी प्यारेपाइपारन  
 मेभूलभूलभटकी लटकीलटनि  
 लपटावतहीछूसोमानअटकीअनी  
 टवाकैचंद्रिकामुकटकी १६ पुनः स  
 वैया हमकैतोहियैललचारहीकि  
 तनोसधियामनहारकरै हितवातहि  
 तूसमफाउरहीहरपाउरहीतनकोनउ  
 रे अतिहीचितथीरजकौवलिपाउर  
 हीमनमानहीमानथरै मनहैवहआ



॥ श्री २

७४

७९

जतिहीछिनहीनेदनेदनरावरेपाउप  
रै १० श्रीकृष्णजकोप्रणति सर्वेषा  
ताविनजीवननैकुचनैनविनाअवि  
लोकनिषोअकुलैयै सोपियसैक  
भक्षोअपराधनआलीरीआपहीजाउ  
मनैयै होसमफाषोजमैअपनैहित  
जानताहिकहासमफैयै कीचमचाव  
तमेहतऊजगमैवहप्राप्तसमानवतै  
यो १० उपेछालछन दोहा मानव  
नावनछोडकैऔरहिवातहिठान ज  
हानैकमनमोहियैताहिउपेछाजान  
११ प्रियाकोउपेछा कवित्त योरीभ  
गमालनविसालउतिदतनकीधुरवा  
नहोइयानजलहैहमेसको दाइए  
पीहामिसवेंटावलचनिनातनाविनी  
नफरहरसोहैवरवेसकोउटिचलि वे  
गगनप्यारेकमलमुखीदेखतिनषु  
नरावसकैदेसको सीउतफिरन



आज सोभा कमला कर की मेहमद मो कि  
 लम जेगमदनेस को २० श्री कृष्ण को  
 उपेक्षा कवित कवहं क गंजरत कुं।  
 जार कपोल पर कुंजर से जरी के पुंज सर  
 सानो दे कवहं अमंद अरवि दं मकरंद  
 अचै कुंद कली त्रिंद मै अनेंद दार सानो।  
 है कवहं क कित होत चेदन व्याचले  
 कवहं क सेवती के सोभालभा ना है ए  
 वरीन कहौ कानयो ही म्रम भूल्यो भी  
 रचावरी सीवान परी वीथन विकानो है  
 २१ प्रसंग विष्णु सल छन दोहा। जहा क  
 छ भय भूल के विसर जात है मान सो प्र  
 संग विष्णु स है को विष्णु स कवित वीज  
 वरवान लसीधर वाल हरि गन गात त  
 ग भीरु निहोत कुमार है इंद्र धनष  
 वान वाद क जहा जलो हल गग सी यात  
 कच कोर पिकथार है इंद्र वधू जाल।  
 लाल कोश वलिवंग माल जीगना ज।



श्रि-२

८-

४०

मालिमानिमानकपसारहै पावसनहो  
इरहमानमहीमैंदनकोचारोउरुठिरहि  
उरुधिअणरहै २२ श्रीकृष्णकोप्रसं  
गविधेस सवैया लेतननहीसुषकी  
जअनारकेमोनहीसोनिसखोसचितैये  
वोलैनहीसुकसारीकैसेगाहसेनषडैकि  
तहैनचितैये कौनसुभावकहागतहै  
यहकानतहाचलिन्यावचुकैये देहुम  
नारुहैनहियेअपनौसौसयाननयाहि  
सिधैये २५ दंडोपाइलछन दोहा ज  
हाकछु जिमहोतेहैंउकौववनसनाउ  
सुजान सखीमानकौहरतिहैदंडोपाइ  
विधान २५ प्रियाकोदंडोपाइ कवित  
माननीनमानचनवनकैभवनरहिउ  
मानमिगपतिताकेलगियायोहै प्या  
रेमनमोहनकीरूपमाथुरीनिमईचाव  
रोर्योनरीतसरसायोहै चारोउरफूले  
कैतपुंजनकीवारकरिविरहसदगमत



तारक कायो है पंचोसरसंधि कै पिला  
 चतसिकार काम काम निकरोल है वसेत  
 चति आयो है २६ प्रिय को देखो पाइ कवि  
 वो धिरोत राजोर चवोरी यजना भी सरत्रि  
 वली निसे निन नै दारिय ज पारियत कुं  
 चति भि कुटा जागाहन सोषे चषे चउरज  
 कठोर गो लगर जनि मारी यत नेह मन  
 गासी हासी फासी गरी शर भिगम दमक  
 रीत मिर जाल नैन तारयत राजै रूप ठा  
 न मै लगन न दे है मान थोर ज कै पंथ मन  
 का है हरियत २७ दोहा ३३ विधमान  
 मिलाव के रहसव कहो पाइ अवि क  
 हि हो करुता विरहि अरु प्रवास भाइ २८  
 रति श्री मन महा राजा धिराज श्री एव राजें  
 दृष्टी श्री बुध सिंच जी देवा गयत कवि को  
 चिद चूरा मण सकल कलानिध श्री कृष्ण  
 भट्ट देव रिष विरचिता यो सिंगार समाधु  
 र्यं दशमः स्वाद १ एथ च करुणा विरह

राम



होहा जहा मिलन कि उन वनेर है विमश्र  
 कुला सीकरुणा रसनाम कहि विप्र  
 लंबक विरा १ प्रिया को प्रछेन करु  
 णा विरह कविने रेक कुल कान की  
 घरीये अकुला निरतै हतो अकुला जग  
 दौरतै न तिलाला तीजे कोर मै न मा  
 थरी तिहार रूप हियो हरै लेत हरि जी  
 तत दरि रतै विज वायन विथारी न वि  
 थापि पसंग छ विछा कीर है अति आ  
 छरि रंग मरी भोसरी अनेक मन गो  
 सरी निवोसरी पुरानी पीरण रत नई नई  
 २ प्रकास करुणा विरह कविने सीत  
 ल संगो यमंद संदर समीर सो कसो कभो  
 र भोर भीर भ्रमो र करत है कूजत सा  
 कै लिन र पंचम सकै ल पीय फूली वन  
 वेलम कर दंत करति है मंजु लपलास  
 चलवें कल पगार जरै न दिन दसो दिस  
 आग सी करत है मोतन वि कल काम



साक सिवाल होत वालम विकल तो ।  
 हिकल को परत है १ प्रिय को प्रछन क  
 रुणा विरह सवैया को रिवेंडाम कि  
 रनावल की चाम को रविजल की दाम थ  
 रनीमधिस के लिके हलाहल वा वड  
 वान डल को सार संधत नैन कार सो रु  
 दीनी भ्रमेलिके वरछी विसिषवान  
 देरी सुधी किरवान दै दै वरुमान पान ।  
 एधी रेल रेलिके देरी प्रान प्यारी तेरो वि  
 रह वनायो विधवी चवी चवी चवी मोह म  
 रछा की मेलिके ४ प्रकास करुणा  
 विरह सवैया देरी हियै अरवेली छवी  
 ली सदा वच आमल भार हो है कान ड  
 दास मो है नीच विपोग ड हं दिन वा दत  
 मीच हनीत प है म हो है सोय ह प्यारी  
 विपोग महा षल तो तन त्यो क व ह न व  
 हो है ५ अथ प्रकास लछन दोहा जो  
 काहु विध जोग जै पीय बलै पर देस तव



रे

८२

प्रकासको वरनिधै मानहु सकवनरे स  
 ६ प्रियाको प्रछेन प्रवास कवित तेरे  
 सियराततन सो सौनियरातवनतेरी य  
 हवातमाविजै है मनजीहरा गाजै नि  
 जसा थापी विजरी है हाथे कवारही  
 चुकौ वैकिन लावे चित चीहरा प्रीतम  
 विदेसत विरह विसे मतये कोर कदि  
 ने सछिन देषो दुपदीहरा तं है प्रीअता  
 पोमै हपापी रे पपीहरा ७ पुनः सवैया  
 गाजत है गन गाजर हो भयसाजर हो रू  
 लोक यहै गति ते विजरी अवलाज  
 निकौ दुष जानि महारज राज कहा अ  
 ति प्रीतम की सुथ मोह भये विरहानल  
 की फल अंगन कंयति आर अटाछ  
 सनिच पेदि लये रत ही किन देह द है  
 दति ८ प्रकास प्रकास कवित विछु  
 रे मिलति फिर देष परत छय हरितन के  
 को किल है वासर मै सुष को नैक हेन



करियेसुचितनिजचितप्यारीधरीयेनथो  
 रेहीयेतेदेहदुषको जतनौववनमेउचा  
 रीवहुसीषदेकैवहकोनथारीमानचान  
 सोपुषको दीरचउसासातिआसमंद  
 हासनैनजलकोप्रकासरहीपुरनिज  
 सुषको ६ जथासवैया अंगतिअंगसिं  
 गारसजैअतिठारीमनोरतिराजकीरा  
 नी मांगतआनविदेसकौवालयौसु  
 निकैसषिकीइकवानी आगरेअसवा  
 अषयानिलषीसुषकीसुषमाविलषा  
 नी आपनेहाथगहीजवनारकैसोम  
 नमालभेजेगकीजानी ६ प्रिआकोवि  
 तिरहविभ्रम कवित कंघरेविमालमं  
 जमंजरीकेमालनवदलनदिवालपट  
 योनथोरेथोरेहै राजवविटपतेइनत  
 वराईजोपकोपकरचंचरीकगोलनको  
 आरेहै चंचलचकोरनकीकोरतिजमा  
 तजामैकजरजअनमकरंदजलचोरेहै



५

८३

४३

हरिविनशावतवसेतकियोकुंज कि  
 लाकोकलातहाकोकिलादारअति  
 जोरैहै ॥ प्रियाप्रछेनप्रवाह कवि  
 त आनंदकेपुंजवनेकिलिंकुंजमें  
 दरातैगाहनचरावनचिछुराचरीद्वैरहै  
 हरदेसकोरिकवरीससुमवीतत्पोत्पो  
 पापीपानषावेकीवातनचितैरहै ।  
 छाउतविनोदविजनाइकअनेकरति  
 नाइकविमेषअंगअंगनिमैछैरहै ।  
 पेड़चारपीहैआवैआरौहोइजातह ।  
 रिखासकहिरोरनमैफलससेहैरहै  
 ॥ प्रियाकोप्रवासप्रवाह सवैया ।  
 निंदतहैअरविंदनसंदरचंदनदेतहै  
 गरी कीकलकेकलहंसनिकेकल  
 नादविनिकोपकरैअनिभारी सौरभ  
 सारभरेमलयानिलहीतकहेनवरीस  
 षकारी कीनेनिवासप्रवासविधानि  
 सघोसपुकारतप्रानपुयारी ॥ प्रिया



कोविरहप्रवाह कवित रुजलजनार्  
 लालभसमलगायै बहुतारकाहीहाड  
 नकोहारपहिरतहै हिमकरमंडुलस  
 मुद्राकौकपालतामैसवनकलेकसिं  
 यभ्रंजनपरतिहै विकिठल्लकलो  
 ककुकनपकारैज्योवकोरकुलचेलन  
 कैसंगविहरतहै दीपदीपजातदीपजो  
 तिकौजगावैयहरतजोगनीजोइरण  
 वोकरतहै ॥ प्रियाकीनिंदा सुवैया  
 निसघोसयेहेअभिलाषरहैकहेपाइ  
 येअैसीसहेलीनई निहकेवसरेककि  
 तौलषियैपियमूरतमाधुरीरूपमई ३  
 कनीदेहतीसवहोरनआतुरनैननिनीं  
 दविलागई सुषसातसमाजनकीसपि  
 यासुनिमेषनज्योकवहेनभई ॥ प्रि  
 याकीनिंदा सै सुषसेजनऊषरसोव  
 नकैसमैआवतआदरहीसौलई क  
 रिआपनेहीवसिआपकितोकरकीस



षमारविहारदाँ रहतीकरनेननिमोय  
 रिंभनहोतीमहामनमोदमई अलि  
 तौवितश्रीजवहोसुमुहातिनश्रीनती  
 श्रीममनीदंभई श्रीगयकाकीपाती  
 श्रीकृष्णमो कवितजाशहेहरनेनन।  
 दिकेहरकियेलेतचकचपिगिरदवसम  
 उरे लगनविसारतेईअगनकीझाल  
 श्रीचछेहेतेहजालसोमहाविषवहा  
 उरे जोवनकेरंगगतिरिनुजसुगमहा  
 मतजुअगतंसोमगरसीयेदाउरे वि  
 रहकीजाउसीकदरश्रावतामैजखे।  
 कीतावपियपतीयायवउरे १० हितिय  
 पाती नीपीतीपीरेखेवाकीवांकीअवेर।  
 येउसैहप्रमकेपोखेवाकीवांकीअनके  
 हनश्रीघातीहे विरहविसयेतेरिजेर।  
 यारदेखेहरजेयतेलेषयासोकछनव।  
 तीहे प्रेममदमाजीकोरेवानवसातीस  
 रसीतीअतिछाजीपोरेककरजातीहे ।



रुहिरसौ राती रस खात न सौ चाती आनि  
 प्रानत रुपाती पीया पाती भ्रां पाती है ॥  
 प्रिआ की पाती प्रिअ सौ लाल रंग हो।  
 हिन रे विरह दवान लकी लपट पट अ  
 थरु थलो छाई है छाप नहि होत यह  
 नेह की निहा की देह है नम सकारी मोह  
 मूरछाल धांधे वाकी वाकी रे धैरे न।  
 कोऊ नट साल हिये आर्क ई न हो पीय  
 नाम रट लाई है प्रीतम वियोग सहिमा  
 हस अणाराहि मेरे हित पतियात मो।  
 सीवनि आई है ॥ जथा निस दिन वि  
 ता की तरंग न अणा हयो अछे हनेह सिं  
 थुम धिपीरज कहा थरे अति आतरी ये  
 खाती कौं संजोग पाइ लाल मन सीप क  
 न ये मजल कै परे तेई अति अछ अछ  
 अछर कै सिम सै से चार सकता हल अ  
 रथ रुचि कौ थरे विरह विषा सौ वेधि आ  
 गमन समाचार सुति विष पोहे मो हे मो



१-

८५

हियेहरि २ दोहा करणमानप्रवासक  
 रिकीनोचिरहवषानि तामैदनचरतौस  
 कलकोविदसवीसुतान २॥ इतिश्रीम  
 तमहागजाधिपतिश्रीरामवराजेंद्रश्रीव  
 पसिंचतीदेगपतिकविकोविदचूषमा  
 एसकलाकलानिधश्रीकलभदुदेव  
 रिषचिरचितायासिंगारसमाधुर्याएका  
 दशास्तादः ॥ दोहा राधापियत्रिजचेद  
 कोवद्विधसवीसमाजरेकतैश्रथकग  
 नआनिसजैसषसाज १ सवैया कहि  
 पाइजनीश्रुनाइननाटिनश्रौरपरोसन  
 नाभनी फिरमालनवरइनछीपनिश्रु  
 चिरहेरीनारिसनारिवनी चक्रामजनी  
 सेन्यासनिसभगतपदपटवाकीवालव  
 नी कविलालपियपीतमकीअनिहि  
 तइतनीरंठससीठानी २ पाइकोवच  
 नश्रीराधासो सवैया खेलोसवैसिसता  
 इकेखेलनखेलश्रवैतोखेलनकीनत १



काननमेवहसावहसीवहुवासरवीतेनउ  
 नपरीजत दामनीसीतमनीरदसेहरिआ  
 पुसमैमिलकैरसलीजत हारकीजीत।  
 कीवातकहाचलीऔसेविचारमैवितन  
 हीजति ३ धारकोवचनश्रीकृष्णसो ।  
 कवित मालयनभाइनमैकारनसीकल  
 मिलआरुतरुनारुनारुनारुनारुनारुनारु  
 करकीनोरुतनमेजतलघारुमनमोहनी  
 लगारुमनमयमनकोमथै तानीजात  
 उरसौवितानीजातमथातनजानीजातयो  
 दोआनीजानतकथापथै जरिआरुभो  
 हनिविपुलआरुअलकनिसरिआरुवा  
 नपुरआरुपीमनोरथै ४ जनीकोवचन  
 राधाजीसो कवि स्नामरूपसागरसलो  
 नेरसरसनंदनंदननणारोनैनभागकरले  
 धिये माधुरीआसमनमोहनीनिवास।  
 अंकलीजेसविलासतासोआसनविसे  
 धिये रंगभरीजनीमनैयैलहिसजनी  
 रीजनीकैसहननैरेकवि।नदेधिये ता



रु  
८६  
४६

तो ब्रित के ती ब्रित चंद ही कौत सन सर स  
न अंतर विरह अवरे धिये ५ तनी को वा  
चन श्री कृष्ण लोक वित लाल कान दीना  
सुकुमार फूल माल का सो है सुष सी ल  
का सी दीनी आन आनि मे लाल ही कै ल  
इकल लाम लोल ली कै ल कल ता सी ल  
हल है ललित ललानि मे नामानाथ  
सो है मन मथ मन सा हो लष को न वि क  
ता विन मोल की विकान मे आने द की  
कंद व दिवा जत अने कव दे चंद ह सका  
निकरै मे द सुस कानि मे ६ नाइन को रा  
पात सो सवेया पंकज लाल गलाल  
प्रवाल गलावन रूप मही सी वाभरे वि  
ज चंद व ही ले कै न न तै अन राग ही सी  
हो सम फी य हि काल को राग हा नित  
ही सष मान मही सी पा म हा वर दे न  
क हा न की सह से रुच रा चर ही सी ७ ता  
इन को वचन श्री कृष्ण सो सवेया वीच  
महा वर देत ही मे सनि गै ल मे छै ल निहा



शिअलापे पौचलीफाकनकोउहिऔच  
 कसौविथजाइकहोकिहकापे भीजाई  
 अमसीकरसोउपहीउहअंगारोकीछा  
 पे मानहुकोमलपाइनतैनिकसोरस  
 कंषथगये ८ नहीकोनवचचनगथा।  
 सो सवैया सितमेचकलालसभानसो  
 परभसनभरराचावतिहो।करुभाषतसी  
 बहभाइनसोसनमानकीतानिमचावत  
 हो इतऔरकीकौरकरीकनसोसुवाप  
 नआपुसचावतहो पीपआननआगन  
 मोकचलीअपनीपीयानिनचावतहो ६  
 नहीकोवचनश्रीकृष्णसो जथा कवि  
 आपनोआवतलषतकोरनैननित्योरु  
 पकेचषावतिमैधीरजनधारियै भ्रिकु।  
 हीनिकटाछनमैपलकनिएतदीनवर  
 नीकैभावकरिचारीये देखनदुरवाचर  
 निफेरसरनिविहारनविवधअंगारानि।  
 रधारियै आछैहीउछीरनहंभरीगरुभी



१ ५  
८१ ८०

रनहै नैनमै नैरुकीतिहारिये १० परोस  
नकोवचनभाषासो क उजागरआजसुधा  
सागरकीवीचनमैकोरचेदसरजमरीच  
कलमलिषावेसाकैलालमिलअधर  
प्रवासरुविगोकुलकीगलीयांनछुरै  
गरलिआ उफकिफरोषैबालविलोक  
नतैहीछिनछलिआवकोरअलिपानि  
कीअवलिआमंदहासमालतीकीआग  
भासचेपककीकलियाधिलनमाडीउ  
लियानउलिया ११ परोसनिकोवचन  
प्रीकससो सवेया धीरजकोधरिरंग  
आगलावमिलेचनसारचसेसो कोऊ  
कोमैकविसासकरौहरिहोनकहाह  
आमत्रसेसो कैजकलीविषभानलली  
तमहोहअलीउहकैविषसेसो मोसो  
कहासतगवतहोकडुलागतपापपरो  
सवसोसा १२ मालनकोवचनप्रीराधा  
सो कवित आजाहकुंजनकीतैअभि



सारणीयाउपलकपापीरहैनरहैगे  
 पूजहैललनअभिलाषलाषलालना  
 कीसाधनवसंतकेसकलयनिकहैगे ।  
 वानीपिकलैहैअतिसौरभरपालहैहैमा  
 तेहैहैमपुपकमलसुषलो चाहैअ  
 षंडचारुचंदनीउत्तामचंदकोरचंदहाम  
 सौचकोरचाहिरहैगे ॥ पुनः तेरोअ  
 गरंगरेगसौरभतरंगलहिवहनवसंत  
 पौरनअौरफलकारीसो औरहीमपा  
 नकछूलीनीकोकलालअरपुनकरै  
 गानकछूतानन्यारीन्यारीसो कुंजम  
 गवरोहैनिहारीअंधपारीयहतेरेअभि  
 सारपियतीअकीतिआरीसो वीरनो  
 चकोरचितचोरतहैआनप्यारीचंदकी  
 उत्तारीसुषचंदकीउत्तारीसो ॥ माल  
 नकौतचनश्रीकलसो कवित चंपा  
 कसौगहीचक्ररसोनतहीरंगरजैचु



५

४८

४४

हनुहीरिगदेषतसहार्है सोहतर्ववे  
 लीरावेलीसौसहतसषिकहंकेहं  
 कुंजनकीराततनिकार्है कहंके  
 मुंजलालावगलालामार्है कहंके  
 रेककुंदमार्हैसौरभसहार्है आसणस  
 भोरनकीभीरनसौमार्हैकानआचनोअ  
 नूठीरेकमालावनिआर्है ॥ वरान  
 कोवचन श्रीराधासौकवित आले  
 लेवचनकेवसनलपेटपतिषोलिकै  
 दिषापनआमपवमानहै नीकैकर  
 हेरीअतिवारवारफेरीअतियहविनका  
 ममोहितैकनविरानहै फेलरहीविर  
 हविषासरितग्रीषसूकीरुकतेहीजा  
 ततासौसंकश्रीविहानहै तेरेहीवदन  
 रागचिह्नकोरापियनआतकालका  
 ननागवेलिकोसोणनहै ॥ वरानको  
 वचनश्रीकृष्णसो सवैया एकतहोव



वहुवार कहसवही अववातभईवउभा  
 गी कानदरंजमपानकीवीरीसनीरीद्वै  
 लीनीमहाअनुरागी वैभचारकेनैतर  
 चारसरुठरचारषरीरुचिजागी राचरहीउ  
 नहीरसंगानिश्रंतरआपरचावनलागी  
 १० मिलपनकोवचनश्रीराधासो कवि  
 अंचलउवाधोकिनआमनउचारोहोतवा  
 रचारशरोकहाहीअकुलाइहो नैनन  
 सोरीकमनहीमैभीजभीजछीजछीतर  
 हीकहामोलनभुलाइहो हाथचनरा  
 ईकोजजावनहौअर्भतमकोहोसकुचा  
 ईलेनरायकेवलानहो चित्रहोइरहीक  
 हाअतिहीवचित्रमानशैमेचारुचित्र  
 नौकितीरुठारलाइहो ११ मिलपिन  
 कोवचनश्रीकृष्णसो सवैया कानद  
 योकरावरोत्रितासदेषनदीअपियाऊ  
 विवारी भूलगईकनामतिमेषदिचौ  
 गनीवाहवभीचितगारी आननकोअ



२  
 ८५  
 वाविससोसभईअतिप्रनप्रेमकीपाडी  
 नाहीकेपासविसरतिसीउनसूरतगाव  
 रीयौलिषकाडी १५ चुरहेरीकोवचन  
 श्रीराधाजूसो सवैया कहुदेवतहेदि  
 नवीतगयोकरैरुफिरनाहिकमोहिबु  
 री यहिलैईकरीतुवमाफकरैअतिस  
 दरहमकीरंगरुची अंगअंगनकेउमो  
 नहिआवतनैऊनिवारहुलालचुकी  
 उजेदेवजुहीचटकीसभजानकरीचडि  
 चारकचारचरी २० चुरहेरीकोवचन  
 श्रीकृष्णसो सवैया देवमहाअजगई  
 हियैचतराईकरीतमसौनसंभारी तै  
 कहीकेपरसेतरसेसुधिबुधिसवैइकुस  
 थिविसारी रीतमनोठीकरीसुठिहीत  
 वचोलउठीसिगरीब्रिजनारी लालचु  
 रीयहराषतहेविचहीकतकानकरीक  
 ठकारी २१ सुनारीकोवचनश्रीराधा  
 जूसो सवैया देविरहानलकीबहु



आचकि नौ द्विगाना रिन मैथरि होगी केत  
 कवार घरेर तिना कसा कचा न सो चर हो  
 गी कंचन ता की पीतन कुंदन कुंदन ते  
 अवका कर होगी रसतारी वचन श्री कृ।  
 स्म सो कवित वा सो मै क होरे वल सो च  
 ही को बोलत रे भूषन की अभिलाष हो  
 ही सब करेगी देखत है वार दिन चार चि  
 तचाव भर्मा गो नर ही गी अरु फूँक ही हो  
 नरों गी गणें हजत न करि धीरज को का  
 म यहि औ से वे संभार भर्मा के से कर भरो गी  
 चट चट चट जे है अंग सवरन फेर कान क  
 हो वा के उर माल क हाथ रेंगी २२ राम तु  
 नी को वचन श्री राय का सो वरन वरन व  
 न चूनरी पहरित न हार वग पंतिन को दे  
 धियत भारो है इंद्र चाप भौहन के भाभ  
 रीच पलाचतुर न वै पातुरि सु अंग उज्जारो  
 है गज मिदंग धुनि गावत पपी सनि अ



१-

२-

१०

लापतकलश्रुतिपिकसकसारोहे ।  
 मोरकलावतीदियलावतसचराईव  
 रसानहोरकामभयकोश्रुचोरोहे २४  
 तमजनीकोवचनश्रीकृष्णसो क  
 वित राजतिश्रुनश्रुवतसमंजरी  
 कैरजलालसीजस्यामरुचिगिलम  
 सीनीधीहै सोहतजराऊपुटिला ।  
 कीजोतिदीपकसीयेहीभावनार  
 ककीसालाकरभाषीहै देखोयह  
 श्रावनकीजानकीश्रनोषीगतिला  
 यभांतेदेषनकोषसीश्रभिलाषीहै  
 नाचनाचश्रुपिनश्रापश्रुकानन  
 केअंतरकीभूरगभूमकररायीहै ।  
 २५ संन्यासनीकोवचनराधिकासो  
 संवेया प्यारीनश्रीजमैपेकरकोपुवि  
 नोदहीसोसबकालगमैये कामक  
 केलिकंतहलसोनितकंतकोश्राप



नोचितरमैये जातपलैपलकीनभा  
 योसुषलूटियैजेतकलूटपैये जोव  
 नकेदिनचारकोतिनहलषषदेका  
 हासनलैये २६ संन्यासनीकोव  
 चनश्रीकृष्णमो खेवेंवंधनतेक  
 चकूटाऐलहिनैनननीकीनिरज  
 नताईभोरदनकुदराविनानिरले  
 पदसाककंभनपाई लाललहेश्र  
 तिनिर्गुणातारसनापनैवमुक्ताम  
 निमालासुहार्य योरतिश्रंतसेमन  
 कोमनिमैनमहासुनेजोगण्डुई  
 २० पटिवमकोवचनश्रीगथा  
 मो कवित मोदोकहारायतिहो।  
 मिहीषहकामतातैमिहीगुनही।  
 कोसगनीकैकरकीजीये गूलरी।  
 कीमालनकोपोहिबोजकेकदोरह  
 मैपोहहनयोदीजीये लायनश्र



प्रि-  
५१

मोलपहिहागोहिये कौहारतामथक  
होराजाकेतारुविहीये मन्मथतल  
पनसमससपदकरिलालमनपाको  
महालाइगहलीजीये २२ पदवनको  
वचनप्रीकृष्णो कवित यहसुंदर  
कुंदनमालवनीसगरेविजकोमनमो  
हिवेकी जगताहाजोतकेजालविराज  
तसवरेअंगपैसोहिवेकोदिनवारमेकी  
नोसुनारित्तासवातहियेअवरोहिवे  
कीअवरीलहेलालविसालमतोहर  
राभरेगनयोहिवेकी दोहा रेसवस  
षट्सखीकहीपीप्यारीअभिरामअभक  
हिअतलकेसकलसखीपनेकेकाम  
रतिप्रीमतमहागजाधिराजप्रीरावराजे  
दृष्टीबुधसिचनीदेवागपतकविकोवि  
दृष्टमणिमकलकलानिधप्रीकृष्ण  
भटदेवरिषविरचितायोसिंगरसमाधु  
योदशः अथकवितव्रतचवनन दो



एक कौस की भारती और आरभ दी होइ  
 अवर सात की व्रति है कहत सकल क  
 विलोड १ अथ कौस की लखन जिह।  
 सिंगार अरु हास्य रस करुणारस किह।  
 होइ मधुर कहे कसमा सज्ज विजि कै  
 सि की होइ २ सिंगार जथा कवित दोऊ  
 रस भरे चरण परे भरे गुरजन घरे षाल घे।  
 लत अनोषी रीत रंग मै प्यारी तन रूप ल  
 धि ऊपर रुके रू परी प्रीत म के नैन लगे ल  
 गे लाल च के अंग मै ब्रवट स की रती अ।  
 तिर छे कटाखन सो बार बार वरज ज भौ  
 हन के भंग मै विनती सौ होति रज उज।  
 वेस मुकुताज फेरणार जात न वने ह की  
 त रंग मै ३ पुन सवैया भारी वियोग रहि  
 उत पवान जो फैलत अंगति ता पचने रो  
 ने ह के संग अरोप करे ही अकामद वाचन  
 जाल करे गो जाति उसा स सीरन सौ जु  
 र सीवन वे लन होत न वेरो द्वयो विनाच  
 न स्याम के देष भयो विजयी घम ही को वि



५२  
 १२  
 मों ४ हास्य जथास्वेपाकटिमो  
 लपटोडुपरात्र कश्चेतवेतमोच  
 नकीततिको एकवाहगहेउकचा।  
 हरेहेकरोकनिवाजनकीगतिको  
 एककीनभरीमरलीरहभानसजेमभ  
 हीरनिके विजवालनलालनलेफ  
 गुवाअगुवाभयोकासमहीपनिको  
 ५ करणाजथा स्वे कालकरा।  
 लमहाविषयालविहालकीयेहो।  
 नपालिनलैहे पापपहारसहारन  
 हारविहारनहीजउथारकेहो नौ।  
 कतिलालकेहालगपालाक्रिया।  
 लनहीयहीकितकहेको वारकवा  
 रनतारनतैवडिगोविरेदेहिरदेनिर।  
 दैहो ६ अथभारतीलछन दोहा  
 तवौहावीरमहासरसअरुअदभ  
 तअधिकार भजिनमयहभारवी।  
 भजिवषापीआर ७ वीरजथाकूपे  
 पकूपवनसमनहिमोजआवतउन्य।



वञ्चति स्वकविश्रवणरूपरश्मिषु मे  
 विषयुमेङ्गति ह्रीमहीरउजासचारु  
 चपलाचमंकवरवरसवरनचारिदा  
 रि।द्यमिददवागकरबहुमोरसोरवह  
 ऊरुश्रीगनकिततरंगननिउलसा त्रि  
 पवुधराऊअनिरुपसुवतुवकरजल  
 धरसमसा ८ ह्रासद्य तथा सुवैषा  
 सुरमानवदाहकदाहकजेतिनरूपर  
 देउहिमाजतहै बरकौपरकौनवनी  
 तचुरामभैजतहै बरकौपरकौनी  
 उरमाजतहै ऊषरश्रीगवेधारहेज  
 मलाइमजारनिवावतहै गनरहउ  
 भरेहिपसौनितहीहरिकौसोऊह्रासवि  
 एजतहै ९ अधिभूत तथा कवित  
 आनंदश्रमितहैतश्रमितकीतानितेरे  
 श्रमितकीपीवैतूतोकेटविषदाईहै ।  
 कालबालहीसोउरपतसोहिधावैतै  
 तोकालबालहीकीमालश्रीगविनना



५  
२३

है अति ही विविधता यज्ञा पिज पुका  
 रै तो हिजे जो भाल पाक की ज्वाला बरसा  
 हि भवत जो चो है हम तजो भव रूप  
 को गंग यहतो मै अद भत मत पार है  
 १० आर भटी लकून दोहा रौ द्रम  
 यान कवर नित्ये अरु वी भकु वषा ।  
 ति विविध वंय जन ऊज प्रन सो आ  
 र भटी जानि ११ रौ द्रसी कवित  
 थारयो वुध राउ ऊय आनु म सो जय ।  
 अजा जऊ कै जंग मा चो रं भ गीर भा  
 र मे कर कर वार न के सो रे भ हरा ज  
 भारे हारे हारे करत को रे सो भे भारे मे  
 सो नीज कै ताल वीर ना च ते वे ताल  
 कै कपाल न के ताल धिक राल वे क  
 रा मे दोरत दवर घग दडि सलु को ह  
 भो मंडहा क पारे हर हार मे १२ व्यान  
 के जथा कवित तै रे जे गजे ज निरजी ।  
 ले राउ वुध सिं वली पर च मूडे ल पर



तचिरैयासी दामनीसैतलीअरिभा  
 मनवेभूलीपधिहूलीफिरेहूलीक  
 ननकरैयासी कोपेयरानीप्रति  
 पकूनरानीरेकेवाअरानीचिन  
 परनयरेयासी गिरीपेरगिरकीगरी  
 नगरानीसिघरनितैतरीनतरा  
 नीवेतरेयासी पुनः वारुभलीवु  
 यतेरेदौरतयरेरेदोरीयोरैरुपहर  
 हरपुरपरराकसी तकितकितीधी  
 तोगैसीरीहुसेकानीवेगैवाजीभो  
 रीवामवीतभोनजाभाकसीगिरा  
 तपहारनिफिरतकुकीफारनि।  
 चरतिदरीहारननिकासीरेकजा  
 कसी चौकपरीचंचलासीचारुम  
 लचंपेकेसीकेरचारचंद्रमासीचा  
 रकचराकसी १४ वीभछे ना  
 थाकवित ऊजेलालवालमद



मोकलमतंगनकीअंतनकीजटाधरैअ  
 तिमगीरहै वैरनिकेमेदार्हदमासवसा  
 कीचवीचश्रोणतिसमद्वयानअंतनप  
 तीरहै एवअनरुयसिंचजकेवधराउक  
 रतेरेकरगारिहीलालवलगीरहै वै  
 तंरीवैतालभीरभीरभूतभीरभीरजोगा  
 नीजोजेगनमेजाहरजगीरहै ॥ अथ  
 सातकीलछने दो भीररौद्रजहवर  
 नियैअदभुतजहाप्रकार अधिकस  
 तजनसातकीवानीअतिउदार ॥ ६ वी  
 रौद्रेतथा कवि उज्जतकैकंठसया  
 गीअनरागीतहाजागीरतिरंगनरवि  
 तमनभायोहैसातंगनरूपपरतपरन  
 रद्वेषीश्रीसीजेगासासोरनमनअटकायो  
 है हौतोकविपंडितविविधगनमंडि  
 तनभातहीनेनेहनैकनलगायोहै य  
 है कहिवेकोएवराजाजसावरोसहत  
 करिकमलानैसिंधुपैपठयोहै ॥ अ॥



जूने जथा कवित म्यानत जे देखी दाम  
 यान दुहे देखी यत चाखी अरु अंत न सो दे  
 न न कोष ह है वाड़े कोह जो गानी सी का  
 दे जी भ भोगानी सी प्रोन त सम रह पान नै  
 क न रह ह है वाहु वली बुध राव राव रै  
 क्रि पानि धानि मेरे जाने जे गंग भूम सो  
 क न ह है काला न भैरव वेतान गान  
 पाल का सी काल का के नैन न को का  
 जर की पड है १२ साते जथा कवि  
 पर पर चंडे मार ते सो प्रताप त रै ता को  
 मध्य पंचागन साध रत है देखि यत रै  
 न दिन नैन न के एरन प्रवाह रूप फेर  
 कर मजन करत है कुंठु की न विनाम  
 जो धरत दिगंबर ता छाडी विषे अभिला  
 ष दिन निभरत है १३ राजा सुबुधी सेव  
 ए रे रिपु न कीर मनि कै उरो जमाने  
 करत वरत है १४ दोहा इह विधा  
 चारो ब्रित रे ग्रंथ न थी वनार रे करे क  
 नै अधिक है सुनो श्रवन सुषणा २



५५

इति श्रीमत्तमहाएजाधिराजश्रीशशा  
 जेंद्रश्रीवृधसिंचनीदेवागपतिकवि  
 दरशमणिसकलकलाविधिश्री।  
 कृष्णभट्टवरीषीविरचितायेसिंगार  
 रसमायुर्घोषेसादः अथ अनरस दो  
 प्रत्यनीकनीरसविरसउसंधानवषा।  
 न पात्रदृष्टेकवितसेतनैहसन।  
 जान १ प्रत्यनीकलखन दो जह  
 सिंगारवीभट्टरसवीरभयानकपा  
 स रौद्रश्रीरभट्टतजहाकरुनारस  
 अरुहास १ रसमिलकैपरस्परप्रत्य  
 नीकद्वैजात इनकैवरनैवीवहीह  
 सकताअधिकात १ तथा उरसोन  
 वछनकेलगैओनितसहतिहहा  
 तवकवाचकवीसेलसैरविकरमेहि  
 तप्रात ५ नीरसलखनदोसुहृपर  
 कीप्रीततहअतरकछनहोइ कप  
 टभावकिउहंनछदैनैभसुवरन्योसो  
 १ ५ अष्टोदाहरण सवै तेरेहिधै



कोसवैहम वातिलपी अतिहीलकी  
 रजधानी नाहकेनेहलागवैहित जन  
 तैकछ औरहीसंगजठानी नैनतिसो  
 अरुवैननसोकवहूनागणालहिनीकै।  
 कैजानी जामैहमारीवलाकहाहमैतै  
 इहउंगसदावहकानी ६ विरसलछन  
 दो जगवीचजहभोगकोवरनतहैकवि  
 कोर निहवैकरकैनानियोविरसव।  
 सान्योसोर ७ जथा कवित पीठकैज  
 इहंगकंठारुदीनीअंगतैसेरुछपांच  
 संगसेवकलगायेहै पूरनपरागभरैअ  
 गनविभूतधरैगंजरवाणानकरैसंगी।  
 कोवजारेहै मागतफिरतिमकरंदमर  
 भिछावनवीधनहीवासरविहारहैपा  
 रजातकसीतेरेविरहकीवेदनसौजोगी  
 भउभोरजहातहाउठिपारेहै ८ दो निस  
 दिनकामसंतावईमनसौदुमननाहै ।



१  
 ५६  
 १६  
 श्रीगंगावेदन अधिककौससरहौ चरमा  
 हि ६ इंसंयानलकन दो रेककरैअन  
 कूलताहजोहैप्रतिकूल इंसंयानस  
 चरनियैमहाविरसकौमूल १ जथास  
 वैषा आवोकहोहमजाहुचलेकितजा  
 हजहाविषहीनोठिनानो होतमसो  
 एकहाहमजानोनहीमितहोमषआप  
 वषानो आईहोरुजरीकतहीइननैन  
 निवारतोनैनओछानो ओसेनवोलीये  
 वोलेगीसोवरजानैअवैहमजानैतौजा  
 नो ॥ पात्रदृष्टवाननं दोहा जैसेतैसे  
 एरियैसवदअरथएकठोर पात्रदृष्टो  
 वरतियैसकलकविनसिरमोर जथा  
 सवैषा कवित लालचनिसामीआपह  
 यनपसानीअतिकामैएकसानीपलक  
 नमै बोरुनवितानीवहमैननकोवानी  
 वतएनीसतएनीकतएनीअलकनमै



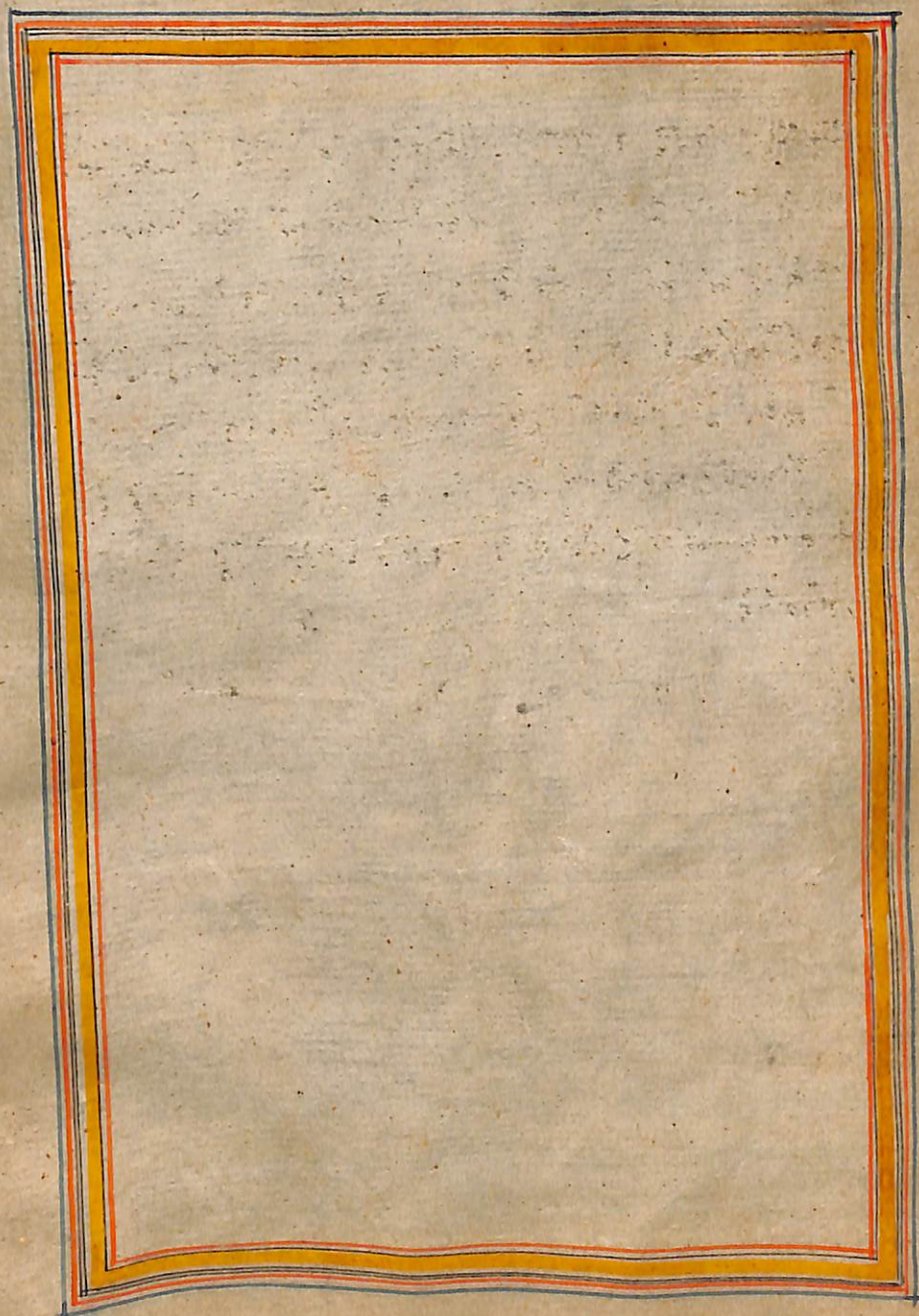
चातरीवितानी अतिआतरीहिमानी स्ना  
 नसामनरितानी आषेथरैमरजनमे नेह  
 सरसानी पिषरपरसानी तरसानी अर  
 सानी दरसानी छिनछिनमे १२ दोहा  
 इहविष्यो रैरसनको हसनलेह विचा  
 रि तिनको असनिवारिकै कीज्यो कवि  
 तसेभार १३ बलावेथपतिसाहकोहु  
 कमणारसवहुभा कस्यो ग्रंथरसमाधु  
 रीसकवकलानिधारा १४ सेवतसत्र  
 हसेवारसनहतरीकै साल सावनसदि  
 पुन्योसुद्धिनरव्योग्रंथकविलाल १५  
 कुत्रमहलवृद्धिपतपुनकोरसरससत्र  
 र बुधबलापतिसाहिकै कीनोग्रंथहत  
 र १६ छपे रूपसदनगनसदनआन  
 मपनहासिपपत विप्रदेनहितसजत  
 लागतपारथजिमदेष्टत तेगकलारजुप  
 हसहजपलदलनविहारज श्रीणित  
 सेउमसेउरक्तदेतीहसिंगारत बरुवा



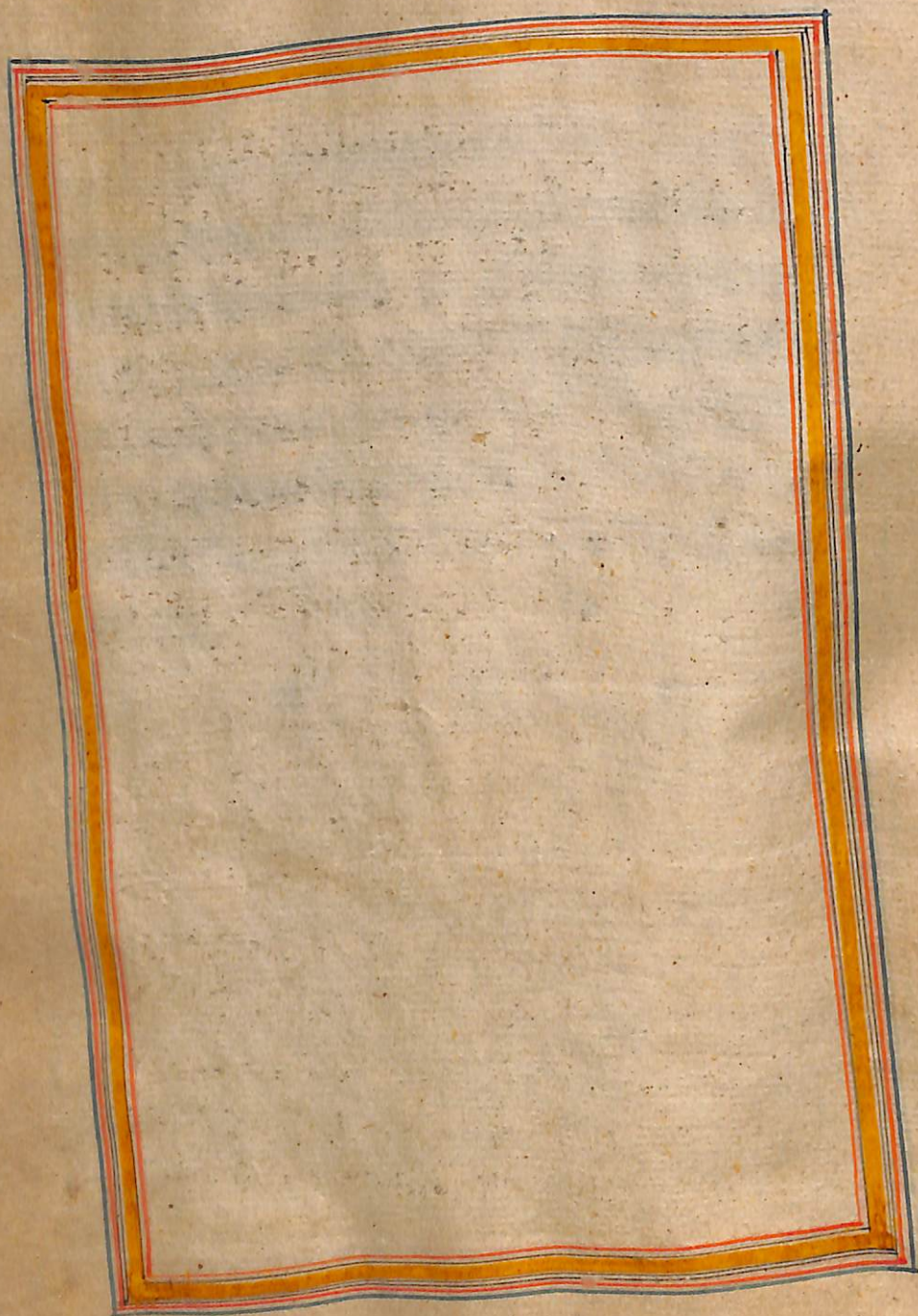
नुमानगनणांननिपद्योनमानरकनि  
 यशकभवनवरसविस्तारआनेदकरव  
 यराधनरुपसव १८ इतिश्रीमत्तमहा  
 राजाधिराजश्रीरावराजेंद्रश्रीवृधसिं  
 गजीदेवागपतिकविकोवित्चूडा  
 मणसकलनियश्रीकृष्णभट्टदेवरि  
 षविरचितायोसिंगाररसमाधुर्यास  
 मामा=

॥            ॥            ॥            ॥            ॥  
 ॥            ॥            ॥            ॥            ॥











**कविप्रसादके** अंकुडकनमोरवनपवनज  
 कोरवनकालिदासगाछियप्रसादपुण्येषिये  
 सीतलकदेवछांदगोरीगोरेथोबाहइंद्रकौनगर  
 बनबगरविसेषीये वोरंगलिकेशपुरीरक्ति  
 कनेरेमकांरूपेसेसाखरसरोनदेसअवरेषीये  
 ऊचेनयेछुपरअटानषटछपरअटानकीबुमे  
 डेवनमंडलमैदेघिये १ उमडिबुमडिजलथ  
 रदलमानिउठेगगनगरनिथरिथावधुरवानि  
 की परनअपारजलधारमरीधुमारपवनज  
 कारजकजोरिगिरवानिकी दाडरडकारपिका  
 चात्रकपुकारकंठकोकिलाडकारमनबसका  
 रवानिकी करतबिहारकुसुमाधिकाजमारिह  
 तपावससमानिऊडकनसरवानिकी २ मो  
 रवनगोरमोरकरतकीबजोरवनगरजतजोरस  
 चटानकी चयलाचमेकैज्योऊमेकैरथिआर  
 नकीधजाफहगनीधुकिथावधुरवानिकी मैन  
 चढिआईचहंडोरतैदवाईतोरिकेतौसम्झाई  
 कहाभृऊसीकमानकी मानमदखवनमिला  
 वनमऊदकनमानतनिमानिनीइहाईपंचबा।

वरपाके ७१



नकी ३ राजेसमेरीजिसीबरषाबसैगीचढचे  
चलानचैरीचकचोपाकोपाआरेरी मुनिव्रत  
हारैहीयेपरतपुहारैकछुछोडैकछुथारैजल  
थारैजलथारैरी ॥ कामकेतुकामेशूलशूलडोल  
दारैमनओरैकरैडारैपकदवनकीडारैरी ॥ भणा।  
नकबिंदऊनपुंजरसमोरभसोकोणकोकपाश  
केनपरहतपारैरी ४ सिधैहारीसखीसमु।  
जाइहारीकादेबिनीदामिनीदिषायहारीनिस  
अथगतिकी कृकिकिहारीरतमारिमारिहा  
खोमारहरीककठोरतत्रिविधगतवातकी द  
ईनिरदईयाहिकाहेऐसीमतिदईजारतजुरैना  
दिनदाइयेसैगातकी कैसेहैनमानेहोमनाय  
हारीकेसोदासबोलिहारीकाकिलाबुलाया।  
हारीचानकी ५ नुरिमिलिचटावहेडारैतेबु  
मडिआईपिकडैययीहामिलिमोरेरेहोहै  
धमरेयुरैरेनीलसामरेकववअंगथोसाकीधु।  
कारधुकथाईयोनयेल्पोहै दामिनीकीबोथ  
नभयामिनीसीलगतिहैसूजतनहाथमहा।  
दारुनअथेरोहै पारनिशपारवगमालजा



लद्वारिअलीविनाचनिस्सामंत्रजयेसोहे ६  
**संदेसा** बरिहीबरहातनदोऊलग्योहरिहीखिन  
 थीरजकोंथरिही थरिहीथरकाचनघोरनसो।  
 पिकचात्रकेटरनसोउरिही उरिहीरजनीरिता।  
 पावसकीलषिअंबुसनेननेतेजरिही ऊरिही।  
 ऊकिलागिरहोसजनीतरिहीचठिकुकिउठेवि  
 रिही ७ मोरहैप्रैमभरेचनकेवनधामनमैपि  
 ककेअनिसोरहै सोरहैसावनकीसरितादसा।  
 हृदिसदामिनीकीअनिकोरहै कोरहैरीखिता।  
 पीयमितैअबकामिनिकामकरैअनिकोरहै  
 जोरहैमेगोकह्याकरीयेभरीयेउरीयेअरिपेमु  
 षमोरहै ८ गामनकीबनितालगीऊलनगा  
 वनगीतमहासखदामन दामनलागिकरों।  
 विनतीचलवोनवनैसनीऐंमनभामनि भामन  
 लागेसंजोगसवैउमडेचनपावसकेबरसावन  
 सावनआयोसहावनहैसाखीकामबिधामुर।  
 बाल्लगेगावन ९ ऊरवापियकेसेगसोवति  
 हीउतनीरसमीरबहैपुरवा पुरवाकरैमनोरथवाव  
 दबावदराहथरेपुरवा पुरवाअबिलोकातिथीप  
 तिचहंडोरकिलोलकरैमुरवा मुरवालगे



२  
गोक्ष

२

वाजननरुपरवाउलसोउरअनदअंऊरवा १  
 ओचकमोरप्रकारउठेनिमंदेहसतावतुहै ग  
 निउठेधुरवाचहैबोलरजेअगअंगनछावत  
 है भोरगुजारकरैवनमेपिकचात्रकटेरस  
 नावतहै लालभणेवनस्यमविनावरवा  
 रिनुआगमआवतहै १ तमफैजतमीस  
 अमावसकीपुनियावसकोपरवाहचल्यो  
 रुचिस्यामसेवारसछारसुहैअरुस्यामको  
 नेहसोनेहपस्यो सुतसारगमंतनकोकर  
 लेतनमेवनसागरसारमल्यो तीयलाज  
 कीलायकोतोरसखीमनमेनकोमात्योम  
 तंगचल्यो १२ **कवित** सामनसुहामन  
 रिगामनरसीलेनेहकोकिलकोगानपंच  
 वातमहामानको दामिनीदमकिअतिऊ  
 मिकुकिआयोऊरकीनैयरसाजिपीजुपीकी  
 रसपानको पवनगवनचलैसुमनसचनम  
 दचलिहोरसीलीमिलिसंदरसजानको मे  
 रोकसोमानिलागीबुंदछहरानिद्रुमअंजय

ऊ



हरानि निसचोरनबुदानको १६ बादरवि  
 तानतानिछां प्योरविश्राममानडैरवानथा  
 रिवारिदईहैदिगनमें हरीहरीलतानसो  
 बिछोनारसरंगभरेइंद्रवधचारुचित्रकारी  
 हैचिकनमें केकीपिकचात्रकसदाडरचा  
 तुरगणकारतश्रुतापदरबैठचहैचनमें च  
 हंनितचाठनकोमानगछछामनकोया  
 वसनरेसडेरादपेहैश्रवनिमें १७ हरीहा  
 रीभूमिहरियालेहैसकलवनकोकिलक  
 लितकेकीगामेंसुरजोरिजोरि सलयसा  
 मीरसीरोचहैडोरडोलैवरवरधनहंदरस  
 बाछेऊकजोरिजोरि सनिसुऊमारीवृषा  
 भानकीइलारीतोहिबोलैगिरिधारीतूंजबै  
 ठीहरामोरिमोरि दामिनीनकोरधुरवान  
 कीमरोरदेविआयेजलजोरिघनस्पामवन  
 चोरचोरि १८ हरीभईभूमिडोजगवटकी  
 जेवजानीसिरपरतोआइगयासामनसहा  
 वना दाडरवादरमारसाइनलैआयेमाथो

५



३

३

जुहर

उनको तो भाया है विदेस ही का छावना स  
 बनों सहै ली मिलि जूलती हिंडोरे बैठ मुजै  
 तो भवन भारी लागता डरावना परे भाई ये  
 थी जे नृद्धारिका को जाना है तो सुख नह  
 माग एक स्था म को सुनावना १६ चात्रक  
 प्रकारे पिक मोर किल कोरे जल परत मेघ  
 धारे आली आई रित भीन की हेरत अटो मे  
 पट दै दै डपठा मै नै सी सा मन वृदा मे छ बि  
 नी की लगे बीन की गावत लै त जूलै कर  
 धरि कै कपोल न पैं उडत हिंडोले प्रेम प्रीत म  
 केरी जकी सखी न के संग मै सरंग अंग चंद  
 मै सु आली तेरे अंग मै चली नरे गती न की  
 १७ पावस प्रबल पीव पीव तार टत जीव द  
 सहं दिसान मै संदे सेहं न पापरी मोहि न  
 बताओ मन काहे सो कठिन की नो अब धि बि  
 ती ती आली बरष गमापरी मोरन के मोर  
 सुनि। पपि हार टन दिन को किला की टेर स  
 निमदन जगापरी हं दे आई बरस गगन व।



हरात आये बैरी आये बाहर बिदेसी कोना  
 आयरी १८ मूदरा घोस कल जगै घाना  
 रदाने ताष आये नायवन मेरी पीर जो बछा  
 गेरी कहै कविला लहाल काम ते कहल  
 होत चाहत हो मेरे जो पे आण को बचा गेरी  
 पीया गुण गाओ ना सुनाओ सोर मोरन के घ  
 टा ना दिषाओ बिगि आगन पटा गेरी जेने  
 पस गेथन के फल फले जो न मेरी इने अब  
 बीरजर मूरने कदा गेरी १९ गाजत न घ  
 न पस घनर न तर खा जे मोरन के सोर नानि  
 बाजन के हला है नाहिन वगयांति एदिम  
 त पार को डनी जल की नथार है विभूति न के  
 वेला है फली नाहि सांजला लचा दर कि  
 सर चूप चालै नाहि बहल च फल गुण चला  
 है सुति ये सयानी सखी काहे को करन मो  
 च पावसन के ला एमलिंगनिके मेला है २०  
 ना है घन घराय तो भूथरे धुपारे गजन नाहि  
 नैयवन पतरंग ते जना जे ये नाहि नैयचात्र

ह

की



कसभट्टघोरचहंजेरधुरवानजानयेति सा  
 नमधुगजैपें मोरसोरनाहेवाहेदेतनोह  
 करैसंभुचपलानजातिषडगतेगताजैपें  
 कासोमानचंद्रमुषीइंद्रनाहिगाजैहैरीमैन  
 केगहेशानवावेदरबाजैपें २१ उमडिबु  
 मडिआलीबदरनकीफोजचडीदाइरेदमा  
 मेवनघोरकरनाईहै कारीकारीघटाजा  
 मेजेवरकलोलकरैकीरनकीभीरभारी।  
 कोकिलाअनाईहै बोलतसहायबाल  
 चानकहैचोवदाखगुलेहगलहैकैबिरा  
 हिनजाईगाईहै कारीअधिशारीनामैवि  
 जुरीचुराधैलीयेमोरकरैसोरैमैनकीडहा  
 ईहै २२ दाहिदाहिदामिनीदमंकतदि।  
 सानदीहदाइरइषारेदेहदहतपुकारिका  
 र कोईकोईकेकीएकसाईजंजवनमें  
 कूककूककतरेकरेजाकरैवारवार गाश।  
 गाइगालकबिगजबमुजारेगोरीगंजग  
 लगरजगुबिंदविनछारछार थाइथाइ।



पासपरथारधमयामनसोथरनयरोमेथा  
 रथरापरथारथार २३ सामनससहामनेमे  
 सदरसुदीकीनीतभीतरहेस्यामास्यामरस  
 मेदमकदार चोरकैचुमंडनघटानकीचु  
 मंडचनीचुमड्युमडिहमेचंचलाचमकदा  
 र शालकविमीनलसमीरमंदसोरवसो  
 सरससुमनसरछविमोछमकदार ऊमें  
 जलजलकेजलापरऊकिऊमऊमिऊम  
 कजलामेजीनेऊनामेऊमकदार २४ कि  
 योहंमोरसोरकरअंतरहोइगएभाजिभा  
 जिजिह्नीगनबोलितनएदयी कियोपिक  
 दाडरकहेंफंदकमेमारडोरकियोवगपोत  
 लोकअंतरकोंहोगई शालमकरनशाली  
 बालमनआपेघरकियोविपरीतरीतविथ  
 नैउनेदई मदनमहीपकीडहाईफिरवैते  
 रहीनऊमस्यामेवकियोबीजरीसनीभई  
 २५ सरथनतिलकसुरंगवगमोतीमाला  
 नीलचनचीरडोछेलागतसुहाईहै केकी

२४



पिकक्रीकतश्रुतायतश्रुतायचारीधीरधु  
 निमधुरमृदंगनकीघाईहै पानीपुरुपंत  
 लपपीहामुषदेतसुरकोकिलमजीरपौ  
 ननायकनचाईहै बैचनीनियटपरपंचा  
 नीप्रद्यतलैकैकंचनीसीश्राजमेघमाला  
 बनिआईहै २६ **सवैया** जलजोरमहा  
 घनघोरघटाव्रजउपरकोपपुरंदरकोक  
 विपुरुकारनोपसवैनिरघैमुषश्रीपतिसे  
 दरको परितैथरिबोथरणीपरकोनहीयो  
 थरिकोथरणीपरको करिलैजनकांकर  
 कोकरकोकरुणाकरकोकरुणाकरको  
 २७ **कवित्त** सामनतलानोमनभामनन  
 जानोइहमदनरिसानोफोनचछीकंहंदि  
 सरी दूतपुरवाईआईआगमनसुथलैनपु  
 लकिपुलकितौतौंगनिसुथबिसरी गर  
 जघटाकीतामेकौथनछटाकीदेवघोरन  
 निमानवीचकारवारबिसरी चमकिचल  
 नतामेधुरवापुमरिद्विरिसजनहाथदि

५

च

चौ



नहंमैभईनिसुरी २७ मेचककवयसा।  
 जिवाहनबयारिबांहगोछैगलगजरहेदी  
 रचवदनके सरनसुकविसमसेरसांधिदा  
 मिनीहैहेतनरकामिनीकेमानमरदनके  
 पेदरपताकाधुरवानकीबलाकागहैछे  
 रीयतहरिचहैडोरनसुदिनके नकरनिरा  
 दरपीयासोमिलिसादरसुआपबीरवाद  
 रवहादुरमदनके २८ **सवैया** कोकिंकी  
 कृकणिकीकीप्रकारचहैचिसदाडुगडंडउ  
 ठायों बिजछटाउछटीचहैडोरतेस्याम  
 वरामिलिअंबरछायों आवनहोयल  
 तीफजियोललनालिबिहाथसदेसप।  
 ठायों वामनपायभयोविरहासुअरे  
 मनभामनसामनआयों ३० भासिभया  
 नकभादोंकीगतमैआवतमेहुमहाऊर  
 जीनै कीचगलीअरुदामिनिकोडरछे॥  
 किकिवारललारसभीनै केसवकेसबरा  
 यकोंभीजतजानिकैभामिनिभोनमैलीनै



प्रीतपिछोरीकमेमुरलीकटिहाथछरीछ  
 तनासिरलीने ३१ सरसोहीकरोकिनि  
 बिन्नुछटाबदगापुरवागरज्योहीकरो व  
 हिवोहीकरोकिनिसीतलवाहसुचात्रक  
 योंरटिवोहीकरो लरिवोहिकरोकिनिका  
 ममहावनशानंदसोभस्वोईकरो लगि  
 सोवनिहोंपियकेउरवासुरवासुरवाक  
 रिवोहीकरो ३२ वनजोबदगातदसोदि  
 सतेंसरिसागरसीवहिवोहीकरो चमकै।  
 चपलाचहेंउरनतेंवरनीपुरवागरिजोहि  
 करो पियसंगउमेगसोंप्यारीकहेंसबसों  
 तिहीयाजरबोहीकरो लगिसोवनिहोंपि  
 यकेउरवासुरवासुरवाकरिवोहीकरो  
 ३३ **कबित्र** गरजहंकारसोंवियोगीतन  
 छारभयेबुंदविषवारिपरेमहाविषथारी  
 के पुरवाअनेकफणिमंडलपेबिजुमणि  
 चमकिचकितचितहोननरनारीके जोंरे।  
 पेनऊरैवापुमंत्रमेसचारकरैरसनमैरौर।



पोरैसरतडगरीके भूमिनुभडारेदिसबांवी  
 नैनिवारैकाहूफिरैचनकारेनागपावसधि  
 लारीके ३४ "कारेभारेधूमरेधुरेवासेधो  
 रैमचवासेपैरतदरेरेंदरगतहै <sup>गोप</sup> निपटअ  
 नेरेदसदिसहंगनेरेंधेरेंकाजसंवादरगत  
 रेंगरगतहै चहेंगेरजंफेंजरलावेनगजी  
 वनत्तवोरैचुरवासेवनवोरैचुरगतहै प्रब  
 लप्रचंडमंडगगनचमंडचंडमेचनकेऊंडव  
 हूंघंडअगतहै ३५ "कारेकारेधोरेंधोरें  
 भंथरेधुधोरेंभारेवादनहोंहिमानेहाथैम  
 दसंभहै विजगीनहोंहिबैरीबैरैसीकर  
 हगतवैवरचमरवगचंवरअडेवहै ज्यो ज्यो  
 बराहूंमिश्रामेराधिकेउरथिश्रामेसुमतिदा  
 याललालप्राणिहीयकंवहै आगमनहो  
 हिकामजंभकलैआथेंचनगरगतनगंहिरी  
 गनीमनकीबंबहै ३६ चहेंदिसवादनउठ  
 हैदलैसुसुमननरेसइंद्रधनुजंशमानोंहै  
 परसियैवनगजहारनिकदंवरनिटेरतिप

क



पीहामानोंदेरनभलानोहै रसिकगुणा।  
 ललालछूटतगरननालमोरसोरनोरक।  
 रेलोकउमदानोहै मदननरेसचद्योंकी  
 नेवसदेसदेसपरमसदेसताकोंपस्योंपेस  
 षानोंहै १० उदयाचलअस्ताचलगछे  
 हैसुरषचारचंद्रचित्रभानुवादरेसाकीण  
 नाहिके तंहुघनतनैवगडोरनसोंषैंचषैं  
 चबांधेसेचअऊरनअटलनिवाहके सं  
 तनतडितफहरानकोरचहूंडोरआरंदैक  
 नातनअधिआरीदिसराहके इंद्रवधनि  
 कसिडरीचाहिहरीहरीभूमिडेरापरेमेनम  
 हाबलीपातिसाहके १४ **सवेया** हेसज  
 नीमयुरानगरीजबतैसुनिपेवरवारितआ  
 ई लैरसिषानसनेहकीतानिसुकोकिले  
 आनिमलागमचाहे गोपनुआतुरभोरंही  
 तेमरुचात्रकहीरटनापिलगाई येरीभट्ट  
 कहिरीकबहूंअहिवेरअहीरकेपीरनपा।  
 ई १५ **कबिता** बुंदमाललीयेस्यामवं



दनीतिलकदीपेरामतिमनकीऐचहूँ  
 रथाएहै शूदबीगगनओछैगरजनभजन  
 करेनारायणनामनीरहीऐभरलपाऐहै  
 चाहतहैष्टनापारीजूकीभूषणसुकवि।  
 महिमंडलपेसुखदरसाऐहै हैकैआपसा  
 थआपआपनेवरनअलीआजहैकेवरा  
 विरागीबनिआऐहै थ- भूरेभूरेवादावि।  
 भूतिसीलगायेअंगवरसतनबूँदेसानोज  
 राथरआऐहै गरजनलैसंगीअरुगरेष  
 समालयेयसमालथरैचपलाकेचमकमा  
 तोचक्रचमकाऐहै कहैकविइरिगनसा  
 नसातैरावलिकेपवननहीहैइहिमंत्रपाढि  
 वाऐहै सामनसमीपतातेशामानकेहरवे  
 कोदेषोयापीसामनइहरावलबनिआयो  
 है थ"बाजननगरेतालदेतनदीनारेगी  
 अरनजोअभेषभरणवजाईहै कोकिला  
 अलायचारीनीलग्रीवनृत्यथारीकोनवीन  
 कारीचादीचात्रकलगाईहै मणिमालनी।

क  
तो



गणसुसीरयतिमरयारचोंरिसचिरगचा  
 रुचपलाचवाहैहै बालमविदेसआयोड  
 षकोजनमभयोपावसहमोरेंल्योयींविरह  
 बधाहैहै धर **सर्वथा** उतस्यामद्यताश्नन्यो  
 अलकैबगयोतउतैश्नमोतिसरी उतदामि  
 निचमकतदेतइतैउतचापिशैभुवबेकप  
 री अचात्रकतोपिऊपीऊरेइतप्यारीको  
 पीविसरैनहरी उतहृदअषंडइतैअसुआ  
 विरहात्मनोचनहोडपरी धर **कवि**  
 पियपरदेसपाणविकलदमारहोहीवीनी  
 जातगेधिकाहंनियविरमापेरी कोकि  
 लाकीकुकजातैउठतकरेजैहंकमोरणकेमो  
 रमानोंमैनसरलापेरी कारीकारीजामिनि  
 मेंजीवननरततनजरीननजारवेकोविरह  
 बुलापेरी कहनहमंडइहैबरज्योरीमेरी  
 वीरविनाद्यनस्यामद्यनस्यामकिनआपेरी  
 धध तेरेदाहैदहीबैठकोठरेकेकोषभरही  
 देहजोकवलनोनिकमनाइभोनामो **कवि**



मकरंदकोऊपछीनगहनयछकाकनोनि  
होरंगरिगहोयोनानोनासो कविमकरं  
दकोऊपछीनगहनयछकाकनोनिहारो  
करिगहोयोनानोनासो नोकोनोतगब  
नघोचोयकरचोंगधर्योचुगिचुगिचोच।  
करोहीरात्ताललोनासो एरेरेपपीहापि।  
ऊपीऊकहैतैमेंआयोआयोकरैतोमखांओ  
चोचसोनासो ध५ न्योन्योवनघुमेंन्यो  
न्योलोढैवालिभूमैपरीविरहकीधुमेंडो।  
अननननगास्योहै देखकोकित्ताकीओव  
चलाकीचंचलाकीकछराषतनवाकीनै  
कनैननउवास्योहै ओधिअविलाकीरही  
एकहैयत्ताकीसोहैनंदकेलत्ताकीडषजा  
तनउवास्योहै थावपुरवाकीनैसीपौनपु  
रवाकीयेसेबोलैमरवाकीउखाकेत्तरजा  
स्योहै ५६ **सवेया** प्राणपियारोगयोज  
बतैतबतैरभएसिगरेदुषधीमन मेंनके  
ओनबसाडरदेधिछटावनचोरवरावहरा

जैसे

७



वन आसन डोथ की डोथ रही सुभई निसमा  
 मन की डग वामन कौण थों थीर थरे सखी।  
 थुं परी थाई परै थुरवान की थावन ॥ ४७ ॥ **क**  
**वित्त** कालिंदे में को किला में कज्जल कल्लो  
 दिन में काल की सी छाल हग दे घै भट कत है  
 भूदर से भूत से भूत ग से दिखो ई देत जे ई न हो।  
 दे घै ते ई न हो ठ ठ कत है नंद क है मृग से मृग  
 न के रग न ह से पुरवन के ऊंड कियों से डलर  
 कत है चटि के यो न दे घो अरा के सी होत बि  
 ज छटा पे सी घटा दे घि जो गी जटा पट कत है  
 ४८ बाग बर हटा जटा थुरवा बिग जे वी  
 र नाद की गरज सो तों गरजन योगी है वग  
 न के जाल उर सोहत फटिक माल धनी तप  
 तेज से गव यत्ना से जो गी है संज मतिल  
 क भाल सोहत पिना कलाल जा के दर से  
 सो होत ही यरा बिजो गी है मानिनी को।  
 मान क है चतर सयानी भट्ट पावसन हो  
 कोई नुक्त मान जो गी है ४९ ॥ **कवित्त**



आर्क्षितपावसनआपेपाणप्यारेयातेमेव  
 नवरसआलीगरजमुनामेना दाहरनबो  
 लेवंगकिकेनफोरैकानकोरलभाटकिभू  
 लिमबदसनावेना विरहविधामेहोंनो  
 विकलभईहोंदेवनगुनृत्तमकीचित्तुनि  
 गीतगावेना चात्रकनगावेमोरमोरना  
 मचावेवनचुमडिनछामेन्योतौलालघर  
 आवेना ५० अंबुजठडानफैलफूटतप  
 टानजेसेंधावेतनटानछविछाततछटान  
 की चात्रकरटाननदीनदउपटानजल  
 जगत्वजटानमंदमारुतदटानकी भीते  
 उपटानबृंदचूअतलटानपुषीतनतपटा  
 नमेनमंदरुपटानकी पियकेनटानप  
 हरेरुसमीपटानप्यारीचछानअटानेधर  
 रेदेवतवटानकी ५१ मलिकनमेजल  
 मलिंदमतवारेमिलेमंदमंदमारुतमुदी  
 ममनसाकीहै कहैपदमाकरत्पोननद  
 नदीनप्रतिनागरनबेलिनकीनजरतसा

कि व

ल



की है दौरत दरे रा देत दाउर सुइ दे दी ह दा  
 मिनी द मे क न दि सा न मे दि सा की है ब द  
 ल न बु द न बि लो को ब गु लान वा ग वं ग ल।  
 न वे ल न ब हार ब र सा मे की है ५२ कं प्र ब  
 न वा ग न क दे ब क य ता न घा डे स बे दार सा ह  
 ब स मी र सर सा यो हे कहे प द मा क र ति ल  
 गी भी र भुं गिन की म ह ज र त म र ची म ह र गु  
 सा गा यो है का ह ठ क र त घ ह रा ह त व टान  
 व ट सो र ह र रा ह ट अ रा व त को छो यो हे  
 मान म द दे गी म कै जं गी सैन सें गी सा थ रं गी  
 रि त पा य स फि रं गी व नि ग्रो यो हे ५३ उ म  
 दि वु म डि वु न घोर के वु म ड की नो च य ला।  
 स मी र च ह डोर न ते ऊ म रे नि स दि न ही के।  
 ता पी बो ल त प पी हा पा पी क र हे क ला पी।  
 ते बे घोर पु नि वु म रे जी वे ग वि यो गी वे से ए  
 स स मे म हा क वि यो गी भ ये भा गी ते वे फे र  
 पो र त म रे क हा क रं मे री ग्रा ली मे न के  
 म तं ग ब्ब रे पा ण श मे पु र वा ए थो रे थो रे ध।



मेरे ५५ सीतलसमीरउरतीरसेलगतआ  
 लीहरीहरीवेलपरपावकपजारदेउ दा  
 डरनडूरकसीपिकनपकरलैरीबागनतेवा  
 हरमधुपमोरमारदेउ पावसमेप्यारेवि  
 नविपरवदावेकौनजीवनजिवाइउपचार  
 एविचारदेउ दामनीदवाइराघिवादरवि  
 दाकररीबूदननरजबीरबगन बिडाइदेउ  
 ५५ सावनकीतीजेनियभीजेबुंदवारण  
 लोअंगसंगडौछनीसंगरंगगोरेकी गाव  
 तमलारैपुरवानकीधुकोरेसुनिदाडुरडका  
 रेकिहरीकेलकारनजोरेकी करतबिहार  
 अनिसुंदरउदारबरवीरकहेसीतलसमीर  
 केऊकोरेकी समकछदानकीचमकचारु  
 चपलाकीऊमकजरीकीतामेरमकहिंदोर  
 की ५६ **हिंदोरको** कंचनकेषभनमेमरु  
 पेशमोलस्वरचेहेविश्चिपचलागेनगको  
 रकोर लभातसमीरगातलोनेतंकलचिजा  
 तवसनउडातरसबाछंककजोरकोर बनमे  
 निकामीकमलासीवेसहेलीसंगआनदउ



मंगजोडादेतवितचोरचोर ऊलनहिंदोर  
 देषिजगलकिसोरआलीवांगोरतिनाथको  
 टिडारोहृणातोरनोर ५० हारहीसिंगार  
 केहिंदोरहरिवैठेश्रानुपाडरकीपडलीसो  
 सुंदरसुखारीहै केवरेकेकलसगुलपे  
 राकेसंभषडेमातनीकेमरुवेमैमनडरजा  
 रीहै जौरनकेरुमिकाडैऊंदनकेकाणरु  
 लमोतीयांकोमुकटमोगमोगरासुपारी।  
 है सेवतीकीसारीपीनसोनहीजुहीकोप  
 टसामरेविहारीकोभरोसोमोहिभारीहै  
 ५१ **सवैया** पुरवानकीयामनमानोअ  
 नेगकीतुंगधजाबहरानलगी नभमंडल  
 नैमहिमंडलछेछिनजोतछटाछहरानल  
 गी मतिरामसमीरलगेलनिकाविरहीब  
 निताथहरानलगी परदेसहैपिउसेदेसन  
 पायोययोधवटाछहरानलगी ५२ सनि  
 सहेउहलनबिल्लुछटासीअटानचछोन  
 दाजोवतीहै सुचित्रीहैसुनेसरमोरनक  
 मनमातेसयोगमजोगतीहै कहिठाऊरेव



पीयूषरवसेहमश्रांसुनसोदृगपोवतीहै  
 धनवेधनिपावसकीरतिश्रापतिकीछती  
 आलगिसोवतीहै ६० **कवि** वाटिका  
 विहारीअभिसारिकोसिपारीकारीसोक  
 रिअंधारीमैउज्यारीकोंसोकंदहै भादो  
 कोंविषममेहदंयतिइरैननैहनागरिको  
 नैहज्योंमनेहसटवेथहै सिवानानीसर  
 पतपिसाचनकमेछानानीमृगनकलानानीछ  
 लजानीछंदहै चटापटमोरजानीविजुवना  
 चोरजानीभोरजानीचोरनचकोरजानीचंद  
 है ६१ **कवि** पुरुषविरह प्यारीबिनजा।  
 निकोअकेलोपहिचानिकैरलीयोदावो।  
 पावसकरोरडारि हल्लेबनबागनमेंआगि  
 नलगाइदेतबैरीभपेबादरनिहैऊअबफो  
 रिडारि ग्वालकविसीतसमीरहैपैतीरमा  
 रियातकीयचातुकीकीचोचेचीरचोरिडारि  
 तोरिडारिइंद्रकोथनुषऊंचीबाहकरिमोर  
 नकेकंठकोनिसंकटीमगेरिडारि ६२ स  
 हरसहरसोथोसीतलसमीरडालेवरिच।



हरिचनघोरकेंचरहीआ ऊहरिऊरुहिकु  
 कजीनोंऊरलाम्पोंदेवछहरिछहरिछोदी  
 हंडनिछहरिआ हरिहरिहरिसिहसिकें  
 हिजोरचछेयहरिधहरितनकोमलयह  
 रिया फहरिफरुहिकरेप्रीतमकोंप्रीतप  
 टलहरिलहरिकरेप्यारीकोलहरिआ ८  
 ३ वरवरगरजतरजतरसरनरतडिततररा  
 चनवरषतछरछर चलतपवनहलहल  
 नतरुनभलभलेतवरुणजलभरतसरित  
 सर रिसकरिगरभममपरब्रजपरश्रार  
 श्रारश्रारपरपरपर थारथारश्रसरतिरधि  
 हसिहरहरगिरिवरपरवश्रुगिरिव  
 र ९ कज्जलकलिततनपलितवलि।  
 तभीमगगतगरजिहैमहारसुवगधिके  
 गरजनरनवरसतजलमरुभूमिभूधरत।  
 योरतसंजोगयोगपथिके पेसेमेनकीजे  
 परदेसपरिसपाणप्यारीयोंकरतफरक  
 तमोतीतथिके सामनसचनचनचुसतग  
 गतसाहिऊमतमतगश्रवनीपमनमथके



६५। छडत फिरत छपकत प्रेत प्रेत नीनल  
 पकत ~~प्रम प्रेत नीनल पकत~~ फणिमणिपा  
 रेपौनफपकत तपकत प्राणविथाप्राण  
 नाथभेटवेकीनिसअथरातजातयेथीपेथ  
 छपकत दमकतदामिनीधुमंडवनचंद  
 नत्पोगातकेवसतभीनेथपथपथपकत  
 छपकत बुंदवनलपकत मद्यकनअपक  
 ततरुणभृअचरणकीचचपकत ६६ बौ।  
 रीवरसाकेबडेबादरनहोइयनोभूलिहूँके  
 सादरमयरगुणगाएहै सुरतिभणतमहा  
 भारथकेपारथमेसारथमहारथमहार  
 थनैडरदउडाएहै जाइपरेपोनहैगगनके  
 भवनमाहिस्वामतोइनेईअवसरखेदरसा  
 एहै आठमासऔरेदेसदेसनध्रमतआली  
 ध्रमतध्रमतआबुयाहूँदेसआएहै ६७ स  
 वनबुदानइहदपविरिजायवेकोंअंगधरि  
 आयोहैसुछंगनछराजको गरजनछोल  
 कोप्रमोदचहूँकोदफैलयावसनइंद्रजा।  
 लवियासिरतानको चढिकोबिलदबड



अगनिको भोला लीला उगलति जल की यों  
 कोन कसका जकों धन पचंग को धै अल  
 कबुला कबो धै छिन ऊछ रा न सो धै सुभट  
 समाज को दृढ थगो धग धार से धुरवा  
 धुको र भोर दोर दोर ला वै धारै वारै ला गि।  
 पश्चिं पवन की हूँ के मुरवान हूँ की हूँ के  
 उत को किला की हूँ के भूँ के प पिहा ज्यो ल  
 रिं क बिउ जछ रा ज्यो न रा से ब रा ज्यो  
 तछु इ ब रा से उ मं रि मं डि कु म डि जि करि।  
 अं भूमि भई हरि अं विरहि न घरी डुरि अं  
 भरण लागी छुरि अं ल धि सा मन की करि।  
 अं ६५ विधिकान दी है विधिक दा यो।  
 न दी है तमी तमतम के की की कवन की।  
 की है अगनि गजे है अगद द न जे है मे छ  
 गगन गजे है सु निही की ही कही की है  
 चयला लो लो की क वि भूषण विरह चौ की  
 ते सी रे प पी हा पा पी पी की पी क पी की है  
 पी की सु प पी की कै कै सु थ प्यारे पी की दै या  
 रित को न जी की ना नै रत को न जी है ३०

की



ऊकिऊकिऊमिऊमिआएमहिमंडलपेछि  
 पिछिपिछुदारतोहरहरदरसे परसेनपी  
 ऊतोऊतरसेपपीहावेगसरसेमनोजल।  
 धिमेघलोगजरसे कविद्विजगनमान।  
 कूकैकोकिलानहंकीभानभाजविरही  
 वचैनपरेतरसे घटाकोघुमंडैतुंडैमोरन।  
 कीऊंडैधुवानकीहैसुंडैपउडैनीरवरसे  
 ११ **कवितसरदके** पावसनिकासजातो  
 पायोंअबकासभयोंजोहिकोप्रकाससोभा  
 ससिरमणीयकों विविधविलासहोतवा  
 रिजप्रकाससेनायतिश्लेकासहितहैस।  
 नकेहीयकों छितनगरदमानोंरंगेंहैह  
 रदसालसोभतजरदकोमिलावैहरिपीय  
 कों मंत्रहैइरवमियोंपंजनदरदरितआ  
 ईहैसरदसावदोईसबजीयकों १ ऊमुद  
 प्रकासकहंप्रकलितकासकहैहंसनवि।  
 लासनदीनीरछीरछईहै नगरनगरबन  
 वागीनसेतवेसग्रेहनमैजहांतहांगवगीरी



भई है कविहरहरजगमगतनूहै आन्यों  
 नसरदकेसुथानिथसुथावरसई है उज्ज।  
 लघनूपमहिमंडलसूयतवल्लीरकेसो।  
 तंडुलतरैआछिपिगई है १ विविधवरन  
 सरचोपिकेनदेधियतमानोमणिभूषणउ  
 तारवेकेभेसहै उन्नतपयोधरवरसंगली  
 नैफीकेनलगतनीकेसोभाकेनित्येसहै  
 सेनायनिआपैतैसरदमितफुलीरहैआस।  
 कामकोमयेतवेतचहंदेसहै जोवनहर  
 नऊंभजोनिउदयेतैभईबरषाबिरथनाके  
 सेतमानोकेसहै ३ आजअवरषतैलि  
 पाउमंनुमंदरमेनासुकीबिछायतकी।  
 हैचौकहदसे तानैसमआनेवरीदारजो  
 रनेवरभरेमोतिनकीजालरैजलाजलके  
 सदमे शालकविचोसरचेमेलीकीवगोरनेमचुन  
 वाचमेकैवीरबादलाविसदमे चंदतैमचंदच  
 दवदनीविगजेजोरछेठेव्रजचंदचंदएरणमर  
 दमे ४ आजहरिचांदनीविलोकवेको  
 लमासमचिनबुलाइसठमंदिरमेभारिगयो



रचुनाथवादिनकीसोभाकोनिरखिरीजिसो  
 येनबसानकछ्छुबिवेकोकरिगयो बृद्ध।  
 दउद्यारेत्पोंडलैआनूकेआसुततैदसहंदि।  
 सानमेंप्रकासयेसोचलिगयो गरिबयो  
 सोतिनकेलीयकोगुमानसखीतासिनसमे  
 ततारापतिफीकोपरिगयो ५ देखीयेपि  
 यारेकोरुसरदसुधारेसुधाधामउतियारेचौ  
 कीचंदनकीदरमें चोवेचोदीचमकतचा  
 दोआसवमोतिनसोतिनसोऊलकतजाल  
 रेंजझाईतोतिपरमें हीरासीरुसनिहीरा  
 हारकीलसनसोंधेंसागीरहीसनिकविमो  
 भसुखसरमें कोटिकोटिकलामुषचंद  
 तैसरसप्यारीवादलाफरसनरजलाजल  
 वरमें ६ जैसोफवैफटिकसिलानतैसु  
 धार्योमगजैसोहीरखोरीद्वयफूलनकी।  
 कपारीको जैमेचारुचौतगबिछोंनाविछे  
 सेतअरुतैसोहीसुगंधफैल्यारेलिन्यारीन्या  
 रीकों एकरसनाजैसखीमोपैनसगह्योनाइ



कविशुनाथसखरातकीउजिआरीकों  
 जैसेरसरेनमैसमेततारापतिजैसेमोतिन  
 केभूषनसमेतमुषप्यारीकों ० जैसोंफ  
 बैफरिकसिलानेतैसुथारोंसुथामंदिर  
 उदितदधिकेसोउमगोअमंद बाहरतैभी  
 तल्लोंभीततदिघाईदेनरूथकोसोंफैन।  
 फैल्योआडनफरसचंद तारासीतरुणि  
 तामैठाछीगिलिमिलिसोतमोतिनको।  
 बिंदमित्योमल्लिकाकोमंकरंद आरसी।  
 मेअंबरमेशाभासीउजिआरीलगेप्यारीरा  
 थिकाकोप्रतिबिंबसोंलगतचंद य स  
 रदसमैश्रयोमंदयवनचलततहोबैठे।  
 नंदनंदजंततेरीदियवातहै कालिंदीदि  
 लोरैजहोकामकीकलोलैतहोस्पामबो।  
 लैस्पामाबेनोहीतैरिसातिहै कीजिये।  
 गमनरतिराजकीरमततोईसीऊचुरनचि  
 तचोदनीसीरतिहै रातिजैहैबीतरिसा  
 नीतिजैहैप्यारेबिमअरिबीजिनिकरहि।



प्यारीपरबीसीजातिहै १५ कंचनफरसफे  
 ल्योंमननमष्टुषेनानिजरीकेबितानतेज।  
 तरुणातरापरै पावरीबिछोनाबिछेमो  
 तिनकेकोरवारचाह्योडोरजोतिकेतलस  
 भरभरापरै हीराकेतषतबैठीराधेमहा  
 रानीरहीरंभातिरूपरजधसकिपरापरै।  
 छूटीमुषचंदचारुकिरनिकतारैबांधिछू  
 छूचंदमंदिरमैछूबिकेछरापरै १० दी।  
 जोरूपदर्शकियोयाहीकोसकेलिसबज  
 केबैसबातेसबवालमकरैआंसी आ।  
 पेशलिवेलीकीअनोचीअरबिंदएसीबा  
 नसमलैषीपरमाननहैरैआंसीसकविनि  
 हालकहिमैनकासकेसीऐसीकेतमैष।  
 रीहैजोंकेपाइनपरैआंसी महलमहल  
 बीचबैठीचारुचंद्रमासीताकेआसपास।  
 डोरैतरुणीतैरैआंसी ॥ **कवितहेमंतके**  
 अगहनकेदिनमनदोऊनिकेमातेमद।  
 एकरसहैकैबिलसरनरसवतीआं उल  
 हिरहैहैअंगअंजअबिताघसांउमहनल



गरीज मिलवे की वतीओ चैन में चढ़न ल  
 गे नैन मुषमाधुरी केलहर नलागे सुष प्रेम।  
 बीज यतीओ चुद चुही चरहर की सोर मे सिमि  
 दलागे चिमन विहारी प्यारी हिम रित की रती  
 ओ १ इस मै ठिठिर कर बृषन की सियारा  
 नी ऊषगदगती सुमिठा मसर साईये फूल  
 बाकुले लमेल मज्जन रस करी ऊहरे हरे स  
 र सो बिभा मराग गाईये कोमल तलफ।  
 कर सथरी परीषरी कोरंग भरी फर गुल डो  
 छो छ आये निकि सी बछ निलाल कनि  
 किलक निछाल हिय के ऊलास उठिला  
 लकंठ लाउये २ है मत नषार के बुषार  
 से उषार तेह संसमा सहोत सूत राथ पाय  
 ठिर के दिन की वराई की वड़ाई वरनी न जा  
 य से नापति पाई कछु मोच के सिमर के सी  
 न को समर रहे कियो ह को किलंदर मधु  
 किधु किधामन मयापन है छिरि के ज्यों लो  
 कोक को किनी तै मिले तों लो हो निराज।  
 कोक अथवी वही तै आवत रहे छिर के ३



आयोसपीयेसोभूलिकंतसोनरुसोंकेलि  
 सोनमनमूसोजीवज्योसखलहतहै दि  
 नकीछटाईरजनीकीअछटाईसीतताईहं  
 कीसेनापतिबरनकरतहै यातैओनिदा।  
 नछातसूजतनमोकोकछद्रोपतीकेची  
 रकोलैरातिउमदतिहै मेरेजानसरज।  
 पतालतैपतालमाहिसीतकोसतायोंसी  
 यरायकैरदतिहै ४ प्रसकेमहीना।  
 कामवेदनसहीनजायभागहीकेवासरा  
 बिरहअरिबीनके दिनहूँकेसीतकोना।  
 पावतछूनबेकइंरातिआश्नातहैउषदग  
 एदीनके लसेनापतिलागतहैसीतके।  
 अपारवारजलविनछिननरहतप्रानमीन  
 के धूलहूनभावतभरोसोमनभामनको  
 फूलहूनपावतसरोजसरसीनके ५ स  
 धिया योनपछाहकीकाकगतीरतीइह  
 सीतकीसाहिबीजेती तपोपदमाकरसेन  
 परीसहतोनहीमैनमजेतइयती आनंद  
 हीतैवितावतीवासरएसजनीइहकेती



ज्ञानकी ज्योतिन पेसी हिमंत तो के से हूँ कं  
 न को ज्ञान न देती ९ **दोहा** प्रसमास स  
 निसखिन पेसाई चलत सवार लै करवी  
 न प्रवीन निय रागो राम मत्तार १० **कवित**  
**सिसिर के** गिल गिली गिल मै गली चाहे  
 गुनी न न है गुवां दनी है चिक है। चिरावन  
 की माला है कहै पद्या करतों गज क गिना  
 है सजी से न है सुगई है सुग है और प्याला  
 है सिसिर के पाला के न व्यापन क सात्ता  
 ति है जिन के अथीन पने उदित म सात्ता।  
 है नानत क तात्ता है विनोद की र सात्ता  
 है सुबाला है बिसाला है उसा ला चित्र सा  
 ला है १ पवेंदार गडो दीवना तीला लछे  
 रन मै अगार अंगीठी करी सीत की भजाई है  
 कहै मिबराम पसवीना की बिछायतें ये अ  
 नर अगार से न सरास सजाई है मोर छल्ली ज  
 ल के अनूप सी मरुल छत्र संजुन को सोर काम  
 नौ वनि बजाई है प्यारे के मिला प्यारी पाई  
 पात साहीरी क सातै दई सो नितन को सधिन रिजाई है

सि सिर के



छाईरितसिसिरसमाईदेसदेसनमैरेनस  
 रकाईपरैवरफनकीजीसीसी दीहदर  
 परदावनातनकेचाखोंडोरसेजगदका।  
 सीमजीउपमामोदीसीसी गुलकविजा  
 हरजतसमैदाननकीचारुकस्तुगिनकी  
 रासपरैपीसीसी हीयमैलसीसीघरेउद  
 नकसीसीबालछाकैसुगसीसीमिटजा।  
 इमुषसीसी १ अगुरकीधूपमृगमद।  
 कोसुगंधतहोबसनविचित्रअंगजालछो  
 पियतहै कहैपद्याकरतोंपवनकोनगो  
 नतहोऐसोंभौनअमलउमंगछाकियत  
 है भोगडोसंयोगदोऊसिसिरकेसीजा।  
 बाँछेसुखदसुखारयतेडोरवाकियतहै  
 नानकीतरंगतरुनायनतरुणयतेजतेल  
 तलतरुणीतमोलताकियतहै थ **क**  
**नित्रफागके** कनककटोरनमैकेसरको  
 रंगजोरसोंथैसबबोविसुषबीरीषायषा  
 नकी भरकैगुलालमूठडारेबालिला।  
 लपरहोतहैपुसालगुरुजनकीनकान



की उरवसीरंभातेंचंचभासीलगतमोहि  
 नैनपिचकारीफिरलाएपंचवानकी प्रेमपी  
 तिअटकोरीमनमेरोकाहुजूसोंखेलतंदे  
 हैरीएकीसारीवृषभानकी १ वागकेवग  
 रअनुरागभरीखेलैपापाआनअलवेलीम  
 नमोहनीप्रपालकी कालिदासललित  
 ललोंहीछबिजलकतनयमुक्तानकीक  
 पोतनकेभालकी राजकरोचंदअरविदे  
 तेनकाजआनदेखवेकोछविवाकेबद  
 नरसालकी बरुणीपलकरभृङ्गहीतिल  
 कपरविशुरीअलकपरगरदगुलालकी  
 २ आईअनिदरसोपागकीबथाईजब  
 धाईसषीसहितपठाईप्रेमयतीआं सं  
 गलैजबतिजालअंगपीररंगलालला  
 लकोंगुलालभरेविकोंलेतघतीआं  
 चितभरेचैनअरुबैनअनुरागभरेभागा  
 भरीहसनसहागभरीसधियो जोरी  
 भरेसरीहोरीहोरीकरेगोरीदेवदेखति  
 दारकिगईसोंतिनकीछतिआं ३



**सवेया** लोगत्वगडनहीरीलगायमिला  
 मिलीचारुणिसेटतहीवनों देवञ्चंद  
 नचूरकपरत्तलारनलैलैलपेटतहीव।  
 नों बेतिहिशेसरआयेइहांसमुहाइहि  
 योंतसमेटतहीवनों दीनीप्रनाकिनीये  
 सुषमोरिपैजोरिभुजाभट्टभेटतहीवनों ५  
 फागुरीआयोसखीहसकाबिनप्रीतममा।  
 नोसलाऊसीलागुरी लागुरीमेरीगहा  
 रितियाकरेएकछुबेगउपाउतंजागुरी जा  
 गुरीगगचहैदिसहोतहैमेनतोदेतहैमोउर  
 दागुरी दागुरीमेरोजबैमिदिहैतबहीमि  
 लिप्रीतमखेलिहौफागुरी ५ होरीमैथु  
 धुरसीबनधुसमीगामनतानलगीनितैवो  
 री बौरीलतावतिताभईवौरीसीओधिप्रया  
 यरहीप्रवथारी थोरीवसंतकेआवतही।  
 विनकेतप्रनंतसहैइषकोरी कोरीचरेरु  
 रिआवैनजोपहलैहोंजरोजरिहैफिरहोरी  
 ५ गुनहपलसैधुरवागहरेगएजैकरि।  
 किंकिनिनपुररी अथगामतस्वातजलाज



लकेरतनीरबघोसजभृपररी ललितादि।  
 करीसरिताउमडीउभेसिंधुमेसिंधुमिल्लोव  
 रुरी वरसैवरसानेकीथोरीघदानदगाउके  
 सावरेउपररी ७ खेलतफागभरीअनुरा।  
 गवसंतमैकंतसोनांहिडरैरी रंगभरीयोण  
 लालमैवलमगलकीचालकीचालपैवो  
 पधरैरी प्रेमकीप्रीतयरीरसगीतनईतिहच  
 तअनंदकरैरी सबकेहृगमंदचलीसज  
 नीजबचाइकेमोकहोंअंभरैरी ८ तिय  
 खेलतफागभरीअनुरागसहागसनी।  
 रसकीरमकै कपिऊंऊमलैउहकेजमु  
 खीपियकेमुखलाचनकोऊमके नह  
 थोरीगलालकीधधरमैवरदारिनकी।  
 युनियोंदमकै मानोसामनसोऊल।  
 लाईकेमोऊचहूँदिसतेचपलाचमकै  
 ५ होरीमचीब्रजमंडलमोऊऊलाह  
 लरुकिउठीकरैरी होरीफिरैखनिगो  
 रीसबैवपथोरीबिलासबनेऊकजोरी



जोरी गुलाल अवीरन की मिलि मंडि मऊंद  
 करै वर जोरी जोरी चले पिचकारी पर सपर  
 खेलते स्याम सखा संग होरी १० हरि खेल  
 तिफाग सरोज सुषी सुपुषी संग लै हरि छ  
 ककों उहें जोरै छैन मूठन की संग सो  
 भतयों पर छ ककों रंग बैनी गुलाल में।  
 लाल भई उर की न कवे सरग छ ककों लै पु।  
 छ की जोरै मोर मनो परत छ ही भ छ तत छ।  
 ककों ११ **कवित** चंपक कला सी भा सी से  
 मर कला सी बाल ललित लता सी आंघि आ  
 जन गुपाल की अजन अवीरन की उठत वा।  
 दासी तो में विभूत छ दासी बेदी दम कत भाल  
 की केसर सिर सांग सरसानी है न बेली अंग  
 संग अलि बेली है सहेली नंद लाल की ग  
 ठ ऊच ऊम की कोर सब कोर लागी लागी  
 लाल गोसा कागर द गुलाल की १२ चका  
 त कंदर्प भयो दे छि छ विवादिन की अति ही  
 अनपयुति बिलो की अज बालि की कठिन  
 करी ली चित चोर नम बोर न है बिकट वको।



हीबंकभृजरीगपालकी पवनविभरिअंकभ  
 जभरिकेनिसंकसपीलचकनलकतातेष  
 वरनपालकी भानुकीकिसोरीकेचंदमु  
 षभाललागीलागीलालगरदगुलालकी  
 १३ खेलतहैहोरीसंगसधिनमाजलैकैबा  
 जतमृदंगशेमपुरतानगारेकी छूटतक  
 एरचुरचंदनगुलालमृदछलसोवचावे  
 चोटडोटदैकिनारेकी सारीतरतारीभई  
 रंगनमैसराबोरसीतललगजमुरनहोत।  
 सिसकारीकी नंदकेकिसोरीताकमारीहै  
 गुलालभरियारीऊचकोरपरधारपिचका  
 रीकी १४ आईछलिछंदसोपविंदसंग।  
 खेलैफागकेसरकेरंगमेंअनंगछविछैरही  
 कहैकविइलहनजानपरीकोतकमेंपिछ  
 लेपहरकीरजनवरीहैरही धाईसंगझाय  
 करनननबसनसाजआसीलैदेखैमुखइ।  
 नीचुनहोरही मोतीडरिवीचकहैरहीअ।  
 गुलाललालीआलीवरलालीसोहमारी  
 मारीसोहोरही १५ **सवेया** फागमेंभी

पा ३



रत्न

रश्मीरनकीगहिगोविंदभीतरलेगईगोरी भा  
 ईकरीमनकीपदमाकरऊपरनापेश्वीरकी  
 जोरी छीनपितेबैमरतैसुषमीदुकपोलवि  
 दाईगोरी नैननचाइकहोसुसिकायलला  
 फिरिखेलनआईयोहोरी १५ फागरचीनदन  
 दप्रवीनवजैबइवेनमृदंगारवावे सेलतबो  
 सुजुमारनीयातनुभूषणकीछविछुजतता।  
 ये सेनश्वीरकीधंधरमेविगसीइमिबालन  
 केसुषआवे चांदनीमैचहैओरमनोकविसेध  
 विगजरहीमहतावे १६ बोलिबीआजनका  
 लसखीसदिनादसबातिनहीबहिगवबी या  
 हिवीफागुनकेफरफंदसुहातसेचारुचुरीपद  
 गइबी आनिबीअंजनआंषिहियोइससुम  
 तसोगहरापहिगइबी गोऊलसेऊलचाई  
 केकोइगुपालकेगालगुलाललगइबी  
 १७ केसरिरंगमहाबरसोसरसैरसरेगअन  
 गचमूके भूमथमानकीपदमाकरछा।  
 पशुकासश्वीरकेमूके फागहैलाउलीको  
 तुरुमैतुमैलाजनआवतगोपकहैके छेल  
 भएछतीआंछिरकोफिरैकामरीओठगुला।

पानवती



लकोरूके १५ **कवित्त** ऊरीपुतिजातरैज  
 रोषेलैतचांदनीकेनीकोचोत्रचोत्रकविवि  
 चवित्रसारीके गिलिगिलीगिलिमनपरअ  
 तरसुगंधनकेपरतफुहारछविदारपिचका  
 रीके हृदकरिहारीकविपैनमतिहारीसों  
 हिपोछुतनगालनगुलालगिरिधारीके  
 रंगडारिछलसोंछबीलीविपिमंदिरमेंऊर  
 पडारजंकनऊरोषवित्रसारीके २० फागमें  
 पियारीपैगुलालभरडारीरंगजीनजनसारी  
 मारचोरीसोवचनहै कविगिरिधारीआनि  
 मंदरिनिहारीबालभरतगुलालआनआन  
 उचलनहै सतिपेविहारीजबझांतिहैड  
 लारीबहनाशनबिचारीसीनबेकोंसऊवित्त  
 है गोरेकोउवारीकियोमारीनाबचैगीकाइ  
 लागैपिचकारीयाकोंलंकलचकनुहै २१  
 जेलाकेलजोरनसोंमूठनकीपेलापेलरेला  
 रेलरंगपेश्रगम्मबरसनहै कहैपद्याकर।  
 गवैयनकीपेलगेलपैलकैलसैलआन।  
 फागदरसनहै



थामथद कोथकोंबजैपनकोलगेअबइथ  
 मअनोषोनामैआजदइसनहै गुलपर  
 गुलतिहिबालपरब्रजबालतहोनंदला  
 लपैगुलालवरसनहै । ११ **सवैया** घोरी  
 सीबैसमेंभोरीकिसोरीकरैचिनचोरीगैहो।  
 रीमचावै ऊंइमेतारीबजाइउठैकहिहोहो  
 नबैउतकोयहथावै जाइसबैअबसानसा  
 खानकेमोहनकेकरकेपउपावै नाहीअवा  
 ईसम्हारकैजबइयहवाईसीछूटतथावै  
 १२ **कवित्त** एकैसंगथापनंदलालतजैगुला  
 लदोऊहगनगएरीअआनदमढैनही थोइ  
 थोइहारीपदमाकरतिहारीसोंरुअबनोउपा  
 उकोईचिनपैचढैनही कहाकरोंकहोना  
 ऊकासोंकहोंकोनसुनैकोऊतोबनाओतातें  
 दरदबढैनही येरीमेरीबीरइनआधिनतै।  
 जैमेतैमेंकछिगयोअबीरपैअहीरकोकछे  
 नही १३ **सवैया** ऊथमयेंसोंमचोब्रजमेस  
 बअंगअनंगउमंगसोंसीचै तोंपदमाकरछ  
 जनछातनछैछबिछाजनकेसरकीचै दै



पिचकी भँव भीजेत हां पखों पीछे गुपाल गु।  
 लाल उलीचै एक ही से गइ हां पंर दे सखि बे  
 भएऊ परहों भई तीचै २५ **कवित्त वसंत**  
**रित के** कलन में केलि में कछार न में ऊँच  
 न में कषारित में कलित कलिन किल कंत है  
 कहै यद मा कर पाग न में यो न है में पाति न  
 में पिक न ये लासन पिते त है झार में दिसा।  
 न में डनी में दे स दे स न में दे षो दीप दीप न में  
 दिपत दिपे त है वीथ न में व्रज में न बेल न  
 में बेलिन में वन न में वाग न में वग सों व संत।  
 है १ आये है व संत त हो संत हं स चित हो।  
 तो है निहि चित दया देव तो इजोरी है तो है  
 तज मोन कस्ताल न ये गोन आली सृयी क  
 र भो है ए तो नाह कम रोरी है मान कछो।  
 मेरो पदी मान के न वासर ये मान त निमिलि  
 तो है कहा कछु भोरी है मोये विन मान मा।  
 न मान त न मा त नी तो मान क रवे को कहा  
 जो ररित थोरी है २

**सवेया**

व संत के २५



आये बसे तदहं तसखी वर आयेन कंत न पा  
 ये संदेसे चहं शेर तै को किला कूकि उठी अ  
 हं क उठी मन लंकल गेसे याही तै जीव डरे  
 मदसदन जोऊन हीवन यही अदेसे फल  
 रहे पतिका रयला सके लोहं भरे नख नाह।  
 रकेसे ३ दोहरा केस फल्ले देष को विरह न  
 करी प्रकार अब जीवन केसे बने पेडन ल  
 ग अगार ४ कवि कंत विन बासर बसे  
 तला गेपो अंत क सोती रस मषि विथ समीरला  
 गेपो हल्लकन सानथे सर सो चंदन घन सा  
 रला गेपो षेद सरोला गेपो मृग मदला गेपो म  
 हकन गांसी सोंगला बला गेपो घंसी सो  
 पुलेल देव गात अरग जाला गेपो चो आला  
 गेपो चहकन अंग अंग आगिए सो केसर को  
 नीरला गेपो चीरला पोवरन अवीरला गेपो द  
 हकन ५ कामिनी कनि कल ताऊंदन की  
 कली कवि चामी करमी सफल जम के अनुप  
 है नयन पेप हव पलास करय गगन दामि  
 नी सगंध युति गंध पो न भूय है को किला से।

त्रि =

पां



बोलऊ समाकर कलोल आली आभरण ऊ  
 नकार गुंजत मधुप है इति ही इलारी वृ  
 षभान की कुमारी इत नही तो वसंत रितु रा  
 जिन को भूष है ६ **सवेया** अब आएसखी  
 रितु राज वसंत अनंत ही फूलत ऊंद कली है  
 सुभसीरी वियार सुगंध है मदमाते मधुव्रत  
 गुंजत भरी है सुलता दुमपल्लव याते विराजि  
 त को किल राग की नान रली है चेतन फाग  
 भरे अनुराग सौ नंद ललाट षभान लली है  
 ७ **॥ कवि ॥** आप ऊ समाकर ऊ  
 सम सो सम सा शतर क सकटि बांध मारे  
 पंचवान को वेहै कौन वीर अब राषे गो  
 जमन पीर जागी प्रेम पीर अब राषत है प्रान  
 को विविध समीर बहै जमना के नीर  
 वीर सपिन रहत बलि वीर हंके ध्यान को  
 फुले अनुरक्त फूल जूलत निसान आप को  
 किला के धुनि मोत जन प्यारी मान को ८  
**कवि** ललित वसंत केत आवन अब धिस  
 निभएसुभस गुण सुवामी आधि कर की ॥



विविध समीर बहे जमुना के तीर वीर ही ये प्रे  
 मपीर यज्ञ गामे पंच सर की जव भुज अंगना  
 के फुले है व संत छवि नरी है अनंग अंग अंग  
 गीजात दर की ऊंज ऊंज को किला सुकून  
 ति है बार बार पुंज पुंज हूँ मे मंज गुंज मधु क  
 र की ५ लह कतलता और गदकत अंबु मो  
 र मह के संगे थया ते मन ललचा मेगे बन  
 उपवन बीच उत पराग सखी सीतल सुगे।  
 धिमंद पवन फुला वेगे बोलन विहंग पुंज  
 ऊंजन कलोल कोरे को किला मधु पविहिं डो  
 राग गावेगे फुले ऊंज मन पर लपरे मधु।  
 पश्चात्ती आयेरी व संत अब केत अर आवेगे  
 ६ विगणो व संत सखी के सै कर पाओ सखी  
 केत विन अंत की दिसान को नराती है राती।  
 राती पाती नवाती सी वारन लागे वाती का मा  
 नाती के छुां हे छे द छाती है लाल अलिज  
 लै फुलि फुल अनुकूल हूँ के के सी न्यां ई देधि  
 दिधि ही ये मुरि जाती है नरी नरी स दो मंषद  
 शिंदरी बेलै देधि मरी मरी जाती है ॥ श्री कृष्ण



मरु कियो बसेत डूषदाई चहं गोश्च तिल  
 हलही लता तै डू मन पर छाई है कछु ना  
 सहाई दिने रैन विहाई आली फूली वन।  
 राई बिधाही पेसर साई है बौरी अंबु राई अ  
 लिपात मराई अरु रू रूषदाई इह कहि म  
 रजाई है को किल कसाई कूक ऊह कस।  
 नाई फिरी मदन डू हाई गी बसेत रित आई है  
 ११ **सवैया** मौल सरी गत गाह के फूल के  
 ऊल जरी मलिका के लसेत है बंद बने पि  
 क को किल कूक बिराजे बिने बग पंति सो  
 देत है किंस कसिंधुर सीम दिये मकरे द।  
 प्रसन पीये मदन ते है मारत माति नी आ।  
 वेच लोपिय साय पिलो छयो हाथी बसे।  
 त है १२ **कवित्त** फूलै वन विविध विरंग  
 कै बितानतानै कदली वन बात न कतान  
 न के घेरे है गल के बिछोना चारो कोना  
 छाछोनी छुबि वैठे पीरी याग सो है भोरवा ८  
 घने है बीच सरवान छिंगन्यारी कगारी  
 हारवा जं डमे सुपे दन अकास कीनेने रैनगर  
 निवासो तेमामी देमै रुचिंद वागन मै फागरित राज कीने है १४



**सवेया** गुंतेगेभोरविगगभरेअतिबोलैगी  
 कोकिलडोगुनगायके फूलैगेकेसुकसे  
 भभोरंगदोरगोकामकमानचछायके सी  
 रीबहैगीविआरमुवारपलागेहीयैमैसला  
 कसीआइके मेरेमनाइनमानेबबाकीसौ  
 हपैदेवसंतलैजैहैमनायके १५ **कवित**  
 गनकथरीहैपरीतोहिचरयटीपरीडरमरी  
 कोइयेघेतारलाएहै कहैकविहीननेगें  
 हिनहैवसंतआलीदेवियोतमासोबहक  
 होलेंबडाएहै मंजरीनगुंजैभोरपिकबो  
 लेठोरजैहैअमरेयालोंनोआगेतोतजाय  
 है आगसीतगीहैबनदेघेअऊलैहैमना  
 कोसकतैआलीवनमातीफिरआइहै १६

**सवेया** आयोवसंतनमातनसोमिलिया  
 हवकीएकज्योनिजगीहै फूलपलासरा  
 हैजिनहीतितसैवरगतेहीरंगरंगीहै वोर  
 केमोरसालभएतिहिऊपरकोइतआन  
 खगीहै भागनभागवचोबिरहीसिगरेब  
 नबागनआगतगीहै १७ केतकीऊंऊमसो



नवही अरु सो सनमेवनी शूली हेवागत रु  
 नित कोइल जे जनमै अरु पुंनत भोर भरे अरु  
 गगन और सषी पिय भेटन के तरी होइत के  
 ठन उडावन कागन बीयो ह्रिमंत बसंत ल  
 पो नित के घर के तथी वड भागन १६ व  
 न बेली लता अल हं अलि पुंन स पुंन त भो  
 र सजातरि नै हो प्रलेप लास चहुं दिस सो  
 रुत चैन की चोदनी के से चिते हो संदसमी  
 रब है अति सीतल चारु बिलास को जाना  
 चिते हो और बसंत मै आवत है तस कंत ब  
 संत मै जानि किते हो १७ प्रलत अंब क  
 दंब सबैत हो लज को किल को लघिली  
 जे पौन फिर अपने रंग मै तहां भौन मै भा मि  
 नी को सख दीनै और सबे मकरंद पीये मि  
 लिके हम नो बन को रस पीने ताते कहा  
 हरि बंसत मै सख कंत बसंत मै गौन न की  
 जे १८ **कवित** होनी पतिजार कहें तो  
 रीरु मारी मार और कहें आवन की चोर लघि  
 पावतो को किला भ्रमर बोले सुनिके बिदे



ससषीवारिथकेपारतैपरेबावनथानो फु  
 लेद्रुमदेषकैरीभूलतोंमनीसामेसैयकता।  
 नेकाऊजोहिंशेलकीसनाबनो आजका  
 लिवाहीदेसडौरैरितेहोतोशालीहोतोजो  
 बसंततोहमारोकंतआवतों २१ कहीये  
 संदेसोबेची कहीयोसंदेसोपंथीसाम।  
 विसवामीजूसोतुमवितव्याऊलहोतपति  
 सिगउरे सदननभावेनितमदनसतावे।  
 निसससीससकावेमोहिदरसविषाउरे क  
 हतवृमंडवनफुलेफुलनेकभांतिडोलत।  
 अकेलीब्रजऊंजनसहाउरे बीणोंहैहिमं  
 तसखआयोहैबसंतसनिश्चंतजिनिलेद्रु  
 जियकंतवरआउरे २२ शरद्रुमपल्लवावि  
 छोनानबपल्लवकेऊसमऊंगुलेनेईतनस  
 ऊमारीदे पवनकुलावेकेकीकीरबतला  
 वेयावैकोकिलकहलरावैकिलकीरीदे  
 परतपरागैतेउतासोकरैगईनोनऊंदकली  
 नायकाबदनसकमारीदे मदनमहीयज  
 कोंबालकबसंतताहिशातहीखिलावनय।

हमारोयी



लावचटकारीदे २३ शृंगीचलिंगंजकी  
 येकेसबनमालहीयेमनोपिकवचननें  
 मनभरमायोहै पलबजलकमुद्रानोन  
 मससीसजराभसमपरागमकरंदलपा  
 टायोहै कहैकविषयीपचनेकसिधिसं  
 गलीयेयेसोंधालकीयेगृहसुनोंकरिपा  
 योहै कंतबिनसधीरीबसेतसोंगरावनको  
 अबलावियोगीजाननोगीबनिआयोहै  
 २४ केरैहैरसातफुलीलनोहैबिसालए।  
 होदेवतनमालदहैप्राणएहैहैरे रेजत  
 कपोलवनजंजनमेंभौरजौरमोरनकेसोर  
 नसोंप्रानबेधैधैरे बालमबिदेसआयो  
 बालनकोकालहालकहैकविला ला  
 महाअथायोभैभै एकनोवसंतरित  
 अंतकसमानइजेकोकिलावहंदिसैंऊ  
 हऊहऊहऊकरै २५ जेसीनवनैसीअबभूलइन  
 रसोकोइतेनोरिसदाईयातेनोहिमैसुनाईहै अब  
 हीनेकदतप्रकारैसावधानहोयसुनीयतबाकेस  
 राकोकिलाकसाईहै कदतप्रवीणरायअणु।  
 अपनेहीवरहिलिमिलिरहीयोवसंतरितआईहै



कहत फिरत भोर भोन भोन भामिनी के मान  
 कोरे माई ताहि मदन डहाई है २६ प्राण जो।  
 तजै गीम दग गै मयंक मुषी प्राण छान पा।  
 पी को कहावै गो जु ही जु ही मृग मंथी गा।  
 न सो नो भय ब्रबवान सम दछिन पवन ज्यो  
 लों को किल जही जही मधु की मयंक की।  
 मजुं दलाल अरु नाई रजनी निगोड़ी रंगरे  
 गन चुही चुही परदेसी प्रीतम विचारै मान  
 माहि जों लों लों लों लों प्रवर पुकारे खोरे  
 ही नही २७ फल फलवान छा पछ पद  
 डहाई वासन न गन मान के सुत बूदै परो।  
 री है को कि कीर कनि पिक वाली चिची।  
 आई न मा विरह रुमा रेख खोर दी यत मरोरी  
 है याही नै सिंगार सब मा पश्य पत्नी नों है  
 री उपन रुमा रे हरि पान को थरोरी है आ  
 यो है वसंत आली लायो है लिषाय पानी जो  
 द्रको जले बदार काम को करी है २८ अ  
 रुण वरण अबु मंजु मंजरी न पर को किल क  
 लित के कीध नित गसेत की जमना निकय

६



ऊँजगुंनतमधुपवृंदसीतलसुगंधमेदमा  
 रुतरसंतकी मोहनमुऊंदसंगराधिका  
 नवलश्रेणृततश्रेणंगगतिशानदलमे  
 तकी वाजतमृदंगमुहचंगबडुंगसर  
 गावतबसंतरितश्रवतबसंतकी २५ दं  
 पतसमाजसुषसेयतकोसाजश्राजश्रायो।  
 रितराजमानजातभयोसुनिधुनि ललि  
 तललितलताऊसुमकलितहेरकोकिल  
 मधुरमुषगानतानसुनिसुनि हसिरुसि  
 प्यारीश्रीभपाललालजुकीपागकलिगी  
 लगावतरसालबालप्रनिप्रनि सोनिबुही  
 सुलीसोईप्यारीकेकरणरुलकरैमिसि  
 रुतज्योगुलावरुतबुनिबुनि ३. **सवेया**  
 रुलैगेरुतदसोदिसतैवनगुंजैश्रुलीग  
 नऊँजलतानमै किंसकरुकनरुककरैअ  
 रुकउठैपियकोकिलकानमै मेरोकरो  
 अजहैकसिकैचलबैठीकदासजनीअभि।  
 मानमै बानसीबाश्बहेगीविजैयरुआ  
 निनरैहैबसेतकोशानमै ३१ रुलेपस।



नभईछविदुनिघनीयुतिलोचनहंनथिरो।  
 है मातेमरिंदउठैप्रलिहंदऊहऊहकोकि  
 लबोलिसनैहै सीतलमंदसुगंधसमीर  
 परागकीधंधरीकेलिहिनैहै मानिनीदेधि  
 वसंतउच्छाहगईकरिजाउनिबोहैहै ३२ **क**  
**बित** आईहैवहारबनबेलिननबेलिनमै  
 चहैयांचबेलिनमैभोरिभीरछाईहै छाईहै  
 छयाकरमरीचिकादरीचनमैजिनकोवि  
 लोकिवैअतनतापताईहै ताईहैसबैही।  
 सधिबुधिनसबंतमेरीनबनैपिआरेप्राण।  
 प्यारीबिसराईहै राईहैनकलकहतबनै  
 कलेवरकीकहीयोहोंकंतसोंबसंतरिनआ  
 ईहै ३२ चढिकैतुरंगपौनचल्पोहैविवा  
 हकाजयत्रननगारेबाजैधूमपेमहारची  
 आछेसरकरैरागकोकिलाचिचित्रबागम  
 चोहैऊतहमानोइंद्रवीसभारची कूकें  
 नाहिकोइलनिसानबाजैचहैडोरगुंजैना।  
 द्विरेफयोविचित्रकत्रकरनालिची चढ्यो  
 हैवरातरिनुराजमहाराजआनफुलेनाप।

तन

०



लासमानों बाँडे है मसालची ३५ बाँदनी  
 बसन पीत दौलति जो उपवीत पात पुट अंज  
 लिदै आसिका सुलखना फटिक रुद्राक्षमा  
 लना थपल अलिनाल साथ सिम्य के कीक  
 के वेद भणसखना फूल पत जार जारीयों  
 थी पात तार भरी मेजरीन आभादार साफ देत  
 खना आली रित राज द्विज राज वनि आर्यों  
 आज मानिनी के ये रुये रुमों गै मान दखना  
 ३५ **कवित्री श्री कैं** सुकै बन बाग सुकै  
 सुमन पराग सुकै सरिता तटाग छिति अंबर  
 सबै त्यों सुकै बन वेली सुकै चंचक चमेली  
 सुकै अबलान जाइ बिरह तन मै छ्यों कस  
 सुसात कविसलिल सुषात जात नये कीसी  
 हृद है पंचानपरी के गेयों मेरे जान ते ठमास  
 जग के जगय वे कोइ दश दिवा कर कोय कही  
 उदै भ्यों १ सैनापति उगे दिन कर के चलत  
 लखे नदी नय कोय कूय डारत सुषाइ के चल  
 तय वन मुर जान उपवन बन लाग्यो है तचन  
 पैं सों भूतल तचाइ के श्रीषमन पतरि नभीष

या

३७

श्री कवि के ११



मसऊचियातेंसीरकछिपीहेतहवाननमें  
जायकै मानोसीतकालसीतलताकैअ  
मायवेकोंराषेहैविरंचवीनथरांमैधराया।  
कै २ भरीयतगहरेगुलाबहदहोदन  
सुखारीयतरजितफहारेततबीरके छरी  
यतछारनसुखभननरानीरदरीयतवता।  
सामसरदयंभीरके करीयततरअतरनवि  
छोंनारुविसोभजूउघरीयतहैबातयनती  
रके चंदनपलंगअरविंदनकीसेजपर  
सुंदरसिथारीआनसंदिरउसीरके ३ यसा  
केबिमलबंगलामेंवैठीबालचहूंअरनते  
चलतसमीरसीरांमसर छिरकोंसला  
बछितधिरकिनहैकछतसरससुगंधसोभ  
छायांपुरघरघर चंदनपलंगअरुचंदनच  
छायेअंगचंदसोबदनपरुंअंवरअतरतर  
छहरछहरबूंदैछुटतफसारनतेंछतीयो।  
छबीलीकीपरतछीटांछरछर ४ फलन  
केबंगलामेंमोहनमदनआनराजैमहराज  
सानसुंदरसुवरवर जोरतलजेउनकेअं।



२५  
 ३५  
 तरिहसखलागिअंगनमेंबृदपरेअंगना।  
 मेंछरछर ग्रीष्ममनामेंरागसारंगकोगा  
 मेंदेखिनैनसुषयामेंरुलाललललजरु  
 र सीचिपेंसुगंधिवारिमंदिरगुजुंदजूकें  
 तरतरुषानेंतरिकीजियेअतरतर ५ नेह  
 निजिकानेसुथरतससधानेंतलतासतरु  
 षानेकेंसुथारिकारियतहै होतहैसरंसत  
 विविधजलतंत्रनकीऊचेऊचेअटातेसुथा  
 रजारियतहै सैनापनिअतरगुलाबअर।  
 गजासालिसारथारहारमोललैलैथारिय  
 तहै ग्रीष्मकेवासरविनायवेकोंसीरसी।  
 रगेहराजभोगभोजयोंसम्पदारीयतहै ६  
 सीरेतरुषानेंतामेंषासेषसधानेंसीचेअत।  
 रगुलाबकीवयाररपटतहै भूथरसुथारे  
 होदछटतफुहारभारेबारेतापदानतापैध  
 पटपटतहै ऐसेमैबिदेसकोंगसनकेसेकी  
 नियतेसुथाकीतरंगणारीअंगलपटतहै  
 चंदनकिवारबनसारकेअगारतामेंतोऊ।  
 आयग्रीष्मकीजारुपटतहै ७ सीरेतरु

का



घानेमें गुलाब छिरको तरंग सारंग कीता।  
 नसनचैन होत कानमें चंदन उर हृद्यन सा  
 रहार फूलन के मालती बिछो नन के परदे  
 वितानमें कै सो मया कीन सो तो प्रेम को  
 पयान हो तो कै से दुष भजन है गेरु के निवा  
 नमें ऊरना ऊरत चहुं डोर तै फुहारै चलैं तो  
 ऊर ऊर पट जात घासे घस घानमें ४ श्री  
 धम के समै दो ऊर समै विहार करै बस मैर  
 हतर सत्रय की निकाई है प्यारी नही मा  
 नै प्यारों कै जीम नुहार करै पाय पर प्यारे बि  
 परी हरति टाई है सुरति के सुर समेत अं  
 बुधारा आनन तै कंठ डै ऊचन बीच रोमा।  
 बलि छाई है मानो मेरु कंठ डै कै कालि  
 दी के मित वे को चंद तै छर कि चंद्र भागा च  
 लि छाई है **संवेया** ताय वनौ दिन मथा।  
 दिवा कर अं कर सो करि प्री धम भारी सीत  
 लयी पर छायर हो ऊकि डारि रुजा रिघने  
 पतिवारी घाम गरी कनिवारी पपें थर हो  
 तरुणी र हो एक लीनारी सनी प्रिया सका।



पाकरुना निधिवी निपली निधूपनिस  
 गी १० ग्रीषमबासाग्रंगवनावतप्यारी।  
 मनोहररूपवनावै तामेलिष्यो कमला  
 अहिबारतरुदलिष्यो नियजेसोहै भावै  
 बैठिहुते ब्रजराजसमानमैदेकै सखीनके  
 हाथपठावै कहैक विव्रह्यविचारकरो।  
 सकहापियतै नियवस्तु मगावै ॥ ११ ॥  
**सवैया फोरक** मगाहेरति डीठहि रायगई।  
 जबतै तम आवन डोपवदी बरसों कितहू  
 चन आनंद पारै सुजान बछावत सोचनदी  
 ही पग अति जोयो उडै गकी आंचन आंस।  
 चुचावत मै नमदी कबो सो सरपाइ मिलो।  
 गोस जान सोवै सबही रलों जानिलदी ॥ १२ ॥  
 नलिनी बिधुमथको आइ करै बिछुरे पैज  
 डाफा उडावहि को विचि चुंबक लोरुको।  
 मेलत भयो फिरइ सरोरुप दिखावहि को  
 कबिमें उन प्रीति की गीतिय है बिछुरे जल  
 सीन जिवावहि को गुनवारै गुणाल की आं  
 धिनतै उरजी आधि आंस गिजावहि को ॥ १३ ॥



तब तेंदरसेमनमोरुनमृतबतेश्रषीआं  
 पलंगीसुलंगी ऊलकानगईछुटिकैत  
 बहीभटप्रेमकेफंदपगीसोपगी कबिवा  
 करनेहकैनेजनकीउरमैश्रनीआनिषगी  
 सोषगी ब्रजगोउरेनोउरेकोउथरोंरुमसा  
 मरेरंगरंगीसोंदंगी १४ **सुकीया** किं।  
 किनीनैकसमोनगहोंचुपहैबोबुरीनसों  
 मांगतीहै सुकहाकहोंदेवश्रनोषेनए  
 बिष्ट्रानकीबाजननबाजतीहै सुकसा  
 रिकातूतीकहतपिकीअथरातसमैउठा।  
 रागतीहै श्रबनैकछिमांकरिदेघोक्षेस  
 षीआंडुषीआंसवैजागतीहै १५ **वीरह।**  
**एककी** एकदीनीअथीनीकरैबतीयोनि  
 वनकीकदिछामैकरै एकरोमकरैएकसो  
 सकरैएकसोचकीआयेललामैकरै का  
 वितोषज्जदीजुरिजंवनसोंउरदैभुजस्या।  
 मेकलामैकरै निजअंबरमांगेकदंबनलै  
 ब्रजबामेबुलामैसलामैकरै १६ कैसब

रक



फूलनची भ्रूटी करि लोट नितं बल ई बड  
 काली बैनन सोच संकोच सुनै न न छूट  
 गई गति की चलि आली यो स क थीर थ  
 रों न थ रों अब लै मिलि हों न म को बन मा  
 ली बा के ही या न निकास भयों अब या  
 यहै जो बन के अब दाली १० **कवित्र** ॥  
 कवि के बिहारी बलिकरत हहारी नू तो  
 करत क हारी रो स डो सर बिचारी ए जग  
 की जि वारी दे या दे व बरा कारी उ ठि आ ए  
 बन वारी नू क हें तो पा य पारी ए जि नै दे  
 बिहारी नै विचारी मृग नारी सारी काम  
 की करारी सी वे प्रेम मत वारी ए बनी बुं  
 घरा री अनिआरी उ जिआरी रुप कारी बत  
 नारी प्यारी आषे इत छारी ए १६ पहले  
 अपनाय सु जान सने रु सो के जो फिरि तेहन  
 तोरी ये जे घन आनंद आपने चात्र क को  
 गुण बेधन मोहन छोरी ये जे निज धार स्थै थार  
 मंगार अ धार गहै दरवान नवोरी ये जे रस



प्यायजिवापबछायसबैविससामदैकों  
 विषबोरीयेन १५ हमकोंतमएकअने  
 कतमेंउनहीकेअनेकविचारगहों इत।  
 चारुतिहारीतुम्हारीउतैविभचारीकोने  
 मकहानिबहों कबोहीसुमारुषसोई  
 करोत्रिनबोईसहागलनानदहों घना  
 स्यामसखीरहोंआनंदमैरहोंनीकैरहोंउ  
 नहीकैरहों १५ **कवित्तमाननीके** वि  
 षनेविषमबातलागतहैमेरीअबनवस  
 मुजैगीतबचितचक्रचाछेंगों लालफि  
 रजैहैफेरकबहनयेहैंसुनिसोतैसुषपे  
 हैदेघड्यमनबाछेंगों कहैदयादेवक  
 हीकाहुकीनमानैआलीमानहैतोंतों  
 गरुंठीसावीसीलेपाछेंगों मानकीतो  
 वानहैजोमानैहीबनतआलीमानकहा  
 यानहैचुपाकैरसबाछेंगों २० कोकिल  
 सीबोलीहैसहेलीजुमिलायगईफुली  
 फिरैधोंतैजैचलावेदामचामकै कहैद



यादेवअनबनेकेअचलअंगचित्रमेहैला  
 गिरहैकारेकारूपामके इततोअनोषीअ  
 नषाइलतअनषानजोनसीजनावतहैका  
 हेवाटघामके हाहाहमिवोलबलिछा  
 डिदैछबीलीमानमानअरवानबिनछूटे  
 कौनकामके २१ आछेएअवामआछेक  
 मलाविलासआछेसोधनकीवाममिलि  
 मधुकरगानसों इपकेनिधानकाहुआ  
 परसमानआऐकहैदयादेवमिलिविवि।  
 धविधानसों तनकोंसिंगारकरमनकोंआ।  
 धारकरिगषप्यारीप्यारकरप्यारैकरप्राण  
 सों होपैबिनमानमनमानननमाननी।  
 तोंनकहोमेरोशालीमानकरमानसों २२



**कवित्रस्फोटकप्रभाकरकेवासकसत्ता ॥ ३ ॥**  
 सनसेनवात्तनेदलाकोमितैकेलीयेलगनल।  
 गालगीमैलमकिलमकिउठे कहैपदमाकरस  
 चीरयेसेचांदनीसेबहंऔरचौकनमेचमकचमक  
 उठे ऊकिकुकिऊमिऊमिऊलिजेलगपीयत  
 जिगिहिरीजांकनमैऊमकिऊमकिउठे इगिइरि  
 देषोदरीषाननमैदोरदोरदरदरदामनीसीदमकिउम  
 किउठे १ चुड़चुहीचुड़कचुभीहैचारुचंदन।  
 कीचंद्रकचुनीनचौंकचौंकनचटीहैचाय कहैप  
 दमाकरफराकनफरसबंदफरकफहारनकीफ  
 रसफबीहैपाव मोहमदमातीमनमोहनमितै  
 केकाजमानिमणिमंदिरमनोजकैसीमहताब  
 गोलगुलगादीगुलगिलिमैगुलाबगुलगनक  
 गुलाबीगिलिगिडकगुलेगुलाब २ श्रीधिनकी  
 ग्रामलगिचंदकेप्रकासलगिजेतेयेनिवासतिनै  
 चेरिबोईकरती कहैपदमाकरकहंज्योवनवी  
 धिनमैपातधरकेतेगातपरिबोईकरती छंदाबा  
 नचंदनंदनदनगुविंदशुभसंदरसलोनोस्यामटे।  
 रबोईकरती येसेब्रजवात्तनकेहरिहैहिरानेता  
 हिरानेहरिहीकोहीयोहैरबोईकरती ३ कवि



हजार

**अभिसारकाकि** सनव्रजतदपैवल्लोहेमुखवें  
 दजाकौचंदमुखचांदनीकेमंदमेकरतजात क  
 हैपद्याकरसोंसहजसिंगारहीतेऊंजवनऊंजना  
 मैमंजुंसेमरतजात थरतजहोईतहोयगहैपि।  
 आरीतहोमंजुलमजीठिहूकेमांटसेठुरतजात  
 बारणतहैरोसेतसारीकीकिनारनतेमुकताहा।  
 जारनैऊरतजात थ चुटकेचूमकेसुजूमकेज  
 वाहिरकेऊरिहिरीजांकनमेंकूमलौकुलतजा  
 त कहैपद्याकरसथाकरमुखीकेसीराहारनमै  
 तारनमैतूमसेतलतजात मोदमदमुकिलमत  
 गहैलौचलैबालभुजनसमेतभुजभूषनडलतजा  
 त ऊनाकीऊकोसोचहैचाँघोरघोरनमैध्वष  
 सबोईकेषजानेसेषुलतजात ५ ऊमैऊलाबो  
 रजीनैऊनामैरुपाकिऊकिऊमकिऊलकेऊला।  
 जांकिनैमैऊलिकुले कहैपद्याकरअनंगकी।  
 उमंगअंगअंगनमैअथरसरंगरेगबुलबुले उन्न  
 तउोजनतपैअलकैअलमवतलकेछगसेरुसा  
 रारनमैषुलषुले गजवगजारगोरीयालिगारि  
 बीलीनेरेगुलगुलेगुलकंगुलाबीगोलगुलगुले  
 ६ आरसलौआलससम्हारतनसीसयदग।



जब गुजारत गरीबन की थार पर कहै पमाकर।  
अनेगसरसाने छूटे विधुर बिराजे बारहीरन के सार  
पर आनन छबीले छित छहर छरा के छोर भोर उठि  
आई कलि मंदिर के द्वार पर एक पग भीतर सो एक  
थरै देहरी ये एक कर कंज एक कर है कि वार पर ७  
गोजल के जल के गली के गोपगोडन के जालों पर  
कछूकों कछू भारत भणोन ही कहै पमा कर परो  
सपिछ चारन के द्वारन के द्वोर गुनडो गुन गिनै ना  
ही नौलों एक चातर सहेली याहि कोऊ कहं नी  
कैकै निहोरै जाहि करत मनै नही मैतों स्या भर  
गमे चुरा घचिन चोरी बोरत तो वासों पै निचार।  
तब नैन ही ८ **सवेया** यह प्रेम कथा की बिधा है  
बड़ी बिन बीज वृथा वृन ठानै कहा पमा करयो।  
गवियोग संयोग कौलोग शोपहि चाने कहा ए  
क जानत स्याम सही या सिवाय सकोडु बषाने कहा  
इननेहन के तन के मन को सुख डोडु सुहसरो जाने  
कहा ९ **कवित्रासक सज्ञा** कोमल अमल।  
वपु के सर कनक युति रुचिर बहादर रत्न चंदन।  
चठाइ कर सेत सारी तिलक चिलक गज मोति  
नकी कंठ के माल सीस के सनज सम भरि कटि



गा

क

मृगराजगजराजगति के सी गति मुख द्विजराज देखी  
 द्विजराजन भवर लाज डरगेह परमदन सने हेय  
 र मन सो थी से जणर डारे डग मगयी १० **अभिमा**  
**रिका** कनक वरण बालन गन फवत भाल मो  
 नि की माल डर मो है भली भोत है चंदन च छा।  
 इ चौरु चंद मुली चोदनी सी मात ही अनाइ कै यथा  
 री मुस के पात है ॥ वन नी विचित्र सा म सजे के मुसा  
 रष नृठा पिनष सिष को नियट सज्ज वात है चंद  
 कोल पे ट के समेट के नषत मानो घोस को प्रनाम की  
 एगत चली जात है ११ **सवैया** नो है जहां मगने।  
 दज्ज मार जहां चली चंद सरखी सुकुमार है फल  
 नही के कीया हने अब फल रही मनो ऊंद की।  
 डार है भीतर जात लषी सुलषी अब बाहर जान।  
 परैत ही दार है ज्यों न सी ज्यों न गई मिलि ज्यों मि।  
 लि जात ज्यों इथ मै हथ की थार है १२ प्रात ही से ज  
 ते नारि चली मन मोहन चंचक वीर गयो हो ब्रव हो  
 र बिना थ बिहान भयो मुख फेरि कै यों मृग नै नीक  
 हो छुटै वनी डहें ऊच वी चरही उपमा करि ब्रह्म  
 है त भयो समनोजन मेन के यत्न समै डरित छ  
 समै र की संधि र हो १३ **कवित्त पृष्ठी के** सिंच मा

प्रग



रवरकीसुधारीसुखपापारफुलेतरवरजहोविपुन।  
 मम्हास्योहै ढांखीतहोप्यारीसंगविहरविहारी१  
 धीरैनउनिआरीइवदनउनिआरोहै। कानतैतरो  
 नाट्टिपरमपयोथरकोथरणीपतकनीजनजन  
 कास्योहै रोमधरहरजीयजानकेकलंकीकरमा  
 नोंचंदहरचंद्रचूडकरास्योहै १४ भोरभयेजारी  
 अनरागीप्रेमपागीगरेमीतमकेलागीबडभागी  
 भागभरेहै सुथरेबदनपरविशुरेसगंधिवारम।  
 धुरेसेकरमानोयेचसरकरेहै पुषीमगनेनीबा।  
 लभूषनसम्हारतहीमोतीछूटमांगडरकंचुकीये  
 ठरेहै चंदकोंगहनदेधिराहकेडरनभागशि।  
 वकीसरनयसितारेआनपरैहै १५ चौथतेच  
 कोरचिहैगरमुखचंदजानिरहेडरदसनबसनयु  
 निदेयाके लीलजानेवरहीविलोकिबेनीबा।  
 नितागुहीपैनहोतीज्योंऊसमसरकंपाके का  
 हैकविपुषीछिंगभोहैज्यानथवहोतीकीरकेसो  
 छोटितैअथरबिंबरुपाके दाषकमेजोराऊल  
 कतज्योंनीचौवनकीभोगचारिजानेजोंनहोती।  
 रंगचंपाके १६ **सवेया** बारहीबारउतैनचितै।



क

रीतं तावरीवालकहोथोकरैगी जोकबहरस।  
 खानलखीफिरकैसेकेवीरगीपीरथरेगी मानिहै  
 काहकीकाननहीजबहपभरीहरिरंगभरैगी या  
 तेंहंसिखमानभट्टयहहेरनतेरेहीपिंडपरैगी १७  
 कनकाचलकंधरअंधरेतैनिरवानसिंगारलजा।  
 लटकी तियगेमबलीकिथोसेकरहैलखिवाल  
 भुजंगनहैठटकी चकवानककैकविलाल  
 मुकुंदजुमारसिकाररईफटकी मनोमैनमले  
 गथक्योंचछिन्नेगजंतीरअरीनपरैजटकी १८  
**रुबित** जैसेशहिमोरतैरिसानोचोरभोरतैऊरंग  
 सिंगसोरतैतुसारजैसेचामतै दारिदज्योंपारमतै  
 कालत्योंसुथारमतैजालजुयापणिकोजैसेहरना  
 मतै अंधकारदीपतैवियोगतीसमीपतैज्योंकाम  
 गतेमचनभजतदामयामतै जैसेऐकलोभतैअ  
 नेकसुखभाजैगमजैसेभाजगयोहैपरसगमगा।  
 मतै १९ कीनोमनमूठउरमूठसीलगीहैआइडो  
 रगतभइपरहीनसबीरहै हेगयोहैहैहैमाहि  
 सजुतवहैहैकोऊकहैगोसुहैहैतौलोहैहैहीलगी  
 रहै लागैजाहिपेतताहिकेतोइखदेतमोहिजी।



बतल गयो है ना ते अथिक अथी रहे येरी मेरी बी  
 मेरी छाती पर पीर पीर तब ही मिटेगी ते वै छा  
 ती पर पीर है २० येरी मेरी वीर जो मिला वै वल  
 वीर जाहि देखें दोऊ वीर मेरो विरह बयाइलै भं  
 जन छये की पीर छये न छ पाई पीर येरी मेरी वीर  
 ते छ पाकर छ पाइलै मदन ल गो है आश्मद  
 न ल गो है थाइ थाइ कै लिखा वै थाइ येरी मोहि  
 थाइलै देहरी घर हराय देहरी च छो न जाइ  
 देहरी तन क हाथ देहरी च छाइलै २१ **अथ**  
**रस वेया** मौल सरी मधुपान छ को म को द  
 भयो अर बिंद अहायो माथ व कुंज साखाइ थ  
 का पुनि पाइर को त कि के उठयायो मोन जु ही  
 म डराय र सो छिन संग लिपे मधुपा वलि गायो  
 चं पहि चाहि गुला बहि गाहि समीर च मे लिन हं  
 बत आयो २२ गाहि सो वर सो भलै नत का।  
 ल धिलै जल जानि न मे को नीच च लै जल जे सा।  
 अचै ल पयाय ल ता तरु माग मे को चार ते है अ  
 म के पुनि से दन घे दहरे र निरा निर मे को आव  
 त जान ज रोष न कै मगशी तल वात प्रभात स मे को



**मंडनकी** तेरी जो मांग को मोती गयो सो तो के  
 सी के ~~मंडन~~ लियो न कहे या मंडन है रस के च  
 सके उन का हूँ पार के हाथ दिवैया तो को जना  
 वन हौं जो चली अब तें उत जात डहावन गेया मे  
 तो सदे सो कह्यो अपनो अब जै है न जै है तो जानै।  
 बलैया २४ गुलन गोर सदे वही जसुना मे उ  
 तारत है रस काई मंडन आन चडी सिगरी सुभ  
 ई मन मोहन के मन भाई अषने अषने चर को  
 तकि चार सवै चित चाहि दिवावे डहाई लैनंद  
 लाल हिलोरन के मिस जो चट चाटति गंछल गा  
 ई २५ अर जो गलैया ए मया कर के उन के जि  
 य सिंधु ठई सुठई अज जानत है वे सवै निय की  
 हम ने हकी गांठ दई सुठई सुन डु थो बुजैन मदे  
 मन सो बिरहान लघैर लई सलई निरदई सो  
 ने हद ई न करै सुगई करि नाव भई सुमई २६ अं  
 ग बिभूतिल गो ए म हासु वए सैं ही जो हरि प्रेभ  
 रि पागे नाथ कौना मही ये उम से उत काह को  
 नाम सदा अनुगै जो गली ये जो मिलै हरि प्या  
 सो तो कान फराये नही डुषलागे जो उन के मन।



मानीयंहेतोवहोरीकहोसबगोरषनागे २०  
**कवित्तप्रायकों** कियोकहंकलानिधिकलाकी  
 सीकरीकलाकियोनईकंजकलीअबहीबिगा।  
 सिहै मैठथरीवारवारमदनकसौटीलैलैके  
 चनकीदेहमेसकेलकेसकसीहै सेषकहैकि  
 योंरीतूसीचीहैपियषसकियोपियषसने  
 रसरसीहै सरपुरसनीयनेहैमंजुउरवशीमे  
 रेवेनउरवसीयकतुहीउरवसीहै २१ मोरमु।  
 खडोरनकेमनहिमगोरलेतमुरिससक्यानमे  
 अनेकमुरजातहै नेरीहोसीलोगनकेहियमेवि  
 मासीहोनगोसीन्योचलायदेतपरेबिल्ललात।  
 है आलमकहैहोवनघायलन्योहूमफिरैल  
 पडोलैनैनावटवोरवाहीघातहै काहंसोनचि।  
 तेहाहानिउरदरीरीतुअचितवनवाटकेबदोई  
 मारेजातहै २२ छलवेकोंआईहीसुहोईछलि  
 गईमनछीकतोतछलकरियठईबिहारीहों  
 तनोचलिहैईआलीमोहियेअचलसीहोसारी  
 उपदेषिदेषिरीजभीनहारीहों बैरिणनहोइ  
 नेकबेसरसुधारथरोहोतोंबलबेसरकेबेहबेथ।



मारीहों शेषभोलालमणिवेंदीकीविदा  
 हैएसेगोरगोरभालपरवारिफेरडारीहो ३  
**धरिता** मैंनछुबिरैनकेउनीदेहगमंदेआवे।  
 नीदहीकेबसईदीवरनिदरतहो पीयरोबद  
 नभयोहीयरोछवतमोहिसीयरोलगतज्यो।  
 ज्योनीयरोकरहो आलमसप्यारीजिनअसे  
 केपठायतमजाकेनितप्रतिउठिपगनठरहो  
 कवमुकराएमधुकरकीसीमाललालमुकर  
 विलोकैकितमुकरपरतहो १२ **सवेधा** कं  
 चुकीनीलकसेऊसुभीमकताछुबिकेठमेंऊता।  
 लछोरे नैनविमालमगलकीसीगतिवालर  
 मालविहकमथोरै नैकचितैहरिसोकविआ  
 लमचंचलचालचलीचितचोरै नौबनइय  
 जगमगसीकोऊयामगलारिगइतनगोरै  
 १२ **कवि** काकोकाकोलीजैनामसखीस  
 बलागीपाशतनकसीरिसकोसकेलेगौरिग  
 जनों हमसोतनैनीभोहैतमसोकरेरीआये  
 कामकीकठिनअरुमनयरोमाननैनों का  
 हैकविगंगजोनगरवतकटायधेनकहाकरैनि



पटनिसानो जो ये बाजनों हाहा को पश्यो रोमा  
 ननन क्यो हलाल को लो को ऊँ का ठकी तरी सो तो  
 रोता जनों ३३ भोहन कमानवान तो है तिरछो  
 है नैनो वै नहि सकर सम को किला सी बानी है कि  
 थोधि सता कियो चन हकी दामनी पै कियो रुप  
 रभा तो ते जो ति अथि बानी है कहै कवि गंग छवि  
 बरनी न जाय वा की सख मसरी रगौ पी कप चय  
 नी है ये सी नी की नाय कानि हासिये नैन भरि  
 ना के आगे चित्र हकी छतरी घिसानि है ३४ **स**  
**वेया** पर कानै हि देह को थारे रहो पर जन्म य  
 थार य है दरसों निधि नीर सथा के समान का  
 रो सब ही विधि सुंदरता सरसों चन आने दनी  
 वन दायक हो कछु मेरी झपीर ही ए परसों क  
 बहू वा विस्वासी सजान के आंगन मो प्रसु आना  
 हलै बसों ३५ गेहन ज्यो अरु नेहन ज्यो पुनि  
 षहल गाय के देह सप्सारी मेव सहा सिरसी  
 तम सोत न धूप समै जप चागिन बारी भूषस  
 हीर हि रुष नरे पर सुंदर दास सहे रुष भारी ३६  
 सनछा डिके को मन ऊपर आ मन मारि कै आसन मारी



३८  
 ३५६  
**वससंधिनाकी** सोपीचितोनचितैनसकैहस  
 केनतिरीछीचितैनचिते गुडीषानकोष्पालन  
 नीकोलगेअरुकामकलाकोबिलासचिते क  
 विसंडमजोवनसंधिभईदोअवैसकोभावलगैन  
 हितै विवचुबकेबीचकोलोहभयोचितजाय  
 सकैनइतेनउतै ३० मानकीअंधहैआपचरी।  
 श्रीनोरसषानउरहितकेउर नाहठकीनियेमा  
 नहैबापरोएसीकयायनहोनजवैबर लालगु  
 पालकोहालबिलोकिअनेकछुओकिनदेकर  
 सोंकर नाकरवेपरवारेहैपानकहाअबबारे  
 होंहाकरवेपर ३१ कंजमुषीकरकंजलीये  
 मुसकानकीकोरछबैलहिवेपर अंगकीजे  
 रमरोउठैकहिसंकरसोतितकेदाहिवेपर सी।  
 कारबोंसुभसीकारबोंसुभअंगसुवासनकेगहि  
 वेपर नाकरवेपरवारेहैपानकहाअबबारेहो  
 होंकरवेपर ३२ **कवित्तअन्योक्त** सोलोअलै  
 केतकीअनेकछबिलीएआलीतोलौंहीब।  
 बरअलअलिलपतयलै करिहैमकामनो  
 लोंअवरपीअयनिधिभृगुसुतशुकुतोलादीप।



निदिषाहलै जौलौनरहरसभोरैरसालफला।  
 आवरीनिबोरीतौलौंडतमकहायलै रूपवती  
 राधिकासयानीकैहैमेरीज्यौलौनौलौंदिनचार  
 दामचामकेचलायलै ५० याकीछविछटा।  
 चाहैचात्रकचकोरमारोमरोमहरषतृपरमपी  
 येतै पकैजनस्यामविनजीबोअनजीबोभलोरा  
 जारामकहादिनदशयेसेजीयेतै मूनाकरगेरु  
 देहमधुराकीओरआलीलैगयोनिवासपाणश  
 णनाथहीयेतै योहीरहीतनमेतनकडोसवास।  
 नासीज्यौंकहरदानीतैकहरकडलीयेतै ५१  
**सवेया** नारुल्लगेसुषसोनदेसौतैदहेइधुनो।  
 रुल्लगेसुषदेहदहेगो नोहअबैसुषदेहहेके  
 सबनोहसदासुखदेतुरहेगो नोहसोनोहरी।  
 नाहिभलाईभलीसबनोहहीतैजुकहेगो नोह  
 सोनेहनिबाहिबलायलो नोहसोनेहनहोनिब  
 हेगो ५२ **सिंहावलोकन** बजीहैतोआज।  
 कलंकलणोंसनकैरुषभानऊमारिनजीहै न  
 जीहैकदाचिनकामिनीकोऊसुकानमेजाकीस  
 जातकोपीहै पीहैविदेससंदेसनपायोपेमेरी।



विदेहकोमैनसजीवै सजीवैतोमेरोकहाबसहै  
 विसवासनबांसरीफेरबजीहै थ३ पलकोगि  
 रिभोरुभुजंगिनसंगनबाघोजहांबहुणीवनबे  
 डों कंठकोटिकराष्यचुभेरसल्लूरनरोसफि  
 रेअतिअडों लाजनदीचटडोंचटचारकेआगोंवे  
 बोरमनोजकीमैंडों कैसेकेंदेधिपरीपीयम्  
 रतसौतिनकीअवीयातमेंपैंडों थ४ त्रयनि।  
 धानसुजानसपीजबतैंइननेनननेकनिहारे  
 दीदयकीअनुरागछुकीमतिलाजकेसाजसमा  
 जविमारे एकअचंभभयांचनआनदहरनि।  
 हीपलपाटउचारे टारेटारेनहीनारेकहंसुल  
 गेमनमोहनमोहकेनारे थ५ कारुकेबंका।  
 चितैकेनिसंकलारावोंकलंकविसेकिनबी।  
 सों बाइजगइनकीछविदेधिविरंचिरधीरु  
 चिगावेलीसों देहोंमिलायतसैंहोंनिहारी।  
 हेआनकौटुषभानललीसों बाह्यनकीसोंव  
 बाकीसोंमोहनमोहिगऊकीसोंगोधनकीसों  
 थ६ अभिसारिकाकवित्र निसअपिआरीका।  
 गीसारीडोटिमागप्यारीपियपैसियारीलधिगनि



मनिचारियें कोककीकलीहैमोभीरमोरा।  
लीहैकियोंआगकीलयकधमलयकविचा।  
रियें बिनुकीलतासीसामचनेमेप्रकासीकि  
योंतामेडरीइंडकीकलासीनिरथारीयें लीये  
जातकोऊनीलयकोफनूसएकवीचदीपवा  
रोंदीपवाओंननिहारीयें ४० **मानकों** सोऊ  
कीचछाईभोहैअजहंनसुथीहोनटूदेगोसने  
हफिरभाभजबचाठेगो जानैगीनिदानजोन  
मानैंगीतमेरीआनयंचवानबानवाननकों।  
मानदैदैसाठेगो अवचिनचाहैफिरकौनजा  
नेकाहैपुनिचानकजोगिरिपारीपिअपिकुंरा  
ठेगो मानकीतोवानआलीमानेहीवनत  
आनमानकरापानहैनुपाकेरसबाठेगो  
४१ **सवेयारसमानके** हेसजनीएकगुार  
कोछोहगयावनयेनचरायबायोहै मोहनी  
ताननगोपनआनकेबेनबंजीयरिजायगयो  
है नादिनजेकछुटोनासेकेरसखानहीयैमे  
समायगयोहै कोऊनकाऊकीकानकरेसिग  
रोवजवीरबिकायगयोहै ४२ मोरपषामि

जा



४०  
 ५०  
 रूपा राघ के पुन की मालहि ये पहरोंगी ओ।  
 छपितंबर लै लज्जुटी बन गायन गोधन संग पि  
 रोंगी भावने तोहिक हार सघान में तेरे लीये  
 सभ संग करोंगी ये सुरली सुरली थर की अ  
 धरान थरी सुधरान थरी ५० **सिंवावला**  
**कन बांसरी की** बांसरी जान सुनी जब तेत।  
 बने दुगि यावत तेने न आसुरी आसुरी जे नर।  
 देवन की सिगरी नर सो कछु रंचक सांसुरी  
 सांसुरी कोर उपाव कोरे जो थरे ही यहा थनो।  
 लागत पांसुरी पांसुरी मेरे मुदाई रहे सुभई  
 बिसबासन सोही को बांसुरी ५१ **बंसुरी**  
 जब ही बजत बाजत है तब ही छिद जात हि ये प  
 सुरी एसुरी नचोत एताय क हार सनावन।  
 स्याम ई है रसुरी रसुरी जत जे चर की चरनी  
 बरने वरषे वरसे अ सुरी असुरी बज बाल बि  
 हाल भई नदन दन सो न कछु वसुरी ५२ **क**  
**वित** जेती गई पानी तेती घाट चालि चर आ।  
 नीय क सुरजानी लेत ऊर थउ सासुरी सुषते।  
 नबोले बोले बैन शरी वषान पेन लागे सिर।



मन ठरे जाना सुरी जित तित सुनी तान छयो।  
 जिनै खान पान भूली कुलिकान सखी गिनी।  
 जानया सुरी विष सीत गाई कै मिषाई है उ।  
 चाट मंत्र ऐसी नट नागर बजाई बज वां सुरी ५३  
 मुरली मजुंद अर बिंद से करन गही प्रमी प्रप  
 रानतै। बजाई रीज कै जही केहरी करंग एक  
 संग है सुतन लागे भणै क बिदेव भूल्यो भजन  
 इहंति ही मीन थके नीर मे मसीर क्यों पुनिस  
 निर विरथ चक्र है चलन सवैया कही बोलै  
 न बिलो कै रस नाथ की चिरयन की पछा डारि  
 चष मंद चारा चुंचलै रही ५४ दनुज मनुज  
 देव पसु यंछी जीव जंत मुर है दावन मै बिसा।  
 रस पिचर की फूल बे डे डंदर मजारन की पीठ  
 पर को किल के के ठल पठाइ फन लर की का  
 सीराम कहै गतिक हा जीव जंतन की बेद भूल्यो  
 बिधि को समाधि भूली हर की रुद रुद चछ  
 त करंग सीस सिंचन के आलु जैष बाजी बहबं  
 सी बंसी थर की ५५ जाही छिन पुनि सा।  
 निकान मे पोरै है बीर छुट जाय थीर डोर रुक जा



४२  
 यसांसरी मोहमयीप्यारेमतवारेमनमेतपा  
 गिलागिलागिउठेकछत्तारीपीरपासरी पी  
 वनहमारेपियप्यारेकोअथरसलानसुषसा  
 तग्रहकानकीनेनासरी तंवहेकिमंवहेकि।  
 मोहनीकोमादकहेमोतहेकिसालहेकिबेरि  
 नहेबांसरी ५६ नवतेंऊमरकोरुगवरीकला  
 निधानवाकेकानपरीकरुसुनसकहानीमी  
 तवरीतदेवदेवोंदेवतासीहमतसीरीऊतमी।  
 पीजतसी रसतरिसानीमीछोईसीछलीसी  
 छीनलीनीसीछकीसीछिनजकीसीटकीसीला  
 गीथकीथहरानीमी वेपीसीविथिमीविषह  
 डतबिमोहितमीवेठीबहबषतबिलोकतबिका  
 नीमी ५७ **सवेया** व्रतबेरिनमोतभईहमको  
 अथरानकोलेतसदारसरी बुनवाईसीवांसकी  
 भोसभरीमनमोहनदेरहीजानसरी हमतोडहे  
 मोतडवारीअजानसुनेनसुनेसुपरेअसरी ह  
 मतोजनकोवसबोहीनज्यांवसरीव्रतबेरिनह  
 वसरी ५८ **कवित** वाजीउठिथाईवाजीदे  
 विवेकोदारगोईवाजीअकलानीसनिबंसीलि



धरकी बाजीदसिहसिबोलैबाजीसंगलगी  
 डोलैबाजीसराजानीहैविसारिसुखिचरकी  
 बाजिनकीछातीपीरबाजीवेसम्भारेचीरबा  
 जीमनथरेथीरदावैपरीनरकी बाजीकहै।  
 बातीबाजीबांजीकहैकहाबाजीबाजीकहै  
 बाजीबंसीसामरेसुखरकी ५५ सुनिरीअधी  
 रेयेसीभूतिजिनकहैवानमतिकीगएतैकैसे  
 पतिसंगराजैगी अवगाएतैसुखवचनस  
 नेगोकौनजोवनगएतैसबसाधितसंगला  
 जैगी कालीझीगएतैबनपानियउतरजैहैडो  
 रहौकहांलोकहांकोलौतोहिछानैगी नी।  
 जोहारिहसज्योलौनगैमप्रजछहोयनईयो।  
 इहबांसरीनहोयगीनबाजैगी ६. **संवेद्या**  
 आजभट्टएकगोपवधुभईबावरीनैकनप्रंगा  
 सम्भारे मानपितामनदेवनसजतसाससा  
 यानोंसपानोंपुकारे योंरसधानषरोसिगरो  
 ब्रजआनकेआनउपाउविचारे कोऊनकाझर  
 केकरतैवहवैरिणबांसरीआगमैडारे ९१  
**कवित** निरखनिबाहसैऊकैसीहैकठोरहमा



चोरी ही मेवा है चतुःपारी के से पात है सेषक।  
 हे एक बार का झर की घोर आँखें डोर रहे मानस।  
 ठोर तेँ डगात है मोहनी से बोल कारतारन।  
 की डोल मिल बोल डोल दो डवट वारे बात बा।  
 त है नैना देखे स्याम के से बेंना के से सुने माई।  
 बेंना सुने तिनै के से नैना देखे जात है ६४ **सुक्ता**  
**भिसारिका** फूलन के अमरगण सुचगज मो  
 नी से त से त ही वसन उजियारी अतिनामिनी  
 चली सरखी संग पे न देखे का हूँ संग रंग जो न  
 सी नुहूँ गामे न पाई जात कामिनी तीय को अ  
 भाव जान आनुर है प्रान पति छन सषी मो  
 क्यों न आई गजगामिनी मंद मंद हसी प्यारी  
 चक चौथे बनवारी भ्रम भयों भारी चादनी मे को  
 थी दामिनी ६५ हीरा की दमक जै से नुगुनो ज  
 सक जै से विजरी चमक जै से होत चमकान है सु  
 थारू को नीर जै से जाइरू को वीर जै से नावक।  
 को नीर जै से करत पयान है सोभा को समूल  
 जै से फूल जरी को फूल जै से तेज को विशूल जै  
 संग ध्यांधरि सान है पुरुषा विगम जै से जोति।



ससिभानजैसैंकंचनकीषानिजैसैतेरीमुसका  
 नहै ६४ **मवेया** आलससोसुखहीलटे  
 पटमैलैभएतांकहाभयोतीकें ज्योतसिंगार  
 कीयोतनकोतऊजोवनरूपसहावनोंपीकें  
 षेजनसेहृगचारुबनैविनअंजनहीमतरंन।  
 नजीकें कोटिकरोंनमिटैगुणतेजसमान  
 कधरलपेटतनीकें ६५ बोलसुथासमबैं  
 ननचैनननैननसैननहैरहरीमति हेकवि  
 नंदनगोऊलचंदपैजातअनोनअहीरनकी।  
 जति तजिमोहिचलोंपरदेसपीयासोअवे  
 रअरेनिरदैनिरदैपति तेरीसोंतोंहीसोंबूझ  
 तिहोंकहूंमेरीसोंमेरीसोंमेरीकहागति ६६  
 ऊचऊपरमोतीकीमालफबीगिरिगजसुता  
 गिरिनैऊठरै कविब्रह्मभणैअबलीजसुनो।  
 भवसंगमपातकदोषहरै तरुणीकेनपछ  
 तकीउपमाहियेमेजुभीकबहैनदरे ऊल  
 कालिमामेरिनकोंरजनीयतिमजुनसंगमम  
 ध्यकरै ६७ मानेंगईदनकीगतिचरगहर  
 भरीछबिसोंभरिभामन आंचरकोउलटा



मनयेठनभोहननैनोंकीउरजावन कोलसे  
 साथसहेरीकेसाथमिलीमपुरेसुरगावन  
 आषिनेमेंहिलगीनहलेपलरंगरंगीबहप्या  
 रेकीआमन ६४ **कवि** बिदामागीमोह।  
 नविदेसकेसिधारवेकोंमोहनीसोंकहोसुभ  
 चितकसभाषिवों सुकविनरोत्रमयगतपर  
 बोलीबालिश्रावेकोऊउतेतेसंदेसोताहिआ  
 षिवों टीकोकरिशीफलदैकरिकरनोरक।  
 होभारपीयगमतसुनोसोंनसमाषिवों राघे  
 नरहनयतोतातगावरेकेसंगयनोप्राननाथ  
 मेरेपागतीकैराषिवों ६५ **सवेया** मेरोंसु  
 भावचितेवेकोंशालीरीलालनिहारकेबंसी  
 बतार् नछिनतेमोहिलारीठगोरीसीवों  
 रीकहेइहवावरीआई कासोकल्याणक।  
 हांइहवेदनजातेनहेकियहेजियगई जो।  
 कोऊआपनोंचाहेभलोतोंमनेहनकाहसो।  
 कीनीएमाई ७० मायिकेमेंमनभावनसों  
 परनेकहेंचुंकनिसंकभरे दृगसंदसेकोच  
 नषानिदहासतिगमतोकासकलालकरे



रतिरंगसमैयुक्तलोगनकेजनकाननमेजन  
 कारपरे इहलाजलगेकरकेजनमंजुलपे।  
 जनपाइनकीपकरे ७१ वातकहीसुकही  
 चलवेकीनयोंकबहंबडस्योअश्रानवी ओ  
 सुचलेसुचलेचलिवोसुनिभूंषहृष्यासच।  
 लीपहचानवी जोकहंजानकहोगेअचान  
 कदेवजूतोंनिहदेकरिमानवी छुछिहोप्या  
 रेकिमलिहोशरणपेंथाननेतेउडजोतनजान  
 वी ७२ **कवित्त** कलपतरहैकहललनच  
 लनकस्योविरहदवालोदेहरहकेदहकि  
 दहकि लागीरहैहिलकीहलकिसकिस  
 किहीयोदेवकहैगरोभस्योआवतगहकिग  
 हकि दीरवउमासलैलैमसिमुखीमसकजि  
 सुलफसलौनोलंकलहकेलहिकिलहकि  
 मानननबभोसुवारिनसंनैनततेवारिकोप्र।  
 वाहवस्योआवतबहकिबहकि ७३ **सवेया**  
 रूपछकीअलवेलीनवेलीअनूपमकीसीभा  
 रेतनभामरे बारमेठाडीउचाटलगीसीलगी  
 टगप्राणकरैनउछावरे गामकेपुडेगसामे



गलीनगशरकोछाडितनीतनताउरै देडीचि  
 तोनपदीसबैमनकीनोलटूरीभट्टनसामै  
 ५४ **कवित** अंगअंगअंगीभीजीअंगअनु  
 रागभीजेअथरतमोलभीजेविद्रुममेंऊलकै  
 गतिभीजीआसडोलजभीजीचितवनहंस  
 हजसीलभोंहैभीनीप्रेमभीजीपलकै आ।  
 येलालनैकदेखोंडरिनीठपीठपाछेजाकेका  
 जैलेतइतीनिसदिनललकै तैनाभीजेनेह  
 गंगवाणीकोबिलासहासरसभीजीआपडै  
 फुलेलभीजीअलकै ५५ काननतकत।  
 सिषकानवफिरतनितअनिहीहठीलीफिर  
 पाछेपछताईहै भूलिजैहैथामकामअंग  
 नमैंहैवामनैनसरलागैदुमिदुमिगिरिजाय  
 है अबलोनमानतहेमेरीकहीवातनसुपा  
 छैनलजातनकेपातनबिछायहै डीठकहू  
 अहेमनमोहनकीमंजुछविदोरदोरिअटन  
 चछोकोफलपाईहै ५६ **सवेया** आबत।  
 लातरसालकोबालिसनेनतरंगअनेगसि  
 षाय भोंहनमातोंसमानदोऊरंगडोरेछुटे।



सपटेफहराप काजररेषलगांमदीयेअरु।  
 लाजमंतीरनसोंअटकाप ताराकहेंपिरमो  
 रकैवागकराछुपरीकरफेरदिषाय ३३  
**वांसुरीकी** मंडरातरहैधुनिकाननमेश्रुतके  
 उपराजिबोईसीकरै ब्रजसौहनगोंहरसोंअ।  
 बलधिनमांऊबोईसीकरै ब्रजआनंदतीषि  
 पेताननसोंसरसेसरसाजिबोईसीकरै क।  
 बकीयहबैरिणवांसुरीयाबिनबाजेहीबा  
 जबोईसीकरै ३४ देषयोंआरसीलैबलि  
 नेकलसीहैगुराईमैंकैसीललाई मानहोंजो  
 तिदिवाकरकीयुनिशरणचंदहिभेटवेंआई  
 फूलतकंजकमोदलखेब्रजआनंदरूपअनू  
 पनिकाई तोमुषलालपलालैलायगैसौ  
 तनिकेउरहोरीलगाई ३५ **कवित्तनेत्रकी**  
 खंजनधिसातहैरैहरिणहिरातजलजातक  
 लजातनोहिमोतीठहरातहै दीपकमली।  
 नमीनछीनलागेमेरेजानपायेतीनरंगना।  
 तैअतिहीयरानहै पंचसरकीनेरदभोरंन  
 कोंभूल्योमदनदसंविचित्रमनहीमैठहरातहै



म

क

पावतपियारेमथसूदनतिहारेनेननमारत  
 निसेकनेकलेकडातहै ६० **घडिता** आज  
 कहांनारंगलाललाललाललोयनहैलटा  
 पेटेपेचपागआरसरसाएहों बानोंपलटों  
 ऐसुषषांवेबीरादेधियनप्रतिहीनलोपेति  
 सचिद्रूपघटाएहों मेरीतोसहलमहलबों  
 कौनैयैबलिअलिकेवियोगज्योंअलीनम  
 रजाएहों आयहोंमनायवेकौंमैमनापेता  
 राकविमेरीसोंहमानोंकैसेमाननीमनाएहों  
 ६१ गेंचकाअकेलीबनबेलिनमेगईडु।  
 नीकलिनकेगूदवेकौंहारपरभावरी मा।  
 लतीकेंयेडतरतरफजरफउठ्योमुकटकी।  
 लटकचटकचितवावरी जंदनहरनमनह  
 रनमनेजछबिननसुथभूलीअबकहोंकि  
 तजांउरी बहतोंहोंकागोंवाकौंअंबरहोंपी  
 रोंमोंहिकोंपीगोंसंजतकाजुतहोंबावा  
 ६२ बदनसराहीमैंछबीलीछविछा  
 कोंमदअथरपियालोविनछिनजुगहन।  
 है अरसायपोछनकपोलययंकपरकबह



गजकनानचावनचहतहे हेमलंगसार्थी  
 जेतेरहेसबअंकभरिछुकेगारहतकोऊक  
 शूनाकरहतहे बातकेकहेतैऊकिउठतये  
 डायनारोबेसरकोमोतीमतवारोहीरहत  
 हे ६३ अंगकेसवासपासमंडलकरतरा  
 सभौरनकीभागीभीरदेधियतभोरतै संतन  
 करहततैनेलंककीनिकाईलषिलचकत  
 विपुलनितंबऊकिजोरतै पाइनलौषु।  
 लीदरदामिनकिनारीगजसुकनानछिग  
 सारीजरनारीकोरतै स्यामवनबटनतैनि  
 कस्योनिसेकमानोंचंदसुषचपलानरेह्यो  
 चहेडोरतै ६४ खिलतहसनपियप्यारी  
 दोऊसेजपरअतिरसबसभयेआप्रसमेवा  
 छिके बातिनहीमांसिकछबालअपमा  
 नकीयोंलालरिसघायकरवंदलपीडाछि  
 कै प्यारीनोंप्रबीनतोमेंकैसीचतराईकी  
 नपीठसोंलगायछातीकसीअतिगाठकै  
 श्रीफलसेफलविवनूवरीकेभायऊचपीय



३ ४६  
 जीयरिसकीकरकलयीकाटके ८५ **सर्वे**  
**या** आगमपतिका करकंकनकृतनका  
 गडप्रोपुनिवाईभुजामिलवेफरकी वरा  
 आपलतीफडलासवखोंसगईचुभिचा  
 रुचुरीकरकी अवप्रेमजुदेतअलिंगनमें  
 सुतोंपारुहकीअगियांतरकी मनोनेहस  
 मीपकोंमेहलग्योंविरहामरुकीगुमटीद  
 रकी ९६ **कवित** उपहरीकेरुलमाहि  
 खनकनकियोकमलचमेलीकलीचोंथ  
 नचघनेकों विदुमकेसंपुटमेमोतिनकी  
 लरीथरीथकाथकीपरीनैनदेखिनेवन  
 कों कियोंकोंकनदमाहिअलिसुतवेयो  
 आनिप्रेमीप्रेमभखोंहैसुवामनावसनकों  
 कियोंगुललालकेसेदागहीयेदागदेत  
 कियोंचितछीनलेतसुपिहैनजनकों चंद  
 मुखीमिसीसामरांतअदभुतभोतचांदनी  
 मैचोरकारेठोंकोडोरेमनकों ८७ **सर्वे**  
**सिद्धा**वलोकन तालकीदेवकहीछविमे



उत्तरेसुउठायभयेअबबालकी बालकी  
 चौंयतैचाहमिहीमघनलकेतारतैकीटा।  
 कीजालकी जालकीचेरनमेंमनजोमयो  
 सोअबछूटनाहिनेचालकी चालकी।  
 बातगईमिटकेथिरहेगिरिसीगतिहैरही।  
 जालकी ८८ आयमपनिका **कवित** से  
 दरगलाबगुलालालमालपेटिहोंगीऔर  
 घनसारतैसुगंधनेसांभरिहों उज्जलअंगो  
 छनअंगोछिहोंउछाहकरिअंजनकीसेष  
 रेषनीकीओपथरिहों कहैकविदेवहोंसुख  
 जिहोंजोमिलिवेकीतोहीकोनिहोरऔरदोस  
 रेनइरिहों फरकोनिसेकबलिहारीइनमो  
 जनकीऐहैबरताततोनिहालतोहिकरि  
 हों ८९ सकलसुगंधकरिमंजनघनसा  
 रतोहिउज्जलअंगोछेअछोअंजनसुधारि  
 हों लगननदेऊपलपलरुनेएकपलमि  
 लैअभिरामजननयननिवारिहों कहतप्रबी  
 नरायमोजहैफरकवेकीसनवाहैनेनयोंवच



नप्रतिपारिहो ज्ञादिना मिलेंगे मोहि इंद्र  
 नीतिपाण्यारे दाने को मंद पुनि तोही।  
 मोनिहारिहो २० **दोहरा** सहस्र उषनीय  
 उपनीयों तब मे विछुरे पीय कैसे कै थीरन  
 थरो सहस्र उषण कनीय २१ **संदेया** मिहा  
 विलोकन घंडिता कागही ये गुण डोगुणा।  
 रावरे डोगुण है तो हमार ई भागहि भागहि  
 रैन परी उन कै हमार भयो भोग लये टपागहि  
 पागहि आये उहां उन कै अन्न मै दोलता टके  
 जावक दागहि दागहि नेरती पांस खिया  
 नकी भोरै हिते न उडावत कागहि २२ भोरै  
 हि आये हों चिह्न उगवत पेच छुटे संग जै किता।  
 वरही वरही नूर बिकी किरनै हम सामरे सो।  
 चकची गति है रही है रही जे नीय मै वनीयोनि  
 सबीत नही अदीयां मय चै रही चै रही है न  
 तरे यां सबै न मै तह मडोर कहा कहै भोरही  
 २३ लाज के लेय चदाहि कै अंग थके सब  
 सिष्ण के मंत्र सुनाय के गारु है सब लोक



थके करि औषध वासुकी मोह दिवाय के  
 कथों को कोर सघान कहै जिन ज्ञान थरों  
 हने हउ पाय के कारे बिसारे को चोरे उता  
 र्यों श्री विष वावरी राघल गाय के २५  
 या बिन है कभु ज्ञान गहैर सघान को ल्पा वै  
 ज मो मन पांही लूटत है बने मेक सोही न  
 न मेक हाही सघी लूट कहांही अंग सों अ  
 ग ज्यों ज्यों ल गि जान न्यो तो नही अंग दि।  
 अंग स मांही वेम चले पछले प गय कउ  
 प्य गवार क लौ पि र जांही २५ कइ सो।  
 कोर सघान कहै श्री धैले न उरंज हो दो।  
 ले व में सुष मोर रहे जित ही जित ही तित ही तित ही  
 उक सों निक सें वह काहे को मोत न हे रह  
 सै इत काहे को मेरो ही यो हल सै श्री मा  
 त की वात न जान कही सघी बाहिक से नहि  
 मोहिक से २६ **कवि** कंचन के मेदिर  
 न डीठ ठहरा न ही सदा दीप माल लाला  
 मान कउ जारे सों और प्रभु नायी तो हो कहां



लोखान करों कै रीति हार भूप भीर टरत न  
 टारे सों गंगा नू मेझाय सुकता हल्लु राय  
 वेद वीस बेर गाय ध्यान की निप सकारे सौ  
 जो यै ऐसै भये तो कहा है रसधान कहै चित  
 दैन की नी प्रीति पीत पट वारे सों १७ सब ही  
 के छोटा हम आपने सें सदा चो है सभ ही के  
 कान मिलि दोऊ प्राणी थाव ही तेऊ रसधा  
 न घरे हर तेत मा सों देखै तरन तेरे या के निक  
 रन थाव ही अदिन की बात अन हितन की  
 कहा चली हित ते कहा बै ते ऊंचु चन डराव  
 ही हाहा करै घाली देखो देत बताली अ  
 ब काली ते न मेरे बन माली को छु शव ही  
 १८ **सवेया** के सरिया पट के सर घोर लसे  
 उरगेन को हार ठारों देखत हो कब की रा  
 सधान घरे अंगनात मदी ठन ठारों को ह  
 नू आपनी या छवि सों बन टाटे विकाऊ सें  
 रो कन हारों है तो विकाऊ ये लेत बने हस  
 बोलति हारो है मोल हमारों १९ आपक



हाकरिकेकहीयेवृषभानललीसोललाह  
 गजोरत ताछिनंतेअसुआनकीथारनतोर  
 तयदियलोकनिहोरत वेगनजाउउतैरसा  
 षानसक्योअभिमानमेभोहैमरोरत प्यारी  
 पुरंदरहोहिनप्यारेअवैपलआधिकमेवन  
 बोरत १०० तेरीगलीनमेजादिनतैतिक  
 सोमनमोहनगोथनगावत तादिनैवन  
 केसबलोकसोकौनसीघारिजोनाहिजना  
 वत बेरसषानजोरीनतनैकतोहंअबक्यो  
 नबनायछिावत बावरीजोपैकलंकल  
 ग्योतोनिसेकहैक्योनहिअंकलार्गवत ९  
 दानीभयेनयेमोगतदानसनेजोपैकंसतो  
 बांधेनजैहों रोकतहोवनमेरसषानपा  
 सारतराथघनोडुषयेहों छूटेछरावछ  
 रादिकगोथनजोथनहैसोसबैथनदेहों जै  
 हैअभूषनकाहूंजीयाकोतोमोलछलाके  
 ललानविकैहों १ संकरसेंसुरजाहितये  
 वतराननथाननयमवयोवे नैकहीयेम  
 हिआवतहीजडमूछमहारसषानकहावे



नाहि नपै नभुवंगवरंगनावारतपाएनवा  
 रलगावै नाहिग्रहीरकीछोहरीयांछछि  
 याभरीछाछकोंनाचनचोंवै ३ देखिहूवा  
 पराधिकाकोंविनप्यासहीडोककस्योदध  
 दानी प्यायेवनेनल्लोगनमेरसधानकि।  
 तीजियजानरिसानी चाहेकोचाहसोचाह  
 चारुभिनीश्रुषीप्रोमुसवधानी नेहकेसुके।  
 सधाकेसमोएदीयोपीयधारकेथाननपानी  
 ध यामुषदेतसुरेसफणेसगलोसरहेनित  
 ध्यानविचारै यामुषदेतजपैससिभानम  
 हेसविभूतिकलेवरथारै यामुषमोहनप्रदे  
 सचहमुषनेतहीनेतनगामप्रकारै सोमुष  
 मोहननेदकीनारइहंकरबांधचयेरनुमारे  
 ५ **वांसुरीकी** ब्रजकीवनितासवजायक  
 होतैरोढासोंविगासोंकहाकसुरी अब  
 तहमकोयमकाहेभईजोपैकाहलीयोनां  
 कहारसुरी रसधानसबैमिलजेरकरैवस  
 नैनहीदेतदिनादसुरी हमनोब्रजकोब  
 सबोहीतज्योवसुरीब्रजवैरिगनेबसुरी ६

रसमै २



**कवि** ज्ञथोपनि बृदावनचंदनकेचरण  
 छुडायोचाहोहमहंतैलिषनोपुनायोचा।  
 होभीतके ज्ञानतनछिडोयाचनाचतहेव  
 हेनाचषेलतहेदावश्यपनेहीसाजीतके  
 कहैकविकासीरामवाहेनवरातगयेतमे  
 नाहिलामेअलिवानकहेप्रीतके वावरेभ  
 येहोअथोवावरीकहतवातैहैकेविवाह  
 गीतगावतससीतके ७ अथोआयेअथो।  
 आयेअतिहीउछाहभयोअथोएकनैकी।  
 जज्ञनमेचलाईहै अघरइहिनासहागा  
 लीअैसेमेकहैभोगतज्यो जोगकरोयही।  
 लिषीआईहै जादिनतेलिखीयानीबिरह  
 जरतछातीठागरसहानीकहोकाहेको।  
 पठाईहै वेतोभएवावरेयेरावरेविचारदे।  
 षोजीवतषसमकारुभसमरवाईहै ८  
 यहनरियोगयोगसहउथवकहीयोका  
 रुकपहीकेतहै इडरमुकविब्रजअंगन  
 छुदिनभईलैसुषनीदगपालहिसहे ।

ई



ब्रह्मरथतन्नितातपुगेसराणपयानअलदि  
 यलट्टै एकमदसमद्वारविरहीननविरह।  
 कीवानहोनहीयफटे ५ **कबित्रश्रीपति।**  
**के** जाकेअबुजासनषगासनवृषासनम  
 हेसमेसआसनसिंघासनतरेरहे जापरअ  
 नेकब्रह्मरथनकीसेजतसोचंदहेवितान।  
 छांदसीसपैकरहे श्रीपतिरहतजाकेचर  
 णसरणाताकेचाकरसेवारहदिवाकरषंदर  
 हे मंदिरकेथनापीसद्वारपैकलंदरसेवंद  
 रसेवाहरप्रंदरपोरहे ६ देवदिगतारे।  
 जाहिगामेंदेवतारेतारेपतिनअनेकजितेन  
 भयेनतारेहे रत्नारेनैननैनैसुकतिहारे।  
 जनकैरकोटिदीननकेदारिदविहारेहे श्री  
 पतीउचारेनभलीनचनकारेनसुधाकेका  
 रूसारेगथानकेपानप्यारेहे नंदकेडला  
 रथराथकेथरनहारेमोरपंषवारतेनम्हारे  
 षवारहे ७ एहोब्रजराजएककोतकवि  
 लोक्याप्रानभानकेउदोनवृषभानकेमहा।



लपर बिनजलथरबिनपावसगगनवि।  
नच पलाचमाकिचारुचनमारथलप  
र श्रीप्रतिरसिकमनमोहतसुनीसनकेरा  
जितरुचिरचारुचपलाअचलपर तापेप।  
ककीरबुंचवोंपैदैनवनयुगनाचतप्रफुलि  
स्यामलोहितकमलपर १२ मीनसोनला  
दनहयादनदिवाकरसोंइंद्रसोंगजादनडो  
भाटनांबितालसों श्रीपतिसुजानगजबट  
सोंनबटहेमबटसोंनबटडोनटसमिपाल।  
सों बालिसोंबलिष्टनासुनीसंदैवसिष्ट।  
नसोंडोरनाकनिष्टकोऊंऊलसकरालसों  
अमीसोनमिष्टहेनमेरसोंगरिष्टहेनमीचसों  
कनिष्टहेनइष्टहेपुपालसों १३ अंबसों  
नफलगातलसोंनजलडोरमनसोंनचल  
जोधमतरेहेभुंगीसों श्रीपतिसुजानकहेका  
जीसोंनघायकाजीताजीसोंनबाजीडोजहा  
जीनाफिरंगीसों चंदसोंननायहरकंससों।  
नपापकरदससोंनचापथरअवनअधंगीसों  
जमसोंनजगीगुरुनाथसोंनअंगीडोरपुत्रसों



नसंगीकोऊदेवताविभंगीसों १४ **रुस्य**  
**चंद** पडतेपुगाराकौनपंडिनप्रवी नया।  
 टपचटनहोतेहपथानकोनधरते ब्रजतो  
 नरागकोऊसमजनपरतीकछूट्टदावनच  
 दजोनग्रानिअवतरते दत्तकविदेवगोरमि  
 कारसलेतेकहाकरकेसादिकतेकोनभानि  
 तरते नंदकेनहोतेकाङ्गराथावृषभानज्ज  
 कैगनीगुनिगायकहाकविताकविकरते  
 १५ **महादेवजी** कर्मपैकोलकोलहूपै  
 समऊंडलीहैऊंडलीपैफबीफैरसुफनहना  
 रकी कहैयझाकरहूपैसंभूसुरनायकहै  
 संभूरूपैजटजराजोतिहैअपारकी संभूज  
 राजरूपैचंदकीछुटीहैछराचंदकीछ।  
 रानपैछराहैगंगारकी १६ ॥

ज्योंफलपैफबीहैभूमिभूमिपैफबीहै  
 स्थितिरचितपहारकी रचितपहार +



शैलसिगुसवे ॥ कवित्र ॥ ॐ मूषक सवारी डष्ट  
 दूषक मेहारी पुष्ट प्रषक पहारी कोटि विन्न न  
 कारं दोहे लंबोदर नाम से वै काहू मन को स  
 कोर सूर कोर सूर को सो पाम भाल चंदन को।  
 बिंदोहे बडे वरदानी से वै सारदा भवानी दे  
 वै भक्ति मन मानी छे वै पापन को फंदा है सो  
 है गणकुंड पर चंदन भुं सुंदर सुंदर कंज परे  
 सुंदर चंदा है १ **लेहरा** गजमुख सन्मुख  
 होत ही विन्न विमुख है ज्ञान ज्ञाप गयरत।  
 प्रयाग मग पाय पहार बिलात २ **कवित्र** स  
 न्यमत गुण को किस तही की सत्ता सभ सिद्ध  
 की प्रसिद्ध कि। सुदृढ़ दृढ़ मानी ये ज्ञान ही  
 की गिरि मो कि महि मा विवेक की कि दर्शन ही  
 को दर्शन उर आनी ये पुन्य को प्रकाश वेद वि  
 या को बिलास कि थोत्र स को निवास के शोरा  
 स उर आनी ये मदन कदन सुत बदन रदन कि  
 थो विन्न बिनासन की विथ परवानिये ३  
**दोहरा** विन्न हरण मंगल कारण तुलसी सी  
 तराम अष्ट सिद्ध नवनिय के वरदायक रहन  
 मान ४ **छन्द** पवन पुत्र रहन मान वीर सा।



भतोइयमल्लेसीकोटिनबलाषभृतजेरेडा  
 रभल्ले ल्यायेसजीवनसुदीछिनकमैलछ  
 मनत्पायोधरवनचरकोभेषसियालैराममि  
 लायो कहोतोउतगिरिचढोकहोइंद्रास।  
 नटारोवैठपनालैभेदिशेसकोभारउतारो  
 होअवचरगुनाथकोरामप्रतापइतनीकरो  
 उठायलैकरावनसमेतदक्षिणतेंउतरथरो  
 ५ **कवित्र** हरिकोसोवाहनकेविधिकोसो  
 हेमहंसलीकसीखननवपादणकेअंकको  
 तेसकोनिथानरामसुदिकाविमानकिथोल  
 छमनकोबाणछुट्योरावणनिसंकको नि।  
 रिगजगोउतेंउडानोंकेसुवर्णअलिसीनायद  
 पंकजसदाकलैकरंकको हवायीअसीछ  
 टीकेसोदासआसमानमेंकमानकेमोंगोला  
 हनुमानबछोलंकको ६ सहजहीसैला  
 कडेमहागजरकुशायपुहुमीहलतमहादल  
 केपयानतें चिंतामणिकहिसनिसचननि  
 मानचनेबरीवनवसनबिहीनखानपानतें  
 पंचेपिसाचनहोतइरदथकोनसुनिहैकैकि  
~~नमानसुनिहै~~ किलकोनभागेदिगाजदि



मानै गुरुवैहै गिरिसमगरदसो भरिभा  
 रिगिरिजिनपरै विमानआसमानै ७ भा  
 रकेंउतररवेकोंअवतरेरामचंद्रकिपोंकेसो  
 दासभूरभारथप्रबलदल टटतहैतरव  
 रगिरिगणगिरिवरसूषेसबसेवरसरिता  
 सकलजल उचकिचलतहरिदचकनद  
 चकतमेचअसोमचकतभूतलकेथलथ  
 ल लचकलचकिजातदोषकेअसेषफ।  
 एभागगयीभोगवनीअतलवितलतल  
 तैल ८ कहिकेसोदासराजचंद्रसुनोग  
 मचंद्ररावरीजबहैसेनाउचकिचलतहै ९  
 रतहैधरभूरगेदसनआसपासदिसदिस  
 बडन्यावनैहिवलतिहै यन्नगपतेगपति  
 तरुगिरिगिरिराजगजराजमृगमृगराजन  
 दलतहै जहांतहांऊपरपतालप्रप्राय  
 जातपुरइनकेसेपातपुरुसीहलतहै १०  
 सोचोयकनामहरिलीनेसबइखहरिडो  
 रनामपरिहरिनहरिठायेहै बानसुनहोत  
 तममेरेबाणसरसंबलीमुखसरबलीम



५३  
 ५३  
 खनिजगायेहो साखामृगनाहीबुद्धिव  
 लनकेसाखामृगकियोवेदसाखामृगा  
 केशवकोंभायेहो साधुहनुमंतबलबं  
 तनसवंतनमगायेएककामकोअनेक  
 करिआयेहो १० नाटपुरधरपुरतोरब  
 नचुरगिरिसोषसोषजलभूरिभूरिथलगा  
 थकी केसेवदासआसपासठोरठोर  
 धिनननिनकीसंपतिसवआयनेहीमा  
 थकी उन्नतनवायेभूपउन्नतनवायेह  
 तशत्रुनकीजीविकासुमित्रणकेहाथकी  
 मुद्रितसमुद्रसाथमुदानिजमुदितकै।  
 आर्यदशदिशिजीतसेनारघुनाथकी  
 ११ सर्वथा राघवकीचतरंगचमूचयको  
 गणकेशवराजसमाजन सरतरंगनके  
 उरजेपगवंगयताकनकेपटसाजन हूट  
 योतिनतेमुक्ताथरणीउपमाबरणीकवि  
 राजन बिडमनोमुखपैननकेकियोग  
 श्रीश्रवैमंगललाजन १२ राघवकीच  
 तरंगचमूचयधरउठीनलरुथलछाई



मानो प्रताप हुताशन धूम सुकेश वदास सका  
 सनमाई में ठके पंच प्रभूत कियो विधि रैन स  
 बीन भरी तिचलाई इ. खनि वेदन को भव भा  
 र को भूमि कियो सरलोक सिधाय १३ कवि  
 ज कुंज लललित नील भ्रज दीधनुष नैन ना  
 ऊ मुदकटा दवाण सय सुख दाय है स ग्रीव  
 सहित नारंग दाय भूषण निमध्य देश के  
 सरिसुगज गति भाई है विप्र सानु कलस  
 बल छल छेक छवल कृषिराज मुखी मुख।  
 के सो दास गाई है राम वंदन की चमराज  
 श्री विभीषण की रावण की मीच दर कूच च।  
 लिखाई है १४ डेरै डेरै करुतन की वफिरै  
 राम जू को सज के सबै रथ का हू पर थावनों  
 हुंनु भिनि मान बाण खड्ग कृपा लाया नृ।  
 लवै कमान फिर मोहं को दिखावनों बानर  
 विसेष गीछ सुनि हो चमू के लो गैरे नचरी है।  
 र है सुवेग इहां आवनों बाध के कमर साज स  
 मर स मरु चले वा रिधि के तीर साज पौज को  
 पठावनों १५ धारै लागी रुलन दहल सि



54

रपन्नगकोथोललागोचलनकमठधसि  
 तरकों पंकजकेपातपरशिरकतपानि  
 निमिकांपडहीमेहिनीसुखसोधानसरि  
 को धरछारस्यसमानसुगतनकिहंभा।  
 नथांभिगयोधानमगभूल्योरथचुरको  
 अनगनिसेनतेगनीनजागमकदिलका।  
 पैपयानोंआजभयोरचुरको १६ **सदेवा**  
 लंककेयुधकीहुंभीकारणकाननऊपर।  
 आनचजावै योनकोष्टतपुकारपुकारग  
 रोकिनकारकेहोकरुनावै मसलथारा  
 लसोमद्यषाअधियानकिउपरहीऊरल्यावै  
 एअपनीबहुनेरीकरैपरमेरेमालैयकोन  
 जगावै १७ **कवित** मिलपरदेखीतेरेया।  
 यनकीप्रभुताईगिरिपरदेखीतेरेगोपगिरि  
 धरकी राजबलिद्वारनेरोविप्रजलवरणसरस  
 दामोपेदेखीरतिताईराजचरकी कंसपरदे।  
 धीतेरेरावरीरिसोईभोरुऊजायेदेखीसुखया।  
 ईभुजबलकी तानिएकवाणसोमैदानमायो  
 बालिराजरावणपेदेखीकमनैनीतेरेकरकी

की

१८



छाती होत धर धर शेष की धरा धर तर कर म  
 ल मला न भूरितला न तल तल दूट दूट द्रम।  
 छित छट छट तीर गये खंड खुर तार स खे।  
 सरिता सकल जल चरुं गोर चकित च वाय म  
 सि वाय गये अरि अ व नी शा के पि के पि उ ठे रु ल  
 हल सर अ व तं स यं ड वं स अ म अ र्ज न के से।  
 न च ले हल उ ठे भू त ल के थ ल थ ल २५  
 ल प कि ऊ प कि ऊ प का य के क का य जा र क  
 स ल त ल जं ब त ल ठो क त ड ड क डै ये च।  
 पर ये च आ ड आ ड पर ये च दी ये। म स्त क सो  
 म स्त क भि रा व त भ ड क डै क से उ ड क से  
 अंग अंग क स म से ध से पी ठ पर पु से खा य  
 चा रु न च ड क डै मा र्गो धो वी पा ट थो बी।  
 पा ट की ध रा का द्र मा र्गो धो वी पा ट धो।  
 वी पा ट मे प ड क डै २० रि स के च ले नै ध रा ध  
 स की क लं ड प ल म स की क म ड पी ठ क स की  
 क ड क डै सु न्न बा ल फो र त हिलो र त ग ग न  
 गं ग तो र त क गू रा ध अ धा म को ध ड क डै श्री  
 प ति अ ने न व ल वं न म रु वं न नू के ऊ व ले रु ले



तदंतकटकोऊकटै डोकरोमहरनू।  
 कोछोकैऊवरकट्टबोकरोसोकैसताहि।  
 पटकोपडाकटै २१ तबसतयुगमाहि।  
 रूपनरसिंहधर्योदतिरुनाकशप्रभुदीनो  
 वरदेवांको वेतादशकंधग्रंथताकोरनु  
 वंशीभयोद्वापरमेंकंसयज्ञवंसीग्रंथहेवा  
 को अबकलियुगमेंप्रवरंगनेवगर्भगहो  
 गर्बीप्रहारीप्रभुनहीतहोतेवांको अथम  
 उधारणकोहिजदोषीमारणकोआयभये  
 बुद्धप्रभुदीनोवरसेकाको २२ एकैभाग  
 सकतनचौकरीभुलानेयेसेजैसेमृगज्जथद  
 पटनमृगगजके भूषणभणतऐकैपछ।  
 नयकितभयेपछिनत्पोदपटतऊपटनवा  
 जके एकैसरजाकेपरतापरज्योजरतनृण  
 प्रेनलौबरतपरमुखदोदराजके मीरजादे  
 मुखिनखानजादेवपिजातसारुजादेस  
 विजातदोरशिवराजके २३ छूटतकमान  
 केसगोलीनीरवानकेजोससकथसतमोखेन  
 हूँकीशेरमें ताहीसमेशिवराजदावकी।



नीकोंजपरदेसरंगरुहाकोंइकमकरगो  
 तमें भूषणभणतकहोकिमतकहालो  
 देविहिमतहैइहालोशरजाकेभटजोट  
 में ताबेदेदेमूछनकगूरणमेंपावेदेदेघा  
 वेदेदेसन्मुखदेजायकोरमें २५ सिंधु  
 हल्यासिंधुमदंधदल्योककूमतभगणरु  
 ल्योआठौदिसाहल्योपरब्रह्मकों बिंडहल्यो  
 मेरुहल्योमेदरदिमाल्योउद्याचलअस्ता  
 चलहल्योसुरसठकों भूषणभणतभारेभा  
 रभूमितलहल्योहलेविनकोंनदेरहोनहै।  
 अठरकों मिलीभुजबलनबडाईशिवराजे  
 दिगदिलीदलहलनहल्योनबाईगठकों  
 २५ शिवनकोंजीर्णोसलहेरकोंसमरसन  
 नरकहासुरणकेसीनेंशक्तहै देवकोहि  
 मेंसुगतनकेदलनहमेंसरजाकेसुरणकेव  
 म्पवरकतहै भूषणभणतअज्ञोभूतनकेभो  
 ननमेंदोंगेचेद्वतसीसलोथलरकतहै को  
 रुनलफेटेअथफेटेफरलेदेअज्ञोहैइनल  
 पेटेपठनेदेफरकतहै २६ हल्योदलदिही

क



कौनिकरसलहेरशिवाभूषणतमासेआ।  
 यदेकदमकतहै किलकतकालिकाक  
 रतेकीकसकमेंटकरकेअलकभूतरोभस  
 कतहै कहेंहंडकहेंमुंडकहेंजंडशालि  
 तकेकहेंजंडवषतरकेजंडजमकतहै ए  
 लेखगाकंधधरितालगनिबंधधरिधाध  
 रिधाइधाइधरलिकबंधधमकतहै २०  
 कताकीकडाकनचकताकोकटककूटकी  
 नीशिवरानतुंहीअकहकहानीया भूष  
 णगिनेकोशैरमुलकतिहारीधाकसक  
 लविलायतदिलीकीविलकानीया आ  
 गरेअगारणनैताकानियगारणसम्भ  
 तनवारणभुकातकुम्हिलानियो कीकी  
 कसायोंकसोंगरीवीगहेभागतीहै।बीबी  
 बिनसुथनसुनीबीबितानीया २६ डा।  
 गबरइगानीनोससनासिवाजीगानीडग  
 मेटेडगाहेंडमुंडपायपरके भूषणभण  
 तभारेजीतकेनगारेभारेसारेकरणाटभूष  
 मिसंघलकोसरके 'मारेभारेसुभटपणा

मै



रेबारे उद्धमरता रासमट्टत सितारा की मि  
 खरते वीजापुर वीरण के गोल्त के शधीर  
 एके दिह्नी उरमाण के दाउम से दहके २५  
 इंदु निमिन्हं भय बाउवस श्रंदु परगवण  
 सुदेउ परर बुजल राज है योण वारि बाह  
 पर संभूरत्ता रूपर न्यो सदस वाह परगमा  
 द्विज राज है बावा द्रंम दंड पर चीते मृगकं  
 उपर भूषण वितुं डपर जै से मृग राज है तो  
 जत मशंस परकाइ जिमिके सपर न्यो मले  
 छबंस परसे रशिव राज है ३- रावण को।  
 राम छत्रयण को परस राम काम को न्यो वा  
 मरु रिनाम न्यो कले मछ को + कीचक को भी  
 मंडो प्रलंब को न्यो बल देव भरूरि हय धा  
 र कर हरि ने छ को जैसे कंस के सीवक काली  
 मुख दौं चोतुं मते से कमले छ दौं चो मृगल म  
 ले छ को ३१ माउव उ न्ये नभूमि भूषण सभे  
 लमाह सरूर सिद्धो जलो के पाव डे पर न है नि  
 लंगाने फिले गाने करण टक सिलंगाने वस  
 तहि मजहारै धीर न धरत है साहू के सयत शि

नागन को खगपति नागन को सरपति मुगन को मृगपति र विलोत मेछ को



६  
 ५७  
 बगजवीरनेरीधाकगाढेगाढेगढहैअग  
 ढयरतहै बीजापुरगुलजुंडाआगरेदिल्ली  
 केकोटबानेबाजेदिनदरवाजेउच्चरतहै  
 ३२ धाईडोरपरैघोरघरघरजोरसोरनाही  
 डोरशिवाजूनगारेभारेगरजै भूषणजै  
 पाईपातसाहीमालकोउजीरवेरुबालजै  
 सेवानगाजसांसचरजैएककहैदेणालेउय  
 ककहैडंडलेइएककहैगढलेउकोटि।  
 जंगबरजै करतबकीलीसरजाकेदरबा  
 रछरीदारनसोहोतपातसाहनकीअरजै  
 ३३ बारसोबिसालजीतकियोभूमिपाल  
 करभेसलाप्रतापकीनोभारीभुवभानसो  
 असोकीनोंसाहकेसएतरतएतहनेअसो  
 भयोसोयहैनहैहैकाहैआनसो यदिलज  
 तवसाहनोरंगहंगयेभागभूषणभिरैकोंडै  
 रसरजाखुमानसो तीनपुरसपुरकेमारिस  
 बएकबाणतीनोपातसाहिशिवाएककिर  
 वानसो ३४ बुरीकरीचेदराउजावलीजबद  
 करीलीनोहैसंगारपुरीयाहैसुधायकै ।



भूषणभणतनुरकाणदत्तसंभहसों। मार  
लीयोअकनत्तसफलगजायके एदित्त  
सोंवेदित्तहरमकहैबारबारबीजापुरलैन  
जोगबाहनछनायके भेजअन्योंभेतशि  
वराजकौरसालेकतबाजीकरनालेपरना  
लेपरआयके ३५ जोंमरबुदेलेभाटीचों  
हानचदेलेवैसवीसनेबवेलेरहैरयतकीग  
रुसों भूषणनरुडाकछवारुहगदोरडो  
रगोडवडगूजरपेचाकरीकीचारुसों कै।  
ऊबरसवीतीनौरंगनेबनेवकीनोंकछना  
वसातैरुंछिवाजीनरनारुसों नट्टाऊली  
आत्तमयठानहंसुगित्तडोररुद्धामरुद्धा  
एकवीरपातसाहसों ३६ गरुडकोंदावा।  
सदानागकेसमूरुपरदावानागनरुपरसिं  
रुसिरनाजकों दावापुरहनकोंपडाउन।  
केऊलपरदावाडोरपछनपैसेनपरवाज  
कों भूषणभणतडोरसबैमारुमंडलमें  
तिमरकेदावारविकिरणसमानकों ३७।  
मैददिणमैधूरवसैपछिममैजहोपातसा



५५२  
 ५४  
 हीन हो दावा शिवराज को ३० बाज गान  
 सुनियत से ना सब साज साज मोरी शिवरा  
 ज दिल्ली दे सन जु खन की भूषण भणत।  
 बांर बंसी यान को रुच्छा रुच्छा नत कर ही  
 कानी यों रुखन की तानी यों नतिलक सुप  
 ती यों की ना ही सुद्धा उच्छा उभाग गयी से न  
 यों सुखन की वाली यों विशुर गई काली  
 यों सरथ गई लाली यों उतर तर कानी यों सु  
 खन की ३६ बैठार दई चौकी उमरा उचौ सु  
 नन की खान सततान हू के बीच से निकै गा  
 यों रुके सब छाट बाटो ट बांध टा टन की।  
 बरस हू को ये डों पाल हिंद हू में छै गयो  
 लागे परम जमत दिल्ली पत धर का न भूषण  
 भणत यों विघो गी सु कि तै गयो बडे बडे राजा उ  
 मरा उपात साहिब को रु बिछर दे पाल क परे बा  
 से बाहू गयो ३५ राउ उमरा उ सब चौक समें  
 चौकी देत आगरे नगर मोहि कारण कहायो  
 हे हिंदू मसल मान रा मरा मन पे न हू  
 सुमाहि जहाने दसिर मंड पछवा यों है



उत्तमैदक्षिणमैश्वर्योपच्छिममैभूषणभ  
 णतप्रवैतेरोजसगायोंदै शिवाम्कीर्ण  
 पाकोभेटदेसबदेतत्रियातेरोयतिनौरंग।  
 केनवोरंगलायोंदै थ० उत्तमैसरजषयतस  
 रजासिवाकेवीरसारुतकेउरणकपरेयापु  
 रकनके भूषणभणतपरनालेगछखा।  
 कीपेदेसैफिरचहंगोरकोणमुरकनकेसर  
 दीभवानीहनेमैरुदीसद्यौरैजोरवीजापुरवी  
 रदिह्नीसरदुरकनके नालेचलेलोहके  
 नहालेचलेदलचलेभालेमररुदनकेता  
 लेतरकनके थ० शिवराजवीरैरुतैजय  
 कोऊमारशरोपेजकोपहारशरोराजागउरा  
 णातैं चित्रकाठचक्रवैविराजैसकप्रक्रम  
 मचासोंचक्रोरणमरदमरदानातैं दरवि  
 दराजकविराजमसारजासोनभूषणसले  
 कीवंसविरदवषानातैं बाणअजमदाखा।  
 लगेदखाखनोदारुसारणअमोदाहोता  
 रोदाकेरसानतैं थ० शिवराजकीसारुवी  
 वषानीबडीहोनसारजाकेरजप्रतपरभूमि



भमकतिहै भारेभारेभारभगानेगछदे  
 देनारेकारेचनघोरज्योनगारेचमकतहै  
 राणीडोयठाणीमगलानीविकलानीफि  
 रेसमगसमगनैननीरऊमकतहै ददि  
 णकेशामिलकोदिलीमेसलामीहोतचं  
 मिलकेवारपारनेजाचमकतहै धइ नौ  
 रंगकेजसनरुसतनकीपैनमोजकोज।  
 कीमजेजरहीकाहमेंतश्राहसों भूषण  
 भणतगुणकोणकोबधानोछोडसरजाख  
 मानजोहैदाताहैउछाहसों तजकरवा।  
 हाडौरजाउमरावनकीवैरीभयेनयेजब  
 अजसकीचाहसों कैरैजसपारेशिवराज  
 पेडीदारभएकबिनकोंपालिकोबिगारीपा  
 तमाहसों धंध कोदगछलीनिहतएकपा  
 तसाहनकेएकपातसाहनकेदेसदादिइ  
 नहै भूषणभणतमहाराजशिवराजएकसाहन  
 कीसेनापरदुगावाहीहतहै कजिनहोयवैरिणकीबा  
 लाअरिवारवुंदतोरततिहारेअरिवनगादिहतहै  
 रावरैनगारेसुनिवैरवारैनगराणैनवारिवगर  
 (एकैरुपापहतहै)



तेगवरदारसाहपेखावरदारसाहमाहे  
 सबकरेहतमनचितचाहको पानीपीक  
 दानीपाहपोसवरदारसाहतहोतहोठा  
 डेगितैभूषणसियाहको साहनकेजेता  
 पानसाहनकेदानखानजाफरसेखेमा  
 नमेदेसरनाहको तहोरुवामशिवा।  
 करडेजवाबदेतद्यमसमदेष्टोग्रामखा  
 सपातसाहको ध६ सबनकेऊपरखे  
 रहनजोगग्रानितहोखेकस्योछहजा।  
 रीजानिनीयेरें जानेगौरमिसिलगसीले  
 गसाधरमतकियोतसलामनवचनकरे  
 सीयेरें भूषणपुमानमहावीरलाग्योव  
 लगनसारीपातसाहीकेउडायगयेजीयेरें  
 नामकसोतलमुखनिरखशिवाकोभयो  
 स्याहमुखजेरंगसियाहमुखपीयेरें ध०  
 पलभरपलेघनेधरामैनधर्योपावनेऊ  
 मगयनि सदिनचलीजातीहै अनिश्रुता  
 तीनाछपातीवातगाननासहातीनेवेमुनि



अऊलातीहै साहूकेसप्रतशिवराजकी  
 रतेरीधोकछाडिसारभारबुद्धवीरमनला  
 तीहै परमनरमजेइरमपातसाहनकी  
 नामपातीखानीतेबनासपातीखातीहै  
 धर अतरसगंधसोधेसरससुवासबनी।  
 सहजसरीरकीसुवासबिसरातीहै यल।  
 भरपलंबनेधरामेनदीनोपावाफिरैबना  
 बनपातीयानविललातीहै साहूकेसुप्र  
 तशिवराजवीरतेरीधोकअरिणकीनारि  
 करमीडपछतातीहै कोऊकरैछानीको  
 ऊगीतीपीठछानीकरैतीनवेरखातीतेवी  
 नवेरखातीहै धर दाराकीनदोरडोर।  
 सुजाकीलगाईनाहैबांधेपैनुहोतहैसुरा  
 दसासुवाको गाछेगछेलीनैकैईबैरी।  
 कतलामकीनैजहोतहोहासिलउगाहनहै  
 सालको मधुविषनाथकोनिवासपांवगोऊलकोदे  
 वीकोनदेहरानमंदिरगुपालको वूडनिहैहिहीनैस  
 म्भारेकोनदिहीपनयक्षाग्रानलागोशिवराजमहारजको



निहि फन कुंकार उतय हार भार भूतल भ  
लसि पीठिक मठ वदलि गौ निहि विष ज्वा  
ल मालावती नवली न हो निहि चिंका  
र छार दिगज मद्रुलि गौ की नों यय पो  
न जो ज दान कुल कूर म उ छलि जल सिंधु।  
फल भल वल रुलि गौ खग खग राज मा।  
दागज शिव राज कौ प्रषल वल नाग मुगल  
दल निगिलि गौ ५२ सूरज सरकी फ।  
त रुलै शिव जी फि स्यां आडे आ प उ म रा ऊ डे  
र अंग डोल के भूषण भणत देषा देषी भई  
दो डंडोर एकामेक भये गोल चंदोल रुगेल  
के गोला वल गेली चली तीर तें वार वले  
अहे सर रुहे भीम भीषम की तोल के करि।  
वम सान ली डो लों दी के नि सान मारि दा डद  
के दा र्थी डोर साथी बड तोल के ५२ पैद  
ल शिव के बाठ के दाल नुस भेली डो यदि।  
ल के बाठ च छि चो की दार फिर ते भूषण भण  
त फने खान गों बिलारि भई फले भेस ला की भ  
दा भीरण सो भिरते रुंड नाच मंग उठे कुंशण

२



५५  
 ६९  
 ६१  
 फलिंगउडेऊंउनकेकभटमेंफिरंगितकीकि  
 रते मुंडनसमेतरिपुरुधिरकीधारालागी।  
 नारासमहुटतसिनाराकीसिखरतें ५३  
 ढहाकीदवाईगुजरातकीमिललाईजामहों।  
 कीअपनाईसबसाहिवीउदारकी माउव  
 कीलीनीकीनीआसेरअधीनीछीनीभूषण  
 त्योंदेवगिरिवदरबगरकी बाननसरुन  
 कोज्योसादभोत्रिकजाताहिजीततशिवाकी  
 गाजीनैकहेंनवारकी मबलप्रतापहीसो  
 मारजारिवारिकीनीराषीपातसाहीनबला  
 खअसवारकी ५५ जमनकेरोजजाय  
 कीनीहैमुलानमातिठाडीउमरावनकी।  
 यांतिभांतभांतहै भूषणभणतछत्रपति।  
 बैद्योतषतपैहोतदेयापतिनकीअरजैस  
 हातहै हांढकीयेजहांछुस्जिजारनकीजा  
 षगांहैतहोशिवराजतेरीआंधैभईतातीहै  
 त्योंहीतेरेतेजछिनियातछिपिगयेसबन  
 रुणकेनेजत्योंतरैआंधिपिजातीहै तेरो।  
 तेजसरजासमत्यदिनकरसोहैदिनकरसो



है तेरे तेज के निकर सो भेसला सुवाल्त तेरो  
 जसहि मकर सो है हिम कर सो है तेरे जस के  
 सुकर सो भूषण भणत तेरो ही यो रत नाक  
 र सो रत नाक सो है तेरे दीय सुखर सो साहू  
 के ससत शिव राज दानी तेरो कर सरत रु सो  
 है सर तेरे तेरे कर सो ५६ वाण अरजना  
 को बषानत है मति राम गदा भीम सेन की स  
 दाई सुभकाज की इंद्र जू को बज्र वास दे।  
 वज्र को चक्र ज्यो सुमलन की मुष्टि का सदा।  
 ई सिद्ध साज की उंड उंड थरि है उंड न के उंड  
 उन को नखन की भानि नर सिंहाज की से ६  
 भु को विष्णु लसंभु सिष्य को ऊधर संभु स।  
 न की सकाति सम से शिव राज की ५७  
 राषी हिंडु मान हिंडु बानी को निल करायो  
 स्मृति पुराण राषे वेद विधि सुनी में राषी र  
 जशती राजधानी राषी राजन की धरा मै धर्म  
 राष्यो राष्यो गुण गुणी में कहै मति राम।  
 जीत रुद्र मर रुद्र न की देस देस की रति बषा



नैमुनिवनीमें साइकेसयनशिवराजस  
 समेरेरीदिहीदलदावकेंदिवालैरांघीउ  
 नीमें ५८ कोयकरबालगहीनृपशिव  
 राजबलीबारणविकटगढकोइनगरुत  
 है जमधरधूरनधमकधुरनालनकीरतन  
 यतनरतनाकरचरुतहै सागरमथानोंचि  
 तलंकापनिसऊचानोंभूषणनश्रबकेंसेनि  
 बरुतहै फोडाकीफतूरुसुमीरावणकेगा  
 बनकीधामनबकीलकालिश्रावनकरुत  
 है ६० आसपासवनतामेंपैठननमनत।  
 हांवाद्यणकेबनवरणतकविश्रुठकै कहक  
 रीकारेफिरेदीरब्रदतारेबदेमदकेपनारे।  
 तिनतोरतोरपटकै बनउपवनदोऊचाही  
 यतचहंडोरतारंगीसुपारीनारियलकह  
 लटकै ताकेमधरायगढबिंधसोंबिग  
 जतहैराजाशिवराजमनसारुनकेसटके  
 ६ बाजननगारेआवेंश्रिनतमारेपरेनि  
 रिनडारेलंकवारेआसकोंगहै केतेविक



रांकेतेष्टेफणितफहारेफटकारेसेसह  
 सहे संभनूपभारेसेवासाहकेडलारेतेरे।  
 सजसपखारेगुणकलसकहाकहे तेग  
 मतवारेतेवेजंगजेतवारेतेवेदिहीदलसा  
 रेवनजारेसेफरेरहे ६१ कौयोंजायबसी  
 येयलायपारिवारिधिकेकौयोंआयहुतिप  
 प्रथमयाकीपरजा भूषनभणननूपके।  
 सोकेऊवरहसोंवैरजिनकरैमैरुजारवा  
 स्वरजा भूषणभणननूपकेसोकेऊवरह  
 सोवैरजिनकरैमैरुजारवारवरजा देवप्र  
 समानमैतिसानफरुगानलागेनगरके।  
 निकटनगाराग्रानगरजा चेतप्रजोबाल  
 मभईनमनमालमसोआयोजेगजालम  
 बलातरवानसरजा ६३ सवेया सुठोर  
 केठोरप्रठोरकीयेपरुहुनजीतनकोप्रभि  
 लाषों यादिसोंग्रंधउरंधहेयाबलंयोव  
 लसेधुनेभाषों संमुप्रसादबलीजेरुडा  
 परमागनीमप्रनीकराषों श्रीमहारा  
 जबलीसिवराजतेनौरंगमेरेगएकनराषों



केपरुलेउमराडोअमीरनकेरकीयोऊसा।  
 वेतअनवा केऊनवखोंकेदाउदखाकिरि  
 कीनोमहम्मदखाअनिकवा भूषनकीनो  
 वहाउरखोंजवमीरमहम्मदखाअनिकगा  
 सूषतनेनसिवाजीकेसाजसोपानसोठार  
 तडोरंगसूवा ६५ डोरंगजएकडोरसजेए  
 कडोरसिवानपखेलनवारे भूषणादिही  
 डोददिलादेसकि एदोऊठीकठिकानमुना  
 रे साहिउऊंमपुमानकोषमापुटैअस  
 समानजराननिहारे आलमगीरकेवी  
 रउजीरफिरैचोगानबटानसेमारे ६६  
 डोरंगरावनसीरुसमानरुरीवरवासबरा  
 मसुहाई छुडगनोतमतोनसमुद्रसो  
 रुद्रकेरूपकरीअधिकई राकसपान।  
 कोंयोगिनमातगनीभणभूषणचित्रसु।  
 हाई लंकदिल्लीसनकोषिजरायसुहा  
 योंशिवाहनमानकीनाई ६७ तैसिवरा  
 जसितारोलीयोभणभूषगानसबैअरि  
 अडे स्नेहनकोकरिभछणतछनत्तछ



नडाकिनैगोइकउडे केसिकबंथनरंथनलो  
हृफरसुयोउहुंदेशतिबडे वीरवरंगण  
व्याहनमोहिमनोगछपरश्रुदतगडे ६६  
**कवित्रबाजीराउके** सारससेरवाकीरखा  
नकसेसाहिजादेमोरसेमुगलमीरमीरमे  
सचैनहीचगुलासेवंगमविलोचहोनबन  
कसेकाबलीऊरंगरेसेजेगमेरुचैनही या  
सीरामखिलनसितारेमेसिकारकारुमेभा  
कोसुवनतामोइसनमचैनही बाजीराउ  
बाजकीचपेटैचुमचहुंडोरनितरतरकदि।  
हीभीतरबचैनही ६७ **कवित्रजसवंतरा**  
**उसेधियाके** चटतजसवंतराउवीरकोन  
धरेधीरजुरजनदरवारहोतहाथबांधसा  
रणी मारलीनेमुगलफिरंगीसबतोरफो  
रतोपनकेगोलनतेगाछेगछयरणी चरु  
चकराजपेविगाजमानतेरोतपसारधारनी  
रतरवारणकीकरणी धोसासुनिधीरजा  
नदिगादिगपालनकेसकहोनसुरपुरमो  
धकहोनधरणी ७० उकादेइकारचवो



बडेवनदहिएनेकैनेगतागजगजदोरबसकी  
 नहैं कोऊऊपिकोऊचपिकोऊलुकिकोऊ  
 भजिकोऊभयेसाणतेंअभेदानदीनेहैं क  
 हांलौप्रतापकाहोगउनसवेतनकोचछन  
 सुभहसंगसरअंगपीनेहैं मृगसेपिरंगीने  
 पिरंगीसबघेरघेरपहेकीचपेटदेदपहृकर  
 दीनेहैं ॥ अमितउठानकैकैवीरणको  
 वीरदेदंगगापरपेरफेरघेरसबचडासे की  
 नानबदेलाबबमेलापैरपारभपकलपि  
 पिराणलैलैभानेभयसहासे कोणभान  
 वरणोप्रतापबलसंधिआकोंघेरघेरमोरस  
 बरेनखेनसहासे लैलेकरपहाछहानेसर  
 रुहापहाविकटरुहेलनकेकारेसीसभु।  
 हासे ॥ **कवित्तअवधतसिंहके** नुडकों  
 चंदतदलबुडकोंसजगनबलैकलौअतो  
 कनकेपसरपसारेसे भूषणभाणतभारे  
 गाजतगजदकारेबाजतनगारेजानअरिउ  
 रगारेसे धसकैधरकेगाछैकोलकेकडा  
 केडाछैआवनतगारेदिगपालनतमारेसे



फेंनीसेफनीसफणफरविषहुरतातउछ  
 रउछरसिंधुफरमेंफुहारेमें ७३ नादिन  
 चढतदलसाजप्रबधतसिंचतादिनदिरां  
 तलौंनुअनदादियतदे प्रलैकैसंधारधर  
 धमकैनगागाधूरधारतैसमुद्रनकीधारा।  
 यादियतदे। भूषणभणतभुवगोलकोल  
 कहलतहलतदिगाजमगजफादियत  
 दे दबिदबिकचरिफणीसफणमेंडलपे  
 कमठकीपीठयेपिठ्ठीसेबादियतदे ७४  
 कवित्तविक्रमद्रुदेशसों घराणसोंघोराणसों  
 घनीघराणीनसोंरुथिआराणसोंबैरणिक्कें।  
 परिगोबिछोरुसमें कंदैरुकिशसाध  
 रकीसरुलसरुलदिलीसपरेतरफजरो।  
 रुसमें विक्रमद्रुदेशमृतिहारेदलदौर।  
 एतेहैगपपसारतंगपुंगीफलदोहासे  
 कायलभोंकोलचनचायलकमठयाकीपी  
 ठरुहचियकफलदफलकोरुसमें ७५  
 कवित्तजगतैसकों कादेकोंसजनसेनद  
 करकीटिककरनेकनौरहणदेरुप्रियाण



आसामी कहैं हरिकेश गने सते रडो ज  
हीनैं उतरी रहत साह फौं जन की ना सासी  
येग मे पदारसुष पुरी सी पुहोमी मिट जै है  
मेस जे डली जले वी के जमा सासी वंड की  
गनेरी सी पिचक जै है कोल डाड जै है रेकम  
ठपी ठसम कवता सासी ३६ कवित्र विं।

नाम शिर्को शक्र जिमि सेल पर अकतम  
फेल पर विजु की रे रेल पर ले बोद रले छि  
ये गमद सकंध यभी मजरा से थ पर भूष  
लज्यो सिंधु पर ऊं भज विसेषी ये रुरज्यो  
अनग पर गरुडे भुज ग पर कौरव के वेस पर  
यार शज्यो पे छिये बाज ज्यो विहंग पर मि  
धज्यो मते ग पर जै से चतरंग पर चिताम।

लिंदे छिये ३३ कवित्र छत्र साल बुदेला  
के छोर छन छटा में गार्ज दगरात चले प  
ले बिजु छटा में निमान गरुगार्ज है ला।  
लकै रुह यपुर तारण पदार उडे प्रवर मे।  
जार जार वंद छरुगार्ज है धायो बच मे।  
लाते बुदेला छत्र साल वीर खेला छार उड



थिउदंडलहरातै है थौसाकीधमकेसुनि  
 मेरुकीमिषरपरथारकेसेमोतीगीरबासा  
 थदरातै है ७८ लीनोदेसदक्षितिले  
 गकरनाटकलौथबरेगजेतवारजंगनकी  
 ज्वालकों विरचोंमदेवालजनेवालौ  
 दबापदेसचरुकोदधाकभयोंजाकीकर  
 बालकों लालकरेदेचलोदिनेमकोप्र  
 तापतेजहैगयोअमलरायचैयतिकेला।  
 लकों वादरकीछाहलौउसरपातसादी  
 रहीफैलरह्योआमसोपतापछत्रसाला।  
 कों ७९ सुरबहेपायमालदक्षिणवा  
 पीहैचालदहचालयछमदरिआबलग  
 पैलाकों उत्रकेरुथजोरउत्रकरतआ  
 नउत्ररहेकोऊनकरतखगनेलाकों निह  
 कालछत्रसालसाहिकेदलनपरकार।  
 खलैछोरतहैभटकज्योभेलाकों चार।  
 रुंदिसापैदलदिल्लीकोअमलकरेदिही  
 केदलनपरअमलबुदेलाकों ८० देव

२१



नसहितकरसबनबहिनहितसेवैपरत।  
 छपछसहितउमायाको लछलछफो  
 जनकोमौजनमौजनमेंमारेचछि को।  
 ईधोपधारेचछेकदौपलकायाको अ  
 छपतिनरभुवछत्रयनिकैदयारागमब।  
 सबसयससबसरकलसायाको की  
 तोरनाछनातोदकरदोऊकोऊपावतन  
 पारयाअपारतेरीमायाको दर अछी  
 रषयनकीदाधीसीरहतछातीबांधी।  
 जगहहमरियाददिउवानेकी कछरा  
 ईरैयनकेमनकीकसकडोरमिटगईठ  
 सकतमामतरकानेकी कहतनिवा।  
 जीदिल्लीदिलमेंथकथकानहोकसुन  
 गनाछत्रसालमरदानेकी मोदीभई  
 चंडीबिनचोटीकेदलनकेषायछोटी  
 भईसंयतचकत्राकेचरानेकी दर **संदे**  
**या** गजछालछलीभुवचालषरीअलि  
 कालसमद्रमेंअंकस्त्योना नेगजरे



सुलतान मुगद सो थो एकी गंग मे छत्र च  
 लोना चौ परही चौरान के चित्र मे गोर की  
 नेव मे मार मलोना छत्र चले छि नि पत्र च  
 ले छत्र पाल चलो छत्र साल चलोना पर  
**कवि** प्रबल पदारे पै न माने परिहार  
 नेज बाच मे बघे लाव चैं ब्यां त चित चारु के  
 भूषण भणत जार खंड के मुख डले ते उथ  
 प के था पे वीर प करे सलाह के आगे प्र  
 या गोर मे सला मरो जल गचं पति को चो  
 थ देत हा के बल बाह के छत्र साल दोल  
 न बिसाल साल साल साल उर साल होत पा  
 न साह के रुध मुद बिन अब प्रलम मुद  
 प रा ने हूँ कै गो ल बिन स्या ने बर लोल बि  
 न हाल के नमी धर मरु मरु श्री गो ब वि  
 ल कमी धर अफ गण साथी कलिकाल  
 के भूषण भणत पर गोर गन पा वै कल  
 सुनि सुनि खल ए बुदे ला मही पाल के  
 चौथ बिन दीने उ मरा वण जिं जाल जात।



६६  
 ६७  
 मालवरमाल एसे ध्याल छत्रमाल के  
 ६५ त्रोधपुस्वीकानेरामिरकमोऊबो  
 थोकोथोनवरणवेकोबाथेवल्लिकाल  
 पे भूषणभणतगईदिजदेवताननजसे  
 छनकीसेवाहोतसुखिहवातपे सब।  
 हलजाईतेगकाहनबजाईइहफेरतस  
 जाईगईकाइएधीयात्तपे राईरायचे।  
 पतबडाईलरिसाहसोरजाईलैनआईहै  
 बडाईछत्रमालपे ६६ माजगजबानि  
 गजगजकेपठानफोजभूषनजउमा।  
 उबुमडमछकैरही चंपतकेलालछ  
 त्रमालकरवालगहीरावलीनीबिरची  
 जलालपुरकीमही ओरंगहूयेदिलय  
 ठाईहउकीलहारेजोरजोरकटकखजाने  
 योलिकैरही भूषणभणतकहोकोले  
 सोनरिपुजाइचेरचेरजेगबसफेरफेर।  
 कैसही ६७ एतेसबराउरायचंपतकोच  
 छोछत्रमालवीरभूषणसमानसिंघज



मकै भादोकी बटासी उठै गरदगगन घे  
 रैसै रैसम सै रैदामनी सीदमकै खानउ  
 मरावण के औरगजगण के सुनिसुनि।  
 उरलो गोबन के सीधमकै वेहद बगारि  
 ण के श्रिके श्रगारिण के छादतपगारिण  
 नगारित की मके छप चाकचक्कचम  
 के श्रचाकचक्कचक्कचक्कचाकसी फिरत।  
 धाकचंपनि के लालकी भूषण भणनी  
 के पातमाही धुरिदाविकेर के रीकाहें उम  
 रावकरवालकी सुनिसुनि मीत कोण दे  
 तहै छछपण की शयण उशयण की री।  
 तछत्रमालकी जंगनी तलेतहै कैदमद  
 मदेवा भूष सेवा लागे करण मदेवामही।  
 पालकी छप सेलन सों येत पेलषग  
 ण सो येत के लिस सुद सों जीत के नसमद  
 लों बषाणाहै भूषण बुंदेल मणि चंपत  
 सुसुत श्रगै जके जंग भागै वाचै मरदम।  
 धानाहै दंगलि के बलि के उदंगल ल  
 टायोनी कें दिस्मिन्न श्रीयाव जेकर कख



६२  
 ६४  
 जानाहे वीररसमन्नातासोंकोपनिचक  
 तानीकोपेसोसाजसानियोंत्पोंछनासा  
 मयनाहे ५० उरुडेहैद्वंकनकेसबदति  
 संकसनिबहवहीसत्रुणकीसेनाजायसर  
 की भरेकैअरावोंफेरतीरकसत्पारभयोसा  
 सिजहंसैजपरछातीजायथरकी साधि।  
 नकीउमउद्युमउमादूरावरुकीत्पोंज्योंछा  
 तीउमउतछत्रसालपरकी फरकफरक  
 उठैभजअसुकरवेकोकरककरकउठैक  
 डीबकतरकी ५१ **कवितछत्रसालरा**  
**आके** तैरेडरिषदिलवसतदिलवेदिल  
 कितेउरअंबरकोबरछीजियतहै नादि  
 नतैरेयारायतनअवणसुनिसहजसुवा  
 सतपिआलोपीजयतहै केहरिसकविजै  
 सेसतरंजसादिलगोंसाहिनूकेमुररा।  
 मुरानेदीज्युतहै जहानहोगीरको।  
 करेरोकामपरैआनितिहैंठौरसाआ।  
 निआडाकीजियतहै ५२ अऊलानीकी  
 रतिसवामुविललानीफिरैडीहकेरिपीठ



देवैष्टपवैदेदानैते तेरीजसरीकीसरणा।  
 आइछत्रमालगोपीनार्यनैतोषीगवरेयु  
 मानते मानदेवैदानदेवैचोरेदेवैसाथी  
 दीजेजिहिंविधिरीतिहिरापीसनमानते  
 धर्मधनार्थआडाआठोयामदीबोमाडाआ  
 डाभयोआडाननोचलीथीजहानते ५३  
 हाडासरजनजिनजीतेनृपनृजनकेआ  
 डाचहंवाणचहंचकनमेगापेहै हाडाग  
 यभोजनसोमृच्छागेकविछत्रकहिहाडा।  
 रमरजनचकनाविचलाऐहै ऐडमैरनो  
 रिमाथोसिंहकेमऊंदहाडाअरिणकेहाडा  
 हिस्त्रोणिनवरूपहै हाडाकीलडाईसा  
 हिस्त्रजाकीबडाईयातेहाडासादासाहा।  
 नसोआडाहोनआएहै ५४ **कवित्रसवा**  
**इनेसिंहके** एकैसमिएकैसरयकैसरमे  
 डलहैएकैचंद्रलोकहैचंद्रनितनारीमें  
 एकैनागलोकएकैसुनियतएकैनरलो  
 कलोअबनिअबगाहीमें एकैहरिलोका  
 परिलोकएकैइंद्रलोकएकैब्रह्मलोक



कलौ कालौ कएक लोका लोक याही में  
 राजन को राजा महराजा श्रीधिराज राज  
 एकै पात साहराजा एकै पात साही में २५  
 एकै तन एकै मन एकै पुन्य एकै प्रण एकै वि  
 त एकै हित राषै चित चाही में एकै हिंडु बा  
 न हिंडु बानी कौ निल कएकै एकै दे विवेक  
 औ पुनेक मतियाही में एकै रघुवंस गुल्ल अ  
 सरि पुरावण कौ एकै रघुवीर थरै ध्यान नि।  
 त ताही में राजन के राजा महराजा जै सिंघ  
 बली एकै पात साहराज एकै पात साही में  
 २६ विरचो समर भीम बाई जै सिंघ वीर व  
 चो नहु मन को डल्ल के दरै में दल्ल मर  
 दंग भैय दिगाज दिसा निसुनि घोरे तेउ तरि  
 वमसान की नो घेरे में मृंदोर विमल लचल  
 लमाची तेदन के बरि एक मै धिरि जे घोषा प  
 ल जनेरे में डह डही डोक डोक डीकि नीन प  
 डुचाई डोक चौकी बर डिगंबर के डेरे में  
 २७ करन मगखी जो डखाबर की डाख चडी  
 पुनि जे पास राम नीती बल बाहु के फेर।



मातोसिंधुनिसमेतकरिहेमहाराजराखी  
 रघुबंसनहूँछत्रणकीछाहूँके पांडवज्यो॥  
 पाईकरकौरवणआईगनाष्टयुजोबनाई।  
 गिरिमिदिमदिमाहिके सोसबपुहुमिहा।  
 थआईयातसाहजकेयातसाहीहाथनय  
 सिंधुनरनाहूँके २६ **सवेया** करमश्रीज  
 यसिंधवलीतप्रयादिनबंबवजीऊरुषीतें  
 बैरिणकीबनिताबिललायचढीगिरिगा  
 हरदेहजुषीतें अंबरंगसुरंगविभूषणा  
 तेंसेहीअंगपुलेसरुषीतें आहुतिहालउ  
 चारतजातकढीजनुज्वालेअगालमुषी। स  
 तें २७ **कवित** गेउछेकेराजाइंद्रजीत  
 को अचलपहारकोअरीलोइंद्रजीतल  
 सोअंगअरीलेआगेतसोस्तरकाईमें  
 सजासैनसागसमसेरणसमूहदेसप्रल  
 चरेसोणचरेचरेमुक्ताहीमें माच्योरणा।  
 नाच्योरुहुरुहकोसमाथिनाच्योकरुतस  
 बुद्धियेसीदेखीसोभानाहीमें करणका  
 बंधनयेऊहऊहनाचैपुभनरसेजगामेजु



© Dharmartha Trust J&K. Digitized by eGangotri



रिदोरिधेरलीणोवरगीचमूकेचछावाछमें  
 रुहेमररुहेनचरीकेचमसानवीचकीनेकना  
 लामयोंकृपाएकछाकछमें कूरमकेहो  
 केवीरविचलेकबंधोगिरेमुडमलकापुर  
 मेरुंडराजगछमें ३ **कवित्रछत्रसालबुंदे**  
**लाकों** दपटनिलंगडोरडीठकैउतंगयातै  
 कहनसबुद्धिकरखगजोरतताहै मनस  
 बदारप्रणमणसबछाडचलेसुवानहिजा  
 तजहोभेजतचकताहै कासीसरबिरच्यो  
 बुदेलावनपंचमकेबलनबचोगबलिवी  
 ररसमताहै मामतीकोकछोकीजैचुरीचार  
 राधिलीजैउतैमनजाउजितैचंपतिकोछताहै  
 ध धनुमदराजमदरणरजप्रतीमदप्राप  
 मदमतोयेछोयोतमदमातीमें मदकोप्र  
 सिदलस्योप्रबलयमारणसोंवाकेउमराव  
 एकोलिषोलाषपातीमें जोरदेरकेवद्या  
 लीक्योंहूनाहलतहल्लीपाणिकोसोमुषय  
 नीदेधियतरातीमें हाथनदृष्टारस्योंहनु  
 मानज्योंसबुद्धिकहेबैरकाजैबरखीछताने  
 दईछातीमें थं भेजनशनीकेगछगजन



मुनीसने  
 मंजतसो वंजत  
 केजाचक केजालके  
 नवन केजदको भुजंगसभा  
 येकरये संकरये भूषणये वासुं डमा  
 लके परमके धारण विदारण अमोरल  
 केपालन प्रजाके दान विद्या दीसन ताते केतंगतनर  
 स्वकादा दीखत्रसालगहि बादी सुषण बुदेलन कीलप  
 कतही आयगी सुगलपयगी भूषण बुदेलन कीलप  
 सोउतरि सु रिआयो आययायगी अंधकार छाडगी पंच  
 केअपारवो जे मारमा चैथु मपार अंधकार छाडगी पंच  
 मप्रगलके प्रतापह कोप्यान परिपात साही धरदा बिसे  
 नमेसमायगी **कबिते ईडाके** नुरसकबंध सादि  
 जोदे साहिज हांउटे चलो बल देवराय नहां कुत्रा  
 के लोहं कील हरउटे चलो बल देवराय नहां कुत्रा  
 साल हाडार सोला जगहि के सोडीरण भूमिजेसमी  
 ममहाभोरण मेपारवार सरण के रुंडुंडके  
 रके सिगयो टटके रफि लोके रक  
 रके कोज्यो लोथर लोथो लो  
 थरागी निबके ६ तेरा  
 अफगाणरायच  
 लविचारि  
 सोडि



वि छत्रमाल  
 साधुइंद्रकीइला  
 जेसी भूषणभगतप  
 रयछेकाटिकांठेबांठेसुर  
 तनतिवराधनिछविछांजेसी  
 तरोमयाधरतविनअरिमालिनि  
 गिलिसिधोसमजेसी रजकविजरीभईभूमि  
 नचयभईतरकेअवांजेभईतोपेचनजोनेसी २ ठोक  
 नछकेलिगजमानमारुठेलेलिलवानिपेलकैउम  
 गगदिकको सांगनिकेरुबकैयगणसबकहलाती  
 मेलनिकेसबकेसहसफलिपटको कहेहरिमभूमि  
 भारकेउतारवैकीनाथजुकोछत्रमालदिहीदल  
 साहनकोसालगोपीनाथजुको २ कंतगउतागला  
 हावकेनददिएकोरुटको २ कंतगउतागला  
 केतेखानसामानकेतेकेतमीरउमराउठायेकडोर  
 के बेगसविशोगभयोभट्टभयसबभूयदकमहज  
 रकीनोमकेकोनकेरके हिंडनकीटिकपक  
 राखिवेकोरुटिरुजातासाउदेनाथगणस  
 केकोनजोरिके साहुकेसमीप  
 छोडमहाबलीभोजगउ  
 बाबाताउदतम  
 छनमगोर  
 के



७०२  
 सवेयासुकटेवनका श्रीसुकटेवनभूपव  
 लीशरिकीचतुरंगचमूबिललाई वैरिणको  
 नुविपन्नयरीकरिकोवरणैकविगंगकीन्या  
 ई अणैअणैपीयकीसथिलेनतीयागचमि  
 रीकीधामतैथई मानोमहाबडवानलीनय  
 देचडिवारिथिवरुशई १२ **कवित्तराजतृप**  
 के दोहनयहारनखिकटअनिधारणमैयडु  
 चेनपछीदेवैचिततरजातहै डंगनमैजंज  
 नमैपुंजनसिधिरिचढिबाततमिसानमा।  
 नोवनवरुगतहै कहनसुद्धिराजतृपको  
 प्रतापसुनिभज्जतनरेसतजिदेसत्रासखा  
 तहै पंथनचलतरुयहाथिनचलतनहै  
 दिलनचलतहैदोदलचलेजातहै १३ तरु  
 गथेउपरिपत्तैसबछारभपेडाटीछाटीका  
 टीचहुंटीगराहभयोहै बडीनाथवरषोना  
 बुंदनपरीहैएकलक्षमीनरायणकोतेजत  
 पतयोहै केतेउमराऊंतेनरेसकोनैसांथ्या  
 देसकहतसुबुद्धिरावसाकाकरिनयोहै  
 भूपनितिलकभूपमहारानाराततृपनि।  
 नसेकबंधकैसलेमसादिलयोहै १४



**कवित्रजतारके** अफगणमेमारेषेनबारु  
 चरियेटडारेदानोंसोदलेलारुन्योंडैरकेती  
 वताहै अरावलीमेवावलीभीमासोअमी  
 रमारुकासीसरवीरतोहिचौकतचकता  
 है सनयुगकोजाकोकोरुजानेनाहीको  
 रुभेवचतरकरुतउरजाकीभुजलताहै  
 एखसमताएकतारजारैकनाजंगनालम  
 जगतातोपैरीजवारुछनाहै १५ राजनके  
 रानामहागजावासदेवसुतनेरीतरवारि।  
 भारीभेषहैभवानीको करैकविरामये।  
 सोरचोहैजगतसिंधुआगिसीउठतिलोहै  
 लोरुकीनिसानीको अजोलगिरावरेकेषे  
 तमेषपतजातजेतोतेतोछोरोवडोएततर  
 कानीको जनमेतेमारेअनजनमैसऊचि  
 रहैतेनहायोभेटपेटहारुमगिलानीको  
 १६ **सवेधा** वंगसरोविलीयोएकछोरुमो  
 लिऊकलतवगसेअकता बलकबुषाराऊ  
 जारापरतरुनाराकीरुदरीपेतकता जीत।



७३  
 ७३  
 जीतसो जीतकरे माईदासा मगर न सा।  
 हिज हांचकता सातहे द्विपन आये रिमा  
 जगमे जगता जगता जगता १० **कवि नरक**  
**नाके** जाने को न आई का के ऊल कल का  
 मत है दूरे को न नगर डगर न मंदार की य  
 रचें डपंच मकी तेग धार सो धमिन का के मा  
 लाचार न सगे धजि मि पारे की शिव सन  
 कैसी भूरि भूरा कलप कैसी चरण न हरि  
 केश नैन नर नारे की गान सी गज ब सी अ  
 जब अप सो म भइ वा का पर पैं या रो स न नर  
 छतारे की १६ की वे को समान प्रभु देख्यो।  
 मे न आन जे निदान नान नऊ मे न को ऊठर  
 रात है पंच म प्रचंड भुज डंड की आवाज स  
 निमानु वे को पछी लोप टात धर रात है  
 संका वान को पत समीर दिह्यो बार जब चंप  
 न के नंद के न गारे घर रात है चरु डोर था  
 के चकता के दल पर छता के पर नाप के प  
 ता के फहरात है १९ **कवि न राजा वना**  
**को** पौर चण्ड ले को वकता बोये यना सो



मन्नाफेरचाहतकत्ताविनकाजैहै अरिदेस  
 अरतकोसुवीरसमन्नामदषेतघातघना  
 घल्लदतावेअल्लानहै भूषनसुगेरुघताका  
 सीभुविमन्नाभीमभोजकेसेपुनानिलवैबना  
 सबसाजहै तन्नातरकानहैकोहताहरहा  
 रकाजरत्ताकविजसकोजचन्नामहागजा  
 है २० **सवैयाबाघबलीकी** राघोंनरेंदके  
 बाघबलीतरवारदर्शकषेत्रकी ऐसी।  
 दर्शसजरुखकेमत्थनभूलगयोसुधिअथ  
 रकी चयलसीचमंकदर्शमतिरामसुयोउ  
 छत्यागतिवंदरकी मिरतैषोपरीजरन्यारी  
 परीमानोटीपीपीहैकलंदरकी २१ **कवित**  
**साहिदाराके** बारणउबारणकोभेज्योसा  
 हिदागआपवारणविरचिसाहिजादानूको  
 धायोहै चरषीचौपेरेबहुबाणगउदारखू  
 टेदारुकेबभूकनविभूककछायोहै २२  
 तनकदाबिकैदवायोहैगैरंगजेबनेजापा।  
 रिजंभकेकरेजापडवायोहै सांगसबबुडि  
 एकसुंडअनबूडीरहीतासोंकरेहाथीतीन



दांतको बन्नायो है २२ **कवित्तजहागीरको**  
 परमपुतीतयातसाहिजहागीरगोनीगा  
 इनकीगाजसुनिसिंघगिरिजातहै चीतन  
 केअधनमैकरैमृगन्यायबेठलोबरीकर  
 तहोरसानतसोबातहै मूसेकीछटीको  
 शायमावतमजारीगीतनागअरुमोरपक  
 ठोरमछरातहै चिरईकेबालककीबोस  
 रघवागीकरैमछनकरजलानेवगुलापिति  
 आतहै २३ **कवित्तकछवाणउटउतराम**  
**को** करणकेषलपेचादधचिकेदुडवे।  
 चावलिकेबधईशाकहोकाहेकोकहाए।  
 है कहैकविगंगाघरजाइजाकेजाचनेको  
 कहैरामरामसोऊमेरैकितआपहै जगना  
 बितीतीजगदेवजूकीबातैसुनिऊजसकि  
 वारिकरकाइरणलाइहै कूरमकुलीन  
 जलउदाउतरामदामकोणगुणगुणीये।  
 निहारेमनभाएहै २४ **कवित्तदानसाहि**  
**के** अकबरसाहिजूकेमहाबलीदानसा  
 हितेरोभारभागीगजराजनसोरुसिके आ



कसेके दीपमानशोकसो है दीयो जानक  
 है कविगंग हाथी हाड हाड कसेके मदा  
 के डर देव तो जन से सरद होत हरद से पीरे  
 पीरे तेरी धोक धमके सुंड गयो मऊच स  
 लिल चल्पा आषिन ते चै चली कन पटी अ  
 गूठन के मसके २५ छूटत कमान आस।  
 मान अरान लाये ज्ञान लागे अवसान क  
 है कौन ला गऊं भलौ कविगंग जच कता।  
 दात साहि च है सो भे कौन से भरि सम्हारे कौ  
 न पागऊं कारी पीरी छालै दुकी निकट न  
 गा रे बाजे जगत जगारे सुनि नाह कौन जा  
 गऊं मत मत वारे देषे गनत मारे आ मे  
 दे आ के स वारे हौं सकारे कौन भागऊं ॥  
 २६ धरणि थस कथ समस किस मे रुधु।  
 कि जल धि कमल जल कहां लौ समा है  
 गरि है गङ्गा गीरि गगन मगन होत डरि है न  
 रेंद मत ईद रुष या है क है गुणि गंग चा  
 है चक्क चै चक्का दात तेरे बल भारी जिमी से



७५  
 ७५  
 सञ्जलाइहै कबहुंतिहारीएदबानके  
 मेसनसाहिहूरमकीपीठफटैचूरणहै।  
 जाइहै २० दलपतिउरिगएदरिआवन  
 रिगएचढेदानसाहिजकोदरीदरकतहै  
 कहैकविगंगरुयहीसनकेकानरसउद।  
 धिसनेहीतातेहीयोनिखतहै इरिगया।  
 कोराकोरीछापियजोगजोगीगोरीनकेनै  
 नानीरधागिवरखतहै गर्भकेसकुचगए  
 गोदिकेगिगयहीएपातनापरैतेयहा  
 रनिरखतहै २१ उमडेअमितबरहयए  
 यदरछितिधरविथर्योंभईहैधराधरीसी  
 कहैकविगंगगठमहुअटबटकीनेलीने  
 मारबटपटचाटीचाटचछीसी मचकी  
 महीधरबैभैचकीहैदसोदिसओचकीहै  
 ऐसीनिसिधरघरऊरीसी कदाकहोंबा  
 रवारदौरैदानसाहियारबूडिक्योंनजाइ  
 निमिघारिआलचरीसी २२ **सर्वथा**  
 दिह्नीकेनायकदानबलीकेचढेदरकट



इनीदरीसी गंगकहैहयकीषुरतारपा।  
 सारभयचकचूरचुरीसी मेजनसोवत  
 सकसचीअमरावतिनैजहंजातजरीसी  
 फाटिगोएछतनासेफनासबसेमगयो  
 रहिसेषछुरीसी १० **कवित** बीरतैउ।  
 मछिनिधिछीरतैउमछिआइनीरछीर  
 मिलिमहि एकहैचलतहै कहैकविगं  
 गअंगपियरविपियरतिजनमज्जजात।  
 कोप्रतापउछरतिहै अकबरसाहिज  
 केमहाबलीदानसादियतोदलतवेरसि।  
 कारमपरतहै मेरुकेदलतमहिदालत  
 मदीपरुलिमदानागरुलैरुलारुलउग  
 लतहै ११ **कवितमिरजारुमानके** स  
 रनमैसरमिरदारनमैमिरदारगरुवेगा।  
 नीमनिकीफेरीमारमुहीहै दक्षिणके  
 दावादारकछिनकेअसवारपछिनकेपा  
 छेमानोछूटीबाजऊहीहै कहैअभिमन्यु  
 कविषिरकीकेषेतलर्योंअवपत्रमालामा।



७६  
 ७६  
 सारुद्रसिवगुहीदे सिपहसलारदिनइ  
 लरुद्रगवखानसारीपातसाहीमेसिपा  
 हीऐकतहीदे ३२ जैसेमगराजनके।  
 कोनागजराजनकोछोटेछोटेहाथन  
 करतधाइचावैदे ऐसीलरकाईहैतोए  
 लचवाहुरतैभारीकोजैमारीसिरदा।  
 शीदीयोंपावैदे कहैअभिमन्युकविदछि  
 नैतैजेरकीनोअककोनैदेसपरदेसम।  
 छेतावैदे दादातैसरसवायवापतैसर।  
 मआपमहाबलीबैरमकेबंसकोसभा  
 वैदे ३३ गायपिसोउमगवनकेपुन।  
 हूउपिसोसकलीसिरुदन पाप३।  
 नामनचायनरेगरहीमनहोंसचखोन  
 डरदन खानखानाकेतेददयाकरिमो  
 परयाचोंनजायकेजोरमदेन मौजभ  
 लीमिरजारहमानरुदारिदमारकैमा  
 रिगरदन ३४ बसुथाकेदीपकज्योंउ  
 दधिकेसुधानिधिकंचनकेऊंदनसरो।



नसरम्यानाके तृतीयकेतेजजैसेसरन।  
 केतेजहोतगोरसकेमाखनज्योंप्रबलप्र।  
 माताके प्राक्रमीकेप्राक्रमज्योंपौनहूँके  
 रुचमानदीवेकोसुजसज्योंमरदमरदा।  
 नाके मानभगवानकेगणोसमृलपा।  
 एकेत्पोंकश्यपकेभानज्योंरहमानखा।  
 नखानाके ३५ लुत्थपरलुत्थचकचु।  
 त्यगहियन्यपरलोहूँकेपतारेनदीनारे  
 बरषतहै साथहूमोंहाथीगिरेगातके  
 पचासटूकजहोअरिमारेतहोतेऊतरफ  
 तहै परेसरबीरकईतीरलागेथेतहूमों।  
 दोतनमोदाविदाविस्पाऊकरकतहै नव  
 लनबाबखानखानागहिवगालखोठो  
 रठोभ्लोहूँतऊराकेऊरकतहै ३६ सु  
 रयनिसक्रमदसक्रमतिवासरकीजादो  
 पतिचक्रधारिवीरपतिवानान्नसरपति  
 मानसरतरुपतिसुरतरुवनचरपतिरु  
 नमानमरदानान्नतापतिविधुज्योंब



71

रातीवरपतिजैसै बाजिन के पति सत आन  
 कवषाना जं गजपति ये रावत नाग पति  
 से सनाग नै पति मेरु नर पति खान घाना  
 जं ३० नवलन बाव खान खाना जूरि  
 साने राणी ने चरिजे रस मसे रसे रसर जै  
 कीने घुम सान सम सान बलवान पायो।  
 जैत पति निमी और आसमान नर जै लो।  
 चन की ज्वाला ते चुचानी चंद्रमा की धार भे  
 भयो भारी रुद्र का हिका हिकार जै न्यारो।  
 बैल ब्याल नै कपाल मुंडमा ल न्यारो न्यारो  
 रोग नरा नमरा नरा न्यारो रोग रजै ३६ दी  
 वेको सवाद जो पुं सै ग्रंज नै दियो जिन लै  
 वेके सवाद सारि जा नै जिन पायो है ली  
 वेके सवाद है ते दी वो अधिकारो कि पोंदी  
 वेके सवाद है ते ली वो अधिकारो है नवा  
 बखान खाना न सवाद दोऊ जान ते है या  
 नैक बिराज तो रिटेर के सुनायो है एक  
 नकी पात साही लै के दी जै एक नको पा।



नसाहीलैबोदेबोतेरेबोछायेहै॥३५  
 सवेया विक्रमखानबलीविरच्योनहोमा  
 रमचीतननंतनने कुलघावभवक्षभवा  
 छडेदेसहनारबजेजननंजनने करषण  
 रल्लेप्रबकालीतहाकटिमंडिगिरिठनने  
 ठनने तरवारजनाकजनाकचलैबरछी  
 फरकैफननेफनने तकिनेगतनकिदई  
 भामीसगईफटिमानोअतामिषदा दल  
 मैयोगिनीउनमातीफिरैकिलकारीकोरे  
 मिरडोरैजटा कविगंगकैभरिबैभरिष  
 प्परलैलैउडीमानोकागबदा खानखा  
 नाबलीनेगरानाचलीकियोंबानीबंबा  
 किछैगानीबदा ५१ कबितदानसाहके  
 कहैकविगंगदानसाहफौजेफरदुरैथ  
 रहैरेदिगमृगथरदुरथारीसी धुधरीथ  
 राणधुंदरुथिकैतरणारह्योउठतथधिआरी  
 दिसादईहैकिवारीसी कलिमलोकमठ



७८  
 औरदलिमलीदंतिपंतिचलैदिगपाल  
 पेलयिषुषपतारीसी टूटटूटसेसकेफ  
 टकोतेफटतफणमणिनकीचटउचटत।  
 चिनगारीसी धर **संख्या** प्राचीप्रदीची  
 उदीचीअवाचीविलोकदसोदिसकूंचज  
 चेनीगंगकरुउमछेदलकेरुयरुथियस  
 थियपारपचेनी इलरुदानदिनेसचछे  
 सुभईरणभूमिरकतवीरैनी गरुडिछछ  
 छडछारेभइसुगईफणिफाटफणिंदकी  
 फेनी धर **नौरंगकोकवित्र** उग्गावरनु  
 थविनषगरुषायापरिपुडगादलंदोरि  
 दरिआचलौविसूरिगो कसैकविलाल  
 मानस्वाणितकेतातनसोजालकुलग  
 गाननमानिननरुगो कंधनतैकैउक  
 कर्बथनफिरतरणगंधमंददिगानपबंध  
 इरिइरगो मुंडनकीमाललैमहेसभरि  
 प्रगौरिसुरपुरचुरिगोसुरिसपुरिप्रगो



थध छाशगछेदेहेसबमंडलकोजीतलेहे  
 ऐसेकोणमंडलीकसोपैदिसम्यारिहे साह  
 नकेसाहदिनइलहेनोरंगसाहतेरोतेजद  
 सहदिसाननासपारिहे उत्तरकेदक्षिणके  
 पूरबओपछिमकेलछतेनेजानियतबैरि  
 णविदारिहे बीजापुरवारिकरविडरवि  
 दारिकरवारिधकेवारितरवारिकोंपषारि  
 हे थध साहबजलालदीनसाहिनीनि  
 हारेडरभारेभारीभूपधुनिसुनितनिसान  
 की कासीरामनिनकीसरानीरजधानी  
 छुटीपसीबिललानीसुधिरानकीनपा  
 निकी कोऊमिलीसाथिनरुणवाघवा  
 नरणवचीपातैरछाभईउनहेकेप्राणकी  
 सचीपानीगजनभवानीजानीकेरुगीण  
 मगनमयंकजानीकपिज्ञानकी थध प  
 तिकविलायतकोएकउसराउयाकोजेति  
 ककोंपंडवनगायोऊरुषतेहे कहेवविगं  
 गवरआंगनकोजेसेलेघोपेसईसमुद्रसा

जानी



७८  
 तो करे सरासे नैरे एती भूमिक व भई को  
 गोपात सा हल पशु की यह नर ना हल।  
 ईश्वर हल नैरे मेरे जान आ पमान आस।  
 मान तो रितो रिजो रिजो रिशी जलाल दी  
 ननु कौ दे नैरे ४७ **कवित्त साहिज हो को**  
 दिही नाहि पात साहि स हिज हो जी के चढे  
 मेरे जानै मुख दिज राज श्रेक भर तो सख  
 जा तो सर औ समुद्र को मलिल सब सरज  
 को लो प हो नेति न को न थर तो संज न प  
 रत दस दि सा कहं न होत हो कठिन ति मि  
 र आन पुदमी मै पर तो सरन समेत पुरा  
 हत विनै न होत जो न मद मै दिनी मते गन।  
 को पर तो ४८ **कवित्त दान सा हवे वा**  
 ए फहराणे घहरा ने घरा हाथिन के कौ ए  
 राय राणे ठहराणे दे स दे स के ना वरु  
 ए अरन गर बराणे मन वा जत नि साने दा  
 न सा ह न नैरे स के कऊ भ के ऊं नर सु कस  
 म साने गंग भलि भोत के भजाने प्रि टूल



दकेसके दलकेदरेराहुतेकमठकरेरा  
 हुतेकेराकेसेपातविशुरतसिरसेसके  
 ध५ **कवित्रुर्जनसिंहको** गरुतकरेरक  
 रचौलीओकठिनकरीकरीयनकेजुंभन।  
 पेकडाकडीहैरही दलविचरायकेरिबै  
 रीदुर्जनसिंहजहाजहोथागओरुथिरपा  
 रचौरही हुरैहुरैहसतसुमिरिहसहरे  
 रनीलकंठभुतपातिजहाजहोहैरही ॥  
 आलेआलेमुंडनकीअलिकेवरणपरका  
 लिकाकेआगेदीपमालिकासीहैरही  
 ५० लोरुनकेहाडयेनजरैचंद्रआपआ  
 वैमशुगकेमंडलमेबरछनकीहोगीहै  
 इतनीकमाननैमयानमरुगानकीनेतर  
 कसनेकछोतीरइहबोलबोलीहै सेद।  
 खानवाबन्कोनानओकबाबभूत्योज  
 गतानषेतमायोबुंदपदपोलीहै चारो  
 साहिजोदउठिसाहिजहाज यआयोसा  
 रीपातसाहीलैतरानूपाइमोलीहै ५१



४०  
 परेकदिसाथीपरेपट्टसाथीपरीथाकसीथा  
 कसीथाकथुंमे रुकारुछडुक्रमनकीफ  
 काफकननकीनकाननज्योबालबुंमें  
 पंचमगाढवे किलेटेचकतेयकरलैयकर  
 लैडुज्जमेडुज्जमे नबोखंडकायेकिचोंये  
 भुवनकेयनिसरपनिलयनकेहत्तचुंमें  
 ५२ बय्याहाथकंगनथरामोरसीसपर  
 सहितातमाताबुदेलीजनोमें वडोफैल  
 फैलोहजारोंबुदेलेविहिवैकरैचित्तच।  
 कननूमें प्रेमराजसुवाकहीसाहितादे  
 सोंपेसारिजालीनहमेनतमे नबोखंड  
 कायनचौदैभुवनयनसरयनदलयनके  
 हाथचुंमें ५३ **कवित्तपदमनुदेलाको**  
 सिंपुरमदंथवृंदविंदनैतिकसचलेचलेसिं  
 पुडछरिविसारिसधिबेलाकी लालच  
 नकैसीघोरघुस्मतचुमंडनैकीघोडनकीघु  
 मडउमडभटभलाकी कौलैपरीकविन  
 कमठपीठछौदैफिरैऔरैऐडदारसोअवा



इवमेलाकी भाईभाईभाईधरपाईधुव  
 धामनलौआईआईआईफौजयदमबुदे  
 लाकी ५५ **कवित्रखानखानाके** सातौ  
 दीपसातोंसिंधुथरुथरुकांपैजाकेडर  
 दूटतअगूछगछरानाकों मरमरजादक  
 रीकंपतसुमेरगिरिरोमरोमपुल्लोतननैसो  
 हनुमानाकों धरणीधसकिकरिकसकि।  
 ससकिगईकविथरखंडआगेचल्योपुरासा  
 नाकों सेसफाणफूटफूटबूबचकचूरभये  
 चल्योयेसखानाज्योनबाबयानघानाकों  
 ५५ केतेगछजीतेकेतेसुलकप्रसिधली  
 तेकेतेगछतोरितोरिवारिधमेडारेगो मृग  
 मददहृंकीचौकरीभुलानीआजपकलब  
 चेंगोवनपातजारेंगो सीदीगीथीजंगलीज  
 नावरनसम्प्राप्तऐसोघानघानापाँषरावक  
 रडारेगों जवनविचारातवजालनाउजारा  
 आनचाराडारेजातुहैसकरैआनिमारेंगों  
 ५६ ठहाहंकीरजधानीधुम्भानीकीनीस  
 वकाचिलषथारीघोनयानीनदलकमे



८.  
८१  
४०  
४१

छसी है त्रुषारी ते त्रुषारी भणउ जव कअन  
 नेही जो ई ऐम बैही ज्यो यल्लक मे सरपुरा  
 रो रपरी पोर दीनी ठोर ठोर घान घाना चछे ते  
 अवा ज है खल्लक मे पिय भाजे तीय छ्वा डिती  
 य करे पीय पीय वा वा वा विललां श्वाल  
 क बल्लख मे ५७ खान दोरा अनल्ल के पि  
 र स्ते नै आन के उ सारी की नी सुनी खान साहि  
 नै गती म च छि आयो है हठ ते हठी लो तीर  
 पौ न ते सर सथार जा यरो को पार म हा भार थ  
 म चायो है पै च के क दार ज म थार के उ वार  
 की नो आ य गि र को घेत ना को ना दर प छ्वा  
 यो है कहै कवि म जल्ल स हिंद रु की रे करा  
 खी ने रो नुं ठु खान दोरां सबे भूमि गा यो है ५८  
 बार बार ना दर सरा रुतु है आ दर सो वे सो ना  
 सि पा ही देखो सारी यात साही में गही ज्यो  
 क मान जोर सा व न र मान देखो ज नै यो क रा  
 र सारे ब क तर की साहि में लो रुं की ल र मा  
 ध्य लो थे परी ज थे मु घे कहै म जल्ल स आ व दे  
 धी नै क या ही मे मारे है र गनी के ते पोर है पि रा

५५



नीकेतेतेरोनुदधानेदोरागायोहैइलाही।  
मे ५५ **कवितारासाहको** उंकाकेदी  
येतैदलउंवरउमंघोउडमंघोउडुमंडलको  
शुरकीगरदहै जहांदारासाहबराइके  
बछतयेउयेइपरहोतमारुगागबंवनदहै  
सरतभणतचनेनुम्मतचरोल्लवारेकिम्मत  
अमोलबहुहिमतउरदहै छदनछयइम  
यमदुजरनदहोतकहनवेरुदसोजलदा  
दलहदहै ६० **कविताराजाउको** हल्ल  
उहीउरमेहीयेमेइहवातसुनियहोआससा।  
रीपातसाहीकेमितासमे सरतभणतचने  
दातनतनूकाधरैआंतनवथिरमीरमाखो  
एकसासमे भोजरतनेशतैसवाईकनीरा  
जाराउनुद्वबलवानवीरताईकेबितासमे  
अच्छिनीअकासमेनमासैलगीतासमेनि  
कासीबहुवासमेकदारीआमषासमे ६१  
**संवेधा** बरवानसघीनअसेषसमुद्रहिसो।  
षिसषासषहीतरिहो पुनिलकहैडोटकल  
किजकैफिरियंककलंकिहीकीभरिहो पुनि



४

भूमिकैराकसषाषसकैडुषदीरघदेवनके  
हरिहो सितकंठकेकंछहिकोदसुकंठके  
कंठनकोकहुलाकरिहो ६२ **कवित्रनो**  
**रंगको** केउकहजारजहोगुर्तबरदारठाडे  
करिकैहसिआरनीतिपकरसमाजकी रा  
जाजसवंतसेबुलायकैनकतकीनेतषतके  
नीरैतिहैलाजस्वामिकाजकी भूषणवषा  
नेठकहैयमुमलषानेसिंचलोजपठसा  
रुतिनैमहाराजकी रुठकिरुथिआरफेट  
वाधिउमरावनकीलीनीभिटनोरंगनेमेरसि  
वराजकी ६३ **कवित्रसयंबरको** कठिन  
कषेरमर्तगामचापवाहनकोकैसेकैसेगे  
कोरकरभुजबाईकी इहीचिंतावीननपरम  
चित्रवारवारजैसेलागरहीतनछारुपरछा  
ईकी तोखोरासथनुषपुकारचहंगोरपरी  
कौनपुन्यकारपरीमंदिरमेंजाईकी सखिन  
केसंगनसमाइसकेसियअंगफैलीफुलीफि  
रतफतरुसुनिसाईकी ६४ **कवित्रगोसां**  
**ईहिमत्रवहाडके** संपतिसमेरकीऊवेरा



हकीयावैनाश्तरतलुटावतविलंबउर।  
 थोरैना कहैयदमाकरुमेसरुयदयधि  
 नकेहलिकेरुजारेकेबितरवितोरैना गं।  
 जगजबकसेमहीपरबुनायराययाहिग।  
 जुयोषेकोऊकाऊदेडारैना इहीपाशगि  
 रिजागजाननकोगोइरहीगिरितैगरेतैनि  
 जगोदतैउतारैना ६५ तीषेतैगवाही।  
 तौसलाहीचढेंघोस्याहीउनयैचढेअमि  
 तअरिंदनकीअैलये कहैयदमाकरतौ  
 हाथीयैनिमानचढेभूरथारचढेपाकसा  
 सनकीसैलये साजचतरंगचमजगती  
 तवेकोजबहिमितवरुडरचछतफरफै  
 लये लालीचढेमुषपैवहालीचढेवारु  
 नयैकालीचढेमिचयेकपालीचढेवैलये  
 ६६ रजोरंजकेसोदासदूटतअरुणलार।  
 प्रतिभटअंकनतैअंकपरसनहै सेनासेद  
 रीनकीविलाकिसुषभूषणनकिलकि।  
 किलकिजाहीनाहीकोपरनहै गाछेगा।



ढेगठनपिलोननज्यौंनोरडारेजगजय  
नसचारचंदकोग्रनहे चंदसेनभुविपा  
लशंगनविमालनेरेकरकरवालबाल  
लीलासीकरतहे ६७ देखतहीबडुभा।  
निवैरिनकेलागजातकालिमाकमलसु  
षमबजगजानीहे जननअनेककरिअ  
पिजनमभरियोवतहेछेटनकेसबबषा  
नीहे निजदलजागेजातिपरदलदनी।  
होनअचलाचलतिशुशुकरुकरानीहे  
पराणप्रतापदीपअंजनकीराजीराजैराज  
नसेग्रामसाहिपाणिमेंकृपानीहे ६८  
रणबनभूमेंतेरीभुजलनिकापैचढीक।  
छीम्यानवावीतैबिषमबिषभरीहे जारि  
पुकोडमेंसोतीतजैयाणताहीछिनगाह  
इअनेकहारेजारेतैनजरीहे भणतकवि  
दगाडबुद्धिअवरुपितनेजुद्धवीरतामेंएक  
तैहीवसकरीहे तस्ततिहारीतरवारप।  
त्रगीकोकाहुतंअहेनमेंअहेनयंअहेनजरीहे

६८



**कवित्तममसरको** दारुनतेइ नीतेगत्रिगुणी  
 त्रिशूलरूतेचिल्लकनचौगुणीचलाकचक्र  
 चालीतै कहैपदमाकरमहीपरबुनाथ।  
 राईयेसीसमसेरसेलसबुनयेद्यालीतै पां  
 चगुणीछबितैपचीसगुणीपावकतैप्रद्य।  
 टयचासगुणीप्रलरुपाणालीतै सरपनतै  
 सौगुणीसरुसगुणीसंपततैलाषगुणील  
 कतैकरोरगुणीकातीतै ॥

**काद्रयेंकमानकीउपमाकवित्तममोक्त ॥**  
 औरैभयोरुषतातैकैसेसखीजारीहोइविफ  
 लभयैरुबंदकछुनावसातहै गोसेनमि।  
 लतकैसेतीरकोसंयोगहोतपरुलीनबनि  
 लहीजातकोनभातहै सेनापतिलालसा  
 मरंगचितरह्याबुभिकैसेकैकठिनसितपाव  
 सविहातहै श्रावतहैलाजकरगहैपंचलो  
 गनकीकाद्रफिरगयेज्योंकमानफिरजात  
 है २ **नायकापेमोहरकीउपमा ॥**

जाकीसुभमूरतसुथारीहैसरुगभागपूरी।  
 तोलगेरिसालनाहैजबदरसी जरबलैचा



लेरति आगरी अनूप बानी तोरो है अधिक ज्ञा  
 मेवातन कसरसी मेनापति सदा ज्ञा मेव  
 पो है अनेक गुनो निनै दे विनिधन की छती  
 यो डरत सी धनी के पथारे चाट कोटे हं मे।  
 पाव थारे एह वार नार दे धी सों न की मुहर सी  
 २ **नायदा को पग की उपमा** ये ये मली खरी  
 तन सुख सब गुण भरी चों काथो अनूप मयी  
 रूप की नि काई है आछे चुन बाय बहु पेच  
 न सो पाई प्यारी ज्यों न्यों मन भाई त्यों त्यों म  
 इहि चढाई है प्री गज गति वर दार है सर  
 स अति उपमा समति सेनापति। बनि आई है  
 प्री गज गति वर दार है सर स अति उपमा सम  
 ति सेनापति बनि आई है प्रीति सों बंधे बा  
 नाय राषे छवि थिर काइ काम की सी पाग वि  
 धि कामिनी बनाई है ३ **कवित्र कुलटा के**  
 फेरन अतो टपी छे हेरत तिरी छे बाल मग मेक  
 रत फैल छैल को दिषाय के बात कस्बे के  
 मिस सननी को ठाड़ी करै रजनी मिलाप को टि  
 कानो ठहराय के भणत कविंद सा सुन नद।



के आगे ऐसी सृष्टि है बहुत मानों सृष्टि है उ  
 पाय के नैनन के डोरे बांध जो बत के जोरे  
 मन लेत है मरोरे ऊच कोरे दर साय के  
 ४ जीवन की कहा चली सृष्टि वृषभानल  
 लीला लन की गली में तो लाष बाजों डोभी  
 की सी मई ठीत मसमूजान मेरी सीठी में तो  
 लिखोंगी वसीठी मीठी काहन डोंगी को  
 ठकरो में तो मन मेरे हीये पही प्रणवदन वि  
 लोके बिन पानहन बांझोंगी कुलराऊरे  
 लकहा करि हों बुरै लो में तो मरि हों बुरै ल  
 है गुणालै लय रांझी ५ कुंदे से दसन थ  
 न कुंदन वर वरन न न कुंद सी उतारी थर को  
 बने बिछुर के मोभा मुख के ददे धों चाही  
 ये वदन चंद पारी जव मंद मुसक्यात नैक  
 मुर के से तो पति फूल रहे कमल से अंचल  
 मेरे है दृग चंचल दृग पहेन डर के पल के न  
 लागे देखि लल के तरुण मन ऊल के कपो  
 ल रंही अल के बिछुर के ६ **वस से धिके**  
 इतें बिंदु का मे अंब कछु कउ को सऊ च कामा



२. २५

के त्वकोमया  
नलागेहउछे।  
विके निपटनकीनवे  
नबीनानेसरवरसमदीनाए  
कआधिकतेयानपायोभरिके  
प्यानरदतनरुनायीकोनिपाह्यातनसौनि  
नकोकाप्योमतसालोगईविसरके लरकोइबद  
लितकाइआश्चाचिनमेकईयटियानीतेमआवतनि  
करिके, काननलोलोगेससकानप्रमपागलोनैला  
अभयविलसतलोचनअनगतै भारथरभुजकाइलव  
तचलतमेदयोरोपउलदतउरजगतै मतिरामया।  
बनपवनकीउकोरेमावेबाहुजसरसरलतरंग।  
ने लरकाइकठिअगतै कबितलनको कियोंअ  
हलरकाइसदिरसिखिरहंद कियोंकामकीमतिलताके।  
कंदजानेमे कियोंचितचाहुकेचुगलकाहेहीय  
मेतेजावनजबाहिरकेसंपुरसिवानमे  
परीनियतेरोपजउन्नतउरजयुगइ  
इभियुगलरूपभूपतिकेसा  
तमे कियोंसालखये  
हमकेभईमुला  
बभरसा



नमस्सीयत्र केशवदारमाने १५ **कवि**  
**त्रकलहंतरीताके** उससिउससिउठैकसकि  
 कसकिहीयेयाहीश्रवसोसनकछैनभोनको  
 नेसों एकतानलागेमुकतानकेरुजारहा  
 खकमतथराजकाजृपेसोनसोनेसों भ  
 णतकविंदयसेनाहसोगुणारुखिनकीनो  
 मेविगारघारदारेकोनदोनेसों मेरीहीऊ।  
 मतिनैनेकलहकराईश्रवसुलहकरावेकौ  
 नसांवरेसुलौनेसों १६ साखिनकेसोचप  
 रुलोगनसकोचमगलोचनरिसानीउन।  
 नैकरुसिछुडोगात देववेसभायमुखका  
 यउठचलेइनससकिससकिनिसघोईरो।  
 ययायोंप्रात जानेंकीरीवीरखिनविरहन  
 बिरहपीरहाइहाइकरतपछतातकछून  
 सहान बडेबडेनैनननैयासभरिभरिछ  
 रिगारेगारेमुषयेतुकोरेसेबितातजात  
 १७ **कविखंडिताकेपीरा** तुमकराकरोंक  
 रुकामनेअटकपरेतुमैकोमदोषसुनोआ  
 पनोहीभागहे आपेमेरेभोनबडेभोरउठ



८. ८ ८८६  
 ४  
 प्यारहीनैश्रनिहरवरेनबनायवांभीपागहे  
 मेरेहीवियोगारहेजागजसकलगतअंगअ।  
 लसातमेरोंपरमसुहागहे मनहंकीजानी  
 प्राणप्यारेमनिगमयहनैतनहीमोहिपाई  
 यतअनुरागहे १२ **संवेया** मनभामनडो  
 रकेभोनतैभोनहैभोरहीभोनहैआपहरी  
 लखिलालकेलालगुलालसेडोठनबीच  
 मैकातररेषयरी जेदेवसुदेवकेरीजरहीनि  
 यपाछलीचूकनतीमेथरी रुसिकैकह्यो।  
 आपमयाकरप्यारेकरीसुकरीअबमाफक  
 री १३ **अधीराकोंकवित्र** जावकलिला  
 रबोठअंजनकीलीकसोहैषएतषसिपलो  
 कलीकनबिसारीये कविमनिगमनषछि  
 तछितजगमगेडगमगेपगसूयेमगमेनथा  
 रीये यलकउझारतरोपलकयलकया  
 तेपलकापैपोडिअमगतकोंनिवारीये  
 लटपटेपेचमुषबातनकरुतलाललटप।  
 टेपेचमिरपागकेसमसारीये १४ **पंडिताधी**  
**राधीरा** जाकेजागेभोनजाकेभोनआपमे।



रेभोनमेरेभोनआयेवेकीभोनउरआनीहै  
देखिकरषतकरषतहीयडोरनकेउरपर।  
षतपरषतकीनिसानीहै हेरहीयरानी  
हीयरानीसोहरानीअतिरैनपीयरानी।  
पीयरानीपीयरानीहै कौनपतनीकैयति  
नीकैअन्नपतिनीकैकौनपतिनीकैयतिनी  
कैरतिमानीहै १५ ॥



2. 2. 2. 26  
8

Handwritten text in Devanagari script, enclosed in a decorative border. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.



**जोपावस ॥ ३** जवही बरखी चहूँ रचयातव  
 ही पीयागोने की बात सुनाई पियारी मै आका  
 र के सुथ के मिल लै सुन दौर गरे लपटाई ना  
 ह के कंठ सिरो मन बाहिब नायकु की बिसरी  
 चतुराई असे मेका डचलो पीयारे पीयारे  
 कह के पीयरी परिआई १ चउ देखी ऐबी  
 रचयोन चटा चड बिज छटा छ हिरान लगी  
 ऊर सीरी विचार सुगंध सनी डम बेतन पेफ  
 हिरान लगी अब ओथ की आस थरी पेरही  
 सुन कै छती आह हारन लगी कहूँ कै से अ  
 चान क आन बनीरी चटा चन की च हिरान ल  
 गी २ उमड़ी चन चोरि चमंड चटा दम के दश  
 हृदिस दामिनि भारी कजत मतम चूर मि  
 लिंद मनो ज मनो निज पारस बारी बैउत म  
 तर्ज जरि बंस बिलोक निहै पथि में हतिहा  
 री पाइ परो करि एन कदा सहहा अंत हूच  
 लिख बलिहारी ३ जवही बरखी चहूँ  
 रचयातव ही पीयागोने की बात चलाई पि  
 यारी मया के र के सुथ के मिल लै सुन दौर गरे  
 लपटाई नाह के कंठ सिरो मन बाह ब नाय  
 कु की बिसरी चराई असे मेका डचलो पीया



रीमिजोसावनआवनकीबिड्छाई ध ऊज  
 तकेकीओभेखीमहाधुनिरेकीनिसासुभ  
 रीतमचोखे होतवनीवरसावबसोकवा  
 राजचलीपीयांपेरसपोखे पिछलपथ  
 चपोपैगयेंनगपुछदबीऊठोसीससरोखे  
 गिरंतगिरंतफलीफनकोगहिहप्परहीस  
 खीरुथकेपोखे ५ **दोहरा** खरीखरीनि  
 खरेखरेखरीसकावतबाब नमतारनके  
 दनत्वगोजापीमदनसनार ६ कहाक  
 हेबाकीदसाजोखगबोलतरात पीयाक  
 हितहीयीजीयतहैकहोहितमरजात ७  
**कवित्र** मेचककवचसांजबाहनविधार  
 बाजगाछदलऊठगाजदीप्रसवदनके भू  
 खनभनतसमसेरसोईदामनीहैहेतनिज  
 मानकीकेमानकेकदनके पैदलपत्ता  
 केधुरबानकीयमाकेदेखचेरीअतघोरचा  
 हूओरहेसदनके निपरनिगादरपीयामि  
 नसादराएआपेबीरबादरबहादरसदा  
 नके ८ विछोनादुरतभुमचोकीबिछ  
 रहेजुमभुमधुरवाकीसोतकीयाअमेंठा  
 योहै बादरबचितपतरबगपातअच्छअ



रश्मि नूठी भात लिख काय चंदन सो अँठयो है  
 अरथ समीर मोर मेगला चारन वीर सोत है  
 संजोगी सभी ये प्रमये ठयो है आलीन जमा  
 नय हिकया कठी काहू के रये चवान पावा  
 सपुरान खोल बेठयो है १ भायो की अंधा  
 री महासायन सीलागे मोहि बीजरी बिसा  
 मन चमंकत है आया आया मोरन को सोर  
 हीया फोर के कछन पार मेवन की थार ला  
 गे सेल सी सधा पेथाए गुवा लकव पिपा  
 रेये कंद महुं क साई भये फुले बन बागना  
 जरा वत है भाय भाए पापी यहि पाव सप  
 बलजु खदैवे काज आये है बिदेस मे पि  
 आरी बिन हाए हए २ पिआरी बिन जान  
 के अकेलो पहि छान के रेती जो दाच पाव स  
 बिदेसं को रडार फुले बन बागन मे आगला  
 लगा एहेतु बेदरद बादर निनै हुअब को रड  
 ३ गुवालक वसीतल समीर हुकै तीर मार  
 पात की ये चान की चोचे वीर जो रडार तोर डार  
 इंद्र को थन खबाहु चीकर मोरन के कंठ को  
 निसंक ही मरोर डार ४ निउ निउ चन चूमे  
 नियो नियो लोटे बाल भूमे ऊंठे बिरहि बिहं



केओअतनतिनगारेहै ढेरकोकलाकीओ  
 चलाकीचंचलीकीमैनछाडतहैनबाकीने  
 ननऊचाराहै ओषधअबलाकीरहीएक  
 देवैपलाकीसोहैनदेकाललाकीडखजा  
 तनऊचाराहै थापोभुरवाकोजैसेवालसु  
 रवाकोतैसेपोनपुरुवाऊरवाकेसुरजागोहै  
 १२ बादरकीचोरसोरकरैचहूओरचातक  
 चुनपीयापीयापानदेरताऐहै जिल्लीकी  
 ऊंकारबुनीपिककीपुकारपियारीसीतल।  
 बियारविरहोमेचऊरकोऐहै दसोदिमा।  
 दामनीदरैरैदैदैबामदेतआलीसुनकंतवि  
 नअंतदिनआऐहै तैजाकहीबादरकेआ।  
 वनेबदेसीआवैबादरतोआऐरीबदेसीकि  
 योनआऐहै १३ सावनकीतीजेतीयाभीजेवा  
 रबूदनसोअंगसंगउछनीसुरंगरंगबोरेकी  
 गावतमलारेसुरवांनसीपुकारैजैसेदादर।  
 इकारैजिल्लीऊंकारदेतजोरेकी करतविहा  
 रदोनोअतहीऊदारसोभासीतलसमीरकेऊका  
 रेकी चमकचटाकीचमकचारचपलाकीऊ  
 मकजरीकीतामैरमकबिंडोरेकी १४ मेच।  
 ककवचसाजवाइहनविशारवानगाछेदन



लीनेहममोलग्रनबोलैआइजान्योमोहचन  
 स्पामचनमाताबोललगाइहै देषोहैहैड।  
 षनहोदेहउनदेषीपरेदेषीकैसोवाडकेसोदा  
 मिनीदिषाहै उठेनीचेवीचकीचकंठकन।  
 पीडेपगमारुसगयेदगतिअतिसुखदाइहै  
 भारीभयकारीनिसिनिपटअकेसीनुमनाही  
 माननाथसाथमेमनोसदाइहै १५ नैन  
 निकीअबुगईवैनननिकीचनगईगानकीगो  
 राईतडरतिडतिचालकी आयचरित्रनिके  
 चित्रतेविचित्रचित्रचिनिजोमोहैसाथपुत्र  
 कागुआलकी चंदकेसमानचारुचाइसो।  
 चढीफरतकरिकैतिहारेमृगनैननिकीपाला  
 की कीनेपयपानत्रेधैत्रेयानप्राणथारेआ  
 इहैइहैआनुअलवेलीबालकालकी १५ व  
 संतरीत॥कवित्र॥जेनीलमनिहारतेईभोर।  
 नकेभारबनेलातनकीमालबनकिसकस  
 हायेहै दमकडकुलकुलकुलेरंगरंगन।  
 केअंगनअनंगमोसगंधबगरायेहै मलका  
 नमालतीसमीरहामभासभरेमंदमंदआ।  
 वतमदंदछबछायेहै आठोदिसआतीते  
 इतिनकेसमोथनकोबालमनेसयोंवसंत।



निआपेहै १ **फागन** पाचैसखीमिल।  
 खिलेगीफागसरागभरीतनकामकीआचे  
 आचेउलावकीकूटनमेलावसासकेना  
 मकोकोऊनबाचे बाचेगीवाविरहान।  
 लकोनिनकामकीआनकरीहैकमाचे  
 माचेगीफागतवैसजनीजबनाचेवने  
 गीवसंतकीपाचे १ बरसोईकरैकि  
 येनसामधुयादलबाबदलाफिरबोहीक  
 रो चलबोईकरैखिऊनसीतलविपारकि  
 तेपपीहारटबोईकरै जरबोईकरैकि।  
 ऊनकाममहाषनआनदसोभरबोईकरै  
 मैतोलागरहीपीयाकेपगवामरवासवा  
 करबोईकरै २ फागरचोबिलमानके  
 डवारगुवारचहृदिसके आननुरीडया।  
 जावतीजेमनमोहनकेमनेमनकीहंके चा  
 तरसांसकहावतहैबिजसुंदरीथापेपरीजो  
 मयरेवे जानीजानमसालआबालगुलाल  
 चलावनबूके ३ **हेरीक** जेलजेल  
 जोरनकीमेलामेलमूठनकीरेलापेलंग  
 कीऊमंगसरमतहै कहैपदमाकरगबीय  
 नकीमेलपरीमेलोलेलफेलफेलफागपर।



सत है धूमधमकौबनिको धूमधमजबजता  
 तामे औसोकक ऊधम अनोखा दरसत है  
 गालनि पै गालते गालने पै नंदलाल लाल  
 पेगुलाल बरसत है १ ऐकै संगथा ऐनंदा  
 लाल औगुलाल दोऊ द्विगन भरे जीऊ रआ।  
 नंदमंटेवही थोए थोए हारी पदमा करति  
 हारी सोहि अब तो ऊको ऊचित ऐच ठेनही  
 कहा करो कापे नाऊ कोऊ तो बताने जानेद  
 रदब ठेनही ऐरी मेरी बीर जै से कै से इन आ  
 खौक ठगे अंबीर ऐ अहीर को क ठेनही  
 २ नीलमनिहार तेई भौरन के भार बने ला  
 लन की माल बन किसक सुहा ऐ है दमक  
 उकल कल कल रंग रंगनिके अरुन अरुनंगा  
 सोमगंध बग ऐ है मलकान मालती समी  
 रहा सभाग भरे मंद मंद आवत द आवत मंद  
 छबका ऐ है आठो दिस आली तेई तिनके  
 समो धन को बाल मरजे सयो बसंत बनि आ  
 ऐ है ३ आबी औगुला बीर सीका सनी।  
 कशरी काही के सरी बसंती सुहे सो सनी सु।  
 हा ऐ है चंप ऐ चिनो छी चार चंद तीन जो जी।



जोर अंखरी ऊबा बीऊ देवै इनी बना ऐहै बि  
 जे बिदा सीला खीकिर मची हवा सी हरेथानी  
 गुलानारी नंगी लखिया ऐहै बाग खन बी  
 थन के सेंदर डकान खोल आजरित राज रं  
 गरे जवन आऐहै ४ ऊरवा पिय के सगा  
 सोवर्त ही अतनी रस्मी रबहे पुरवा पुरवा क  
 रतार मनोरथ वाव दरा ब दरा ह धरे पुरवा  
 पुरवा अ बिलोक त श्रीपति नृच हू और कि  
 लाल करे मुरवा मुरवाल गेवा जनन नृपुरा  
 वा उत्त हो अर आनंद अं ऊरुवा ५ पाष  
 री आ यो सषी हम को बिन पीत ममानो सला  
 षमौ सागरी लागरी मेरी गुहार निया क  
 रिये कछु वेगि उपाउत जागरी जागरी राग  
 चहुं दिस होत है मेन तो देतु है मो अदागरी  
 रागरी मोरो जे बे मिटि है जव ही मिलि प्रेम म  
 षलि हो फागरी ६ कारण लो अद्रग अं जा  
 नंदे करिकारी चटा अ मडी चन चोरन चोर  
 नमोनो चली अलि सोह तेर तन ही कहुं बा  
 चन मोरन मोरन की गति बाधत हो सुतो मां  
 नत बांवर जो घर जोरन जोरन देहै सषी ब



लकैअंगुबीकरि नैहै कटाछकी कोरन ७ **ॐ**  
**नाहकाभेद** ॥॥॥ कैतो देह पाय थरे परम को अ  
 से पाय अस निछुछा एलेह जाते पुरहन को  
 कैतो कर उदम अपारथ निखाट के रिध जने  
 कहा एकाम करले सपूत को कैतो मुनिका  
 मना असे खस भयोग वे कै मुकत को मिलेन  
 हामूल यांच भूत को इन मैते एक तूबनेन  
 तो जनम पाय छेरी कोरे कोथन दूध को नम  
 तको **१ सवेया** नपजोग की रीत सजाती न  
 ही नही सेज संग थचवेली लगी नहियासन  
 मारो ना आस मरी मिगने नी नही चितवेली ल  
 गी काली द्युसल खयोत न ऊठेन ही नित  
 आसी निरास कीहेली लगी नरभीम के हाथी  
 बिष्याही भपेगारे सेली लगी ननबेली लगी  
 २ के लके रात अघाने नही दिन ही मैल लला  
 पुनघात नगई पिआस लगी कोउ पान देला  
 यहो भीतर येठ के बात सुनई जेठी पठाय  
 दर्इ डलही हसि हेर हरे मति राम बुलाई का  
 हूके बोत न कान दी वोस तो गेह की देह की दे



हरीमैथरिआई ३ सूनैसहेटमेसोयेसनीस  
 पनेमैनईडलहीएकपाई होडगहीपदमाक  
 रदोरसभोहेमगेरतमेजलोमाई यामनकी  
 मनहंमैरहीजुसमेटनीयाछतीवासोलगाई  
 आखेगईखुलसीबीसुनेसखिराएमेनीवी।  
 नखोलनेपाई ४ **कवित्र** कंचनमोआगला  
 गीछनीचिनगारीभईडखनलगरीसभभूखा  
 नऊनारहे बालमबिदेसयेसीविसहंमैआगला  
 गेवरवरउठतहीयोबिरहोविसारलै तूकतप  
 रवरआगलैनजातमेरीबीरआगनमेचंदचि  
 नगारीडवैकजारलै फूलरहीसांऊसअवा  
 तीकिउबाकरैआलीछानीसोछुहायदीयावा  
 तीकिउनावारलै ५ नियोनियोबनबूमे।  
 नियोनियोलोटेबालभूमेऊठेबिरहोबिछूके  
 ओअतबतनगारोहे टेरकोकलाकीअचला  
 कीचंचलाकीमैनछाउतहेनबाकीनेकनेन  
 नऊवारोहे ओथअबलाकीरहीऐकडवैप  
 लाकीसोहैनंदकेललाकीडखजतनउचा।  
 रोहे पायोपुरवाकोजैसेपोनपुरवाकोनेसे



बोलमुरवाकोऊरवाकोलुरजारोहै ६ **सुवेया**  
 सासपगहसोईबहुकिनन्यारिनहमनप्यारी  
 देनीके बाहरबैठिऊरेमनहीमनसंगसदा  
 शिवजानतनीके आवेभुआलबेलीकीआधि  
 नधावेललाकेलकीलीके ज्योंज्योबढेतन  
 तापपियअंगज्योंज्योंहीआचलगेहुलहीके  
 ७ दूसीसीसासरिसानीनतंदजिगनीसदाआ  
 नवाइरहे बहप्यारेकीप्यारीहुतारीबड्य  
 हुतासोरसोईमैजानकहे कविमंडनलात्त  
 नबोलेनलाजततेतंबेयोइतनोनमयानगहे  
 बहसोनेकोरगसहागभरीकोरुकेसैकेअंग  
 कीआचसहे ८ **क** भूरकभुगईहीऐभौनेमेभ  
 रतसोईभूलतनभावनीभूलाईसुधुपानकी ।  
 कामनेकरेजारैजारेजाकीयेफारफारकासो।  
 कहोवेदनबिकलानाईपानकी गालकवा  
 पीरकनकोऊअपनोहैवीरधीरजथगोमेविथको  
 नकबतानकी हारेपरदोमेडुरआनकीखन  
 कयोछंनकछलानकीजनकबिछुआनकी  
 ९ नायकबिही लिखलिखपातीबसकाम  
 सीरभईजानकागतनआवैहाथलेखनहुंहारी



८३  
 १३  
 है कहित सदे से जी भयक के थथ कर ही हिर  
 देक मल हुनै हर नु बिसारी है आल मह मारी।  
 पीर पीया सो पुकारै कौन बैठ पर दे सर है प्रीत न  
 संभारी है रोवत रोवत नैन पुत्त के फुटा क भये।  
 बिरहो बियोग मेरी छाती फार डारी है १ बैठी  
 थी सखी न साथ पीय को गवन सुनो सुख के सा।  
 मूह मे बियोग आग भर की कहै कब मान बा।  
 लज क सीर ही है ऊर पर से ते आग लागी बिथा  
 बाछी जुर की पिशारी को पर सयौ न पौ गये भा  
 न सर पर से ते औरै तगत भई मान सर की जल चरन  
 नै रें सिवा जल भयो जल जर की च भई की च सु।  
 क दर की ११ गुल गुली गिल में गली चाहे  
 गुनी जन है। चादनी चिखै है ओ चिरागन की मा  
 ला है कहै पदमा कर सुगत क गि जाहे सजी।  
 से जै है सुराही है सुरां है ओ पिआला है सिसर के  
 पाला को न बिआपत है क सा लाति ने जिन के प्रथी  
 ल बिदन पतने म सा लाहे तान व क ता ला है।  
 विनोद के र सा ला है सु बाला है इ सा ला है बि  
 सा ला चित्र सा ला है १२ बैठी बनि बान क सी  
 मान कमल लबी च अंग अलि बेली के अचांन



कहीथरकपरे कहेयदमाकरतहासीना  
 नतापनमैहारनैमुकताहजारनदरक  
 परे जातकृतीआतेनथकथकीमुषवक  
 नाकढतकरककनाररकपरे पासरीय  
 कररहीसासरीसंभारेनाहिवासरीसनत।  
 आखआसरीछकपरे १२ <sup>स</sup> बालकेआन  
 नचंदलगयेनखआलीकिलोकप्रकास  
 तहासी नाहनचंदनाचदमुखीमतमंद  
 कहायेकहेब्रितवासी बापरोजोतसीजा  
 नेकहाअबमोतेसुनोपछआईहोकासी चं  
 दइहूकेइहूपकोठोरहैआजहैहजओगुरन  
 मासी १४ सातसखानअटानचछीपुन  
 प्रानजहूकडूकेबैरैरी कृतपलासरहेच।  
 इपासबिताससकोसत्कूकरैरी सोत।  
 कबालबिहालभईभगवतविनाअंगअ।  
 गजरेरी दोखतदीजयेकाहूसखीअबह।  
 एनलागअंगारकरैरी १५ <sup>क</sup> कृत।  
 एकेवर्णस्वइगलसेनीसेतसेतहिवसा  
 नडजीआरीअतजामनी चलीसपीनसं  
 गोपेनदेख्योकाहूजाकोअंगजहननूनेआ



पेनपाइजातकामनी तीआकोभावजान  
 अतरीजेमानपतएकृतसपीसोकोनआ।  
 ईगजगामनी मंदमंदहसीपारीचकचे  
 देवनवारीभेपेधमभारीचांदनीमेदामनी  
 १६ असीचखचाहनलगतऊढसाहन।  
 सीअसोबिथनाहनविराजतविजेठोहै अ  
 सोईभिगटीकोठटअसोईविपेलिलाटअ  
 सोईभिलोकबैकोपीकोकोमनपेठोहै  
 करेनीलकंठवामेअसीतरजाईआईजो।  
 विनत्रिपनसोफिरतअेठोअेठोहै छुटी  
 लिटभालपेविराजेगोरेगालपेसमानो  
 रूपमालपेबिशालअेठबेठोहै १७ रा  
 वरेदरससुबानबूदहीत्रिपनहबैहैजैहैजे।  
 वियोगविशामकलसंतावनी मोरैलगी।  
 मनकोकठोरैयेमहरवांनीवोरैवनघरा  
 छटाछोरैलगीदामनी कहीयोसंदेशोभ  
 गवंतमानपियारेजूसोबासरविहातपेक  
 ठनजातजामनी मंडतमहीमहअखंडत  
 मनोजेशजपंडतपपीहाहुबैयछाईबि  
 जकामनी १८ सासहसोनकोडषआप।



नौभाषेबनैनबनैबिनभाषे तौपद्माकर  
 नामगमेरगदेषतहोकविकीउधराषे बा।  
 विधिसामरेरावरेकीनमिलैमरजीनमया।  
 नमजाषे बोलनबोनबिलोकनप्रीतिकी  
 वीमनवेनरहीअबआषे १५ आयेमन  
 भायेबहुदिततेविदेसकायेदेखनअबाये  
 नेनहीयरासिरातहै आगमऊकाहामन  
 मेभकीप्रवाहाभूलीसभलावीतगईअथा।  
 रातहै बिहोकीजराईसेसप्रांनहुअवाईमो  
 हिइखननेयाईसोतआनकियोचरातहै ये  
 रेजुनारदारतोहिबरजतहोबारबारमोग  
 रीबनीकीरातहै २० दंपतकरतरतसंदर  
 सरसयतवारोरतिपतवितकईकेसहसको  
 लालकीभुजानपैललनाकीलसेजाबग  
 छेगहीपीवपीयाकीकटपेआनरहैहेऊठा  
 यअैसेअंगरीनदसको मेरेजानेपांचबान  
 पांचपांचबाननकोबांधचडेडहूअरडहू  
 तरकसको २१ सुनेसहेटमेसोथेसनी।  
 सपनेमैनईडालहीईकपाई होऊगही  
 पद्माकरदोरसोभाहेमारेरतसेजलौआई



७५  
 १५  
 यामनकीमनइमेरहीसुसमेदतीयाछती  
 आसोलगाई आखेगईखुलसीवीसनेस  
 विहायमैनीवीनखोलनेपाई २२ **कवि**  
 तेरीसुनीबानीमोनगरुतभवानीदेखेनेन  
 नकोपानीरतरानीवारनाधिये भोहनवि  
 लासमंदहासअंगकेसुवासदृपकेऊजासस  
 षमाकोदेवसाधिये माननकीमानअब।  
 लीजेनिदानप्यारीनैकसुसकायप्रेमपगे  
 बैनभाधिये सोभासुभेदेनीषगथारगतगे  
 नीक्षतदेषमृगतैनीमीतलायउरराधिये  
 २४ ऊँजऊँतगुंनतमधुमपुंनकेबिला।  
 सबसीबट्आसयासवासुरननानिये ल  
 लीतसयनवनवेलीलिनकोसुवासरास  
 रसआगेकेसेडोरऊरआनिये शरदसुधा  
 करसंजोगमैंबसीकोबजैबोडोरमधूर।  
 सुरगैबोवृजकोनकोतभाननकोआनेद  
 वषानिये २५ दमकैअधरानधनेआन।  
 परेविवविद्वमदेषभएगथके भारअंया।  
 नअच्छप्रतच्छप्रभाचितेमेप्रितिविंवमए  
 मथके तेहैकालप्रभावतिगुजमेणउ

पुलनइविनेसेचहंडीरभोरबोलेमृदवानिये

अस्फो  
 ८.



पमाकबसिलपेहिगथके तेहैकालप्रभा  
 वतिसंजरो बिगसेरदछाश्छेमुकताहि  
 गदेषथकेमुक्तानथके २५ दोरसषी।  
 उठजाश्कवारदबैरपर्याससिआयोसता  
 वन लेदलतारनकोप्रगस्योसुलगीरेम  
 जूषकेबानचलावन चादनकीनिहरो  
 लजहांसुलगेवनऊंजनडंदमचावन  
 आनभदूव्रजचंदबिनाहीश्चंदचयोव्रज  
 बालजरावन २६ **कवित** द्विगमगवा।  
 रीआलकनपेसवारीबानासकासकीर  
 वारीलालीअथरउठेइ दामनीदसनवा।  
 रीजीवातेकपोतवारीकरकेंजवारीबिचुरा  
 मपूपेहैदेइ कटमृगवारीचलगजरान  
 वारीसिभुनाथप्यारीवारीमेनमनमेरेहीइ  
 आगेद्यटवारीपीछे पीठपठवारीबीचलांबी  
 लटवारिलयतचलीगई २७ नबलजु।  
 वनवारीमीलीहेनुवनवारीदेखवनवारी।  
 मैतोआनीबलछलके वारीमेनवारीको  
 वारवारडरीमुरतबिलोकेसिभुनाथक्यों  
 नललके केंजवारीआषेवगवणीविसा।



७६  
 १७  
 कसारी आषेवनवारी भो है पेन वकवारी प  
 लके आथरवारी बिंवे पेदसनवारी हि  
 राछबमोरवारी वेसरमरो खारी आलके  
 २७ सखीनसिखायोलीला हाव है परम।  
 हाव आवे मनिराये तो तो चित को हरत है  
 सभके कहते आली सीम पे मुकट सजाओ  
 छोपीत पटकर मुरली धरत है तो लौ सि  
 वदि आलरूप काहे देख भाज चली देह थ  
 हिगानी पछ तो नीहरात है छाही लगी।  
 पीछे नारती चै के सव च चली नाही हम ना  
 ही पर छाही सो करत है २५ आये महा।  
 दारण मया के मे चरजराम जारुम चरु।  
 शरजु के जहिराय के चुवै चले निऊं जत।  
 रसीत भेभीत दोऊ एक पीत पट मे रहे है तप।  
 राय के तब हर राध के ऊंचे कगहि ओ छत्र।  
 दडवन को घमंड महाबर सो अब या के बी  
 त डवै बिभाग पर ऐ कही छ ना के तर छ ब।  
 निहलोक की छपी है देखो आय के १० बैठी  
 थी सखीन सात पी को गवन सुनो सख के स  
 सुहमे बियोग आग भर की कहै कब मान

अस्फो  
 २.



बलजकसीरही है ऊपर से ते आगलागी।  
 बिधाबाछी जरकी विधारी को परस पौन पौ  
 नगयो मान सर पर से ते औरै गति भई मान।  
 सरकी जल चर जरे ते सिवार जकार भयो।  
 जल जरकी च भई की च सक दर की ११  
 कि पोजो बना जनाय आह तर का शोति नि  
 र भइ आइ उत कही ताली नो अल के कसो  
 रीकी चतरी को चने रो स्या नय को क्षान।  
 बैठे राउत ले षेल की यो सभे एक ठेरी की ३  
 ठेऊ चकानु गो यो वन की तसी लली ए सभे  
 चीत चोरी की वास के पर गने मे रुप तो सक  
 दार आयो नेइ तो तसी ललागी कांम के क  
 रोरी की १२ देख सख चंद ड नि संद सी लग  
 त मोहिलो चन बिसाल मृग सावक सरफ  
 हैं सौने हूं को पात गात देखत लजाना  
 नजा की मीन गति वा सों रुप की तर फहें  
 मोनी मोर वे सरि को लस्यो लाल डोठ नि पें  
 मानो ए तो विवडि ग बूदन बर फहें तो।  
 लभा जी लखि वां सी लपटी कपोल नयें मो  
 नो थक आर सी में फार सी हर फहें १३



१७

अजि कजि रोखों जां कि परम निरम प्यारी देखं ही  
 दिवाई दे के इ नो दुख दे गई ने ऊं ही नजर जो रि  
 मुरि मुस कया इ मोरि चेट क सो लाइ शिर उर ।  
 बिष दे गई कहें क बिगंग में सी देखी अन ।  
 देखी अन देखी भली देखी नांति रष के विहाल  
 वाल के गई गांसी में सी ओषति सो ओसी ।  
 ओसी कियो तप फांसी में सी लट नि सों सिमा  
 न ले गई ३४ **संवेया** ठाढे भये कर जोर ।  
 के आगे अथी नइ बेया पन सी सनिवायो के  
 ती कीरी विनती मति राम पे रमैने की यो हठने  
 मन भायो देखत ही सगरी सज नीतु म मेरे ।  
 तुमान कहा मन छायो ठूठ गयो ऊठ आन पि  
 आरो कहा कही ये तुम डन मनायो ३५ जा  
 कैली ऐग्रहिका जत जोन सिखी सखि आन  
 की सी खसि खाई बैर की यो सगरे ब्रज गाऊ  
 सो जा कैली ऐऊल कान गवाई जा कैली ।  
 ऐचर बारत ज्यो मति राम रहियो दूस लोग च  
 वाई जा हरि सो हित ऐक दि बार गवार मे  
 तोरत हेरत लाई ३६ ॥

अस्फो  
२



ॐ श्रीगणेशालिखारी नमः ॥ अथ कवित्र  
 वैष्णवसखोनेपठाणेदे ॥ कवित्र ॥ ॥ कंचनकेमो  
 दिरनडीठठहगतनाहीसदादीपमाललाल  
 मानिकउजारेमों अउरप्रभताईहकोकहालो  
 करोंवधानप्रतिहारभूपसदादरतनाहारेमों  
 गंगाहूकेहाइमुक्ताहललुटाईवेदवीसवार  
 गाईध्यानकीजिएसकारेमों जोयेअसेभय  
 तोकहारसघानकहेचितदेनकीनीप्रीतपीन  
 पटवारेमों १ क० कहारसघानसुषसंय  
 दाअपारकहाकहाभयोजोगीहेलेगेएतन  
 छारकों कहासाथेंपचानलकहासोएवी  
 चजलकहाजीतलियगजसिंधुवारपारकों  
 नयवारपारतपसंयमविशारव्रततीरथहा  
 जारअरेसुखनलवारकों कीनोंनापिशार  
 नहीसेवोदरवारपकनंदकेऊमारनिराका  
 रकेअथारकों २ सवेया कंचनमंदिर  
 ऊचेबनाइकेलेमनिमानकसोंऊलकेय  
 प्रीतहुतेसगरीनगरीगतमोतनकेजोतला  
 नछेए तदियदीनप्रज्ञानप्रजातिनकीप्रभुता  
 मचवालनचेय अएसेभएतोकहारसघान



98

जसावरे घाल सोनेहनलैष ६ **सवेया** मान  
 सहों तो वहीर सघान वसों मिल गोऊल गोंउ  
 केवारन जोय सहों तो कहाव समेरो चरों मि  
 लनेद की गोइऊमारन पाहनहों तो वहे गि  
 र कोजे कियो व्रज छत्र पुरंदरधारन जोष ग  
 हों तो वसेरो करों मिल कालिंदी कुल कदंब  
 की डारन **सिवजी देस वैये ॥ ५ ॥** वह देष  
 यहरा के पात चावात ओगान सोंधर लग  
 वत है चहै और नराश्रट के लटके कब सो क  
 फनी फहै रावत है रसधान जेई चित्त वैहि  
 त सोतिन के डुष डुं दभ गावत है गज खाल  
 कपाल की माल सोहै सोइ गाइ वजावन आ  
 वत है ५ **सवेया** वेद की ओषध घात नही  
 न करे ककुसुं न मजी सुन मोसे तो न लया  
 न कि ओर सघान सुधार सजान लखो सुष  
 तो से परी सुधा मय भागीरथी सभय थ्यऊ  
 पथ्य वने नरुपोसे आकथन रोचवान फिरे  
 बिष घात फिरे सिव तेरे भरोसे ६ **सवेया**  
 गोपन गावत गोपन में जवनें नह मार गहै  
 निकसो तबनें ऊल कांन कि तो क करों या

रस.  
 घा.  
 १



हपापीहियोहुलस्योहुलस्यो अबनोजोभ  
 ईसोभईनहिहोतुहैलोगअजानहस्योतोहस्यो  
 कोऊपीरनजानतजानतसोजिनकेदृगमेर  
 सषोनवस्योः ७ **सवैया** दानीनएभएकान  
 काहावतजोसनेकंसतोबांथेजुनैहो रोकत  
 होवनमेरसषोनयसारतहाथमहाडषदैहो  
 टूटेछरावछनमेंमोथनसोथनकोवरसोथन  
 पेहो जैहेशभूषनकाहृतियाकोछरानके  
 मोलललानविकैहो ८ **सवैया** शयोहु  
 तोनियरेस्सषोनकहाकहौंरुनगईउरठैया  
 जेतीसेयानीअयानीनिदानीअजानिहुनादेनले  
 तवलैया कहाजहकहौंकरिबोनवनेसनप  
 कचरित्रकियोजउरैयांननयेनननरिदि  
 येजउरैकंगगयोतंभरिजागयोपाननमा  
 गयोनेहचरागयोमेंयां ९ **सवैया** रमकेंडु  
 तऊंलदामनिज्यांभुरवाजितगोरजराजन  
 हे मुक्ताहलबारनगूथनकेंसतोबूदनकी  
 छबछाजतहै वृजबालनईमहीरसषोन  
 सइंडवइंडतलानतहै यहआवनश्रीमन  
 भावनकीबरषाहिसमानवराजतहै १० **स-**



लालशुलाल दुकूलन फूलशुलीशुलिजुंतलरा  
 जनहै सुकनाके कंदबर्तेशुवकेमौरसनेस  
 रकोकिललाजनहै मयतूलसमानकेगेज  
 छरानमेंकिंसककीकबछानहै यहश्रावना  
 राथकेकोरसघोनवसंतसोश्रानिविराजनहै ११  
**सवैया** मोहनकीमुरलीसुनिराधिकारीजके  
 श्रानश्रटाचठजाकी गोषबहूँनकिडीठवचा  
 इकेडीठसोडीठमिलेदोऊवाकी देशनमोल  
 भयोश्रषिपोनकहाकरेंकोनववाश्ररुमाकी  
 कैसेछपाइछपेइइकीरसखानइहंकिविलो  
 कनबांकी १२ **सवैया** एकश्रोखतरनारवी  
 जनाकुलावतहैदजीश्रोफारीलियेयाहीजुन  
 पानकी तीजीश्रोपानदानपाननपुलावन  
 हेराथेसुषलालीवनीछबतडानकी नही॥  
 समेवंसरीवजाईरसघानपीयश्राइसथहुंदा  
 वनकुंजनलतानकी वामेगिरिनीरवारीदा  
 दनेसमीवारीपाछेपानदानवारीश्रागेवृषभान  
 की १३ **सवैया** एसजनीश्रजनंदकुमारबना  
 ईपवांसरीयारंगभीनी ज्ञानसुनीनिनहीति  
 नहीतबनेसबलाजबिदाकरदीनी तुमेपरी  
 खरेनंदकेहारनबीनकहाकहाबालपवीनी ॥



याव्रजमंडलमेरसषानसोकोनभट्टजेल्ह  
 नहिकीनी ॥ **सवेया ॥ १५ ॥** आनभट्टइका  
 गोपबध्मभट्टवावरीनैऊनअंकसभारे मान  
 अयातनदेवनएजतमासुसयानमुकारे योंर  
 सखोनखरोसगरोब्रजआनकेआनउपाउविचा  
 रे हेकोऊकाऊरकेकरतेंयहबैरनबोसुरिया  
 गहिडारे १५ **सवेया** एकदिनासुरलीधुन  
 मेरसषानलियोकइनासुहमारो तादिनते  
 उहुवरनमासकितोकियोदेतनकांकनहारो  
 होतोचबाउबलइसोंआलीरीजोभरलेतहों  
 अंकमोप्यारो वाट्यरीअबहीअहटकोहीय  
 रेहटकोटपीपिरोपटवारो १६ **सवेया** जादि  
 नतेसरिवतेरीगलीनिकसेमनमोहनगोथन  
 गावत एब्रजलोगसोंकोनकीवातचछाए  
 केभोहननेननचावत बैरसखोनजोरीके  
 ओनेकसोतूक्योंनताकोबनाएरिजावत  
 बोमरीजोयंकलंकलग्योतोनिसेकहैअंक  
 हानलगावत १७ **कवित्त ॥** गोरजविराजेभा  
 ललहलहीवनमालबेगेंयापाछेंगपलगावें  
 मृडबोनरी जेसीमथुमधुपुनिवांसुरीकीबाज  
 तहैतैसीबेकचितवनसेदससकोनरी कदंब



केनिकटनिकटनटनीकेनटश्रटाचछचाहे  
 पीतपटफहरानकी रसवरषावेननननपत  
 बुजोवेनैनपाननरिजंवेवहगोवेरसषा  
 नरी १८ **कवित** सोइब्रह्मब्रह्मानाकीक  
 रतसमाधनितशदाशिवसदाहीथरतथा  
 नगोठेहै सोइब्रह्मजाकेकाजग्यानीमूढ  
 राजारंकजोगीजातीहैकेसीनसहेअंगदा  
 येहै सोइब्रजचंद्रसषानपानपाननमे।  
 अतिअभिलाषलाषभातनकेवाठेहै जा  
 सदाकेअणोवसथाकेमदमोचनवेतामरस  
 लाचनषरोचनकोठाकेहै १९ **कवित्र**॥  
 जमुनाकेतीरतहांकरुनीअधीरगोपीअन  
 नेरषोहोषरोगरोहीभरोहोसो चोरहेह  
 मारोप्रेमचौनरातंहारोगदराननतेनिकस  
 भाग्योहैकरलजोहोसो एसोदूषएसोभे।  
 घरमहीदिखायोदेखदेवनमेरसखाननेन  
 मचभेहोसो मुकुटऊकोहोहारहियरेहरो  
 होअंगअंगसुमरोहोसो २० **सवेया** संपत  
 सोमऊचातऊवेरहिदूषसुदीनचनोतअनेगही  
 भोगकीकेललियेहिपुरंदरजोगकीगथथरी  
 सिरमांगहि असिभयतोकरहारसखानरसी।



रसनानुमुक्तनरंगहि जोवितजोकिनरंगा  
 रंगोसरसोरचिराधिकारनिकेरंगहि २२  
**सवेया** कंससुधीसुनवानिश्चकासकिजाम  
 नहारकुमारनपायो रैनश्रुथेरमिलेवस  
 देवमहावनमेश्वरगरेथरआयो जादुनचोनु  
 गजागतपाईसनाहिजसोमतसोवनपायो  
 भाडकसोवरआठहकोरसधानमहाप्रभुदे  
 वकिजायो २२ **सवेया** श्रीहरिदासकिगर्व  
 भरेश्वरनेकश्रुनेत्यानिहारनके सोमभुरेस  
 धानकरेश्रुसीनघातासिवहारनके योन  
 हिलेइसजाचियेकेपांवरनेगुनकोनतिहार  
 नके कीरहिपंडिविहारदुसोसुववेपरवा  
 हविहारनके २३ **सवेया** वामुषकीमसा  
 कानमहाश्रुषियानतेनेकटरेनहिदारे जो  
 पलकेपललागतहीयलहीयलमोहिपु  
 कारपुकारे दूसरश्रोरननेकचलेइनेनेन  
 नेसगधोवजसारे प्रेमकिबानकिजोगक  
 लानगहीरसधानविचारविचार २४ **सवे**  
**या** मोरपसासुरलीवनमाललषेहियकेहि  
 पराउमहोरी तमदिनतेइनेबेरनकोकहि  
 बोलकुबोलसमेजसहोरी मोरसधान



सोनेहल गयो कोऊ एक करे कोउ लाय क होरी  
 और सोरंगर होइ करंगर गीले सोरंगर होरी  
 २५ **सवैया** मोहि न मोर न सोर सघान अचा  
 न क भेट भई बन मांही जे ठकु चाम भयो सघ  
 धाम अनंग न संगहि संग समांही जीवन को  
 फल लेह भटल बानन की लस जो तर नाही  
 काहु क हाथ थग परहे सिर ऊपर मोर करीर  
 कि कोही २६ **सवैया** हेरत वारहि वार डते  
 अब बांवर बालक हाथु करेगी जो कछु चहे न  
 करे सघान न केहु न वीरि थीर थरेगी मा।  
 नहि काहु कि काहु न ही ज बट पठगी ह वि  
 रंग छरेगी या तिकह सिष मान मट्य रहे  
 रन ते रिहिये ड परेगी २७ **सवैया** देसा  
 विदेस कि देष न रेसनरी ज कि कोउ सुबूज  
 करे गो तो निति हेत ज जात गिरो पुन सो।  
 पुन सो पुन सो पुन गांठ परे गो वासरवार  
 वडोरि ज वारहि सोर सघान सुछार छरे गो  
 लाइल खेल बहे ज्यु हीर को पीर हमारि।  
 हि पकी हरे गो २८ **सवैया** काठ फटे कि  
 फटी ड पटी ड फटी सन आधिक थाही भावा  
 न भेष सभर सघान न नानिय को अविश्राल ल



चौदी नूकछु जानतया छबकी यह को नहि।  
 सांवरियां बनि मांही जोरत नैन निहारत भो।  
 हन चोरनाचित मरोरत बांही २५ **सवैया** चो  
 बटकेत दवान टागर की सुन केतत कारी रा  
 सविलोकन को रसघान सभे उमगे ब्रज के नर  
 नारी देखत घेत परे सगरे जित ही नित ही।  
 बनइ ब्रज मारी तीछन को मन की चहुँ ओर च।  
 लीचित चोर चित न छुटारी २६ **सवैया** मक  
 रा कृत कुंडल गुंज कि माल डलाल बनी पग।  
 पोवरिया रसघान बिलोकन सो छहै गइ वां  
 वरिया ब्रज डावरिया सत नीवर गो कुल में  
 विष सो विगरी यह नंद कि सांवरिया वक्रान  
 चरावन के मिसुगावत देग उभावन भावरिया  
 २७ **सवैया** काहु को माषन पाषगयो अरु का  
 हु को हथ दही ठरकायो काहु को चीर ले हृषच  
 ह्य अरु काहु को जज छड़ी छहरायो मानत।  
 नावर जोर सघान सजानत राज यही चरयायो  
 आवुरे सज सो मत सो तमल गरजाइ कि मे  
 रमंगायो २८ **सवैया** एक समे शक पारिन के  
 ब्रज जीवन घेलन डीठ पयोहैं चरनारन आ



वनसो मेरकाइ कि मोरन चीर पखो है योरा।  
 समें रस सीर सघान सघी अपुनो मन भाइ करे  
 हैं नंद के छोहर हांकि देसी सहहा मुहि गोव  
 रहा थभर्यो है ३३ **सवेया** बोलन बोल।  
 सदाइ कछु न कछु पिय सो मुख सोल रही है  
 काल जुगार सवेचन को ब्रज बासिन बीच  
 लीनिक सी है आनहि बार कले हृद ही कडुं  
 ने कहि ने न बीच रही है बैरन बाहन ई मुस  
 कान सुई रसघान के प्रान बसी है ३४ **सवेया**  
 परिस घी बह ग्यारि ऊछोहर यावन येन चरा  
 शगयो है मोहन जो नन गोथन गार्इ कि वें नव  
 नाइ रिगाइ शगयो है वाहिदिना कछु टों न सुके  
 रसघान हि पविस मायगयो है कोउन काड  
 किकान के रसगरो ब्रज वीर विकाइ शगयो है  
 ३५ **सवेया** सुंदर स्थाम सनेह सनी चुचरी।  
 अल के चुचरी रविहरत सोर सघान मिलीति  
 इलोक कि संन सोचित आनय सरत चंद्र कि  
 सी सल से मुख सुंदर पीय चमूचत रंगन चूरत  
 गाइन की गिरिदां वरि मेडुष दो वरि मेडत सो।  
 वरि मूरत ३६ **सवेया** नेन लप्यो न बऊन।



ननेवनकेनिकस्योमटव्योमटव्योरी सोभत  
 हारदियनटव्योउरकेसुकारीटलमेंलटव्यो  
 री कोरसषानसुन्योहटव्योब्रनलोगफिरें  
 भटव्योभटव्योरी दूयमनोहरबानटकोहिय  
 राश्रटव्योसुषरोषटव्योरी ३० **सवेया** आ  
 नभटुकडनंदकुलालनशानआचानिभुजा  
 लटव्योरी सोचहुपाइकिपरसषानपिलेमा  
 नुशानसवेसटव्योरी नैननकोवटपाइज्यो  
 लडोलनमेंचटव्योमटव्योरी लोकचवाइ  
 कस्योहि॥ येश्रटव्योसुषसेपरव्योरी ३७  
**सवेया** श्रीदृषभानकिछानधुजाश्रटकील  
 रकानतियानलहरी बासषानकियानकि  
 जानछडावतराधिकेंप्रेममईरी जीवनसूर  
 सिनेजलिराइनहंचितेश्रोउनहंचितेश्री  
 लालललीटगजोरतहीसरजानगडीउरका  
 इदहरी ३९ **कवित्र** श्रधियाकृताराथकरें  
 ननेकमेरीरायेनदीचनेसचनकरीरनकीश्रो  
 टहै छेकेछेलकोहराकबीलेरसषानजा  
 केअंगअंगसबकवनकीपोटहै चंददस  
 चारसमअथनीजमारसमचारसबकाहयें



नघोटहे देखेंमुषसांवरेकेडीठसोतलोयोट  
 चोटनीकेचोसरचटकपरचोटहे थ- **सवेय**  
**हरिहरस्थान** इकशोरकरीटलसेडसरेदिस  
 नागनकेगनगाजनरी रसघानपितंबरपक  
 कंधापरएकवचंबरसाजनरी सलीबरथा।  
 रतआधिकश्रोठहिआधिकनादसुवाजनरी  
 हरिसूरत-हिलेटुबुकीनिक्सेइहभेषविग  
 जनरी थ- **सवेय** मोरयषासिरउपरराषा  
 केगुंनकिमालगरेपहिरोंगी श्रोठपितंबरसे  
 लऊदीअरुगोथनगोहनसंगफिरोंगी एती  
 एहेसनररसघानसोतेरेलिएसभसांगक  
 रोंगी एईमुरलीपरकीमुरलीअथरांनथरी  
 अथरांनथरी थ- **कवि** भूल्योगृहि।  
 कानलोकलजमनमोहनकीमोहनको।  
 भूलगयोमुरलीवजाइवो अबदेदिनमैरस  
 घानवातफलजइहेसजनीकहालोंचंद  
 हाथनइराइयो कालहेकलिंदीतीरचित  
 योअचानिकहेइहनकोइहंशोरमुरमुस  
 काइवो दोऊपरेपैयादोऊलेतहैबलेयाउ  
 हेभूलगईगेयाउहेगामिरउचाइवो थ-



**सवैया** सोहत रहे चंद बासिर मोर को ते सो।  
हि सेंदर पागल सी हैं ते सोहि गोर ज भाल।  
विराजत ते सेंहि एवन माल बसी हैं रस वा  
त विलोकत वोरि भई हृग मंद गुवार युका  
रह सी है घोल रिश्राव ये घोल कहाय ह।  
मूरत नैन न मोह वसी है धध **सवैया** अ  
गहि संग जरा पतखो सिर सोहत रहे पगिया  
जरा जरी हीरा कि मालहि पेल टकेल टुआ  
लटकेल टुंच टवारी श्रव पुन न ते रस  
घान स मोहन मूरन आन निहारी चारो दि  
सा के महो आच हांकत जांकत जांके ऊरोषे  
मेवां के विहारी धध **सवैया** मकरा कृत।  
ऊं डल गोर ज माल लसें उर गुंज के हारन मे  
कट पें पट पेट लपेट लियो वह धेलत डोल  
त ग्यारन मे मन मेरो अचान कही रस घान  
सुले गयो न कनिहारन मे श्रव को सरजे को  
उतेक करो उर जो मन चुंचे वार मे धध **सवैया**  
**या** के सरिया पट के सर घोर ल मे उर गुंज को  
हार ठरारो देषत हों कव की रस घान घरे  
संग नातु म डीठन दारो आयत कहों जया



104

छवसोवनठाठेविकाऊसेरोकतद्वारो हे  
 तोवेकाडजोलेतबनेहसिबोलनेहारोसो।  
 मोलहमारो थ० **सवेया** शंकरसेसुरजा  
 हेजपेचतंगननथानमेथर्मबछावे नेक  
 हिपुडरश्रान्तहीजडमूलमहारसखान  
 महावे जाहेभुशंगअनेगविरंगनवाभतपा  
 ननपारनपावे नाहेअकीरकीकोरुरिया।  
 बुकियाभरकाककोनाचनचावे थ० **स**  
**वेया** यालजलीअरुकाभरियानिंदुराजत  
 हीपुरकोतजबाहं अठोदिसिधनवंनिथ  
 केसुपुनंदकिगांअचराणविसातुं रसघां।  
 तभनेशनैननसोवजकेबनवागतडागा।  
 नेहातुं कोटकियोवलधूतकेपामकरी  
 रकेऊंजनडपरवातुं थ० **सवेया** वृजकी  
 वनतासबछेरकरैनेरोछारबिनतोकाहाक  
 सुरी तूरुमकोंजमकादभईमुषकोइगा।  
 हीनोकहारसुरी रसघानभलीविथअन  
 बनीरहेनेनहिदेतदिमादसुरी हमतोत।  
 नेओव्रजकोबसबावसुरीवृजवेरनतवस  
 री थ० **सवेया** सभहीमिलिमोहनिमोह



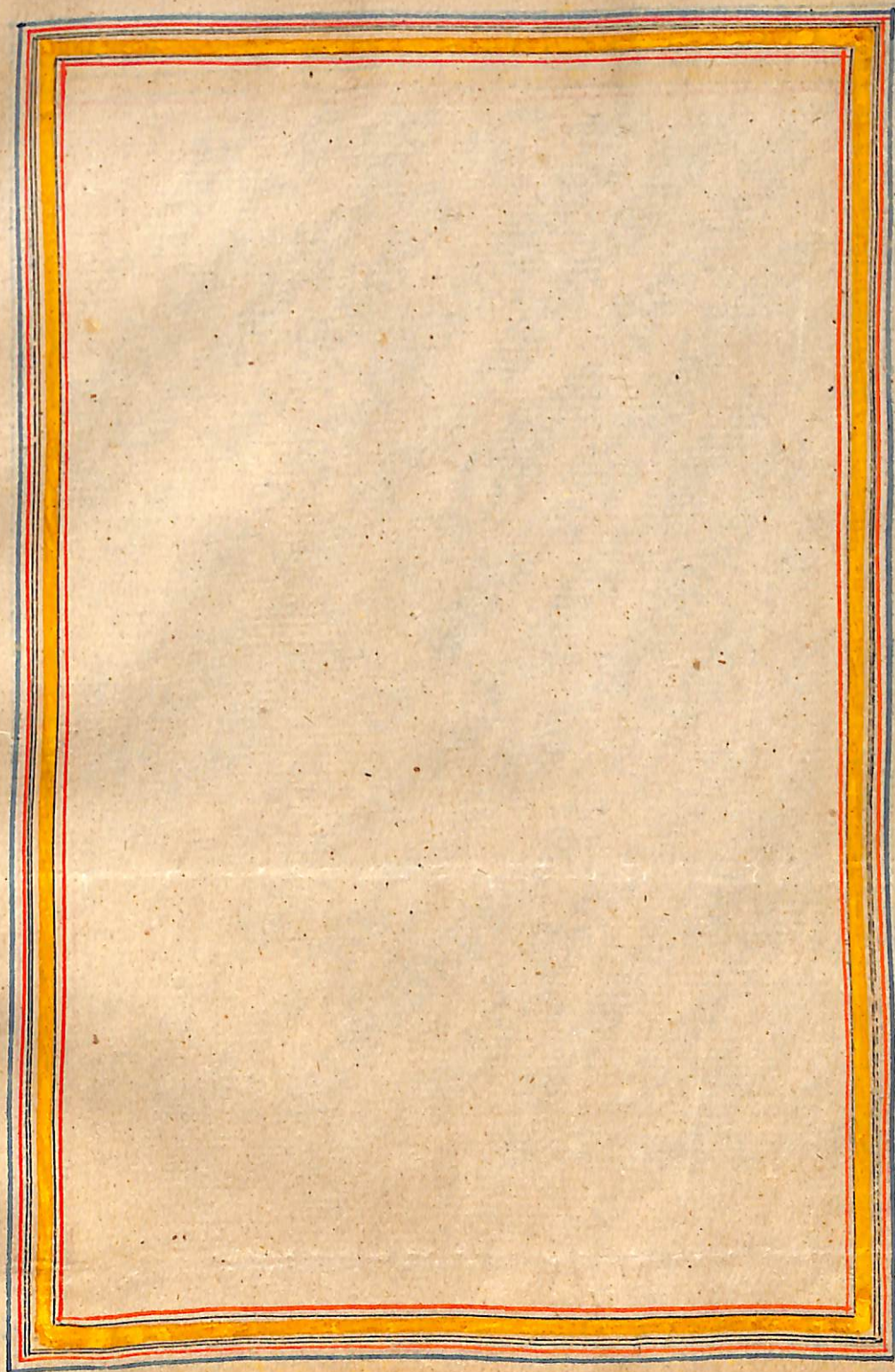
नकी मथुरी सुसकांन दिषाई दई वह मोह  
 नसूरत में न मई उनहूँ चितई तोहउं चितई  
 उनतो अणने अणने चरकीर सषात भलीवि।  
 थों ललई कछु मोहि को पाप पस्वो पल  
 में गणों वरि मोह पदार भई ५१ **सवेया**  
 मान की ओय हे आथ चरी अरि तोर सषात डरे  
 हित के डर नाहठ की निपका डि पपाप रो  
 पमें कटा छ महा हिय राहर लाल गुण  
 ल विलोकि पने कछु बोकिन है कर सो कर  
 नाकर वेपर वारे हे पान सुवात कह अक्का  
 कर वेपर ५२



105

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a textured appearance with visible creases, discoloration, and small red spots. The page is framed by a double-line border: an inner red line and an outer yellow line. The overall tone is warm and historical.





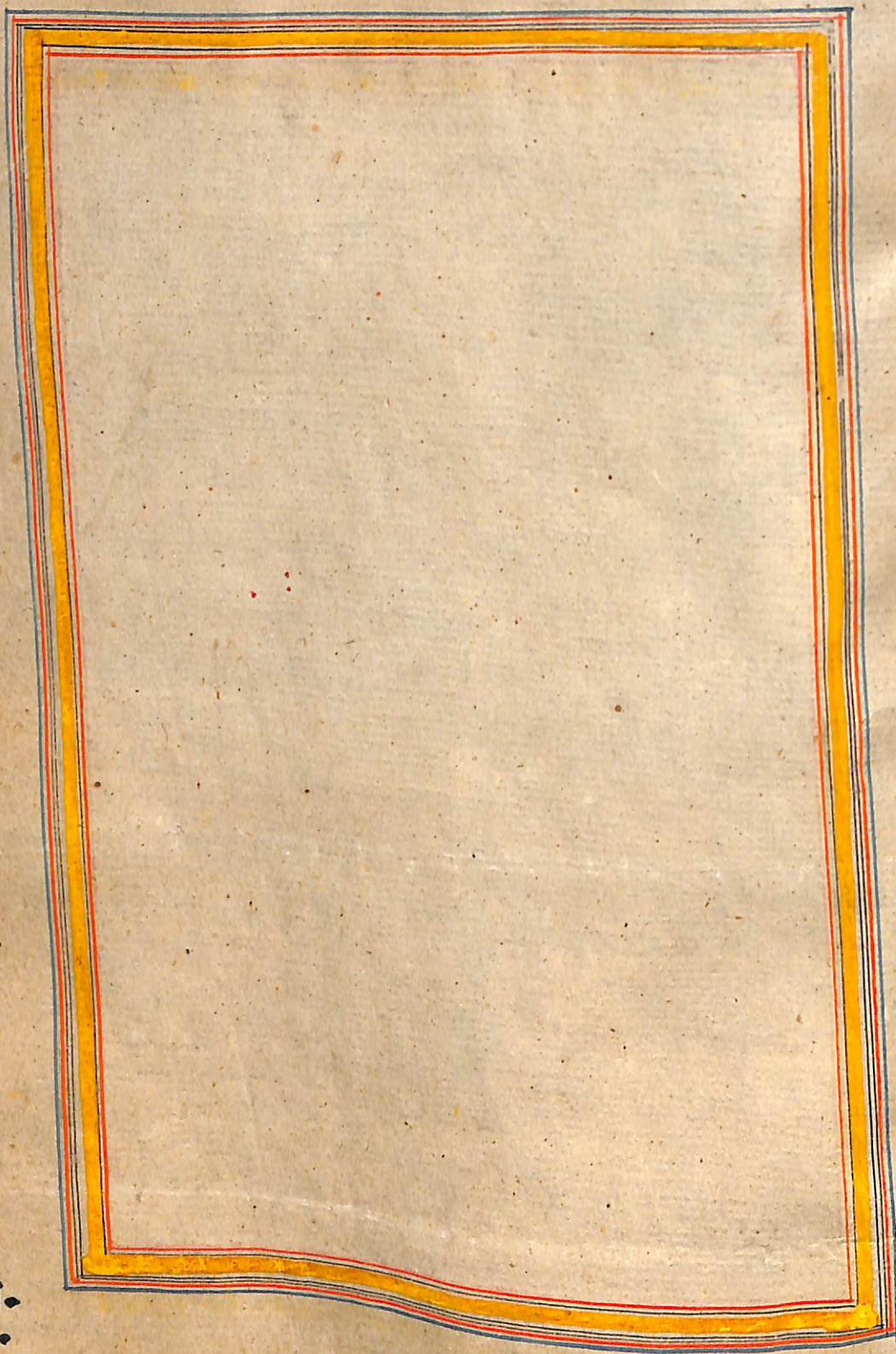


१०६

२०५

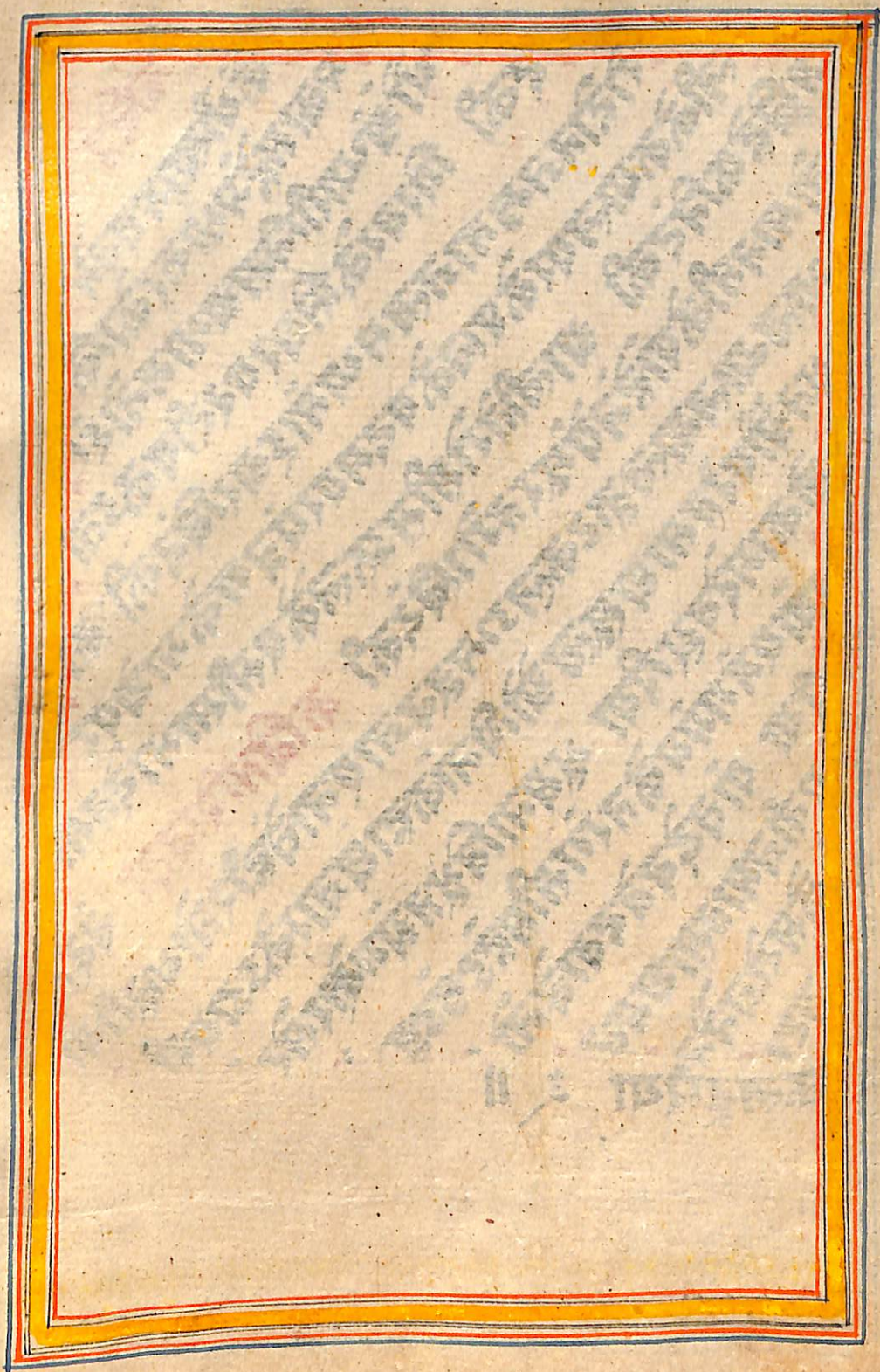
१०६

१०६



रस.  
षा.  
२

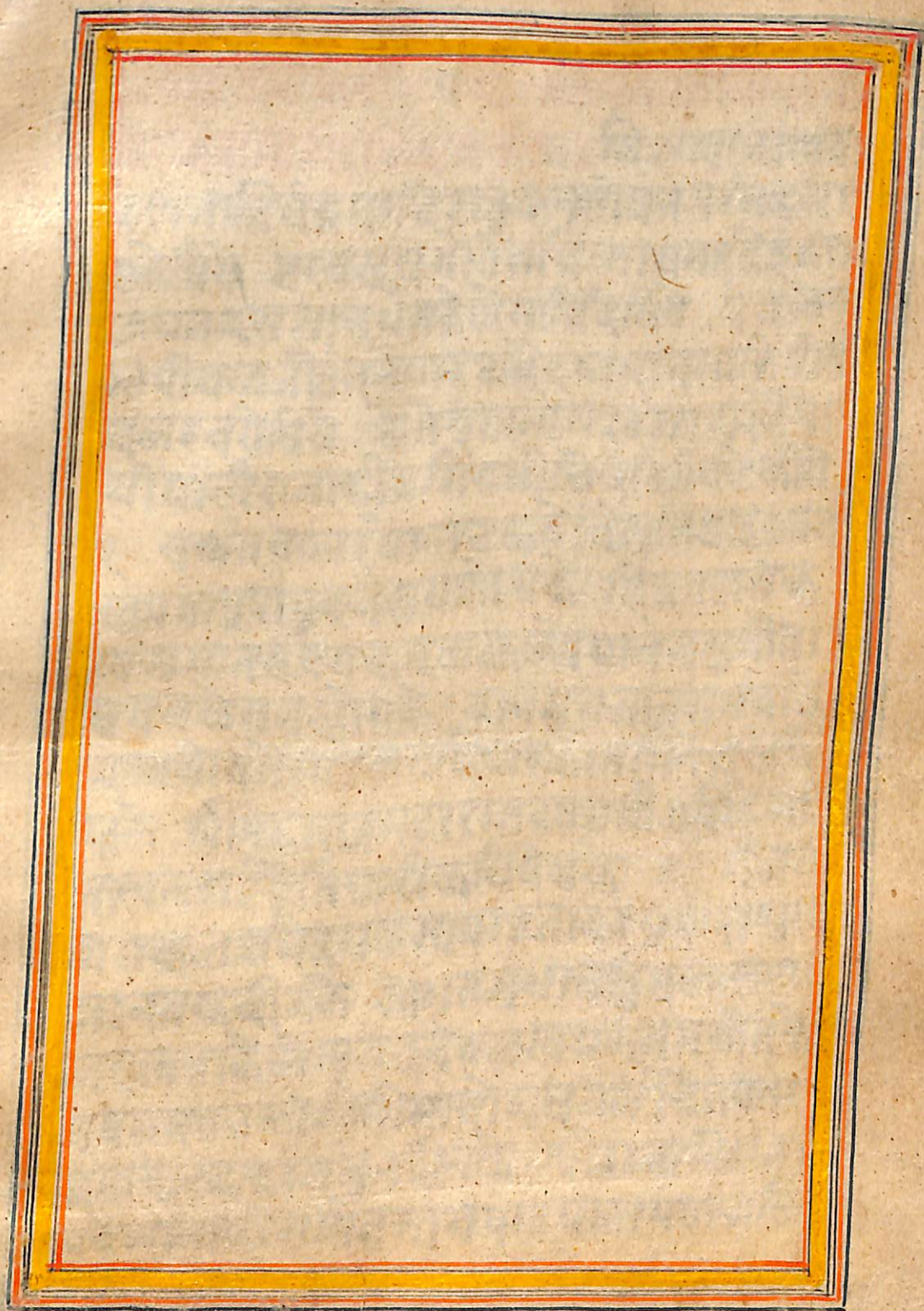






केथोस्यमचनेमे  
 मकासहप्रभाकरकोकि  
 थोअंधारीनिसअभामनोरं  
 दकी गिरवरकेसिखपरसीपकउजा  
 रोहोनजमनाजलमथमोदअरविंदकी का  
 लीकेकपालपरकेशवकेपदमपरपन्नगकेमाथेपर  
 मविहफनिंदकी आलीतिरोसीसफुलकेपसीसाभादेनमा  
 नोमानतीकेपाहनेपेसरतगोविंदकी कबितिशिवदा चंद  
 भालवालमालहटकलजामहबजाएनाचेहीरजोथहरिया  
 सतओपरतसाथसुलओपिनाकहाथजारकेड्डापसी  
 नोकासदेवधरिया रुसनाविभूतअंगहारसे  
 दिया पांचदेववेदवाचेनो  
 गनीजमानसाथमह  
 केसरोजनने  
 लेट  
 कलहरिया २ ॥

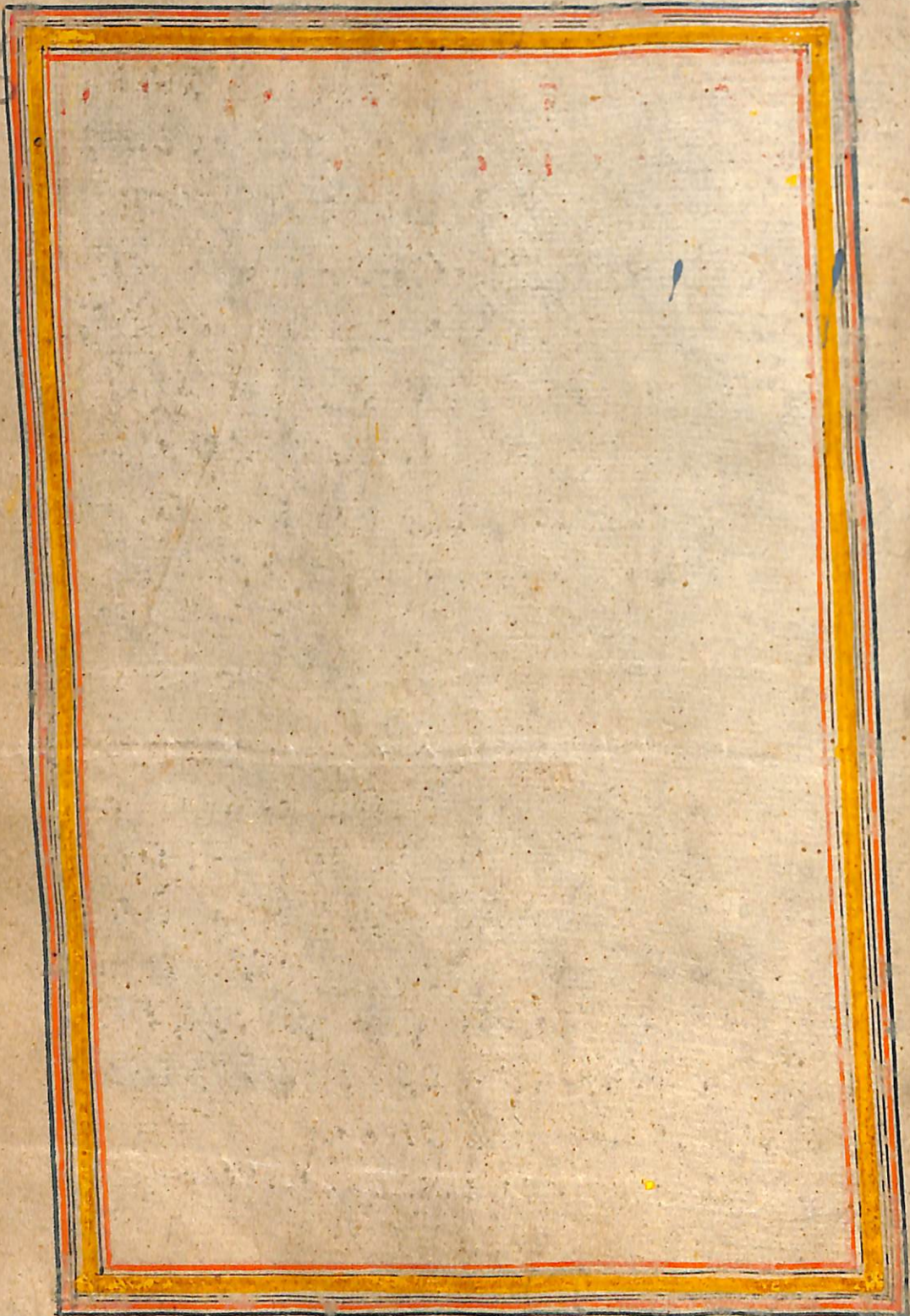






५२

१०८



रस  
घा.  
८



ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ जस उपमा कबित्राजा  
 दिराजराजा हीरासिंह वर्ननं ॥ मित्रगणनराणक  
 रणमाहिचंद्रमाहिशत्रुदलसोषनप्रसिद्धसु।  
 स्तेषिये सरवसुषभोगेनविलासमाहिइंद्रत  
 तथनदसमानयनदेणेमाहिदेषिये प्रबलप  
 तापीबलजीजनमेपाइथसैदानमानमाहिपीत  
 बलइवेषिये असेमुणनागरउजागरसैपा  
 यीपालराजाहीरासिंहजीविचारमनटेकीये  
 २ चळतचळार्चालचळयोहैससिद्धसुप्रब  
 लप्रतापशत्रुदलसुषशोषके मित्रगणसक  
 लसुजानहृदयकमलकृत्वापावनपुनीत।  
 सुषबळेजनलोगके दानसनमानसभपावे  
 यथायोगजैसेखेलतविचारकोनगिनेसुखदे  
 खके श्रीमद्वाराजमहाराजराजाहीरासिंहसा  
 कलबडाईहैतिहारीकविपेषके २ जीतज  
 गसकलप्रसिद्धगणसागरउजागरगुणनगुण  
 जानतकवीनके सोभतसुभावशुभलक्षण।  
 लखतजाकेलेखयनदेवसुखप्रभुतपवीनके  
 देषपतकालानिधिमानोमुषयाहीहैतपत।  
 ज्ञानदारदहरनजनदीनके श्रीराजाधिपति।  
 महाराजाहीरासिंहज्ञानपणपालप्रणपालि



तसकीनको३ प्रबलप्रतापीगुरुजापीमहारा  
 जसुनशोरकोनमागोझरहेहैतिहारेदरके दे  
 षजलप्रानउओहैपंथीविषावंतमहावलीवीर।  
 बीहवैठेतीरसरके दीजैशेसोदानशोरथोन  
 मागोप्राननाथवैठेसुथलेतसनबंधीसभचर।  
 के राजादिय्यानसिंहकेसएतथीहीरासिंहभू  
 पचभमासपुत्रेतिहारीआसकरके ४ दोहा  
 जगतसिंहनरनारुकोजानसभनकोईस  
 वविपश्चाकरदेतहेकबित्रवनाइअसीस ५  
 छत्रनकेछत्रछत्रथारनकेछत्रपतछाजतकु।  
 टानकितकेमकेछवप्याहो कहैपश्चाकरभा  
 भाकेमभाकरदपाकेदर्यावरिंहरुहकेरषेया  
 हो जागतेजगतसिंहसाहिबीसवाईश्रीप्रता  
 पनृपतदजलचंदरचुरप्याहोआकेरहोराजरा  
 जनपतमहाराजकछुऊलकलशहमारेतोचा  
 आप्याहो ६ दोहा हितकारीसाईहिनुहि  
 त्सत्रुविनहेत इखदार्शनकीविद्याखनबू।  
 टीसखदेत ७ जैसीछबश्यामकीखगीहै।  
 तेरीआखनमै॥तैसीछबस्यामतेरीआखनख  
 गीरहे कहैपश्चाकरनतानमैपगीहैत्योही  
 तानकानपेममैपगीरहे धीरथरधीरथरमरत



किशोरी शैले उतै लगन बग बर लगी रहे जैसी ।  
 रट तो ही लगी माथ वकी नै सी राथे राथे राथे रा  
 ट माथ वै लगी रहै ८ छूटन कमान बान ।  
 कापे निमी आस मान माचै बम मान राणा सु  
 र मारि सापे ते भीर परे भीम सोहे भूधर लौ भा  
 यो भारी सा परस मंद दत्त साज गाज आये ते  
 हाथी आये मल बे को बोडा आये दल बे सै सा  
 थी कहै चलत बे को चलै ना चलत ऐ ते कहो मै  
 कहात कसु अदुर हो पहालग चरी चार लौ न  
 चडो बिबान हडा ऐ ते ९ मीन सो जता टन ह  
 हा टन दीवा कर सों इंद्र सों गजा टन अर भाट ।  
 नवे ताल सों श्री पत सु जान राय बट सो न बट  
 हे मचट सों नचट सो नचट हे मचट सो अर नट ।  
 मसिपाल सों बाली सों बली छन ह सुणी सा  
 ह विसी छज सों और ना कनि छको ऊकुल सक  
 राल सों श्रीमी सो नमि छहे न मे र सो गरि छहे न  
 मीच सों कनि छहे न इ छहे गोपाल सों १० नि ।  
 कमन मियां न ते मय खे प्रलै भान की सी कारै न  
 मनो मनो गयंदन के जाल को लागत लपक  
 बेरी कंठन को नागनी सी रुद्र ही रिज वै दै दै ३



२०६९

110

इनकीभालको लालघनपालकउसालरन  
 रंगधीरकहालौबघानकरौतेरीतरवारको प्र  
 नभटककटीलेकेतेकाटकाटकालकासीकि  
 लककलेबादेतकालको ११ थारोसाईतोदे  
 खनलडाईलेडैआगेमात्रबाजेपाछेखाका  
 डोछे मगरमसतकेदोऊनिमानसोहैजाकी  
 पौजमैतोपयेसाकरोछे कालेहाथीपैगे  
 डेकीछालसोहैजाकेमाथेसोहैटेडोपागडो  
 छे किरकीकिरकीकिरकीकिरकाकिरका  
 किरकामाचोकिरमचीकिरमचीरंगडोछे  
 १२ चलेचंद्रबानथोऊरुक्कवानछुटतकमा  
 नआसमानभूमकेरहे चलीनमथारतस्वा  
 रचलीचलोदनलोहकीलहिरमाज्जेठमा  
 सडुवैरहो ऐसेसमेहाथदोबगायकेमकं।  
 दराएअनकेचलेपांयवीररसचुवैरहो हेच  
 लेहाथीचलेसंगछेउसाथीचलेअेसीच।  
 लाचलीमैअचलहाडडुवैरहो १३ समर  
 अमेठीकेसरोसगुरदंतासिचसावतकीसैना।  
 समसेरनसोभानीहै भनतकविंद्रभातभाता  
 नअसीसनसोमीसनकोईसकीजमातसरसा

अस्को  
 २०



नाहे तहां येक जोग नीस भटकर खोपीले।  
 सोनन पीयत ताकी ऊपमा बखानी है पि।  
 आलो ले चिनी को घकी जिवन तरंग माने रं।  
 गहेत पीवत मजी ठमुगलानी है १५ दूटै गी  
 बराहि दाऊ फुटे गी कमठ पीठ फाटे सहस्र फ  
 बियनी कहिलान के ऊछे जै है पुहम पवग  
 मके पाये लागसू के जै है सो नहं समुंद्र महि।  
 मान के परि है हलम घबान के महल बीचा  
 गि जै है गगन ऊ जे रे भारे भान के चून हूँ वै है  
 पवै गिर सिखर छहे गोम भनन कसक मर सि  
 तून हिंदवान के १५ की जी पन छील जहा।  
 गाछे गछ लेण होय बांध के शमशेर सभ हंके।  
 आगे भाईये की जी पन छील परस्वारथ के करा  
 बेको विक्रम की न्याई डखदार दगवाईये तेरे द  
 रवार कबी पती देर सुणी नाहिक हत गणेश।  
 जो कछु मागीये सो पाईये राजन पति राजा म  
 हारा जा श्री हीरा सिंघ मेरी बेर पती देर काहे को  
 लगाईये १६ नैक मंदमथर कपोल मुसका  
 नलागे नैक मंदगमन गयंदन के चाल भो रं च  
 ऊचे अंबर ऊरो जन के अंजर निब कडी ठने नजुग



नैसक बिसाल भो मतिराम सुक बर मीले क  
छूबे नये बदन सिंगार रति बेल बाल भो बाल  
तन जो बन रसातल उलटत लखि सो तन के सा  
ल भो निहाल नंद लाल भो १० कान निलो  
लागे मुसकान प्रेम पागे लोने लाज भरे लो पा  
न बिलसत अंग ते भारथ सि भुज न डला वत  
चलत मंद औरै ओ पऊ पजति ऊर ज ऊंग ते  
मतिराम जो बन पवन की ऊ कोरे आई बछत स  
र सर तरल तरंग ते पानि पञ्चमल की ऊल क।  
ऊल कान लाली का ईसी गई है लर का ई कछ।  
अंग ते १६ विध प्रति छोलै नदन दन के ऊल  
कूल मदन के सुल स है तब मे सकल है देन दु  
मै दिन भरे दिन दु मे दूने जरे हा ए हा ए करे न।  
विहाय नी के पल है बिशा कल निपत दमनी  
के वियोग महा क बराज क हां भूख भावत न ज।  
ल है बार जै से नल है परत अ से नल है सुचे  
न बित नल है बिकल राजान ल है १९ नवल  
निवा बालान भुरि साने रन की ने अर जे बस म से  
र से र सिर जै कीने बस मान सम मान मान ब।  
लवान पायो जै तप तराजि मी आ समान तर जै ला

अस्को  
२०



चनकी ज्वालने चुवा मी चंद्र मा की धार भेद भयो भा  
 री हृद्र का हिका हिकार जे निशारे बैल विशा  
 रो सिगरा जग जरा जनिशारे गरजे २० सों ये भी  
 जे वसन सरीर भी जी जेवन सों र सुभी जी बाँतै श्र  
 र म भी जी यले कें अमी भी जे अथर रदन भी जे बा  
 टिका सों चों ये भी जी चोली माऊ गोर गगत ऊल  
 के नेह भी जे लों घन सर ज भी जी नाह सों कवि  
 पुरुषोत्तम को मन नित लल के अंग अंग भा मि  
 नी के काम की कला सों भी जे भोह भी जी भाइन फ  
 लेत भी जी अल के २१ होतो आधीन दीन दोस  
 कय नाहै की न तु तो प्रवीन सों हो मापै करवाए  
 ले जी बली जवे नी सुष दे नी तेरी आधी मोक्ष  
 की ऐसे नी दीष वापे सच वापे लै कंच की उ  
 फामे दोऊ तप सीत पतन तीन डूके सी सपरहा  
 अथर वाए लै काम की कसान सों कपोल ला  
 ल गोल भोपे राम हसला ववार चरवापे २२  
 बेधा होत फुहर कल पतर थुहर होत परम हं  
 स चूहरन की होत परपाटी को भूपत मंगईया  
 होत परम हंस चू काम येन गई वा होत गिये द  
 मथ पुवत सुचरो होत चांटी को सीपत सुजो।



२१  
२२

नमने पुन नमने पुन मां जया प होत बेरी बिजवा  
 प होत सां प होत सां टीको निधन कु मेर होत सि  
 आर से म सेर होत दितन को फे र होत मेर होत  
 माटीको २३ तन क सोचिन गा छिन क मा ऊवा  
 ए फिरे डू वै कं रय चंद्र करे छार बार ब निये को  
 नै मा ऊवा ल क सो बिल वा स क च वै ठो दावा  
 पोर उ द ग वि चू के न ही रह निये जै सी है स बेद  
 टा की नियो की फिर नियो ही हो ए भू ली ये न तो  
 लौ नो लो मूल ने न व न पे ब स था के बी च नो  
 बि जै चा है तो त बी र वै सं तर वै दी बि आ थ को रे न  
 ही ग निये २४ दार द दूर द म द न को अं ऊ स है  
 अरु कुल ति म र बि ना श न को भ न दे य ल ग ड छा  
 ल न को भा दो की न दी को प्र र ड ती के ग ब रोग द  
 र्म नि दान है की र त स र स री को न न क स मेर को  
 ज मो ह के बि दारे वे की हरि प ग य्या न है क र म  
 कुल क ल स जै सि च न को नंद ब र रा ना रा म सि च  
 क र रा ज त क्रि पा न है २५ बै र न बि रं ड न को दा  
 र द के पं ड न को गु नी गु न मे ड न को पौ न का ह डोर  
 की क र म क ल से दे व थो म न मे थो क पा र थ  
 ग ब ल की र त न ग त सि र मो र की सि च जै सिं

अस्को.  
२-

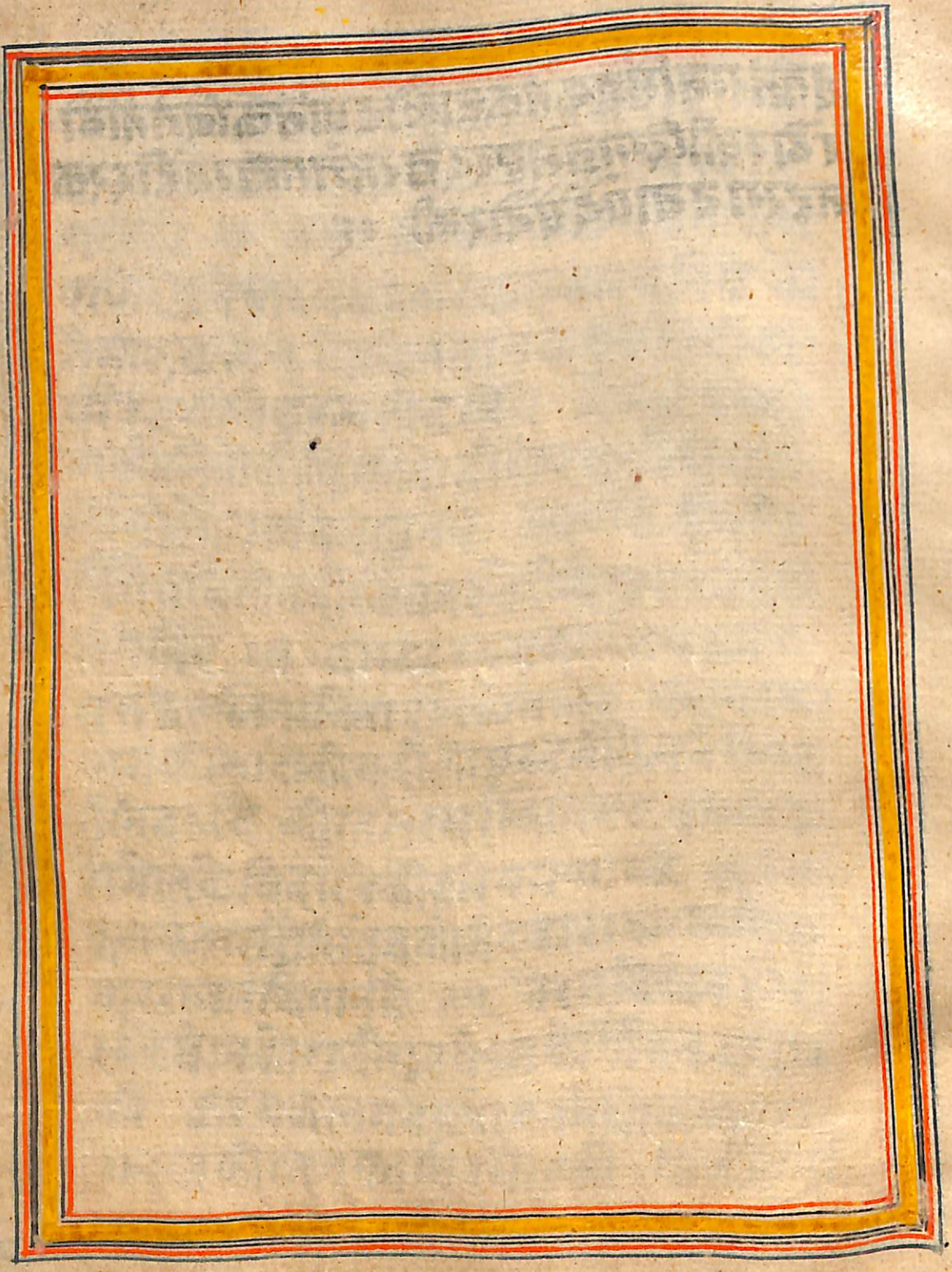


वृत्तेरामसिंघफतेकहालौबघानेकबिजेनीठो  
रठोरकीदिगाजसेजुरदत्तरतजंगजुरतंहीदरक  
नदरगदबापदेघेदोरकी २६



223

113





**अविस्मयदा** उडवजाकेसाथेभागबिलकता।  
 छाडसकलगेपीजनचेदीचपसूग आवजोस  
 गकीबेललगावनकारमेमकौवांग कुबना  
 कोयटगनीकीनौहमेदेतेवेगग लोडीकीडोंडी  
 बाजनहेबछोश्याममुत्राग निलजभपदे  
 ऊखेलतहेबारैमासीफाग जोरीमलीहैउ  
 नकीराजहंसमरुकाग सरदासप्रभुईवक  
 डकेचतुरचिचोरतआग १ ऊपोअबकछूक  
 हननआवेसिरपरसोतहमारेऊबनाचामके  
 दामचलावे केतीकूरगोकलतेमथुरालि  
 खलिखजोगपठावे बाहीकेरंगरतेसामरेसु  
 कजिउवेठपठावे नटनीजिउकरलीयेलज  
 टीआकपजिउनाचनचावे कछुइऊमंत्रकी  
 घोचंदनमेंतातेश्यामैभावै पहलैहोतकंसा  
 कीचेरीअबऊलबधकहावे सरदासप्रभु  
 इहीकठनताकोटेलोनलगावे २ मधुक  
 रशीतकीयेपछुतानी कारेतनकोकियाप  
 नियारोबोलतमाधुरबानी हमजानीअैमै  
 हीनिबहगीउनकछुओररुखानी हमको।  
 लिखलिखजोगपठावतआयकरतरनथानी



सत्रीसे जण्याम विनहम को जगतरें विहानी स  
रदा सजादि नतै बिछुरेता दिन भई दिवानी ३



## नामजानवरादे

बाजपातच्छां है सबहरी वजीर है वासा सहजा।  
 दा नुरारजादा ऊही फुजदार है लगरुऊटवा।  
 ल बेसरागसती तृतीसहेली चंपाकोरली छि  
 कराअमीनदार है बतकमेहखानी मुरगावीमी  
 आनी मुरगबामिश्राना ऊनपेवरी बुलबुल  
 माङ्गणा नीलताछभाट है लबाबरागीबडे  
 नसंन्यासी नीतरडगोड कबुतरबानी थोकबडे  
 आबाडी हंसखत्री वगुलाथोबी दैअडसनी  
 आर है लाटहलवाई पिदाजेली तरमुताज।  
 लाह लमडीगलुहार है डबबलबामन ऊल  
 राई मेरकसाई गुस्सनजात है चीलडाल का  
 गचंडाल चुहेमार चमआर चमगीदुसो।  
 सी अहरीअलकलाल है मोरदेवता ऊमा।  
 णामोची येनामुनीआर है किलकिलागुन  
 र फषतालधुमरी पेडबिलोचनी बाजपात  
 शाहजोबैरीवजीर है ॥







## जंजीर मंजरी शुभम्

जंजीर कौरव्यावती भीतरी तरसंग नखसिखचि  
 त्रचित्रश्रुतिहेरेलजतश्रनंग १ दृष्ट्या कौरवी  
 पतदरसकरनदेहकोदान नैनश्रेनतीछन  
 बनेचछेमैनकीसान २ सदाकौप्रसंदरसर  
 ससोभतसीससुहाग सुखसागरनभारनबल  
 ऊजलजाकेभाग ३ देखमताबकौरसखीभा  
 योमताबबिताब आबसहाबतताबलैगोरो  
 गगुलाब ४ राजकौरराजीवद्रिगदूपासर  
 सबोल हावभावयुतचावसोकरतिकलोल  
 श्रमोल ५ नंदकौरमैनेहश्रतनिसहितनिरख  
 तपीया मथरीमूरतरसभरीसुखऊपजावतही  
 य ६ चंदकौरसुखचंद्रवनचंषरुडतचमका  
 त चंचलचातरचित्रनीचपत्ताजिऊमुसकान  
 ७ इंदकौरश्रविंदमुखकरीयसिंदगुबिंद  
 नरीनागनीजछनीयहीसभनकीनिंद ८ हेर  
 निंदकौरसखीगैसनरंचकराख रूपकलंकगु  
 मानहेयहैसाचकीसाख ९ साहिबकौरासख  
 रसहीजानतसभरसरीन सुरतसीरसाहिबीद  
 ईबिधातेभीत १० रतनकौरतिरापकीपियारी।



रतनकोरतिरापकीपियारीरतनितखान अंग  
 सुगंधसुवनेनाभतगरसजान ११ रीपतायको  
 रैसखीतुभोगगटपताय हमखेलोहमरीहित  
 जापतहोतवजाप १२ सामकोरसमसेदरी सो  
 भतयोरनकोय भागसुहागसुलच्छनीजस  
 जाकोतिडलोप १३ रामकोरानीरमादृपरा  
 सरतिरंग जोवनजोतनरीखरीचाहतचतरा  
 नसंग १४ करमकोरकेहरकरकरकोमल  
 ऊचकर मदनबदनसुखकोसदनमानोसुरा  
 पुरहर १५ परमकोरधरमातमापगतकरना  
 दिनरात जोआसामनमेथरेसोएरेऊसगत  
 १६ किसनकोरतनकनकसोद्विगकाजरका  
 हिरऊठार लचकलचककटजातहीसुऊचा  
 कचनकेभार १७ बिसनकोरबालाबिमल  
 बलबिथनाकोतोर सभजगअपनेवसकरि  
 योनैनजोरचितचोर १८ मानकोरमनमोह  
 नीमनमैनमनिअन छंदकंदसोतोबततारे  
 रेत १९ भानकोरभामनभलीभावतभौनबि  
 लास जगेजोबनकीजेबसोनौतनहरखड  
 लास २० नृपरधानकोरैसुजेपियारीपतरीपा



न परीपदसनीपंतगीतुप्रीतमकेशान २१ हे  
हरकौरैहरीभरीहिरनहरतकलेस हरेहरेहसि  
हसिपरैजैसीनारसुरेस २२ प्रेमकौरअतिपा  
तिव्रताएरनप्रेमपवित मिगनैनीबैनीमथर  
हरलैनीचितबित २३ हेमकौरतनहेमको।  
हीरागुनबमकंत परमप्रकाससुवासुयुत  
मानोपागवसंत २४ खेमकौरदिलखुभ  
गईखुसखुबीकेखोख खातपीतबैठतऊठत  
विसरतनाहनसोख २५ इकमकौरहरखत।  
मदाहसिहसिहीपेलपटाप पेखतहीसुखपा  
ईयेमिलतमहारसिआय २६ श्रीअनूपको  
रेसखीअलकअनोखीसाज दरसपरसतनत  
रसईचाहतरोहोबिराज २७ भागकौरभाग।  
तिभरीभलेभागजिहभाल हीरचीरभूखनब  
नेलालमालऊरबाल २८ सोभकौरसोभा  
सहितसदनसुहावतसेन छैलकबीलीछपा  
करनितपततेजअमेज २९ आसकौरअदभ  
तप्रभाअबलाबलहरलेत साथसुभावअ।  
साथअतिविनयनयनजैखेत ३० जवदत्तप्रको  
रदेखीदहादिसगयोदिलदोर खोजपको।  
पाईयहेतुसभकीसिरमोर ३१ ॥ ॥



११७

रूपकोर सदाकोर राजकोर चंदकोर रजिंदकोर  
 रतनकोर खेमकोर अनूपकोर सोभकोर दतारको  
 र सामकोर कर्मकोर किसनकोर मानकोर प्रथा  
 नकोर प्रेमकोर १ ॥ दयाकोर सदाकोर  
 नंदकोर चंदकोर साहिबकोर रतनकोर रामको  
 र कर्मकोर बिसनको मानकोर हरकोर प्रे  
 मकोर हुकमकोर अनूपकोर आसकोर दता  
 रकोर २ ॥ मताबकोर राजकोर नंदकोर  
 चंदकोर प्रतापकोर सामकोर रामकोर क  
 रमकोर भानकोर प्रधानकोर हरकोर प्रेम  
 कोर भागकोर सोभकोर आसकोर दतारकोर  
 ३ ॥ इंदकोर रजिंदकोर साहिबकोर रतन  
 कोर खेमकोर हुकमकोर अनूपकोर भागको  
 र प्रतापकोर सामकोर रामकोर कर्मकोर  
 हेमकोर सोभकोर आसकोर दतारकोर ४  
 यर्मकोर किसनकोर बिसनकोर मानकोर मा  
 नकोर भानकोर प्रधानकोर हरकोर हेम  
 कोर खेमकोर हुकमकोर अनूपकोर भाग  
 कोर सोभकोर आसकोर दतारकोर ५



**कविता॥** ॐ चंदनविभूतनयचंदमोतीमालगंग  
 अलकअंगथानहीऐमेंयरतहै जलहरिकंचु  
 कीप्रसेदनीरशरबोसामतागरलताकैतूपहि  
 रहतहै हरषहरषकरकेजशजशजनिमदिन  
 ईसइहिभांतिबिहरतहै कामकेडरनशोपेपा  
 रीकीसरनशालीआजकालकाहूमेवासंभुकी  
 करतहै १ लीनेहममोलअनबोलैआपेजा  
 गोमोहमोहचनस्यामचनमालाबोलताहै  
 देयोहैहैडषजहादेहऊनदेखीयरेदेखीकैसे  
 वाटकेसोदाउनीदिघाईहै ऊचेनीचैवीचकी  
 चकंटकनपीडेपगसाहसगयंदगतिअतिसुष  
 दाईहै भारीभयकारीनिसिनियटअकेलीत  
 मनाहीपाननाथसाथपेमजोसहाईहै २ क  
 पाकरछत्रमोतिजालरनछत्रआलिपालकपा  
 कासहाससिंहासनकेसमाजको कहैकबिला  
 लचारुचवरचतनवारविपुरतहारहियेअछत  
 अलाजको सरसअलापउच्चउचरतउच्चमंत्रकि  
 कनीसबदसुरनोपतअवाजको कीनोवृजराज  
 आजसरतकोसमाजकिथौराजअभिषेधमनमथ  
 महाराजको ३ मोहनमोहागभागपारवतीके  
 समानसीतासीपतिब्रतासृजेजगदेवीदेव बु



थकी सवत्री सुउदारत की रंद्राणी रंभा उरवसी  
 नेसी दामी सब करै सेव माता समपालन पि।  
 जानहं को महाराज गुनी नरगुनी हं के जानन स  
 कलमेव उपजीमदा सकल त्रस की निलक।  
 तीये दूध पूत भर प्रराणीय नवंत देव **सर्वेय**  
 सुंदर ठाकर द्यौव नौ सुगोवर्धन धारी की जो  
 त ठई है ज्वाली के बीच बनाये हैं थान दीये ब  
 ह्मन सहम मई है देस सुदेस कहै महारा  
 ज दसो दिस की रत जीत लई है विपश्ये जन।  
 की प्रितपाल सुराणी मयसी भवानी भई है **ऊँ**  
**लीआ** सोई पुत्राला लगी आसमान ते अय अ  
 ये पुंगे काटिकै पुजन चले वराण पुजन चले  
 बराण अथ कमतो विचारो अथ पुंगलियो कं।  
 यदिष्ट उन की पगया सो कह गिरधर कविरा  
 जाराम जव होत सहार् एक मतें है चले वचन।  
 समन ते सोई १ सोई ते ती निलन सो की नौ  
 वडो निबाह काड फाटिक अजल की पदई ब।  
 डाई ताह दई बडाई ताह सबहुं ये बन मन मानी  
 देको लू के बीच पीर कै करी है चानी कह गिरा  
 थर कविरा जमतो मानी एगु सोई गिजे दबिप  
 करी सी के का करता सोई २ भोजन दिन कटा



नहै सहो आपसहीर जो लग फल ले के तकी तो ल  
 ग बिले भ करीर तो लग बिले भ करीर रो समन  
 मे नहि कीजे जैसी बहै विघार पीठ बते सी दी  
 जे । कह गिरथर कवि गय हो ए निमन मे वौ  
 रा परे अवे रेवेर सहै पुरसन और भौरा ३ स  
 आदाम के स आग यो नारी यरण न पम साई  
 पाई सजा अबला गोप छुतान अबला गोपा  
 छुतान बैठत बही ई मरोयो निरगुनीयो के सं  
 ग सभे गुन अयनायो कह गिरथर कवि रा  
 रजरजा चै कि हिंशोषे छंचन रा के टूट गई दा  
 रो के पोषे ४ सोई जोरन के सुपे गंधे न आये  
 राज कोऊ आली जे हाथ पुरहर की नी एवान  
 हर की नी एवान राज ये सो अब आये सिद्धय क  
 र कर के गप्पा लगन राज चढाये कह गिरथर  
 कवि राज जहो नहि बूझ बडाई तहो न करी एभा  
 र सो ज उठ चली एस ई ५ संसाइ हार ही एना  
 ही सरवर गयो सुकाए जब चली है न बपीठ  
 पर बगला थरि है पाए बगला थरि है पाए  
 षकारे कर जे है लोक सहसाई होहि बडुर ऊडा  
 लवाहि पे है कहै गिरथर कवि राइ दिने दिन



१११

बाछनसंसा इसहोमेंवचिहोतवैतमचलि।  
 ओहंसा ६ हंसदेसकोउडचलेसरवरमीत  
 मुहार हमतमाविरलीभेटहेसंदेसनविवुहा  
 र संदेसनविवुहारभरेपूरेजंतरहियो जी  
 वजंतहेजेतेतितेसभआनलहियो कहगीर  
 थरकबिराइकेलिकीरहीनमनसा देशसीस  
 उडचलेदेसअपनेकोहंसा ७ प्राननतेसुत  
 अथकहेसुततेअधिकहेप्रान तेदोनोदसरा  
 सतजेवचननदीनोजान वचननदीनोजान  
 बडनकीइहीबडाई बोलरहेसोसारओरकि  
 नसरवसनाई कहगिरथरकबिराइराजादस  
 रथमएपेसी पुत्रप्रानपरहरेवचनपरहरेन  
 केसे ८ **कवित्र** सेनायतसीनप्रसमाहिमेंप  
 रतअतिखीनद्विजदीनडखपावतअजीमहे  
 ग्रीवाकरचरनमेंकेरसोवेसोजहीतेकापतका  
 रजोननसोप्रसोससीमहे भीजेओसआसनर  
 कोनजातआसनतेवासनकोजलजमकरभ  
 योकीमहे पौनजोकेकेकातोतेबाछेसीतसे  
 कानिसलागेलेचुसकाहेतलकाकीमुहीमहे  
**वसंत** गुंजेगेभोरविरागमरेवनबोलेंगेचात्रा

अस्यो  
 २.  
 २



गवापिकगाएके फुलेगेकेसुऊसुमनहालग  
 दोरेगोकामकमानचढाएके बहेगीवयारा  
 सुगंधसुमारकलगेगीहियेंमेलसाकसीआ  
 एके मेरेकहेनमनेहेबवाकीमोंपहेवसंतल  
 जेहेमनाएके १ आयेवसंतदहंसखीघरना।  
 हितकेननयायोसंदेसे भारतेकोकलाकूका  
 तिहेतनलूकलियेंवरेरूपअदेसे गंगकहेरगु।  
 नाथबिनाबनआवेनहीवनलगेवरेसे फूल  
 केकेसुभएपतजारसुतोडभएनषनाहरकेसे  
 ३ ज्ञानतिहोसखिश्रोथलोनीश्रीगीश्रोथतेंआ  
 वनमीचअगोडी तंकहियोंजमचूकिबसंता।  
 रितबनानखेलतीथीफालश्रीसहागअनुरा।  
 गभरीभागजाकेरानाकेराजारामजाकेचाईल  
 लके अबलाअहीरनकीपालीदधवीरनकी  
 सोनेसोसरीरनकीगारीदेदेवलके पिचकारी  
 नीरनकीमारनसमतीरनकीनीरवारमारने।  
 कौतलके सोहेकरेंबीरनकीउडनअनीरन  
 कीबोबनकीरुलके २ वागकीवगरअनुरा  
 गभरीषेलेफागआजअलबेतीबनीमोहनी।  
 गुपालकी कालिदासललतलितोहेमनज



लकतनयमुकतानकीकपोलनकेभातकी  
 राजकरोचंदशरबिंदमोनकाजआजदेखवाकी  
 छविछकीचदनविमालकी वरुनीपलकप  
 रभुऊदीनिलकपरश्रवीरीअलकपरऊलकप  
 लालकी २ नेहरीडोलतसनेहभरीसारीअं  
 गअनंतअछेहभरीवालमसमेतेहे गरुकिग  
 हकिगावेडहकिडेकिंगरीबहकीबहकिवी  
 रीपीयमुखदेतेहे हमकोनोठयोहेविधाताय  
 हवालमविदेससबडयकेनिकेतहे औरसब  
 कोऊवालमकौअंकभरिलेतहमहियाभरिआ  
 षेभरिगएभरिलेतहे ३ सोवतहीविरहानुरा  
 सोसिषपाईकेअनसधीनेजगाई चोरियष  
 नोरंगकेसरकोमनोबोरियलाबमेवातरंगा  
 ई मासलईअहरीगरुहीहमसौतमसोअब  
 कोनेसगाई ऐसेभएनिरमोहिमहाहरहाय  
 हमेतितहोरीलगाई ४ सोवरीअहनमेतती  
 नबेलयषकेषनजोतउयनाईवेकोकरताकि।  
 मानहे सोचीनेदवाननसोहरीपुन्यपातन  
 सोहलीसयसायभगटममानहे ज्ञानगंध  
 भरी ओआदअंतहरीहीरीमीरनसुमततहो



भौरनकों ब्रानहै और गुन एते मोये जाएन का  
हेते शानेनर जेते पावे चारो फलदानहै १॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः अथ शुभघंडशरभ  
त दोहा गुनमों गुन सभहि भले प्रथम  
विचारहिं आउ जो सरित जलहिं नहैं तव कौन  
कजको आनाउ १ वाजन जो रिवराती आनि  
की पेउकटोर पहिले दलोचि हये जो बोधे सि  
र मोर २ सकल अंगवरनन करौ गुन निरगुन  
के वेद सषडुष जीव नमरन केरचे जविधन मे  
द ३ पहिले आऊ विचारि के तास भल कन देह  
सुस्थिर भीतवना उकरि पाछे विउ करेह ४  
जोगुर मुषमो वेद मुषवचन सुनै दे कौन राज  
सभा मे जीन मो की नोडा गटनिदान ५ अरेलि  
आ वोंउत अंगुल अंग पुरष जो जो नीअें सो  
वोंउन ओनर देव करि मानिअें राज पुत्र जाहो  
इतो भी द्या नित करि पै आदरु अहो ३ जो वामा  
पाउन परै ६ दोहरा चारि विंश अंगुल पुरुष  
चारुड ससो होउ मन कपटी आघस्वारथी  
भेदन पावै को ३ ७ जीय को लोभन जान उक  
रे दोष करतुन जिउन मरन सषडुष नि कट  
धिनरा जा धिनरुन ८ न—अंगुल अधमन  
रसो मध्यम परमान कही आठोतर सो क



१५

लउत्रममधमजान ९ चौपई नचैमृगुल  
 पुरुषजोलहिपे तीसवरसमृदाकहिपे  
 तवैचारिधिकजोवटे पंचवरसमृतिमृगु  
 लवाढे मोमृगुलकांयांपरिमान असीव  
 रसहोयेअनुमान सोमृगुलउपरजोगनै  
 मृगुलसायवरसदसभनैहोउदसोतरमृगु  
 लकायांताहंहंचाहिअधिकवटीआयां मात  
 वरषतांकीअधिकाई मृगुलपाकेलेहग  
 ई विसासोतजिउपरचढे होअचिरंजीवआग  
 मवढे १० दोहरा कोरकलालछनसषडा  
 गटकोउउषग-उषदेई पुरुषस्त्रीतनपरष  
 नगुनमृगुनकाहिलेई ११ अथचरनलके  
 न दीरघानिरमलमृगुणनषकीमलमृंटीपा  
 र सुमिलिमृगुलियांपायकीनाउकयनी  
 सुभाई १२ चरणचित्रषंडितपरैनषतारा  
 यनजोति १३ नुषेफाटेवाकुरेसेनपीतख  
 रंग फोलिपरेंपगुमगुचलनजेनददारि  
 उसेग १४ अंकुसरेषाचरणतलराजाक  
 हिधेसोई मृंटीतैमृगुगमिलेरुद्रेषहेसो  
 ई १५ अमिलमृगुगआसुरीमाहाउषन  
 सोजान कलहवटावैरेंनदीनड-चितप  
 रिमान १६ कमरपीनमृंसेंवरमसुमिल

 विता-  
 ५ प.



मुहूर्त रूप अतिहील युदीरघनहीनि अज्ञा  
 नउभुप १० आयेनषउजलवरनआयेहो  
 हि सुरंग महंसुषीनरजानिमें होइनउषसो  
 संग १८ गुगतें अगुरीवडीवडुनायक  
 सोंहै अतहीलोवी आगुरीमरे सुतकीजो  
 ३ १६ छोटीअंगुरीपायकीहोइकलहकर  
 मोर अतिहीछोटीआगुरीनिअज्ञानउंचो  
 ४ २० चरनअंगुठाआगुरीहोइजुसरवरदो  
 ३ दरसपरसउषसोनहीमहाधनिसोहोइ  
 २१ मथाअंगुरिचरनकीअतिहीवडीदिषाउं  
 नाहीकीजोरुसरेंलछूनकर्मलिषाई २२ म  
 थाअगुरीचरनकीअतिहीछोटीहोइ सुरतस  
 चपावेंनहीमिलेकरकसाजोइ २३ तीजोअगु  
 रीचरनकीमथासोसोअधिकई जियासि  
 लेसुकर्मनीविद्यासदमेंअद्वाइ २४ अतिही  
 छोटीअगुरीजोमथमाकेपास तरु  
 मिलेसुकर्मनीविद्याहीनउलास २५ जोक  
 नेगुरीयाअनहीवडीअपजसकानसुना  
 ३ जोछोटीअगुरीमेंहैंथनविद्याअधिक  
 ३ २६ सुमिलअंगुरीचरणकीलयुप्र  
 दउपजाई सुषसंपदवाटेसदाजानकर्मके  
 भाई २७ अथनषवरनन अरिलाय



२२  
 विक्रतवांकेसेतसुफटेनघहरे महादोष  
 पापि-कीआळीनअतिभरे अतिकारेंन  
 १२२ घहोहीतीपगवधनपरैसंतितभावैविदेस  
 चोरसंगतिकर २८ छेतावाताभरसवभक  
 वाजरेहोहि जगजीठमुठीवसेराजाकहि  
 हियेंसाई २९ औंटीलछन औंटीलावीपा  
 इतैडुषनसुषहैं योरीऔंडियाउतुदारिउड  
 षहैंऔंटीहोईमसिलीजानडुचोरनर अति  
 लघुअतिनविसालसुजानडुलछवर ३०  
 टंकनकेलछन होउचारवेरटाकटाराजा  
 कहियेसाई मैसाकेमोटाकनामिलैसुभा  
 गनिजोई ३१ अतिहीउचेटाकनेबेलसुव  
 रकीभाति तांकेलछनजोवहैंवदिपरेंदी  
 नजात ३२ जंघलछनहरनजंघगजाक  
 हातुरीयाजंघपरधानसिंहजंघधनवंतन  
 रउतमकलावपान ३३ अतिलावीअतिदे  
 गतिऔंसीजंघसुहैं कष्टकरतसंततरहैं  
 मिलेनसुपापीकोई ३४ जाकेजंघरोमाव  
 वहुंमरैत्रिपाकिचिंत जाकेतनरोमान  
 हीरहैंदरिद्रनित्य ३५ अरिल एकएक  
 ननरोमसुराजाजानियेदोईरोमउकठोरसो  
 पंडुतमानिये तीनरोमउकठोरसोभग

विता.  
 ५ प.



तमगवानुहैं चारोमउकठोरदरिउकीषान  
है २५ जैसोमवरदकेकैहहस्त्रिकीदेहः  
मानरपडितजानियेकामिनीचतुसनेहः ३०  
जांकेपातरेवारसोउषपावैअधिकनरु देष  
उं पहव्योहारसुषडुषीकीकोनकरु ३८ जा  
नुलकून लऊजाहुंलहजिवनाअतिलह  
दारिदहोई उलर्यफीलीमासवितुरैहैंवंदी  
मैंसोई ३५ हीरदेलकून चौपई - ऊस्त्र  
नभारीजुहोईमहायनादापुरुषहैसोई वा  
ईदिसास्त्रनहैभारीमिलेनारीरितहीप्रेमप्य  
री हिरदेसमानअरुनहैजांको सेवाकरैज  
गतसवतोको इखलहियेदरिउकरभाउ मो  
टाहीयोवरससोंआऊं ४० दोहातेरहयंजर  
धनवढेचोदहयंजरपाप राजापंजरआठ  
काजेसोईउप्रताप ४१ पीठलकून पीठठेंग  
नीजानुकरराजाकहियेसोई लेवीपीठनि  
दानसुनिअतिहीदलिद्रिसोई ४२ कंधरलकून  
न हस्त्रीकेपराहदृष - जाकर्मसुजान वा  
दराकंधदस्त्रिदसोकहैंवेदपरमान ४३ मु  
जालकून लेवीवाउचिविवनरकोटीवाउ  
जोदासहोईसुमिलसुहामनीउतमउपहा  
स ४४ लेवीवाउजुदाहनीमहासूरवीर



२३  
 जान लंबीवाहुजुवामदिससोदरिउप  
 रमान ६५ मुहलकून कौनाहरकैमि  
 हिकपेसेमुहजोहोई महाधनानरजानी  
 पेवैदवषांनेसोई ६६ जोकेमुहतरंगसो  
 कामीधनीसुजान गुदालिंगलकूनक  
 हैंजोककुवैदपरमान ६७ लवैलिंगदरि  
 उवससभठंगनेनोल नीचउचनावाटि  
 धटिजानहुवैहैममोल ६८ लिंगदरुनी  
 वरनीपुत्रहोईअधिकउंत्रियामिलेसुभाग  
 नीजोसंततसुषपाई ६९ वामवनीजोलि  
 गहोईमिलेनउतमनीय दुहुंफलसंतति  
 वटेसुषनापावैजीय ५० उचीपीठजोलिंग  
 कीसिषाजुनीषीहोई उषपावैरतिरगमें  
 त्रियानात्रिपतेसोई ५१ आगेतैंउचीअधी  
 कनीचीपीठजोहोई सदासुवल्लभकाम  
 नीमिलेसुलकूनजोई ५२ केदपलकून सो  
 जाकेकेदपमाहाआवैगंधगजमीनकीजा  
 तुलेहुमनमाहगाईभेसनाकेवटे अरिलि  
 य मधुकीगंधहोईजोविजेवीरजवरुभर  
 तीमने विसकीगंधमदनमेंआवैपगराज  
 पहिचानैंउधदहीकीगंधजोआवैराजाव

विता-  
 ६ प-



लीवधानें लाषगंधकदप्यजोआवेंसदा  
 मूठहठठानें आवेंगंधजोमीनकीजाके  
 कंदर्पवीच ताकेचिनचोरीवसेंरसेंनारकी  
 नीच ५५ सोमद-वासवसाईजोकेसद  
 नसरीरमें सुषडषपसमुताईजैसेंसोभा  
 चेदनी ५६ नीलवदनजाकेमदनदेशदे  
 नापरमान दिगवी-पसोजानीयेगजा  
 जातिसमान ५७ मूत्रधारालकून एक  
 धारजराजजानहुं उजीधाधारतौपंडित  
 मानहुं तीजीधारतौवैसवहोइ चारधार  
 दरिद्रिसोई ५८ रक्तवर्णन मोनैरुपेंवा  
 नसुराजाभनियें वैदभदपरिमान रुपें  
 जानियें रुधिरडावालिताईकच्छतराजु  
 हैं स्पामधानजोरुधितसोंगसोंकजुहै ५  
 ९ कवलवरन जोरुधिरननसदाविपति  
 तरुजुषः संतितकन्याउपजैकदनहृषावै  
 सुष ६० हाउलकून दोहा लांवैहाउसमा  
 सननसदासुषकीषान हाउमसीलेठैंगनै  
 बैहैदरिद्रिजान ६१ गुदालकून गुदा  
 होइविस्तारसोंअरुमोटीकच्छहोई सोन  
 रुजुषदेसेनहोसुषविलासकैरैसोई ६२  
 निरमानालविस्तारसोंगुदादरिद्रीरूप



सदा रहे सो उष में जो उष जे कुल भूपः ६२  
लोचना के ह सिंह की पसी गुदा जु होई सु  
ष विलास संतन करे जग से वै सव कोई ६३  
वंदर सुष सिया लकी गुदा रित्त जो मान  
जो राजा कुल उष जैत ऊदरे द्वि की धान  
६४ उदर लकने हरन मेडु का मोर को  
पसो उदर जो होई सुष विलास मानंद क  
रिले जगत सव कोई ६५ ना भील कने  
ना भोग भीरी वाटरी सदा होई धन वंतु  
सुदरना भज पुरुष की उषादिष रावै मंत  
६६ हस्तिरेषाल कने चौपई अवि सुनि  
क-हस्ति करे षा जे साभा उजग सभ देषा  
षा रूषाद रे रहुं ई हाथा बहने वनिज चले  
तिह साथा मछन यरे षा दिष रावै पावै  
सि-हाथ जहा लावै चहै रुप जुरे षा होई  
तां के चोर कहैं सव कोई कै ससि के मं कुना  
कीरे षा हो होई मूर मारुथ निविश षा करन  
लरे षा नैन की परे निस दिन वैन रुठ उवरे  
चौ सरीरे षा जो होई महा सूरवीर कही पसो  
ई पै मै गुनरे षा वहुं करैं जव कव पुरुष द  
में परे ६७ तिल सीरे षा हाथ मोहि इहिन  
रफ कराय होई मूक के हाथ मोनि अयरे

विता  
६

विता  
७



सुभाउ ७० करतलरेषामच्छकीताहीकरै  
 भंडार अचतोंकेलछनकहेंएकएकेनि  
 रझार ७१ हेठपुलेभंडारमोवेस्याहरेजुता  
 हियन परपुलेभंडारधनुवि-हितपुन्य  
 जनुफूटाधैरभंडारतंचौरीधनुकरैकैपाव  
 कजरजाईचेंदपांनीररे जाकेहाथभंडार  
 कीपुलीहोईजोपीठ बांहीदरिद्रजानियेंद  
 रवनदेघेंदीठ पडुंवाकीरेषालछन पडुं  
 चामोंरेषाचलेमिलतरजनीआई केमथाम  
 अगुरीपरसेजानहुंराजसुभाउ सोरेषाजो  
 चलेउपरलेयीभंडार महाधनीतरजानि  
 येंसेवेंसवसंसार जांकीअगुरीमथपकीरे  
 षाहोरीविमलसुषविलासदिनदिनकरै  
 पावैजसकमूल रेखाहोईविमूलकीम  
 थाअगुरीपास विभवारीसोजानियेप  
 रनारीरतिआस रेखावहेविमूलकीकन  
 अगुरीपरिहोई महामयस्वीजानियेंज्ञान  
 उगदयोसोईरेषाहोईउमूलतामथामगु  
 नपटे वेंहेकतंगुरियाहोईतउष्यदरि  
 उवटे वेसारतनरहोईउमूलमनामिक  
 एकएकतरहेईउषीधनधर्मका अरिलजा  
 करपलोमाहिरेषापकरददियें संखचक्र



२२२४

और पञ्चाङ्ग को सुये पिये धन वंता न रहे  
 ई महा सुषम नाई जांके लकून हो है सुज  
 गत मे जानई देष दुं रे घातर जनी के कने गु  
 सीया मा है पर नारी जो रम करै भावै कै है वि  
 ना है ८१ चक हाथ के लकून एक चक  
 कहा थवै थन कहवै उजै चक्र गुनी देष रा  
 वें तिजे चक्र का लानि कहा चार चक्र दरि  
 गुमहा पंच चक्र सर्व त विला सो घट चक्र  
 रसक मंजुला सो सात चक्र नर प्ररा कहा  
 आमठ चक्र नर राग हंगहा नव चक्र सो रा  
 जा कहिये दश चक्र सिर छत्र मुध रिये श्रे  
 ष लकून एक संघनर सुषी जु होई उजै प्रांष  
 दरिद्री जु सोर तिन संघ सव गुरु करि मान  
 हि चार संघनर गुनी वषान हि पंच सुषस  
 दा दरिद्रि जान याते और वटे सुष मान पंच सं  
 ष के गुन कहै याते वटे जु और राज करहि स  
 सार में गन हय हैं तिहि पौरि ८५ पडाल  
 कून एक पडा मुध निवह चार ते जान चार  
 ते जो और ही वटे सि- महाराज वषान आ  
 व और दोई और वटे हैं सि- मंग सुभाई अ  
 व गदा कै हो भाई वरनों मुनत होई चित चाई  
 ८५ गदाल कून गदा एक सुय वताई सदा

विना  
 ८ प



वैश्वज्ञान पंचउपरगदावाटहीसि-पद  
 विमान हाथजाकेअधिकरेषामहाउषि  
 तसोहोई सेंजानोकर्मगतपेहवैदवरनेलो  
 ई ८६ अंगुरीरेसावरनन जाकेहाथदाहनी  
 अंगुरीछाडीअंगुठासिजे तीनरेषकेभीउवि  
 यानोएकएकगतनीजे पंडुहरेषाचोरजुक  
 हीये सौरहरेषाजोगीजोसोलेहीयेसत्राहरे  
 षामन्याईवरनाथर्ममठाराकाहिये उनउसरे  
 षासतकीमरतिविमतस्वीजान इकाईसरेषा  
 वैहैदलिद्रीपसोवैदवधान उभुजाकलाईल  
 छन भुजाकलाईहोईजोएकसोजवकवविरे  
 हकहिये करकमलपरगटविथकीझी जा  
 नीवूरिचूपरहिये अंगुठालछन अरिलपो  
 हवैरेषाएकधनिमोजानिये उजीरषाहोयेत  
 पंडितमानिये तिजीरेषाविविचारभगतह  
 रिसुधामन रेषाचारदरिद्रिचाहेकर्मधन  
 कंठरेषालछने पकरेषजोकंठकीतोवढे  
 अणार दोईरेषाकंठनोगुनीकहोअवनार  
 निरषादेखिकेतिहिकहेसुरतविचित काहंणीवा  
 भावताकेदेपीवाढेहित ८० ग्रीवालछने  
 होईगिवावाटरीतिहिवितजानगभीर



लोवी ग्रीवादेयिकेति हि क हो द रि ड पीर म  
हापापी हो ये न र जो नी ची ग्रीवा जा उ पुंच  
ग्रीवा जो न र कै व ह क र्म ह नि सु भा र ६२ दो  
हा लं वी छो बी ग्रीवा न हि क रै उं ची नी च  
भा उं सो म स्त्र क जो र हें राजा स भा क वी च  
न र डी र ट् वाल कृ न रे हें टेट वान क री कें  
म हा उ मृ षो जान डे री ग्रीवा भे द स नि वं  
हू वि थ भे दं व षा म ल यु ग्रीवा ल यु घ टो  
टि सें ना म हं र ति त ग र द न सि सें उ चें मो  
टै क्हा ती पा स सो न र जान हं कृ ल क दा स  
जा के ऊं वाल ला ट थ नि थ न व त न र वि सु रा  
ऊ भा व ला ट सो वि द्या वे द थ र म थ चं द्र म स्त्री  
क र जा जा नि ये सं क ट उ भ लि ला ट सु पा पी  
मा नि ये षो प री ल कृ न जां की भो ह नी मा  
हैं हो य षो प री ऊ च अ ति सो क हि ये न र ना ह  
रा जा मि लि से वा क रें ही मा थो की रे षा ल कृ  
नं जा के रे षा व त जान रे षा  
दो य ल ला ट पर वि व स्तु व षां न मा थो रे  
षा ती न क हो राजा मं त्री ता ल रे षा चार ल  
ला ट पर मो जो गी न र मा नि पंच रे षा हा न थ  
न ही टो रे षा न र ना है रे षा हो हि लि ला प र सो

देहा

विज्ञा-  
प-



जोगजगमाहें भोंहांलकून धनकभोहसों  
जाकहामिलिभोंहसोचोर जोभोंहनमध्यव  
लेअतितोदरिद्रगहठोर तालुवरनने राताता  
लयनवंतजुकहियें पिततालगजाकोल  
हियें सामतालुककरमीजानऊं स्वेतताल  
दरिद्रोमानहें सबलकून अरिल हंसस  
दहोयेंनरहोयमाहाजसवंतहें मघसब  
नरहोयराजावलवंतहें मीरसबनरसबन  
रहोयेमहाराजावेंहें लकूनवीवयविचारी  
वेंदवाणिउकहें काकवचननरधनवंतव  
चनषायरीबोल बोलतफुलेकंठजोलगो  
जुवररीकोल मुषलकून ताकोबदनसुवा  
दरोसीलवंतनरजान महाउष्टनरजानिये  
हरनमुषयरिसान वातकहनमुसकातम  
तिपरहीकपोलजुकप सोराजामुषदेधियेंसि  
हवाठकेनप अथमसुटेलकून साममस  
देगजपदसामसधरधतहीन कुदकलीस  
दासनमुषसोराजापरविन मेंवकदवानद  
रिद्रवन्नावांकेहृणनगुणवंत चमकेदनान  
दानवंतकेकेजोगीकेमंत नुषेंफूटेवाटिघ  
दिमहाउषितनरहोई दनानयांतिउपरदना  
नकर्मविलासिसोई जाकेहोईवतीसरदसो



२२२ १२६

126

भोगी परमान जोई कतीह सगनाइ पेमा  
 हाराजा सो जानू नीस दंत सदर वदन उ  
 नती सदोषी होई छोटे फाटे वो कुरे म।  
 लिन पापी होये नाक लछन परें प  
 नारी वावा जरी राजा धमी होयें कीरत उ  
 ग जो भ्रासिक उची सुमिल जु होयें मोटी व  
 परी ठंग नील टकी परे मुख आई वडें के  
 दनी ले वरन गुद कपाल दिषाड मुख सं  
 पट नासिक बडा कंठ घाघरो बोल हत्य  
 रो मली न मन मेले न हिर दोषो लने त्रल छ  
 न साम सेतरा तेने नती पावल भानर हो  
 ई सिंह नैन जो पुरुष के रस वल संगार  
 दोई कुरकट लोचन दोष हिय मंजरी चपा  
 य हंस नयन हत्या भर देवें मान वाय १६  
 के सल छन भुरे फाटे के ससिर रुषे स  
 शरहाहि दरिद्र पापी अरु कठन धर्म  
 चिहारि नाही कन परी दपाल हरकान  
 की पातरी ना अति मोटि होई सुमिल मुख  
 भी वाहिये कानु सुनें जगु लोई लानका  
 न की पातरी के राजा के मित्र मोटी छोटी

विता.  
 १० प.



देवि पेंकानसुनेनहिरिउ जाकेतिलमस्त  
 कपरेमभगवतसोजोनलिंगपरेंतिलमा  
 यकैरतिवलभापरमान जोकरतलमो  
 तिलवसेपरेमुठिभोग्रांमहांभोगजम  
 उगतमोलकूनदोकदिषाई जोठोडिमोति  
 लपरेंकरै-- साकरितिचुंवनकरैहिम  
 नेकविधमनषेदपरतित अथवतीस  
 लकूनपुरुषके चौपरिसकृतसीलर  
 परवान सत्यसोचतकरककल्यान पु  
 द्विवंतयातमम्रभ्यास परदारासोंवर्जैवि  
 लास मानेलाकसावेदोहोई सासुजानी  
 परिपूरनसोई सदासंतुष्टविवदंनवि  
 त सेयनसुफलकामरासमित इंद्रीजी  
 तम्रम्रलपम्रहार गुरभगतथसीदता  
 र मातभक्तिपिनाकीसेवउपकारीपूजै  
 नीतदेव अरथभोगीगुनपूजनसोसम  
 लयनीदलकूनवतीस येविधनउतमकी  
 येनाकोमंगसपलकूनदेयें २३ इतिश्री  
 पुरुषलकूनसंपत्त श्री मृषसील  
 कूननीलिष्यते पुरुषसुलकूनहोयेंनार  
 सुलक्षनचाहियें तोमनहिसुषलोईदोईष



१२७  
 उजेमोले एतेलकून पुरुष के कहें मनीम  
 नसार मवलकून नारी नारिके कहें सक  
 लनिरधार जो शुभलकून कमनी मिले  
 लकून पीय उपजे डों मङ्गल सरस सुघमा  
 ने नरनीय एक सुलकून को मिले डुजाल  
 कून हीन जीवन मरन समन जो कंटक मर  
 कमीन २० ताकर लकून हों कहें अंगम  
 गविस्तार जहां जने सा देखी ये लिजे न हाति  
 चार अथ शुभ शुभलकून कृष्ण जो कुं  
 दन के नग मिले डुं मिलि सो भा होई गुंज  
 सरग सुहावनी के चन जरेन कोई पगलक  
 ने धरति उपजे सुइ पग राते को मलया  
 ई तरनी लकून जानिये डुं कुल में उं आ  
 ई ३० अंगुठा जा के पांरं कारा ता पतला हो  
 ई पतिवर ता सो जानिये नारी सुलकून सो  
 ई अंगुठा मोटा अति शुभ राजा के चरन  
 शुभाउ आहत ही दिन पंचमै सगति भती  
 रहिषाई जातिय के उचरन कक्य पीटस  
 भाई यद्यपि उपजे नीच घर राजमंदर में  
 जाई राते वरन पगतावे से पुत्र वरध सो  
 नीय पिया की नित सेवा करे कपट नाराध  
 नीय ३५ पञ्चवक्र जा के पैर हीतिया के न

विता-  
 ११ प-



रुक्मांही तेतेजनसपूतवेंहगहजग  
 तेनरनाहथजाफरेंहोईजाकेचरनलछन  
 थोथसाहोई रुद्ररेषजाकेचरनरमेंस  
 कनरसोई जाकेनरुजहरेषजेतीछव  
 कीनेतेभुगनेनंरुदासीवरविल्यासनी  
 ३८ अंगुरीअंगुठापासकीवडीअंगु  
 ठाचाहि सदावसेंपियाकेहिपोरसकी  
 रतनि-ह मधायअंगुरीनियाचरनवडी  
 होईवितकोट लछिहोईनाकेंथनी  
 कहोलगायेहोटमधामाअंगुरीपासकी  
 वडीमध्यमावाह सदावसेंगीसोतमह  
 तिन्योपांननिरवाह ५२ कनअंगुरीचरन  
 कीनियाअरयवितमोंमोई भुगतेंहीवक्र  
 तामरनारमिलिकुललज्पासवषोई को  
 टीहोईकनगुरीजानहूशरीषंडभूमिनप  
 रसीआंगुरीनषसोंदूजषरमेंड कन  
 गुरीयापायकीलागेभूमिपरआई सुष  
 विलासजगसोननीसवकेचितसमाई  
 ५५ चरनअंगुठापासकीकोटीअंगुरीहो  
 ई कलहसि-सोंकामनीभलानमाने  
 कोईमोईअंगुरीअतिवडीजोअंगुठापा



स करै कुमारी वेसि मो पर पुरुष की आस  
 चरन मगुठा पास की मंगरी जो वडी होई  
 सदा बसे पर पुरुष संग भलान माने कोई  
 पोते पायें जु क मनी दोई पुरुष को पाई  
 भला बुरा जानै नहि तीजे के घर जाई कै म  
 कुस कै धु जा की रेख चरन तल होई निशे  
 पावें राज पेद जो रुखा है कोई संघ दोई  
 चरन तल माह को पतिया माह भलि  
 कहत मानें वुरी देष सघे नहि छाही ४८  
 पै डील कून पै डी दाह नें चरन की जो क  
 कु मो दि होई तरुणि साधु सु जानियें सो  
 रायें कुल दोई लंवी पै डी क मनी वसे  
 पिया सनेह भारी पै डी क मनी रें हैं सु मंद  
 ही माह ५१ मोटे क ठा पाई कै म ही खा  
 मे पर मान संतत पग बंधन परैं छो दे सु  
 षवर मान पगल कून मोर हैं ति आ पुरु  
 ष सम पै क जो क कु भावे वेहे जगत की  
 टेक जंघल कून कावें जंघल का मिनी  
 ता पर रो म अनेक आप स सीत हि पिया  
 सुधी रहे सदा उद वे दं वेग भगल कून नि  
 वी डी होई भग करे वहुत भरतार पुर भा



गर्वै आपनापै जाने करतार उचा भग राज  
 तरुनि संकट भग भग वंत वृ- होई पा  
 पीष्टनीतिया सुभावे अंत लंवी भौर निमा  
 मलो महा उषत कीषांन देषीन की जै मुरस प  
 रस यहै स्या न प जान ५७ कच्छ पपीठ समान  
 भग स पठ कमल समान जादा सी कुल उ  
 पजे राज नायक जान ५८ लंवी मोटी क  
 ठोर भग उयर सोम कठोर दासी ही उनिया  
 न सो जो उ पजे राज घर ५९ भग उची जो  
 दाहनी महा अय र मति जान जो उची वंय  
 दिस घाति व- भाव पांन ६० कंद पल्लव  
 न जातरुणी को मदन जल सुगंध चक्षु थ  
 रि म्माई मदन सदन रोमाय नै दासी करु  
 मुकराय भग अंतर जो कालि मके कछु  
 लंवी होई उष देयें सो काम निभोजन पा  
 वै रोई उची नीची होई लिलाट जा काम नो  
 वाहत स सुरेखाइ सदा सो भामनि लंवा  
 पेट नो देखाइ लंवी भग सोष सम समई  
 सो जा की नाभि गोभीर पुरुष प्यारी नारव  
 ह कदिस मान विस्तीर सुष दे नो जानै पिय  
 ही रुदे नाभि लोयें क सम परे पनरी घेट



२२२

१२४२२३८

सुरंगवदनपलके उदरजन्मजन्मउषमेद  
उचीनाभीजो कामनीककुरकदाहनेओर  
पटवंधनिजानियेहयेकुंजररहेहोएर क  
टीलकने उत्रताकटीउन्मतहियेउन्मतक  
कुललाट जोपावेईहकामिनीवेंदेराईके  
पाद चौपई मोटीकाटिअरुजंघजुमोटी  
वटरेदंतकुंजनाभीकछोटी तालुजोभ  
स्यामककुहोउ सदाविवर्जितकहिये  
सोई दद उदरलकन नोलीनसजाके  
उदरपुरुषहोईकेनारी राजारानीचाहि  
येउतमकुलवोहार जोदेपितकेउद  
रपरनीलीनसदिसराष वटलेकन  
अनेकविधिलकरूपहैंआई ७० राती  
नासाजाकेउदरसोवेस्यानिजहोई पु  
रुषसुंदरजोदे धियेहैंविभचारीसो  
ई लसनमुजाकेउदरपुरसोमोतपसी  
ओनारिभादिन  
भावेंदीसुतरजन्मभरिपुरुषहोईके  
नार ७२ हरननेनजो कामनीपियाकाम  
नहरे हरनकंठजो होईतोपियाअंकु  
सभरे हरनपेटजो होईराजलकनक



१ जो दासी कुल होइ तो राजपद उ-२७  
 २ होइ उदर जो तरनी का जो में ड की पी  
 ३ एक पुत्र पे सो जने करे जगन पर दी  
 ४ काँद के हरी बौर हें गनी को मल व  
 ५ चन विलास दाउम दंत जो सोवर अति  
 ६ साभाति हपास ७५ कहि स्थूल जो का  
 ७ मनी करे नुअथ मंअपार चिंता मिदेन वि  
 ८ त सोर हें सो गमो नार ७६ देति नासा जा कै हि  
 ९ यो विद्या भारि पुर होइ पिया पियारी धन  
 १० वंत अति वंता विरद्वन सोई ७७ जो का  
 ११ मनि को सुभर हि यवाल रंउ सो नित्य र  
 १२ कन वरन जा का हि पा करे कोटई कपिय  
 १३ ७८ ककुसु रंदाग गहिर दे काम निति  
 १४ न पुत्र की माई सुंदर सुषर सुलच्छनी उहि  
 १५ नाचार की याई ७९ अनिल वें हिर देत रुनि  
 १६ उधि होइ सो नित्य उचा डोर सको हि पास  
 १७ दार है ति हनिन ८० जके मन वाठ रे कठि  
 १८ न सुकल जो ताल सुपने डध दे धें न ही सु  
 १९ पीर हें पीया वाल ८१ नाभि चमक अ  
 २० रु सुष चमक जो र चमक ग होइ राज  
 २१ मंदर मेवा हियें जग से वे सव कोई ८२  
 २३ उची फादि पीठ की दासी होइ निदान कु



वजापिठकी कामनीविधवाकहिवषां  
न ८३ लावहोइजुपीठकीमोदविद्रकी  
षांनपेंसोकामनीदेषिकेंदीजेपीठनिदा  
न कमलताममरुकोमलीचोराउटेंपसे  
उ लसनपीठजोकामनीकरैजगतमव  
सेउ लवीपीठसदाइषीवडुपुरुषीनारी  
दामक-ष्टमोजीयवसेपूजैनहैप्रहार  
८४ रोमाहोहिकठोरतनहोस्त्रिकैससमान  
जोराजकुलउपजैदामोहोयेनिदान ८५  
अगसीसरोमाद्यनसुषविकलतातियाहो  
य दिठलगावेंवेगदेगनकाधिरजषोई  
८६ उरजअतरइनेकटनरक्तवरनपु  
निहोई वसविरदूनिजानियैवैदपटेंस  
वकोई ८७ करपल्लवलकून करपल  
वकोमलअधिककवलवरनपुनिहोई  
सोदेषीसंतनसुषीनगजानेसवकोई  
नलेअगुठाहाथकेंरेषाजितनीदेष ति  
ननेसोडहिताजनैवेदवषानेलेष जा  
तियाके--आनयाअंजुजपत्रसमान  
सुषसुहारादिनदिनवठेसवैलकूमि  
पान ८२ एकयकतनरोमहोईमहा

विता.

१४१ प.



सुललणीनारि कमलवरनकरनिया  
 केकरैसकविस्मर ६३ वंकेदंतरोजदोईपु  
 व्रजनेनहिनारि भागवंतनरुनीवहेरानी  
 जिममशोरि ललाटलछनंगितिकछंद  
 तिनमंगुलनिलकजोकेकेसथारेवाल रे  
 हैससमंकामनीजोचितराखैडाल कठिन  
 सोछेकेपूजाकेपुरुषआपनाषाई सराल  
 केसीकामनीसोडसरीतानुई काथेके  
 पूजापरीहैंकोनकहनादेधी मूरेवाल  
 होईकरकसावेदभेदयोलेष ६६ चिवक  
 मूकअरुकानंहियवोलेहोहीनिआग  
 रांडदरिदीवाहियेसदारहैडससंग ६७ भों  
 हलछने मिलिभोंहकीकामनीपुरुषआ  
 पुताषाई पुरुषपरायादेधिकेराखेंवानर  
 सलार ६८ अरिली नेत्रलछनअतिरातै  
 दोईनेनतकामनीकपटडस लावाकंठ  
 गभीर तविकननासामुखलेकहोईनिरा  
 मासलखंडितचितपग जोहोहोईयहनारी  
 सदीजेहंकाडिमगु २० दीर्घलायनमांवरिक  
 मलयत्रजुहोईलाजभरेंलायनअरुनदेपिरहे  
 सबकोई कलनिलमरप्रकपरिहीजनेपुत्रवर  
 नार भरैतिलजाकेहियेवरेंहससंसार २२लो



१३१  
 १३१  
 धनतिलजो कामनी सुखी रहें सो नित्य नित  
 दिन चाहें ठो मर सपु रुम धप गये चित कर  
 ये लायन देख के सदा करै विचार दर बुध  
 बांवे गाठ का फिर तर है परवार सेत जीभ  
 की नारि सदा रंड सो चाहिये कहा जो वारे  
 वार देखिये लच्छन परहरो २५ दोहा अथ  
 कमासतालु वसे करै जुधन किहान तालु  
 मजु कामिनी कलहरुप निजान हरतिव  
 सवजलु तरतिव से चित में पाप कवहं ना  
 बोले वचन सुष सहै सदा संताप २६ नासि  
 काल छन दोहा दासी छेटी नासिका च  
 पटी होई कि नारि सुवासु मिलन सुनाम का  
 दोनो उधार २७ जाकी मोटी नासिका मस्त  
 दून समान भागवंत वत सो मामिनी पति  
 वरत निज जान २८ अवनलच्छन कोन  
 होहि जो पातिरे चल पत्र समान सत वंति  
 सो मानियें उत मलच्छन जान २९ वरनलच्छ  
 ने गोरवरन जो कामनी तो गव मति चित  
 सुष मुहाग नायक सहित धर्म करे सो नि  
 तः गोरे वरन जातियाह से परे कपोलनी  
 गाड कवल वरन जो के नैन करे सदा पिया।

विता-

५५५



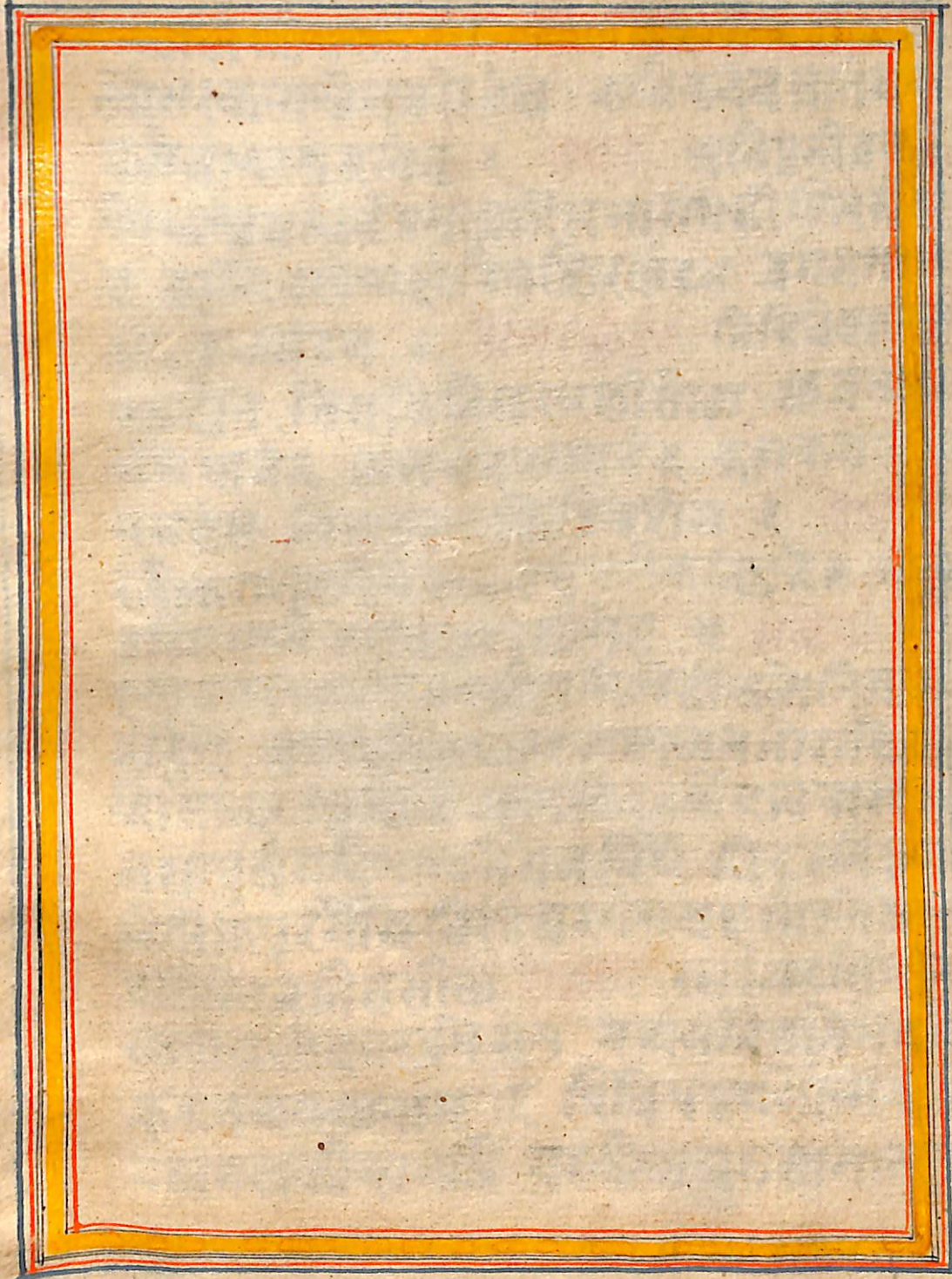
चाउ २१२ अथरलकून रातेअथरएविंवसे  
 किरनासिकाहोई तरनिचलेगाइंदगतिकहि  
 सुभागातिसोई २१३ वचनलकून कोमल  
 वचनजुहोहिसुकमलहिरदेनिय लयुदी  
 धनहिमंगप्यारीप्रेमपियाकोमलमंजुजपा  
 इंचलेजुगजुगामनि होईलकमीरुपराज  
 घरकामनि २१४ केवालकून लावेंहोहि  
 सिवारकचस्यामचमकअधिकई सोजानु  
 हंपतिवल्लभासदानजुषसिराई २१५ भूरे  
 वारललाटपरआगेपरहोजुआई वाटेर  
 हहीजोफुलकेतियादरिद्रनीभाई २१६ पो  
 रलोयनदेधियेहिपरहिमंडहलेनैन संक  
 टसेवैकामनीजोसंकटहोईचेन २१७ कुपा  
 निंदयोरीतरुनियोराउठेपसेयो लडूरोवैर  
 तिरोसमेंडतमलकूननाभेड २१८ काले  
 रतनारेंनेनलंबीविवुककिनारि सोघर  
 वैठतफीरेंकेंहोवेंदविहार जोकेभोरीमस्त  
 परकरैकलदागाजाई लक्षसफलसुहा  
 गनिरउरेषजोआई २२ अंगवाससुख  
 न आवेंवासजोअंतकीजातरुनिकेंअंग  
 पियामोंकपटसदाकरैरहैनसुषकोसंग



२२ रुहरगंधमुखमोंउठेंनिरगंधतनमा  
 ह रेहैरिद्रकेवसयोंमुखपावेंतीयानाही  
 २३ रक्तगंधआवेकायांकेजीरेकीवासकु  
 लकुटंवकोबंधुकेंकरेधंमकानास २३ उ  
 धगंधजाकेकयांउपजेंतियाकेमंग महा  
 उषजो जानियेतासोकरहुंनसंठा २४ फूलो  
 ज्योवुरिवासआवेदेहमेंकेंमजदिवास हो  
 रंतततेंहमों ज्योराजाघरहोइनिचयरजा  
 नकें सहैंउषसंतापसुम्रपजपाईके २५  
 नामलकून केसरिताकेवनपूस्लकनर  
 देवीतामरतनेआमोंपियमरेंवेंदवतावेंठ  
 म २६ सोरठा पेंततिरथवाऊवाऊवि  
 धिवासोकाममि विरहहोइकेंगाऊंमहा  
 पायनीउषतीया २७ सकलमंगमूल  
 समरीहिघारहेरिरोस रहैनैनभरीनि  
 रसोंपहसुतरनिदोस २८ नषसिषलो  
 लकूनकहैमंगमंगधरिनारी जीया  
 केओगुनगुनसकलदेखउंचनरविचार  
 २९ इतिश्रीशुभसुभलकूनसमाइ जाइ  
 संपुस्तकेंरुप्रातारुशलिखतंमया यदिशु  
 डससबामम दोष नदीयते विषतंशोहि  
 तमनसा श्री राम

वेन विता  
 प. १६ प.



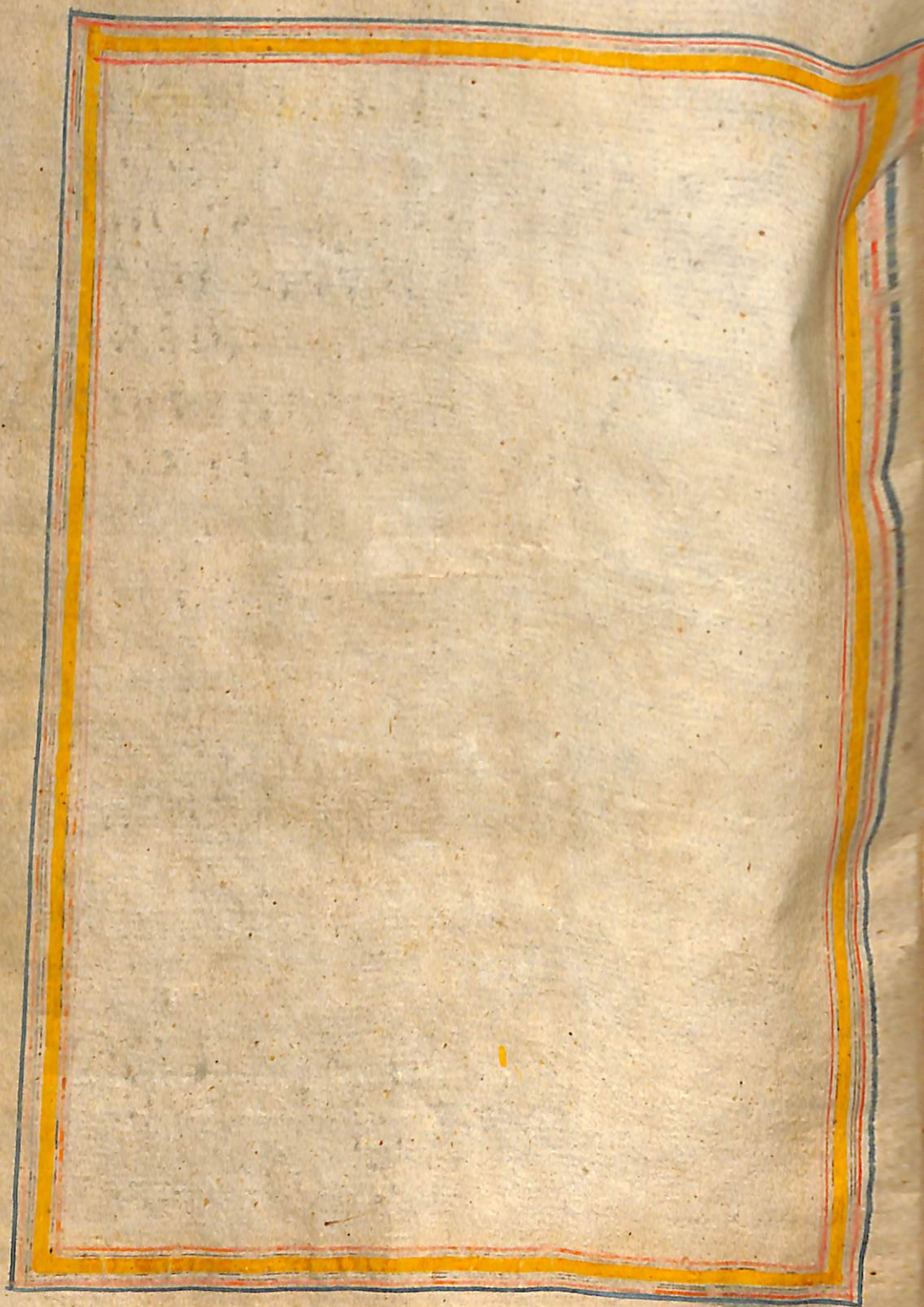




१३३ ३३ १३३

१३३

१३



विन  
५५



ओखलि श्रीगुरुवेः **दोहरा** कलकपोलमधु  
 लोभरकलगुजतरोलंब कविकदेवश्रानेदक  
 हलंबोदरश्रवलंब १ **चोपई** अतिपुनीतक।  
 निकलुषबिहंडनसाहिसभासभहीशिरमंड।  
 न खुलितखगाखवियशिरखंडन ब्रगभगात  
 ह्केकुलनंडन २ **तोमरखंडुः** तिहिवेशकि।  
 यउद्योत जिसकित्रिसुरसखीसोन छनमल्ल।  
 सश्रानेद ससनंदपरमानंद कुलकमलमा  
 नसहंस जिसजगतकित्रिप्रशंस ३ **दोहरा**  
 रसिकराजहरिवंशाननचंचरीकनिजुहेत भानु  
 उदितरसमेजरीमधुररसलेत ४ **सवैया** नि  
 रखेननउन्नतयौजगतीपस्तिलेहीचलेनिजपा  
 इदिये बनवीचिलतादलरुलननोरतहेद।  
 हिनाकरउच्चकिपे सखसोवतसिंहत्तचारविसे  
 जसखसंगविभागनिमेमपिये विहरतिपुरा  
 रितिकंपुरयोछविमोअरथंगबधुहिलिये। ५  
 पतिसेवबनिजसील **दोहरा** रसरंजनसिंगार  
 रसश्रवलंबनश्रभिराम प्रथमहितातेभेदसौं  
 कहतनायकानाम ६ विविधरूपसोनायका  
 प्रथमसुकीयानारि परकीयाश्रुसामान्यका



करहोइ पञ्चनहारि ७ पनिसेवननिजसील  
 रसकृमाताजगणहोइ एखबलकनयामा  
 मेनारिसुकीयासोइ ८ **सुकीयासवैया** ऊलके  
 नयनचलकेलिकलाचलअचलहीमहिहरेरु  
 रे बिहसेमपुरापरमंडलहीकविजाइहसीनि  
 जनेमथरे कलबोलनिकंतकरस्मानिकीपहु  
 नीकबडूरिसजोरकरें तौहीऐहीभलेरिमच्छा  
 इरहीऊलकीबनिताबरणीनपरें ९ **श्रिल्ल**  
 सोइसुकीयानारिविविद्वबरवानिएं तामैसुग्दा  
 मथमाओढानानिएं सोपुनिसुग्दानारिनबो  
 ढामानिएं यौवनजेवहिजानअजानप्रवानि  
 ऐं १० **दोहरा** लाजमनोहरमधुरताभूषणा  
 ऊपरभाऊ पगुननवलनितंबिनीमुग्धानबोछा  
 नाऊ ११ **मुग्धा** मकरधनराजनिदेशदियोअ  
 भवासरवाममैसुचरी तरुण्यणकोवसिवे  
 कहुयाहरिणकियकेतनमाहयरी । तबनैन  
 निखंजनचातरताबदनहुनिचंदकलासिगरी  
 निउतीपहिलेकलबोलनिश्रानिसुधारसमागर  
 कीलहरी १२ **दोहरा** निजयौवनजानेनही  
 अंगअंगयोवनहोइ ताहिनबोढामेदमहिते।



अज्ञानजोवना मोर १५ **अज्ञानजोवना** करि  
 मजननीरतेतीरखरीछविमों अंग अंगहिनेउक  
 ली ऊलकेनयनेचलशोननिछूगहिंवीचनिजा  
 नतिकंजकली जियजानसिवारमपंमुखीनिखा  
 रनिरोमनिकीअवली विनुजानिनिनेबकोभा  
 नितंबनिष्टछयकीविनआजुअली १५ **सातेजो**  
**वना** आजकच्छविगोरभईअंगअंगअनंगको  
 पेसयेग होखरीनिखरीनखतेसिखल्लोंनिरखी  
 नपोंतनजेवजो ऐसयेऐसोतेकेसंकरसेइदि  
 दतउरोजउउमगे कबहैहैकहोंशशिखेखर  
 परसिकम्मणिकेनखरेखलगे १६ **वाहा** अ  
 गलनबोछानायिकाकवियनकरहिबखान प्र  
 थमनबोछासुयियेब्रिमुधनबोआन १७ **पुढा**  
**नबोछा** रसहीरसहीकरखीचतहीसखसेजस  
 चाईहसांऊसमें भरिकेंभुजअंकसेलीजिएजून  
 बहचलिवेकहचिनुमे सोइबलेरसकेबसके  
 अपनेरसनबलबधुहिरमे निजबातुरताचल  
 देषतहीजिहिकेकरपारदपानिजमे १८ **विसध**  
**नबोछा** जगजगसांजंघजोरिहैकछुलोचनम  
 दिइगेतरिजोवे करपल्लसोऊचमलडगूलगहे



१३५  
 भुजमंडलमों ऊचगोवै सशक्तिमशक्तिभरि  
 भरिसासदिसेनसमीरसुगंदसमोहै कोज  
 गमेनययजोगेजिहिकें संगयों नवलासख  
 मोहै १८ **दोहरा** जातियकेतनमोहसबम  
 दनलाजरसहोइ सकलकलारतिपतिभरी।  
 मथ्यसुंदरीसोइ १९ अयरापीपियहोइजव  
 थीअथीरसमैन कबहूनिठुरहठसोकबहू  
 बोलेबंकेवैन २० **मथ्या** नैननिनीपोनिन  
 नाहबदनविलोकनहानिनके अरुनीदुजेभ  
 रिकेभुजअंकमेंसेनसमीपहितेऊऊके यौचि  
 तचितनहीतिससुंदरीचौकिचहचिकचाहि।  
 चकै मनहीमनरहैमोनसोनहिमोइसकैन  
 हिजागसकै २१ **दोहरा** पतिसंगसरसमोह  
 मनचतुरप्यनरतिहोइ हिलनिमिलिनिरस  
 वशकरणकहीमगलभासोइ २२ **पगलभा**  
 नखरेखउनेगउगेजनिदेभरिअंकमेंकंठभुजा  
 बलमों

निशियोरतिकेशरुणादया  
 केचितयेपतिकेयकिकैंकलमों चुपहीवुमरी  
 नियजापिरहीकरणसटोरुहअंचलमों २३ ॥



**मोहनप्रमाण** नखच्छतकाहरहेकतियाकति  
यादशनेकदलेमधुरोधरमें कितछूटिपति  
शिरनेंऊमममगलोत्तदलीबलयाबलमें  
मजनीनिजदेहदशासिगरोनिखीरतिअंत  
समेसुनिमें रतिकोनेकरीसुधिकाहेरहीक  
तिबेशिखजेसिखईसखितें २४ **दाहरा** ते  
तीयमध्यासंदरीओरमगल्भावाम मानकरा  
हितबत्रिविधरत्रिहिथयरहितेनाम २५ थी  
राएकअधीराएकधीराधीराएक चंकअबके  
डहूरसडबोलहिबोलअनेक २६ पिया  
हिपरेशपरायजबकहेचतरपनबेन ३३  
नेसोंतिहिकहतहंमध्याधीरामें २७ **मध्या**  
**धीरा** कलगंजतमंजुमधुबतपुंजनिऊंजनि  
बीचिबिनाबलमें निकसेअतिआतरहेजा  
बेबेतबआनिकहीबतियाकसों किततेअम  
मेदछरेतनकेकसोंजातबलेवलिउचिलमें  
हरयेहरयेहरिनेककहोंतो समीरकरोनलिनी  
दलमें २८ **मध्याधीरा** तमजासिनिजाइन  
गिकितहइतमेरेहगंचललातभये उतहीत  
मथोंमधुपानकियोंइतमोमनचूमतमोहमये



उतही किजही तुम कंचन के तुग श्री फल जाइ।  
 वृग इत्ये इत अनिग्रनंग निवंग किये मम  
 अंग सवे इमवान बये **मध्याधीरा** कमनीया  
 कपोल निजौ बन जे बघन्य मरुप की राशि।  
 एरे बुढ़नायक नागरना महिसों सब सों ब  
 ही विहि हों सुपरे कहियों गहि दीरघ सास  
 चरी कति चानन भेद कहें न परे निरखे हरि।  
 नून खने शिखलौं छर के नयनानयनो बुभरे  
 ३० **प्रौढाधीरा** नदी निप नृप गसे न सने विनु  
 बोल सपास मवे भाती मिस ही मिस ही रिस  
 के जन सों दृग अंचल चंचल ले करती सुनि  
 री सुनि सुंदरी लोपति सों यह सांच यही रिस रा  
 सि इती इत यों मुख सौरिमय कमुखी कवि  
 सोन कह सखिया हसती ३१ **प्रौढाधीरा**  
 विधु विविन मंनु बदन बिलो किन लोचन रोच  
 न रोख भजे निय जानि छिपाइ छुबी लीयरी  
 अब मो पर ते महु मोहत जे चित यों चित चेति  
 चरी प्रति कर ही प्रति बं कि मभा सिनि बैन सजे  
 निज ना इतान्न नि सो गिरिजा कवि सोतिर के  
 हर नृतर जे ३२ **प्रौढाधीरा** हरये हरये ह

रस-  
 म-  
 ३



कस्योतबहं हली धर **दोहा** निहिचारोतिय  
 भेदमहिद्विविधविदग्धानारि वचनविदग्धा  
 एकतिय एकक्रिया अनुहारि धर **सुनोसोवन**  
**नकोइहां** अतिनीलविजुंजनमाललतागहि  
 रेअथकोथसिए मृदुमंदसरोजमरंदभरेवि।  
 हरेमलयानिलतेसिए जगतीजगजारणजो  
 गनगोरविरोपवममृखनितेइसिए अहोपथि  
 काजुयकेवडतेसुतदीतयेंकनकोवसिए  
 धर **वचनविदग्धा** निरखीनिशिनीलिमको  
 हकछूनिहितेशनिहोतसकंपहियो कियो।  
 बदरीदुमकुंजसवैदिनएकइतोडखमोललि  
 यो सुनियोधरनाहनिदेशतदासुतियाइक  
 आनिउपाउकियो चुपहीचुपहीललिमीतम  
 मेकुल्लरातलमेगहिडारिदियो धर **जलज**  
**व** बरषेबिनकामहिकोजलथारबमेकिनका  
 मिनिमेचुचटा उपजेकिनशैलशिलातलते  
 नरज्योउपवनबलिनया बनसयतिफलफ  
 लफलेनफलेकबहुरसलोकछटा कस्योदी  
 नहैकोकताररहीमोऊलटानिकीकोतमपारि  
 बरा धर **दोहा** निजविसखनहानितेजोरहो



अनेदधि नाकनिगविसंकेतगतअनुशया  
 नतियलेखि धर **विविधअनुशयाना** का  
 लगुंजनकुंजनिपुंजमलिंदपियेमकरंददये  
 मालितामकुचीमिलिधैतसंसेतकितेजतरा।  
 गितमंकितये पकिपतुलवंगलतावनके  
 गिरिगैसिगरेजतुगोंकिदये मनहीमनडोले  
 कपोलबधुकरतगुदतचुतिउग्यलये धर  
 कलकूजितमनुमधुरजितेनकितालतमाल  
 जेमेघनकों ऊहकेजितकोकिलकोमलबो  
 लकपावेकपोलततावनकों उनहंबहुतेरी  
 तरंगनितीरनिऊजऊदीतुमसेजनकों ऊह  
 केजितकोकिलोमलबोलकपावेकपोल।  
 ततावनकों उनहंबहुतेरीतरंगनितीरनिऊ  
 अरीजाहिबीजाईऊकेजिनेरीसजताहनिके  
 ननकों ५० निकमंनचनीपतिऊंजनिनेगुंग  
 अंगअनगकेरंगजगे कियेकाननकोतक  
 कीकलिकाकमनीयकपोलपरागपगे ब  
 रखेनयनाजनलाश्रभयेनिरखेतनकोंननि  
 मेखतगैलिखियोंविथिराधिकमाथवकीम  
 दिवाखिलाहकज्योंउमगे ५१ **सुदिता** बनही

रस-  
 मं-  
 ५



विसांजसमेमुखसेनसमीपयेइलहे तलवि  
 केठकछूऊदिलगातिकेहासिवंकिमवोनस  
 रोषकरे करसोंकरखीचतहीपतिकेसुरुमे  
 चउदंचितहेतसहे जनुजावककजलजा  
 कसेइमलोचनलोहितकाशरहे ३३ **दोहा**  
 तेषुनिधीरायादिदेतियात्रपषइभेद ज्येष्ठ  
 कनिष्ठानामकरिवरनोनामसवेद ३४ प  
 रिणीतापतियेमतेकरीसकलतियहेठ तेश  
 नभेदनबीचतेहोइकंजसिष्ठ सोतियइनषद  
 भेदमहिकहीयतपीरकनिष्ठ ३६ **पीराज्येष्ट**  
**कनिष्ठा** सुखसोवतयकहीसेजरहीमिलि।  
 सुंदरीहीभरिनीदनई इतिकानिरहीपटुपाइ  
 निलोंसुतोउन्नतकंदरहेचितई हरखेहरयो  
 हसिओखधृष्टिगहेछलसोंइगसेनदई करअ  
 चतखेंचिचितैमखयौंजियकीनिजजाइजगा  
 इलई ३७ निरखीनवऊंजनिमैजवतीजुरा  
 होचितरोषकषाहतके विरचीचतुरस्मानिचा  
 रुकलायदिकोककलाअपनीबुधिके श्रीपु  
 ष्यपरेपुहमीपरियोकिनबीनतियकसोंयोंक  
 हिके रिकईफिरियककपोलमिचुंविमयंकम



लीभरिअंकमके ३७ **धीषाधीराज्येष्टाकिनिष्ठ**  
 रतिपीरअपीरजकेरसरंजितनाहनईनिरखीति  
 यडे इहकरसोमनिहैगहिकेछिगप्रानिखरे।  
 अनिहीततडे देहगदूरिहितेकरएककेप्रानि  
 दईमनियोकरिधे अबलोकतहीकरचंवत  
 नाबिऊईडसगीकुचऊभनिहै ३८ **दोहरा** पर  
 कीयापरपुरुषसोअममगटनहिहोई ए  
 कपरोछाभेदहैएककन्यकासोइ ४० **परोछा**  
 अलिपनवऊंजतरंगीनितीरअनंगनिकीवन।  
 रंगजेमे परमेअतिसीतलनीरसमीरबितोला  
 सरोजसुगंधबमे किमकेमृडअंबुदबिंडमना  
 जकियोबरवानवसंतसमे निरखेसाखिआवि  
 निमैसुनिथोकछुऊकरिवेकहूचित्रनमे ४२  
**दोहरा** तेपरकीयासंदरीथरहितृयनिजवारि  
 पप्रतबिदग्धाऊलदतियअनुशयायाअनुहा  
 रि ४२ **पुष्पा** श्रीसासुरिसाइसखीकिनखी।  
 नतिडोरसवैपुरनारिमिली उफरीइतकोनेते  
 मृखऊदेखिछिगीनकहूहिकपालकिली मुख  
 रेनखरेखनखेदनिक्कोनकरीजुदशाअंगअंग।  
 विली सुनोसोवनकोइहोकाजनहीतियएसो



षकियोअवसोअसवैसखिदोषभयो ५४  
**॥अरिल्ल॥** बोलविलोकनिनामलियोअनमा  
 नियेमानमनोहरभेदत्रिविद्वबखानिये  
 कंतकोअपराधसबैजिघजानिये मान  
 केमानवइनारितिहरसभानिये ६० **॥अप**  
**योगभावि कोकनमा॥** ऊफलकेअंगअ  
 गप्रसोदकनोकमनीयकपोलनिअतिमै  
 कितहूनकंपतसेलखियेकिनिहूपुलकेध  
 धिजातरितै उहिभातिविलासिनिसौविल  
 स्योवतिचोलतडोलतवाफचितै अजहू  
 तुमतोथरिमोनरजीवऊयोकरिहोउऊमा  
 नकितै ६१ **अपराधनामअह॥** इद्रहूय  
 अनूपममातकियोंसुयनैऊनऔरकफ  
 पूरसौ रसमोमनुभूलिययोतिहितेकहि  
 आयोहैनामककूतरसौ अजहूजियजो  
 नप्रतीतिहैतरऔरबसाइकहाबरसौकि  
 नदीजियेआइसक्योहकरौइहरोमलता  
 भुजगोपरसौ ६२ **अन्यसंभोगा॥** रभिराति  
 रहेकितैउऊकेअरुणोरयआनिअचान  
 कहै लिखियाचकलीकललाटलगीनख  
 रेखकपोलनिराजनहै तियलोहितलो



चनकोननिनेकुलकीकृवियौयुगप्रानके ३  
 ततीयतरानिकेमुकतारहैदादिमबीजदल  
 युतिचै ६३ पसवसोरइसुंउरीकहि  
 वरनीअभिरामअष्टमवस्थाभेदकरधरहि  
 अष्टविधनाम ६४ प्रो त ति वि  
 जा क हे रिता स्वा न तिका अ  
 सा का वि ल वा क जु  
 उ ठि ६५ इहिविधिगनीयहि  
 नायकासोरहआठोभेद सौअदुईसऊय  
 रनीरतिपतिवेद ६६ उत्तममध्यमअथ  
 मगति सौअदुईसनारि चौरासीपरतीन  
 शतवरणतसबैसवारि ६७ तपुनिदिव्य  
 अदिव्यादियदिव्यादिव्यबशेष अतिअसं  
 ख्यसंदरिभइंकहतवनतनहिलेख ६८  
 सचीआदिदेदिव्यातियमालतिआदिअदिव्य  
 सीयआदिदेसुंउरीहोहिनिदिव्यादिव्य ६९ प्रो  
 धितप्रतिकाहोइतबजबपियजाइविदेइ अ  
 तिव्याकुलमनतनतपतिदीरघसासअंदेष्ट  
 ७० अतिदीनदष्टाउखदेहदहैन  
 जानावतिआनिसखीजनसौं हिमप्रीन  
 सिवारतिसेजनहीसखसोवतिलाजतिसो  
 तिनसौं ककुबोलनहीभरिजातुगरोंभ

रम.  
 ७ म.



वनचोषनि कंतवसेन नदीबिनु ननि कीबि  
 कले श्रीसासुतो बिनुने नगरीबिनु जान  
 तियों ककुदराइ इमिसाक सेमे सुनिमे नमि  
 खावन आनि सखी सिखरु छलछे बिहसी।  
 सुखसा रिमयं सुखी ऊच ऊं भनि बीचन मवि  
 तंहे ५२ **कन्यकाव** उरते फिर मुत्रिय मा  
 लपरी ऊरिल गतिकंठ तटी कलसों ककदी  
 नट मोरि वल्लु छलसों करणं बुज डारि भुजाव  
 नसों अलबेलिय भांति बुजाव तिकान खरी  
 अंगुली दलसों निरछे चलवारहि वारहि वा  
 रबिलोकनि बाल बधु छलसों ५३ **देहरा**  
 सकल पुरुष सुख निरविरति अभिलाखाहि  
 यहोइ बडरस कहयनु कइ कपट साधारण  
 धनि सोइ **साधारण धनि** आनि खरे मंनि।  
 मंदिर अंगनि बीचि धनी जन दाम दिवैया ह  
 रिइते इकि देखत हीइल सेतिय के अंग अंग  
 लिवैया पुल्ल के ऊच ऊं तल मुत्रिय के मिस आ  
 नंद आसेत जे जन वैया दोल नलोचन लोल  
 कपोल निमानो यनागम के कहवैया ॥ ५५ ॥  
**अन्य संभोग दुखता** विनती करी नै पछईह



ठसोसठसजसमीयहिसांपसमें न  
 गईकिततूउतमालिसुतोम्रजहंम्रलवे  
 लियसीलसमें जियमानतिडोलतिही  
 नवकुजनिनूजपरीरसकेवसमें विन  
 योंमंगम्रगानिकिचुककफलकेगउने  
 कितकेलिसमें विनयोमंगमंगनिकि  
 चुककेफलकेगउनेकितकेलिसमें ५६  
 ॥दोहा॥ गवंगइलीडविधितियकविषणक  
 रहिवखान प्रथमप्रेमगर्वितभरिततू  
 पगर्विताअनि ॥५॥ **प्रेमगर्विता**  
 जुवतीजगमैतिनिमैधानिपृकनुहीधनिरी  
 पियकेय हिरायेपियाजिहिके मंगमंगर  
 हैगइनबनिरी सपनेहुनमैम्रयनेतन  
 मैपहिरैसनिभूषणसाधनरी उरयेलवनेह  
 तेनाहतियातनलोचनडोटरहैजिनिरी ॥५॥  
 ॥**सौंदर्यगर्विता**॥ तनसुंदरताजि योंसि कुंद  
 नकीमुखयेकजरूपमयेकमुखीनवनीर  
 जमेकहिनैनलसैकलवेनसुधारसयौवि  
 नयों करिपकदाकदिधौंरजनीउमरयोत  
 ननाइसोनेहनयों यहिलेहीहसीतिहिरै



रिलेतिनवारिविलोचनसौंजुककृतियके  
 तनतापतयोसुतो जानतिकमभलेमन  
 मों ७१ अरीआलिउहैअंगिउरकी  
 अरुकेचनकेकरकेकनबोई कलिहिकी  
 यहिरेकसिकैलकिलाएरहीमनिकिकि  
 निसोई डोलतलोल्मिलिदकदंबविलोकि  
 वसंतसुमैरतिरिजोई ठीलेसेभूषनवाउ  
 कहातुगेवतिहोपरिजातनगोई ७२  
 बालसगेरुहमालमनोहरकिंकिंनिमुनि  
 यहारबनायेपतनकालगयतनतेगिरि  
 ज्योंवनउज्जिलस्यामसिधाये वाहनतेव  
 लयाबलिनाईठरेबहुजायरयाणिनिमा  
 ये हैरमनीधमनीकिंयोंछूदिउहैजानु  
 जानिविकोधयिधाये ७३ ज  
 वदेतअलीकरकेजकलीतरुणतबनै  
 ननहीउरसैं जरिजेहैभलेतनतेजतये  
 उहजानिनयानियियायरसैं अरुबोल  
 नदेवरसासुसवैतबऊतरदेताहियेंतरसैं  
 मतिमोमुरवमासुलगोइनकेतनतेजहु  
 तापानसोंवरसों ७४  
 दीनद३॥ममदेखिवियोगतेऐरीमिले



जिहिपेमसमोवै आइविदेशतेदेहमले  
 अभिलाषनियोंनिशिनीदनसोवै भो  
 रनैसांकलोदूरहिवैदिविलोकिविलो  
 किभयेदिनखोवै लेमिरिचेद्यसिलो  
 चनलाइलखेजनकोगणिकाजनुरीवै  
 ७५ जाकोपियानिशिअनितउमि  
 प्रकटभीरहीहोइ सोकसाससंतयनितन  
 होइविडितासोइ ७६ अनजान  
 सेभोरहीआनिरखेउगहरतैंदूरिनसे  
 नदई तबनाहलईगहिवांहककूहसिहे  
 रिसखीरिफंई कृतियाकुचकुंकुमक  
 मकिनैकविच्छाउरहीअगमंगनरंसु  
 रियोउतरीबतिचातिघकीअवियायडि  
 सोतियमंदिलई ७७ कुचकुंकु  
 मकायहियेहरिकैलखिलालविलोच  
 नलालभये भरिकंटउतंगतस्वासनि  
 लेतनबोलतिहैककुबोलनये नखते  
 सिखलौरिसतोइलसीउमगेनयना  
 पियजुचितए मुखमजुनकेमिसते  
 मुमुखीकलकैजलनैनकिपाइलपें  
 ७८ तुमजामितिजाइजगेकिनह

रस.

८ म



मेकयेनिजकेलिकलारतिमेना भो मि  
 लेटरिकोद्योगानिलगेगढिछोलिवनावति  
 वैना अंगनुरंजितदोखिनखकृतदूतिहसी  
 दूतिददेगसैना स्पामसनमुखआनिव  
 रीअरसीकरलेसरसीरुहनेना ७५

निशअंतसमेंलखिकंतहिकामिभिनीद  
 भरेनयनारतनारे कंटलगेमणिकंकण  
 अंकसुवेखबनेनखरेखसवारेमनहीम  
 नमोनधरैविलखीअतिहीउमगेनहिजा  
 तसंभार इतिनकोमुखदेखिडहंदिगया  
 खिननेअसुवांगहिडारे ७६

कोनसखीनिशखीनकियेतपढेकुचऊं  
 भडऊउरवीचें लूथनियोअवधीरथगे  
 सुविनाथनकोइतिभातिनमीचेंयोसु  
 निवोलविलोलभयेलखिरोचनलालवि  
 लाचनमीचें लेतिडुरुकरनेकरहीकरवा  
 खयूमनिकंकनखीचें ७७ पति  
 हिनिंदरिपक्किनातिफिरिकलहंतारि  
 तानारे सासुमोअनुरतनतयातिविलप  
 तिइहअनुहारि ७८

रसहीमहकैरिसरंगरदीजरदीतजि



ज्यों हरदी मिलि भूयो रहि वी विचरुदि  
 कहं कहि को किल कजि उठै जिय दे जु व  
 द नो लानि लाल सौ को लति ऊन सहे ल  
 न हैं न जन विनि ऊनो आन न ही यर क  
 दर ही छवि होत चलो हिय राउत स  
 नो ॥ ८३ ॥ **अथा** ॥ जिय को कल लाह ट जे  
 न कहो जरि जाति जरे जिय राजि जके क  
 हो न क क करि आवतियो न हिला जति  
 ही हिय रा ल ल के करि सुंदरियो निशिके लि  
 ख विष ही मंगवार ही बार रक के निज  
 अंग दशास जनि जन सौ न जना इस के  
 न किया सम के ॥ ८४ ॥ **पौटा** ॥ इन ही दुख  
 हा इनि को शिखये सुख ही मह मै अति मा  
 न कियो मुख मेले विलोकि उतै ले हे वलि  
 न आवे न बोल जू आनि लयो कि ऊ कारि  
 कि तो हउ ठी क कि कू ठे हने कन ऊन रफे  
 रिदियो अति ही ने दृगं चलखी ने खरे स  
 मुके इत स्व उरु जातु हियो ॥ ८५ ॥ **परकी**  
**प** ॥ नाहन जे सरख से जही मो क मनो जम  
 नो सिर मोहन मे ल्यो लाजत जो कुल का  
 नि स मेत भजी मति धी रज तो खलि वि



ल्यो जागति भादव की भरि जा मि ति गो  
 यद जानि नदी नद हे ल्यो सो पति प्रा  
 ण पति पटो पार नि या यि नि मे य रि पा  
 इ नि ठे ल्यो ॥ ८६ ॥ **सामान्या** ॥ पंकज  
 अंक किये कर पंकज अंक अरूप मरू  
 प वियो भरि भाल गि ले व कु भाग भ  
 र अखरा विधि नानि ज हे रि हियो सवै  
 परि पूरा कै जि हि ऊरण मानि मनोर  
 थ दान रियो ॥ धिग कुं धिग जीवन जौ  
 वनि ता पिय सौं जिनि मान कियो ॥ ८७ ॥  
**मुरधा** ॥ करि कोटि कमौं ह सहली सवै  
 मिलि कुंज निबी चलि वार्गई चितई  
 त सौं विये सेज सखी तन ते जत ई रि सरी नि  
 नई अतिलोहि तलोचन लोक लिये ति प  
 यौं चहुँ ओर बिलो किलई नवकंज कली  
 जिय जानि लता तजि जौं अलिकी अबली  
 उनई ॥ ८८ ॥ **मध्या** ॥ देखि नि कुंज विना हरि  
 बंशहि बाल भई अंग अंग अधीरी लोल  
 कपोल गई पिघरी परिले नल प्री भरि सा  
 स असीरी ढीले दृगंचल अंचल गो गिरि  
 दे चल चितु भयो अनि हीरी हाथ नें भूमि



१०० सामान्या ॥ जवनी जिहि  
 जोरज गोउह को निज जानि जने गाणिका ब  
 लमौ सुनौ कल वडे चतर मनि आनु भले  
 उह की कल हील कसौ मधुमधु वत से न  
 ति सैन दयै न वयल वलोल लसौ जनु आ  
 युस मै करतारी देह सित कंज नि के सिम कं  
 जह सौ ॥ १ ॥ दोह ॥ जवन मिले नव के लि  
 पिय को दितं कहिय हो ३ अंभन त कं पन  
 रुदन उतं छिन तिय मो ३ ॥ २ ॥ मुग्या उ का  
 ॥ मेरे जाने गये पिय डोर वधू पह मूर ति प

रस  
हं मं

रस.  
१.३.



कसुजाननमै रहजातिचलीसुखगतिवृ  
 थाहरिवंशविनायनकाननमै भरिनी  
 रजसीअंखियांगहिंसासुयरीतलफेतिय  
 आननमै जियकीगतिजातिकहीनक  
 कसुगईपियरीपरिआननमै॥३॥**मथा**  
 नगईउतलेनकिधौमजनीकिधौवैनक  
 ईईपरनसजे अहंनहिनाहकौआवन  
 भातिहिकोटिकवातहियेउपजे श्रुति  
 केजकलीरसकैमिसकैतरुनीनिजनैन  
 निनीरतजे ४॥**प्रौढा**॥ मगीमृगमालमरा  
 लमयूरमनोहरमानसकीअवनी तनती  
 रतरंगिनितालतमालतयिछुतमोतम  
 नूतवनी अहोवृजतिमंजलिवांधिवरु  
 हुकरकामकलातलफीरमनी काहिहौं  
 किनआवनकुंजनिआजुगिरियनमोयन  
 गोयधनी॥५॥**परकीया**॥ कारिमजनर  
 यनघोरघटाजलधारकुकोरतवारिदि  
 घो तजिगेहुअनूयमनाहकोतहुविदेह  
 जुमेबनवासुलियो यनचंदनविंडनिपू  
 ज्योरतिप्यतिजागिनिपूअगुरागिहियो  
 मंजहहरिवंशनमोहिमिलेसुकहात



४. १४४४

१५५

पजातयुमैनाकियौ॥६॥ **सामान्य॥** विर  
 म्योक्तवल्गुभम्राजुअलीअवहोतव  
 लीनिशुअंतयरीकहिकीजेकहाकहि  
 सौकहिपसंगसंगअनेगकीजोतिजरी  
 विलपेफिरिफेलिचहुंचकयौतलफेन  
 नमेतलवोलीपरी अमुआजलऊंजप  
 धारतसीऊणिकायनकेअभिलाषभ  
 री॥ **दोहा॥** जानिवारनिपूरतिसजति  
 वामकसज्जाहोई प्रअहसनिरतिल  
 कफिरिअवलोकनियुनिहोई॥ **७॥ मध्य॥**  
 ॥जोतिंजरीइमितारणिइमिमृत्तियलेन  
 रहारसवारेककनिकिंकिनिपूयुरनासिक  
 बेसारेवीरीनुफेरिखिथारे लेशतदीप  
 लेसेजसमोयजेपूरतनेतियनेअनटारे  
 यौनिशिंसुंदरिसाजसजेउककेऊके  
 पतिपंथनिहारे॥ **८॥ मध्य॥** दिखावन  
 कोनिजकारीगरीरचिकेसरसीरुदमा  
 लतकै तनभूषनतेतिसवारिसुबोसु  
 जनीजनजीतनकोभिसकै चिनैचिनचि  
 तकीचातुरताफिरिद्वारहीद्वारबयूउक  
 कै तियकीगतिदेविरतिपतिपौहुल

रस  
६ मं

रस  
८ ( ११ मं



स्योहियगनसंभारसकै॥१०॥ **प्रीटा॥** क  
 रपूयितकुंतलमालबधूतनभूषनभू  
 गिहियेइरषेसजिसेजसमीपसंगंधस  
 बैवरबीरीबनाप्रियातरवे॥जवहूकव  
 हंतनउपरतठरकेसुचरा रसकैकरवे।  
 दमकेउनिदहेसुदामिनिज्यौनवकंचन  
 कैजलजोवरषे॥११॥ **परीकीया॥** सुवा  
 वतिसासुहिमां कहिआनिपटंचलदी  
 पकजोतिनिचारे कोकंकपोतनिकी  
 किलकारिणिआयुहिदेतिजनाउतनारे  
 लोलकपोलउहृदिगदोलतबोलतियेध  
 रिधीरसंभारे नाहहिजाननकोहरयेही  
 पियापलिकापरियाणियसारे॥१२॥ **सामा**  
**न्या॥** ऊचकंचनलीचतकंचुकीयेमुख  
 चुंवनदेतहीमंगमनी परसेहियराहसि  
 हारलताकरकेकनपाणिलगेहीधनी  
 मंगिहौमंगमें करिकुंकुमयेकनिलेपनि  
 म्रगनपौहरनीसुकहाम्रभिलाषजुजीन  
 करेनि-वारिपरेगणिकारमनी ॥३॥  
 जिहिअधीनप्रीनमसबेसोअधीनपति  
 होउ मणबिहारउत्सवभूमदनमनोरथ



४२४५

१५५

सोर **मुग्धा** ॥ अजहं न उतुंग उरो जभये मं  
 गनरोचनजे बजरी न भई कटि रवी न यों के  
 हरि जे न नितं व अजं भारिके उमगे नहि  
 चाल मराल की वं कविलोक निनै न निबैन  
 पिपूष जगे होंत उनि प्रा वा स र्या नित्य  
 के संग डोलन लालन संग लगे ॥ १४ ॥ **मथ्या**  
 रति रंग अने गतरंग लखे फिक कारत हं  
 दरिये कुच के चुक के वंदर वो लति प  
 हेलि उरु कर सौं धरिये भरि हू निरखे न  
 हि नैन के नैन निबैन निहं नहि म्मा दरि  
 ये तऊ पिय पाउ निको पारि वोन तजे स  
 जनी बकहा करिये ॥ १५ ॥ **प्रीति** ॥ तेथ नि  
 हैय निपाय राणी म्मा हि जे यनिके रति रंग  
 सिया ने लेन खते सिख लौं दसि हेरते ना  
 ह मरूप मक पव खाने नैन निबैन निहं  
 सपने कुयिय हारें वं शति ओ रहि म्मा ने  
 मोतिन ओर तिया ननया नित्य म्मा लिक हों  
 यिय के रौं या हि चने ॥ १६ ॥ **परकीय** ॥ अपने म  
 पने घर ओर थनी नव द्यौवन जेव मरीतिय  
 हैं जिन कै मंग मंग कनक क भूषण उ  
 निकने क डौ फ कहै पुरबी धिनु वीचि

रस-  
म-



गलीनुतलीनुतरंगिनितीउछिपाउरहे  
 सुनिरीसुनिसुंदरितोदितऊहरिवंशवि  
 नाविरषेनरहे। १८। **सामान्य**॥ सिगरेयु  
 रक्काउरहीयुवतीतिनसौसुपनेहुननेहु  
 करे चितचौरनचारुमयंकमुवीह  
 रिवंकविलोकनिहोहभरै मिसकैरि  
 सनेंकजोमोनकरौतोमनंगतरंगहिये  
 हहरे सुतोबानकहासखीमेरेहीसं  
 गयनीधनयोंवनलेचितरे १९।

वदिसंकैतनाकपेजाई कैतोपियहि  
 टिगलेबुलाई बुधिप्रबीणसाहस  
 होइ पलथणअभिसारिकमोइ। २०। **म**  
**थ्य**॥ परसउरेदामिनिदूतीजिमेइहि  
 रातिरहीरमिरंगअलीहै चारिदगो  
 तिखीगाजनकैमिसदेनघरी अउकीउ  
 हलीहै श्रीहरिवंशामिलेमनमंगल  
 बोलतिजिहिनकीअवलीहै भामिनि  
 भौअभिसारससोंचलियेतजिलाजवल  
 हीमलीहै २१। **मथ्य**॥ घहरातिजवेय  
 नघोरघटानवनोचितचौकितयोंचित  
 यों मधुदेवभयानकभारीभुजंगम



४६  
 १५४  
 अंगनयोमहरातयों अवकोमलबोल  
 निबोलतही हरिवंशवदन्नहियेहीतयों  
 दहयोहियरातनकंपउचोसुतोवातक  
 हासुलेररितयों २२ **प्रौढा॥** सोरधुकंच  
 प्रशैलउतंगउगोजकिभारनिअंगननयो  
 तोंभरतिंबसंभारसकैनाहिअं चरहंगउआ  
 उगयोतौ हरिवंशसमीपकोहंमगतौ  
 निशिजाइसकैकिमिकैवरणैतों सामि  
 मनमसधमारधिजोनअलोरीमनोरथ  
 सोरधुहोंतों २३ **परकीय॥** हरिवंशस  
 मीपकोंवामवलानिप्रसंगअनंगकोऔर  
 विषैनिखेनवनीरदनीरभरेमैरविमंडल  
 मानलियो रजनोजियजानतिवासुर  
 सीननवऊंजमनोजकोसोयकियो अपये  
 पथकेपहिचाएतिनाहसोनेहनियोह  
 हराइहियो २४ ऊंनंकउपाइकनंकक  
 सीमदफमिचलेगजराजलजे पहिरेन  
 वनीजनिचोलीवनीकटिकिंनिचुरना  
 डबजे उछलेकरणेंडुमयंकमुत्तीछ  
 बिदेखतकामकीवामतजे नवनाहरि

रस.  
 म.



कावनकोंरहिभांतनिवारवधूअभिसार  
 सजे २५ ॥ **जो नत्राभिसारिका** ॥ हिमसेन  
 दूकूलओसेतोश्चंदनसेतोश्भूषनभूषि  
 लियो अरुसेतहीफूलनिकीसगसो  
 हतिमंगानिसेतसुगंददियो जवपाइ  
 निमांफगईकुविछासुतोहुलस्योअनि  
 हेरिहियो निशजोहरहीभरिपूरिमही  
 तवहीतरुणीअभिसारकिया २६ **दिव**  
**सारिका** ॥ भयोपुरकेपतिकघरउत्सवजूनै  
 सवैजनऊंजनिमैं चितचौंकिचहंचक  
 हेरिहसेभरिसासकियोमिसफूलनिमैं  
 अतिआनंदसौंसवलोकगयोलदियोगद  
 हुनिमौंपुंजनिमैं तिरछीगतिकेसमु  
 फीनपरैहौरहैकुविदंपतिकूलनमैं २७  
**दोहा** ॥ इहिविधिआनोनायिकाकहीवर  
 निगुणनूप सुगमयाप्रौढयनिभेद  
 अनंतमनूप २८ **दोहा** ॥ जाकोपतिपर  
 देशकेविदाआनिटिगहार् दहिसवहि  
 नितैभिल्लगतिनईनाइकासो २९ गम  
 नसमैकानरचितैकाऊवचनकहिरोई  
 मोहमदनतनतपनिजउसासदीनगति



हो॥३०॥ **मृगया**॥ अहो आनि अचानक ही  
 हवें शकळ चलि वेही की बात कही सुनि  
 सुंदरिनारि सवारिन वाइ विला कन ही मु  
 खमौ नगही भरिनी उदग चल दीरघ  
 सासुत दास भई मन मोहिं रही निज ऊज  
 निजा उर सहेली सवै कल ही कल को उल सी  
 कर ही ३१ **मृगया**॥ मन भावन श्री हरि वं  
 श हटै हांसि गौन की बात कही कूल के  
 न लई भरि सासन नैन भरी रुका होन क  
 क सुनि ऊतर के अंगठी ले भप अंच  
 रागि रिगो अति सो है ललाट लगी लट  
 है जन जीवन के अखरा पटि वे कहु  
 आनि उकेटि गमातुर है ॥ ३२ **प्रौढा**॥  
 प्राण प्रयान विषागद वान लकी न समीर  
 शरीर हिता वै ना ही ते श्री हरि वंश सुजा  
 न हहा सुनि पविन ती करि आवै चंदन  
 चीर सुगंध तबो लज्जु फूल उकूल दिघेर  
 सुनावै पूछुनि हौ पिये पम्र बदेत सुतो  
 वहु यो फिर प्रीत मपवै ॥ ३३ **परकी**  
**या**॥ **तजिला ज**॥ रुजन की मग मै पगान  
 ग के शिर आदि चप अवले हि य हे नि

रस  
 १६ म.



स लिनहोतिप्राग्वेलिचलीतुमम्रा  
 निलये म्रवनेनजुदैमनमेनदहैमंग  
 मंगम्रनंगकेतपतप ३४ नोफलवृषि  
 पहोपियजुजववैचलकहम्रायभपं  
 ३४ **सामान्या** ॥ विकुरेतमूरैममहिजी  
 म्रजबैरहिहैनहिदेह सनेहदगीतिहि  
 दीजिपजूसिगरेनिजभूषनलेकति  
 याकरोपिमपरी तबयोंकहिकैवति  
 यातचहीम्रलियाभरिफठेहीकैउमगी  
 उजिदीरघसासुनिवारविलासनिला  
 लहियेलपजाइलगी ३५ **देहा** ॥ म्रहि  
 तहोइनिजनाहजवजानिजाइधनिसे  
 ३ तऊहोइहितकारिणीसोउतुमहिघ  
 होइ ३६ **उतुमा** ॥ म्ररुणोदयम्रानिव  
 रेउचऊंऊमयकपियेक्कविकैवरेणों  
 पगुधारियेजहहिवंप्रायियावचनाम  
 तसीचतबरेवभनौ म्रमंदहसीउति  
 चंदनयंकचठइलियोसबम्रगयनो  
 करिलोलविलोचनचारुचितानिवठा  
 बतिम्र — — मालमना ३७ **देहा** ॥ म्र  
 हिनकरैम्रहितैकरैहितकीनेहितहोइ  
 तिहिगुनलदाणभरिहोमध्यसंदरी



सो ३३॥ **अथ** मगध करे हरिवंश  
 हरे करमौ परमौ ऊच कुंभदियो चितयो  
 तिर के करिलोहितलोचन रोचन रूप मनु  
 यवियो हसि हेरि हरे दरि मंक मैले जब  
 ही मथ रामतकियो तव ही तरुणी ह  
 सिपेम मम नोहर हे मसुर दुमदान कि  
 यो ३४॥ **दोहा** ॥ हिनो करतनि शिदिन यिय  
 हिमहि तै जो धनि होइ अथ मनुपगु  
 एलभ एचंडी कहियत सो ३५॥ **अथ**  
 ॥ मगमै पगदै तविलोक ही हरये नवय  
 जव तोरि थरै पय ऊं ऊम पेक निमोचनि  
 पाणि सरोरुह छाह निछुम हरे पति  
 यौ नित ही चितलीने चले तव हूनि यचे  
 डिक यौ सचरै सरोरुव कषायित लोच  
 न के हरि होठ कस मसि दंत करै ॥ ५१॥ **दो**  
 हा ॥ इहि विधि मगणित नायिका कहत  
 नवने गणय ग्रंथ वटनिके उरन ते वरनी  
 क छवना ५२ नितमनिकाट संचा  
 रिणी अति प्रताति हि होइ तरुणी  
 तिया कहावई सरखी सुहावनि सो ३६॥  
 तिन सखी जन के गुण कहै मंडन करहि

रम

रथ म.



विलाम प्रेमवडावनकोरमहिउरहन  
 सिलपरिहास ५५ **मेउवे** करिमज्ज  
 नकुंजुमवारिसुमंगमंगसुवारणाम्मा  
 निलगीअगुरुदुमयूयसुकेशसवारिसु  
 नासिकवेसरिज्योतिजगी ऊचऊपर  
 ऊंऊमकोपिययाणिलिख्योतिखिकेति  
 यडोलिडुगीकरकंचकलाकमनीयधुना  
 उहनीसजनीपियपेमपगी ५५ **उहम**  
**॥** निसवासुरसुंदरिकोहियरारह्योका  
 मदवानलसौलसिकै तुमपसेभले  
 हरिवंशललाउतेहीनिजवासिकियोह  
 सिकै अपनेमंगमंगमनंगभरेमनुमा  
 योविरिंचरचोशाणिकै वहपसीभठो  
 रसखीतुम्हरीहियरासिरानसमाउस  
 के ५६ **शिववम** भरिपउरअंकमै  
 योंमुजिसौरहियैंकुकिकरिकेलिखई अ  
 रुयोंलखियेनखतेपिरखलेंअंगअंगनि  
 ज्योअखियांमिषई सुनियोंशिरसुद  
 रिसेनसवैरिऊयेहरिवंशमहाविषई  
 रसमैरतिरंगसमैसजनीसिषलाषक  
 मातिसखीसिखई ५७ पठिहासणलि  
 खिवित्रपटकरिकेसरिकेसरिसौरानका



४८  
 १५५  
 सल्लिखेहरिवंशवनी मिसईमिसडीमनिमंदिर  
 मेइमिश्रानिकईइहवातश्रुती श्रवज्ञानियेजा  
 नशिगंमनिश्रायुणकोलिवेलिएकंजकल्ली र  
 मनारदचापिमयंकमुखीसखसौरिकछुमुसा  
 काश्चली ४६ **दोहा** इतीहृतव्यनकरिदंपे  
 तिदेइमिलाइ रसवसविरहविनोदकीबाने  
 कहेवनाई ४७ **मिलवन** उमडीचनवा  
 रिचमंडवरादमकेदशहंदिशदामिनिभीरी क  
 नतमत्तमचरमिलिंदगनाजमनोनिजथारसवारी  
 वेउतजंजमिमैहरिवंशविलोकतिहेयथिसो  
 हतिहारी पश्येकरियनकहासुहृदाथेजह  
 चलिएबलिसारी ५० **विरहनदेदन** वि  
 छुरेत्तुम्हरेहरिवंशविलोकि केवेंगोतियदेह  
 दशावरणों मइसीतसमीरमराहसेनहि  
 नेननिहृयंगग्रगग्रानो जबश्राणसमीपा  
 कुरावरोनामसखीसबलेतिहियेअकनो जब  
 नकरुमेचितहैतनुहोतकहेतियजीवितदेजा  
 मनो ५१ **दोहा** इहमितेसिंगाररसउपज  
 तहेश्रभिगम पहलेवरनीनाथकावरनौना  
 यकनाम ५२ **अरिल** तेनायकाकवियत्रवि  
 विथवषानिही पनिउपनिबैशिकपमिअनु  
 मानही पानिग्रहनथनिजासनिहोइ अथि



सविपत्तिकहीयतसोऽ ५३ **पतिव** सह।  
 सोकरसोंससिसीचतवैयोनहीशीतसुधाप्रस।  
 कीलहरे फणिपत्रिहनापरलाइसेवैकिन।  
 थीरसमीरतेसेदहरे उछलेकिनगंगतरंगनि  
 मेंअंगअंगअनूपमप्रातिपरे अतिकोमलमृ  
 रतिशैलसुतामुरजाईगईरविरोधखरे ५४  
**दोयई** सोपुनिपतिबहुभातिवखानड प्रथ  
 मनामअनकूलहिमानड दक्षिणधृष्टडोरश  
 तछेद नायकचारुकेहैरतिवेद ५५ **दोहा**  
 सुपनेइनअनिसुंदरीरमेंरंगरणथीर सोक  
 हियेअनकूलपतिसीयरसिकरचुवीर ५६  
**अनकूल** बसधातमहोनितकोमलकैयोरबि  
 नरूपथयोशशिशीतलताई थोरइमेकिन  
 हानतअरेपथथीरसमीरहैंनौंसहहाई दंड  
 कदंडकोमेमिलियेतनियेमगशैलशिलावन  
 राई मैवनमैइहिडोसरआनुहोसुंदरिसीय  
 लईसंगलाई ५७ **दोहा** सकलनायका  
 समरमेंरसिकरंगरसमानि दक्षिणनायक  
 कहियेसोस्वामसुंदरहिजानि ५८ **दक्षिणा**  
**यक** सिगरीतवयौवनजेबजगेअंगअंगअ



नंगतरंगभरी सवकीइतिदामिनिजोदमकेला।  
 लियौंसमकेलिकलापिगरी अवक्यौंसमोहेरि  
 हरेहसिकैरमियेरतिरंगनिजुंजदरी मनहीमा।  
 नयोसुखमोनथरेदिनईवनस्यामलदेकचरी  
 ५४ **दोहा** निउरकरतअपराधनिजसोकहि  
 येशतसीठ परिपाइनिहिलिमिलिरहेसोक  
 हियेपतिथीठ ६० **दोहा** कहिहारलताकर  
 कंजवयोसुखनाद्रसमोनथरेहीसह्यौं मनि  
 मंदिरद्वारलौंआनितनौंवरजौंबहुभातिकहा  
 नकह्यौं नबहंडकिहुरिहितेहगदेतहरेहसि  
 हेरिहियौंसह्यौं हरयेहरयेमगमैपगदित।  
 पियातियकेसंगगोइरह्यौं ६१ **दोहा** निज  
 चातरनातरुणिरसकपटदूषपडहोई लल  
 हीसौरतिरसकरैकहियहपतिसठसोई ६२  
**श्रुति** अंगअगसिंगारसवैसखिकैरचिसंद।  
 रिलेनिजसाजठयौं सुखमोरिहसैअचराद  
 शनइरिआनिठुकेरिआहेचितयौं मजनीजा  
 नजानिजनाउभयोनाह्योजवतीचितनेहन।  
 यो मबासोइह्योसठमोनथरेअथरातिकआ  
 निजनातभयो ६३ **दोहा** आपतिनेआचार।



ऊलकिनिदानिजमहोई परदंपतिश्रुतिनेह  
 रहसुउपपतिकहियतसोई ६५ **उपपति**  
 परिमोंनमशंकचहूचकयोंनविलोकियेअं  
 गनकेपियसीजे किंकिनिकीऊनकारनही  
 परियोंनदियेभरिअंकमैदीजे योंनकिनेन  
 तिवैननिदेचुपहीचुपरिमधुराधरपीजे कौर  
 निकुजतिचोंकैत्रैनेनसतौमहिकैलिकहा।  
 करिलीजे ६५ **दोहा** निशदिनवैश्यासो  
 रमैवैश्याकेबशहोइ विकलविलासिनि।  
 सौभवेसौवैशिकपतिहोई ६६ **वैशिकप**  
**ति** किंकिनिनूपुस्तोलकपोलभूभुहला  
 कोलककंनहूकों लेऊहकेकलकंठकिहू  
 जतिजीतिलयोरबलाबलहूकों लोनेसेतो  
 हितलोश्नलोतविलोकनहीमनहीनवि।  
 थूकों बारसीबारसुयोंविछुरैसमुझरमवैशि  
 कवारबवथूकों ६७ **दोहा** तेनुनिवैशिकक  
 वियनहूरोषाविविधवषानि उत्तममध्यम  
 भेदकरिअथमननीयहिजानि ६८ **वियापे**  
**वि** अपराधजबकोपकरैदगरोइ मौनथरै  
 ठहलैकरैउत्तमनायकसोइ ६९ **उत्तम** अ



१५१

रूपोदयप्रानिलयीतरुणीअखिआभरिनीर।  
 तजे नविलोकिसर्वेणानहिवालिसर्वेणानहिसो  
 श्मकेणजियत्तातलने हरयेहरियेछिगप्रानि  
 छकेणअंगअंगसकंपकछनछने मुखमौन।  
 थैरसिरनाइसुतमवैशिकमुनियमातसजे  
**दोहा** पेविथियाकेपेयत्रिहिनहिसोनहिरिस  
 होइ मुखलदनतेमनलवेमथमवैशिकसो  
 ३२ नहिभोहनित्तासवित्तासनिबेननिहास  
 कछमुखमौनलख्यौ अरुनावककेजलजा  
 तकाजोरिसरंगपरेनयनानिरख्यौ अहोयो  
 लखियेंतियकीगतियोतवजुदशापांचवरीप  
 राख्यौ सजियेंसजजुंजुमपंकरिअंगनिकुतल  
 धूपदियेहरख्यौ ३२ **दोहा** रुपात्ताततेय।  
 जाहिकेतनकननियमहिहोइ रुपाकृत्यवि  
 चारनहिस्रथमजुवैशिकसो ३३ **अथम** त  
 नकोनियकेनियत्ताजनहीउरानवथ्यासंग  
 लेयतिहैं करुणाकरियेनोवहंईनहीसुक  
 रावंतहैरतिकेपतिहैं करकोमलसोमलजा  
 हतेमोननहीनदशाकियेजोबतिहैं सत्रनि  
 सनितोपतिकेकरमोहिलेलेबहय्योपरिसो

रस.



पदिहो ७४ **पतमानी** राठकाठसमानकठोर  
 हियेहठरूठियेसौहनिमौविहरे जिऊकारि।  
 लियोहमिलावकभानिसपाएपरेहपदेलिथ  
 ७५ शिरनाइकछूटिगढोलिचल्योजबमंदरा।  
 हीहहरेसहरे छतियाकरदेतियकेपतिमोंह  
 गनीरभरेधुकिपाएपरे ७५ **दोहा** नायकच  
 वरबखानीयइतगलभानिरसमानि वचना।  
 चतुरइकहसरोक्रियाचतुरउनमानि ७६ **व**  
**चनचतुर** अतईनबनीरहनीलचटादशहंदिश  
 दामिनिमीलसकें निकसीजगतामिनिजाम  
 गयेबिनसंगसहेलिकेसाहसके चहरातिना  
 दीहहरातिवनीबनजंसजगेहिहराथसकें स  
 निमंदरिरसेसमेवनमैकरिपोंकरिकोनसा।  
 हायसकें ७७ **क्रियाचतुर** उऊकेऊकिजो।  
 किअचानहीपियपेमपियुषतसंगपिये का  
 रिकोलिसंगलयेनांगीनखरेखनिखंडबा।  
 आनिलिये अछेदतिसीतिरछेकरिनेनका।  
 छतिरछेहसिहेरिहिये ७८ **दोहा** पतिआ  
 रुउपयतिपडऊअरुबैशिककरिभोग इहिपा  
 रिविलपदिबिकलहेनबाफिरिहोइवयोग ७९



५२  
 १५२  
**पतिवियोग** नीरव्रतैः नमयंकमखीवचनामृत  
 केशशिखारसहारैः जंघनगणोकदलीदलज्यैः  
 तनुलंकमनालनिमैः कलकारैः नामिसरोज  
 नदीत्रिवलीपगयानिसपल्लवरूपसुहारैः सो  
 धनिमोमनुमाहिबसेहोतऊनपरेतनशीतल  
 तारैः ६० **उपपतिवियोगः** सरसीजलकेलि  
 ऊतहलकौनिकसीनययौवनजेबजगी मु  
 खमोरिकब्धुमुसकाश्चरैः श्रंगश्रंगडमद्गज  
 लिङ्गी तबहोसिसहीमिसहीडगदेमगरो  
 किरहोछतियाडमगी चितयोंफिरियांतिर  
 छंतियकीअजहूँकलकेछविनेनजगी ६१  
**वैशिकपतियोगः** रसहीविभोसरसीकरिके  
 रुहरेहियरेहियरेहियहेरिहरे ऊकिलीच  
 त्रीकतवारनहीभरिश्रंकतजेपरिभभरें क  
 बहंपगहूँनपरेचितवैकबहंपुनिआपुहीया  
 ३परे निशवासरवारबिलासिनिकेविच्छु।  
 रसियानहिथीरधरे ६२ **दोहा** नंदमचिव  
 तिनपतिनकेकहियतचारिबषानि पीठमं  
 दबिदचेटपुनिचोथविदूषकमानि ६३ मा  
 नुकरैजबमानिनीजानेमानमनाई पीठमंद



सो जानिए वाते कहा बनावै ८४ **पीठमंद** क  
 हाश्रुतिही करिको पकियो अत्र हं ब कहा क  
 रुणा करियें हसि बोलिये यों वचना मृत सों  
 सरिता सिगरी युह सी भरियें अहो बं कवि।  
 लोकनि नैं कविलो किमये कमुखी हिय रा  
 हरियें सुनि सुंदरि नो पिय को न पुदे विमा।  
 नों तिहि पाइ विही परियें ८५ **दोहा** काम  
 कला अति चतुरचित्त वात नही हरिले त सो  
 पावे विदनाम जो मिल पद पति देत ८६ **वि**  
**ह** इत आनि दोन कियो शशि बसुधार स  
 धार शशी लहियों कल गेजत मत मधुब।  
 पुंजल ये मलया निल ज्यों वहि है नवपल्ल  
 बलोल कयो लनिल ऐव रनि नायक साया  
 कके गहि हैं कहियों कटिका मिनि कों क  
 रिकेतु अभान गुमान हि यें रहि हैं ८७ **दोहा**  
 जब दंपति संकेत मित सरजर सहोइ तिस  
 ही मिस उन ते चले चेटक कहि बत सोइ ८८  
**चेटका** इति सुंदरि श्री हरि वंश ललारति रंग  
 कला अंग अंग ल्यो उन चंपक चारु मनोह  
 र मूरति सुंदरि को मतले विकल्यो इति वीचि



153

विलोकिवसंतममेसुतपंतदिनम्मनिनेजना  
 ल्यो मिसहीमिसहीकहिप्यासलगीसरिनात  
 टचेटकचेतिचल्यो ६५ **दोहा** अंगअंगडीरवि  
 नूपकरिडहेउसजावेहाम ताहिविदुषऊजा  
 नीयदरहेदयतीपाम ६६ **विहवा** सतिरीस  
 निसुंदरिमेजसमीपलखीतबहीछलहीछ।  
 लसों अथरामृतपानकोदोखिरहीदगमं  
 दिकहोकबहीछवीसों इलसोंऊचकंचु।  
 किःखोलनकोजकोभुजसोंभरिअंकनसों  
 उनऊजुलहेइहिबीचिविदुषकबोलीउचो  
 चयुथसों ६७ **दोहा** सेदथभोगमंचतन।  
 कंयअससरभंग इतिविवस्मअरुमनप्र  
 लयआगेसातिकअंग ६८ **सात्विक** परे  
 पगुमनुरपेमसखेदकपोलरुमंचितअंग।  
 लख्यों अरुबोलतकीरसनासरभंगपरी।  
 पियरीमुखमेरुख्यों जलकेमधुराथरको।  
 पभरेनयनालसनीरनंगलख्यों अतिहीमा।  
 नुलीनभयोभरजानकहेहरिवेशललानि।  
 रख्यों ६९ **दोहा** सुरतसमेथिरहेरहेभा  
 वभावसिगार सोसभोगवियोगमहिडवि

रस- रस-



धरुपसंचार १५५ **संभोग** विधुरेनमपुंनव  
 हूचकनेशशिर्मंडकपिलिघोडुलस्यो नित  
 तेविनायकसायकसेश्वथौनवनारकथा  
 रथसे कलकृतनमंनुकपोलकलापित।  
 रोलनकोचनलाललभे थिरनावितविशु  
 लताछविमौगगनंगनगंगतरंगबसे १५५  
**विद्योग** योबलिवाल्तविहालभईजनश्रां  
 लिममैनहिजातनिहारे देनकलाइतीजी  
 नलईनमइनीहैनेतिजगीजननतारे सोह  
 तिहैअनिइवरीदेहइहैछिगकीपसरीअनु  
 हारी देखनकोहरिवंशतमेजियहंसम  
 नौंजगपंषयसारे १५६ **दोहा** जंबबिछुर  
 नवदंयातीउमगेप्रेमतरंग कमहितहोते।  
 अनुभवतदशोदिशगनिजश्रंग १५७ अभि  
 लाखचिंतास्मृति मनकीर्तन उद्देग प्रला  
 प उल्हाद व्याधि नडता निधन अभि।  
 लाष १५८ अनुगभरेअरुणोदयलौंरति  
 रंगरमीअतिआनुरहै आसाईगईलनि।  
 सोहरियेशेमसेदकपोललगीलटहै ग  
 ईगिरिवेमरिनासिकतेमिटिगोलतनेनलके



154

सरीछे सुसकानिमनोमखसोनभईबहुयो  
नियकीलिविहोछुविबै १५ **चिंता** अति  
सोहतिसंदरिपसेरावरनीरननेनकैरपरमे  
अंगअंगतरंगजिमैइतिराजतनाभिमनोहरा  
भोरनिमे लखिलेत्तपलोचनजाइपरसं।  
गहीमनअनिपय्योउनेमैगडभूमनिइविग  
योअथकोत्तपलोचनअंगअमे १६ **स्मृति**  
गिरिगैअंगअंगबिहान्तभयेरणरंगहलछ  
नदेहछडी नभरीजलतीरजसीअवियानत  
जीगहिउरथसासबडी अंगअंगतरंगभयेन  
वसंगममोहनकीउमडी शिरनाइरहैमुख  
मोतगहैरघुबीरहियेशियआनिगडी १७  
**गुनकीर्तना** ननजोतिनगेजुवतीजनमेउ।  
तलोत्तऊरंगनिनेननिबै भृकुटीतरभ  
गतरंगनिमैमुखरूपमयंकभयेबिनबै के  
चोचिमयूरनिबैनसथारसचालिमराता  
कैमाहदबै इकडोरकहूनजदेनिरौपंतमु  
संदरिसाजसबै १ **उद्दंग** बिरहानलपु  
जसमानइतेविधुमैउत्तआनिउदोतलिये  
अतिउजलनेनसरोजबनेवनबारनबेखव

रस



सेतचिये रजनीरतिनायककीतरवारवि।  
 दारतिदेहहलाइहिये अतिदीनमलीन  
 मयंकमुखीइहकोनविरेविषयेचाकिये  
 २ **मलाया** अहोआजुमयंकमुखीछ।  
 बिछोडिकितेंचितचौरतितापतयों अरु।  
 आनुबधुकिमलेननिमामनुभुंगरेमेकि  
 तहौचितयों कहिआजुपुंचेफकटममना  
 ननछोडिछुयोकरुहाहितयों विछुरेहा  
 रिणाछेयछेइहिभातिनरंतछुवीलेहिछो  
 भभयो ३ **उत्माद** विभ्राजतसेविकले  
 कमयंकमुखीमुखमंडलकामकयों विक  
 सेवरवारिजनावतमोरचकोरमनोभवसो  
 निकयो तमकासीमृगीमृगावातिवैयोंन।  
 किनेरमनीदृगनीरजयो बिलयेबिकताह  
 दसापियजुविछुरेतमदुरोउत्मादभयो ४ **व्या**  
**धि** कामशरासुरकामशिलीमुखवेरतिना  
 यकआनिबसाई लोचनलोहितभोंहलता  
 नप्रमानसंदरिसेजसुहाई योविधिदेवि  
 इहनिवगवरिनेकनहीचटतीअधिकारि त्यों



152

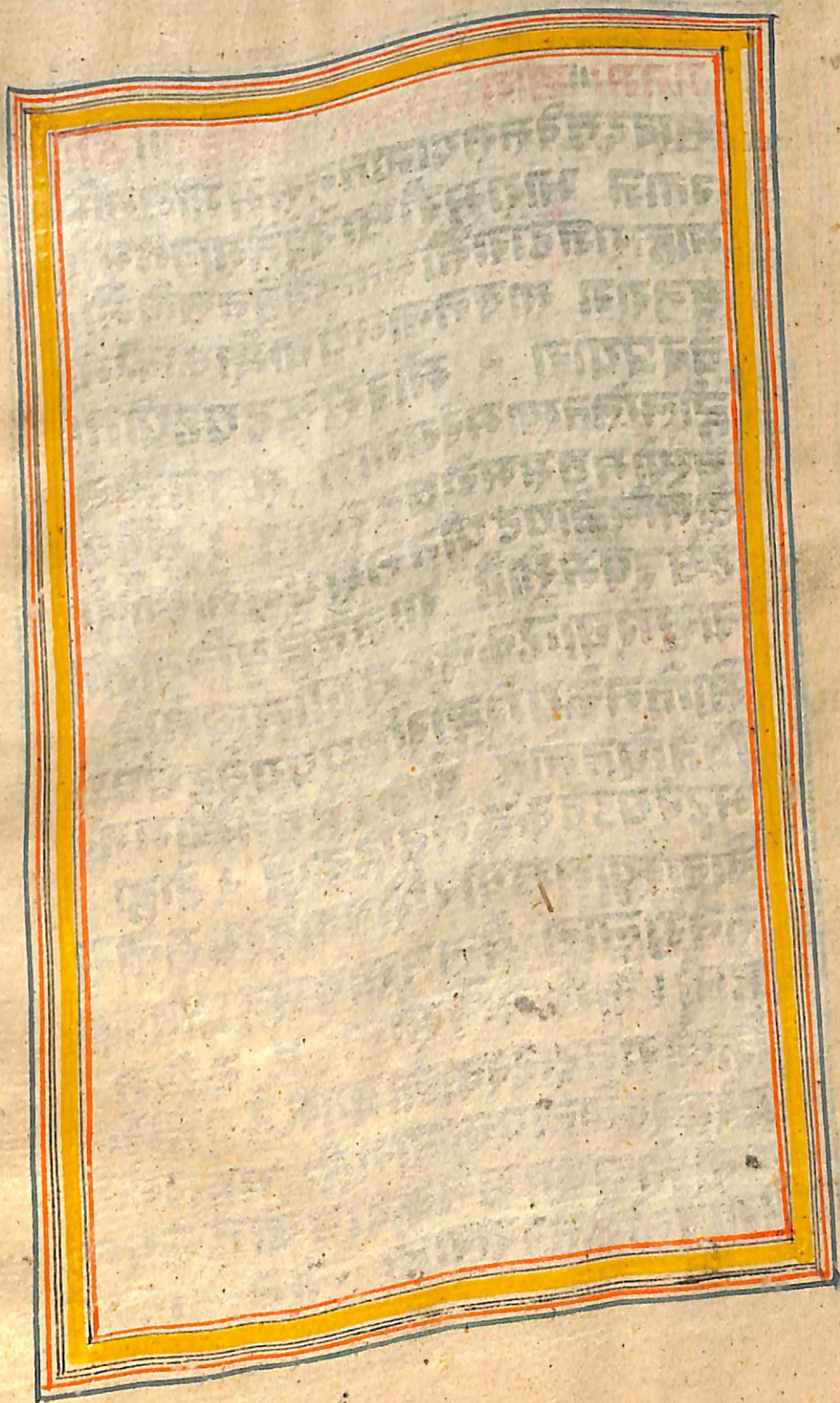
155

यु वतीमनया  
नसमनगतैरु  
लीतनकीतनताई ३५  
रहिगेकरवकनबालबिता  
नितलेग्रवाउरसासहि ३६  
लोलिकपोलनिजंडलेगरहिनेतनिमेषपि  
सकियेकहिकेसेकेजीवनयापसतोरतिसंदरि  
ये तबनेननमचउदचितकेतनजाचासामलना  
रूपदिये ६ दोहा केसपनेकेससुखकेतविचअलमान दरा  
मलिये ६ नकोवविषनकरहिबखान , सपुउरकोमुकुतामयहा  
सनेवारमउइ निकोवविषनकरहिबखान , सपुउरकोमुकुतामयहा  
रनहीकोनहिकेकाओटकियो मनिजंडलेग्रवाउरसासहि ३७  
मनिनूपाओरदियो लियेनवलीकेनपराहनपहिरवनमालविराजहि  
ये श्रीमतिरावोसपनेमहचोरनिनोनिहीहोमनदोरलियो ७  
ये काहीकहोहसिनीबीहोजलियेनवरवमउइपुकी करवी  
३ चिकरेमधुरायरमानकपोलनिमुदशनंकडुली भुजहोभिश्रिक  
मेलेमुवसेजसुवाइकोरनिरासुवी लोविकेहमिवेसाहिजिनि  
वोहियाहोतसशमयेकमुवी ६ सादादन हदोजनिरवितंच  
लनानिअराजलजनलोलयेंहे करणाकरनिनजनीरभ  
गोतमहंनयरोयलकेयलहे सिरसोहनमाननिको  
चंडबामरलीमधुरायरमपुखे नवनीरद  
सुंदररपामलहोसहदारीलोच  
नगोचरखे ८ रतिग्रीव  
संजरीभावासंघ  
तंसमाप्र  
सु

रस

रस  
२२







ॐ नमः ॥ श्रीगुरुवे नमः ॥ ॐ दोहरा ॥ ॐ ॥  
 सखदसुवेससयात्तनसभमामनसि  
 रताज भागभूरीमावैतैसावनसी।  
 माहाराजठारासासतारुवैवंचलधिभो।  
 अनुराग सावननामपंचासिकाकीनी  
 चंदप्रयाग २ मोरमुकुटपटपीत।  
 हीललितस्यामरंगगात सावनसीचं  
 नस्यामचसमदोषदरसात ३ सवैया  
 दामनिजोपटपीतलसैंधनुमोरकीरो  
 ट्यत्रूपमसोहै गाजतहैधुनिवाजन  
 वासरिचानुकचंदसाखीसाखजोहै  
 मोतिनकेपरिहारहिपपयचंदसंघउ  
 चितैचितमोहैं दोऊहैंचंनस्यामनमैं  
 भट्टदेघउटैककुभेचहिकाहैं २ दोहा  
 वोवास्यामम्वीरसितवादरमुरुनाम  
 रुनगुलाल खेलतसावननृपतिकही  
 होरी। ललितविसाल ५ कवित्त  
 फिलीगनदादरबाजावतमदंगहाफ  
 हरेहारदयोनापकलागही पातरसीदा  
 मनीजोमचतमनेकगतचातुकधमा  
 रेगावैनीकेसररागही लाहखेतस्या



मचैनमलताश्रवरचोवावृदैपिचकरीष  
भीनैमनरागही सावननरेचालियेंमोर  
नसधानसंग-वतहैचंदआजषेलनयो  
फाही २ **दोहा** हरितभूमकालीललित  
वादरतनेवतान मानोसावननृपतकोनी  
कोलसतदिवान ८ **कवित्त** वादरवतान  
चारुकोहिलकनानेंतनीधीरनतनावैसे  
चकसीदेकसेसके सौजसौपाटकेविहै  
नाविहैहरैनाचतहैमोरकिपगीतकस  
वेप्राके॥ चनहुंनगाजैयहवाजैसदिया  
नैपौरचोलतहैवंदीवरचातुकसदेसके  
जुगनूमशालैलिपचामीचोपचदारफि  
रैलागोहैदिवानेचंदमावनरेशको॥९॥  
**दोहा** चटवाटरइकवौथथटचटाफीजकी  
कोर पठपकामनरेशकेरहैयोरचक्रओ  
२ **कवित्त** गाजतनगारेभारेतडुतातरा  
रैतेगवादरपजोधाचंदसमरडसंगहैं च  
नकनकीवमोरनाचतपटैलआगैवृदैजल  
वांनगोलाप्रोरेजातुफंगहैं करेपीरेधोरे  
लालसिंधरनुरंगप्यादेरथचैनचौरचटाच  
मूचनुरंगहैं प्यारैजूसोमानकिपमाननी  
जोरहैं कोऊकीजिपनसीहतपपठपम  
नंगहैं ११ **दोहा** खनगाजनवाजनवजै



५७  
 १५७  
 नृत्यगीतचहंमोर सानोंसावननृपतकेभरीव  
 थाउं पौर १२ क. उतविहंगवकनटवासेलारे  
 ऊवेंनाचनहैवातरजोछुटाउनमादीहैं गार  
 जतहैकारयेनवाजतहैंडंडुभजोगावतहैसाम  
 रिचाकेकीबेदवादीहैं दादरअनकजीवचंदी  
 जंनभौरमारीवरषतहैंथारायनकरननतादी  
 हैं चातुकज्योउड़ीदेतकसनापकुकआज  
 नृपसावनकेचंदभरीसादीहैं १३ दोहा ग  
 रजगरजआवउमगभरेपवनमंदजोर रहैंउर  
 केसरकेनहीराजवादरसिरमोर १४ क. कारे  
 कारेवादरवैलारातउरारेभारेमदकेपनारेबदपुर  
 बालिषावतौ चातुकमसूरककेदादरपगडेद  
 रफिलीगनपरेगरेचंटायेन नावतौमारमार  
 ओकुशकुटारलसेरामज्योपवनधकेलेलिप  
 ल्यावतौ गाजनगाजभिरैदोऊदशानलोरक  
 वलाकादीहसावननरेशामेसैहाथनलराव  
 तौ १५ दोहा कारेवडेविशालतनपहलवान  
 चनपह भिरैगावबुझैरहैं वननृपतिस  
 नेह १६ क. कारेभारेवादरउरारेधूरभरेव  
 उवडीलवारेवाधेपकआनहै पवनसजोरै  
 चंदलेजमफिरावेवीजगाजैभुजषाभटौरै  
 रैआसमोनहैं कूटकूटभिरैकरैभातनम  
 नेकदावछुटीजलधारेअमधारेधरगतहै  
 कोपकियअरेरहैतरैजनवनेनैकसावन



नरेसकेअसेपहलवानहै १० **दाहा**  
ललितसवेसाहिवसननतलादेउडुनव  
सात सावनसाहपछहनेचलोपहार  
हिजात १८ **क०** कोहिलसवासपाठमो  
रेजोअनेकमेवाजगनूजरवैचंदकेन  
हजारके करिपोरेयोरेलालवादरवन  
तोथोनदामनीकनारीधनुचीरेजरतार  
केवदनअघंडमोतीसूगाबुंदवभूभरे  
मेरापितृसोरजावहीरभीरभारके सा  
हावनोसावनवसातलियेपछमत्वेआ  
वतहैचलोयटाबाधेज्योक्तारके १९  
**दाहा** दोरयदेहउरावनैचपलादशनक  
गल आवतवादरमेरजोगर्जनहलैपिया  
ल २० **क०** कारेपोरेरागकेउरारेडीलवार  
चंदगाजतमुकाशपरे ऊचेरारपरहै  
भूटीजलधासठामायेसखफारेदौरस  
नातिकारेचापकरेजगजेरहै दामनीह  
लापपूछराटनवलाकादीहपवनसजो  
रभरेकोपकियेहैरहैरुहनवियोगीमरा  
वादरपचारोऔरसावनमगेसमेजेवाद  
रयहसेरहै २१ **दाहा** २ एतजंगवलि



१५२  
 १५८  
 फिलिगनगाराजरवाइवेन वादरपवज  
 लेवकेश्रावननपकेसैन २३ का० कारेण  
 रेगवासकलगीहैइद्रचापवडेवडेज्वा नवेद  
 वाकेमुलवेसकेकिह्रीगनचातकजोदाद  
 रमसुरशोरवाधेकटिजेगमातोवाजैभले  
 भेसके गाजतरवाईपहैदामनोहलाप  
 छरीधूटीजलधारेषेदगामीदेदेशदेशके  
 वादरसमेहसैसैपवनतरंगआगेदोरन  
 जलेवदारसावननरेशके २३ दो० नील  
 वासतसवीछुटामोनतककेनिवाज हा  
 जमुलानेमेचयपटतऊरानहिगाज २४  
 क० कारेचननीरवासतसवीफिरावोकी  
 जनीमेककआयेत्वाजमोनतमुतायवा  
 नूदेजलगौरीउारेपोनपटमेचसैफीचा  
 नकपुकाऊचेसवरुहकायकी सोहै  
 वकपाषकाषतर्वकैऊरानलियेइद्रधवु  
 कीनेजोपलीनेहजरायती गाजनहैवा  
 गोदेतसमतककारेलेनसावनमुलाना  
 यनेआवनविलायती २५ दो० चुचेल  
 लितमुनेकरंगदशतवित्रसलेष वाद  
 रसावनपतकेनीकेसंदरदेष २६ क०  
 कारेपीरेलालरंगरागेहैमुनेकवित्रयो



रथीरेऊचेचारकलासासुदारहै बृदनम्रधं  
 इधारनोरतकीमोतीजालदामनीपताका  
 लसैजरीजरनारहै **नेकहिं** पुलैतेउवय  
 रकरोषारंधवीचवीचनाबेलसैसीसासे  
 निहारहै वादरसमेयचंदनीकेआसंमान  
 लागेसावननरेसकेसुवेमसम्रगारहै २०  
**दा०** गरजतवतनलियेंरधनियूमरयूमड  
 उप २८ **क०** यूधरेसेरेयनपेहरहैठीपीवी  
 रागातसैलपेटेरोरादामनीउतारकी उद  
 वधूपादीभालचंदजोरनीनहूकीमयवाके  
 चापपडमालाफुलकारकोतुलफसधार  
 जलकूकरमसरकूकेपीठलियेंपुरवाज्योमो  
 टचरेभारको दादरमनेकमोटागाजतहै  
 सोरपकसावतहैसावनज्योगदीपहारके  
 २९ **दा०** परेफुलकाबालसतम्रतिहिसर  
 ग मानौसावननपतकेवादरललितनरंग  
 ३० **क०** कारेपीरेथीरेगातयूधरेमनेकभा  
 तहैरनहै ३१ तैउसरससरगहै लाललालरं  
 गपरेगजतवनानीजीनकावाचारुमोतिन  
 केवृदनाउमंगहै फिलीगनहीमतजोगा  
 जनदेवाजैपायभवोलतहै मोरिडोरवाथी  
 भरजंगहै दामनीलकामंदियेंफेरतयव  
 नचंदसावननरेप्राज्ञकेवादरनरंगहै



३१ **टी०** जलपारा कूटो जटा मनिष्ठा कर  
 संग सावन साहमदार के वादरु ललित मले  
 ग ३२ **क०** कोहिल वभूत थारे जटा जलप  
 रेपरी वोलत है किली गन वाधे कटि जंग हैं  
 उद वधू से ली गारे कोटा वग पात परे ओटे  
 मग छाल चटानी की स्यां मरें गहें दादर  
 मसर वेद चाट कहै वेला चार सा कर फिरो वे  
 वी जयूम तउ मंग हैं गा जन है किली डार भी  
 षमागे वारवार सावन मदार जके कादर म  
 लंग हैं ३३ **टी०** टी के सहित सुवासन नगर्ज  
 न विद्या लेस मानो सावन नृपत के पंडित वा  
 वादर वेश ३४ **क०** मय वाध नृप चंद के प्रार  
 केटी के भाल स्वेतरंग वारो गारे पूर्न नृपति  
 के कारे गन ऊपर उ प्राले लिये का प्रामी  
 री छटा उत्तरी यपरी सेवक श्रीपति के  
 दास्य पीह पीक मोर सिष साषा संग पट  
 न है वेद सागं मुग म्मतिके गर जन है हर्ष  
 भरे वोलत म्मसीर वादर ह पंडित पसाव  
 न नृपतिक ३५ **टी०** विरह वचटो ज  
 देन उख किये चहुं दिसि जोर कैप कि प  
 यह कोमि पवट वारे यन वोर ३६ **कवि०**  
 विरहो डूषात परै वादर हग मि चोर माने है  
 वधा यय ते गिरन गदी हनै पवन ध के  
 ले दै है सच है रनै उतै कारे भय भीत पा



यऊजरीसवीहने धनुषचरायधेको  
 चावकज्योदहापरैसासुजलधारपु  
 कारेदीहदीहने मैसैहीगनाहिनपैकी  
 जिपसुनीकेदसावननरेशयोकरावतन  
 सीहने ३७ **दोहा** ललतहिवासविसा  
 मलतनगर्जतमधुरजवाव सावनभेजे  
 मेयपवनैवकीलवनाव ३८ **कवित्त**  
 स्वेतस्वेतवादरजोवसनमरूपगरेदामनी  
 लपेटेवीराभारीचारुलीहै जुगनूजरा  
 वसालैऊपरसयामयननहैजलमाती  
 मालमतीकोससीलहै पवनगगंदचढो  
 गर्जतजवावस्वालचातकमसूरचेरेवान  
 कियेहिलहै मानपातमाहृकेचंदसस  
 कयवेकोकामपातसाहभेज्योसावनव  
 कीलहै ३९ **दोहा** परममनोहररुप  
 हीहर्षतमतिदर्शात सावनदूलोमाव  
 हीवादरलियेवगत ४० **कवित्त** पवन  
 गगंदचढोयहापकवाधेठाटचातकम  
 घूरचंदीगावैकरभातके वृदनम्रघंड  
 मोतीसेहराविराजैपालजुगनूहैगहै  
 नैजराऊनेकजातके चापहिपहारलसे  
 चामीउतरीयचंदइदवधूरातेरंगवसनस  
 गानके गाजतवधाईवजैमंदमंदआवत  
 जामावनहैहलालाकवादरवरातके **दोहा**



१६०

पवनवाजिअसुवारघनलसैंबीजहय  
 पार मारतठहेविरहमृगसावमकर  
 तसिकार **४२ कवित्त०** वादरसुवार  
 चदपवनतरंगचहेतुगनवंडवीकूटे  
 गजैतअपारहैं उंद्रचापयनूतानडारे  
 जलधारेवानदामनीलसाकेनकाहेहथि  
 यारहैं चानककलापीप्यादेदादरहैवी  
 तेस्वानफिलीगनडौडौदेतकूकतपुकार  
 हैंठठठठ **४३** मारैतनविरहवियोगीम  
 गसावननरेसपसेषलनसिकारहैं **४३**  
**दोहा०** वसनवनातीरंगहरभपउमगर  
 एवोरवादरसुगलरंगनकेकरैरंगी  
 वाग **४४ कवित्त०** वादरअनेकरंगचो  
 लहैसबीजजरीवाधेउद्राचापनीऊनापु  
 रमानके लाललालरंगटोपीगाजत  
 मृदाबादेतवडेमेयजोधाचेरवाकेपक  
 मानकेकरैमलषगीरीजानगीरीपघोठ  
 मकीचाहैअवलिपदेशामंगचिद्राजान  
 के पवनतरंगचहेसमरउमंडुभरेआव  
 हैचलैवनेसुगलरंगनके **४५ दोहा०**  
 परेरलगरजनमहादीर्यकरैरंग मानो  
 सावननपतिकेवादरमनमतरंग **४६ क**  
**वित्त०** दामनीजजीरपरैदातनवलाकादो



पकिलोगनगारेलसेचंचननातहै ला  
 ललालवादरवनातहै केरूलपरैछुटीजल  
 थारैमंदथारैदरगतहै धुरवाहैचौरचंदध  
 नुषसधूरलेषेचातकमाहावतलेनरैभर  
 गतहैकारेभारेजोडुगारमतवारेयनसाव  
 नतरेसपौरहाश्रीगरगतहै **५० दोहा०**  
 अनकरंगवादरलसेतडीफौजचनुरंगच  
 मकैवामीनेगकरआइसमरउमेग **५८**  
**कवित्त०** सिंघवपनचढकोहिलकवच  
 मचढचाहैचंदमानगहवासीपषधामकै  
 उदवापयनुपानडारैभरभालनालबूदे  
 विसवारैकनवाकेपकवाआमकैकापकि  
 चंदामनोलैदोरेसमसेरेकाढवचोहैनकै  
 दूविनामेढैचंस्यामकै गाजतनगारे  
 भारेलागतउरारेअतिकारेवादरकाररे  
 भटकामकै **५९ दोहा०** गिरसिया  
 सक्त्रयंनजलधाराअसनान सावन  
 कोअभिषेकभौवसंधारातप्रमान **५०**  
**क०** कुंदतमचानगिरछुताचनछुत्रचं  
 दबूदनअखंडमोतीकालरसुनेकहै बी  
 जनवलाकापाषचामरज्योकापालमे  
 गाजतनकारेवरवाजतअनेकहै नाच  
 तमधूरछुटाफिलीगनगीतगावैचा



तक अनेक भूपभरी भीरप कहै दादर  
 रिषीन मिल पड़े वेद मंत्र ऊचे सावन नरे  
 राज को राजन अभिषेक है ५१ **दोहा**  
 छापा साधारु सखल है सावन नरवर देष  
**५२ कवित्त** सयन सयाम दोऊ छया  
 मंदोऊ छया कृताछा परत मविंदु बूटे  
 मालवाल वीज लताल सक मनेक भात  
 हगन पपेरुद्र कीव सवे केयर है साठय  
 इद्रवाप चारुपल्य वला का चंद चातक  
 बटोही कूकीर है आस भरे हैं सुषद सत्र  
 पवने ग्रीटम की धाम हनै सावन के वादर  
 कैनी के तरवर है ५३ **दोहा** पुरवास  
 उविशाल तन हरत हियो मकलेश मोटे  
 वादर घाल गज सावन जान नग स ५४  
**कवित्त** वादर वसन मोटे दसन वला  
 काप कल सत विशाल सू उपुरवास वे  
 श है परे जल थारै चंद हार हिये मोति  
 न के राते यन गातरंग हरत कल स है चा  
 भी चारु साकर ज्यो पूरे द है वारो दि साम  
 यवा के चाप साय गरै पुरो से स है राज  
 त निहारे त्यों ही वियन बिडारै याम सावन  
 समा सकी धौ राजन ने स है ५५ **दोहा**  
 मे च थार विश्रु रीज यद शत ललित सवे स



और बाजन गाज ही सावन देव महेश ५८  
**क०** छूटी जल धारे जटा श्री है ये न यटा  
 लवा दर विभूत सेतल सत सुवे सहै दा  
 मनी जो लसत या कामनी जो लिये सग  
 द शौहि चंद कवहरत कले सहै चात  
 कमयूर गन गाजत है और धुनि सावन  
 समास कि धोर जत महेश है ॥ ५७ **दोहा**  
 वादरहु मवे ली छटा देषत वटे अनुराग  
 जल भरि धूम विमाल सर सावन के वर  
 वाग ॥ ५८ **क०** करे पीरे धोर रंग दामनी  
 लपेटे लता मये उचै उ चै च न नी की तर  
 वर है सचन सचटा पा पछाया चंद कुंज  
 न की वडे ताल भूमर ही नीर भर है ॥ ५९  
 द्रव धू जुग नू जो रगल ममने क फूलै  
 छूटे जल जे वज ॥ लधा गुर न रूर है  
 को हिल दिवार दिप गा जै सार पछिन  
 को मावन नरे प्रज्ज को वाग हि यो हर है  
 ॥ ६० **दोहा** ॥ अरे गरमि गट मोर तै वंधे  
 मे चट्ट हवार गाजत वलै वट्ट कही साव  
 न है सिरदार ॥ ६० ॥ **क०** ग्रीष्म गतो  
 मह केषाम कोट लहवे को सावन नरे स  
 अरु उमग उमग है वादर के सार चा  
 कै चारो और चरेर श्री गजत मयार म



१६२  
 हाकूटननफंगहैं चंदइंद्रचापधनुनीछे  
 जलधारासर चातकमसूरफौजउमडी  
 तिमैगहैं पूररहैमासमानेदामनीऊकू  
 करतैउतैरौऊप्रीरपरोजोरजंगहै॥६१॥**दो**  
**हा०** दादरवाजीवांजय जगाजनचदासा  
 लमैसैरथपरलसतहैसावनश्रीभूपाल  
 ६२ **कवित्त०** कारेधारेवादरपराजनतरंग  
 नीकेवीचलालरंगहैवनातीजोवनावही  
 दामनीपताकासोगाजनहीछंदारसार  
 थीपवनवेगवाचाकलजोचलावही वू  
 दैजलधारचंदकालरहैसोतनकोचाव  
 कसहिंवचपेहीर्यलषावहीचातकन  
 कीवसारौकूकतहैऊचैस्वरमैसैरथवै  
 ठोनूपसावनमावही॥६३॥**दोहा०** गोदी  
 वादरनादधुनिगर्जनगगनमल्लेषसाव  
 नजोगीसिद्धपदशनललितसुवेषधध  
**कवित्त०** गादरीहैचराचैनकोहिलपिभू  
 तमलैकूटीजलधारैजरातीकीदरसान  
 हैदादरमसूरचेलादामनीभगोहीसेली  
 गाजनजोपूरेनाकूरोभलीभातहीडोल  
 तहैमातोभपोमासवपवनपियेउदव  
 धूमूगामालाललितलषातहैवंदवद  
 पाषाचारमुदरावलौरीकांसोवनस  
 मासकियोजोगोचलोजातहै॥६४॥**दोहा०**



मेचमतेगमरुठहैदरसतमृतहिसुसजगन  
 नैनमनततनसावनजानसुरेस ६६ **कवित्त**  
 वादरमतेगस्यामकरेसदमेचयावलाल  
 रंगजोमंवारीडरलेषिये किलीगनचंद  
 डोरआकुसपुगंदचापदामनीलसतदी  
 हसाकरवरेषिपपसेगजकठराजैजग  
 नहजारनैनचातकमयूरमंगेसैनासु  
 रपेषिप गरजतनकारेआगेपवनपि  
 लापजातसावननरेसकैसुरेसचंददे  
 षिय ६० **दीहा** गाजतवेदउचारहैवा  
 रमंगसुवासमेचकमेउलमंवुधमिवि  
 धिसोंसावनमास ॥६८॥ **कवित्त** को  
 हिलहैधोतीचारुवादरपुरेनामोहैद  
 मनाजनेऊगरैसंदरलषावहीउदचा  
 पदंउधारैराजतवलाकाहंसफूलेस  
 रकंजकसंलासनवनावहोसोहैकर  
 मंडलजोचंदसुधामेवभरैहोतहैपनी  
 तयोहीनैकदरसावहोचारोदिसाम  
 षमानौगाजतउचारैवेदसावनसुमा  
 सदेषब्रह्मावनैसावनैसावहो **॥**  
 ६९ **दीहा** दीर्घरसनादामनोक  
 पाकलिततनुस्यामसावनसाप



विसालमृतिजानतहैं जगआम ७० कवि  
 ३० क० रंगकोदुरंगीदोलवारोचंदचारो  
 दिशाएरहैअगमअपापहोउगनजो  
 जगमनीदामनीदमाकैजोभआवेमुष  
 पारैदौरकोपकिपकाही गरलउगारे  
 विषपरैजलथारेचपवनफुकारैदेनचंद  
 चितैतापही चलेकोनचंदमुखीगार  
 फरुपालपाससावननमासयहसा  
 वरोसोसापहो ७१ दोहा० भातअने  
 कहिरंगकेवाटरभरेवसातसावनजो  
 नजहाजहीदीयमृतिदरसात ७२ क०  
 बूदनमषउमेकुसातनकेभारमाना  
 दामनीकीनारीओरजरीजरेसाजहै  
 जगनूजरावनरामृगाइंदतधभरे  
 बीचपिकदादरअनेकलाकराजहैस  
 कथनुलसैदोपवायेहैवरथयानचात  
 कलंदूरवीनबूकतअवाजहै चंद  
 जगरमैवाटरवसातलादेसावनसु  
 मासकीयोसाहकोजहाजहै ७३ ॥  
 दोहा० षटाक्षरीचनगरदरीवेरर  
 लियेमयूरसावनभेषकलंदरीराज  
 नकपहिकर ७४ ॥ क० कोयैसाम

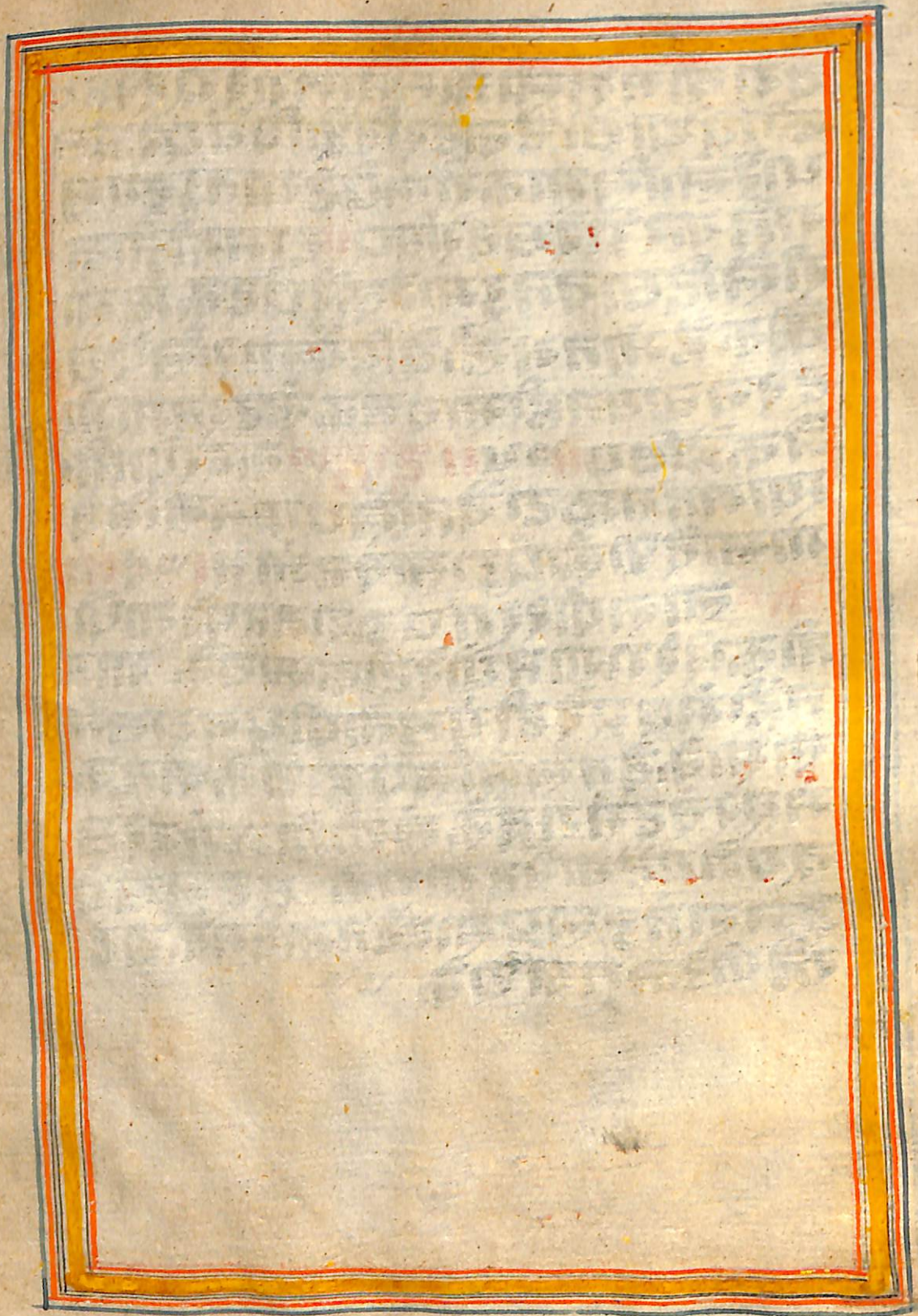


वराचामसेलीजोलतानगरेगदरस।  
 कीषियाओतेवादरविशेषियंपरेजल  
 धारैलोलीमाकरीलपेटेगातउद्वयन  
 गहैकरडौरैमवरेषिप॥ दामनीजोल  
 रीलेदिघावतउसारैकरैचंदकषिसा  
 चीकहैभांतभलीपेषियैमोरलियैव  
 दरनचावतहीसावनकलंदरतमामो  
 नैकहैषिप॥ ७५॥ **टोहा०** वादरपोती  
 स्यामतंतनछटावैतलिपपानवासिव  
 गालादेशकापंडासावनजोन॥ ७६॥  
**क०** लालपीरैरंगपऊराजतपुरैनाथो  
 तीकारैरंगगातधोरेटीकामायके गाज  
 तहीसंघपरैदीयमनोषीयुनदामनी  
 लसाकेवैतलसैलियैहाथकेचातक  
 मयूरचंदसंगहकेसंगीद्विजसंदरम  
 नयमेयटैयावेदगायके वृटनम्रष  
 डुजलतंडलप्रसाददेतसावेनकेबाद  
 रहैपांडेजगत्रायके ७७



६४

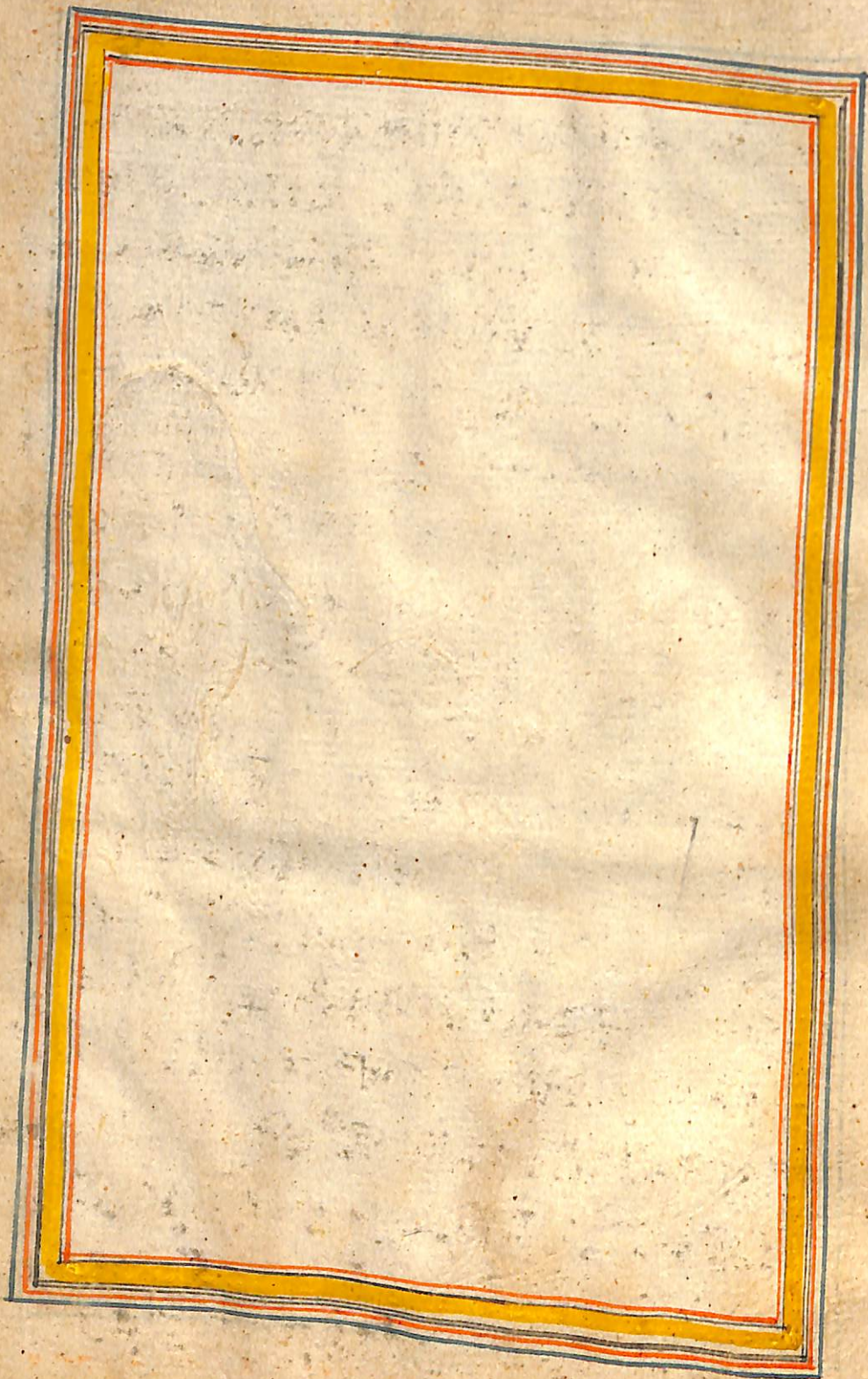
१६५













Handwritten scribbles in blue ink, possibly a signature or initials, located in the upper center of the page.

Handwritten text in blue ink, possibly a name or title, located below the first scribble.

Handwritten scribbles in blue ink, possibly a signature or initials, located in the lower right quadrant of the page.



